NFDC
cinemas of india

47वीं वार्षिक रिपोर्ट
47th Annual Report
2021-22

NFDC
cinemas of india

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

47वीं वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

National Film Development Corporation Limited

(A Government of India Enterprise)

47th Annual Report 2021-22

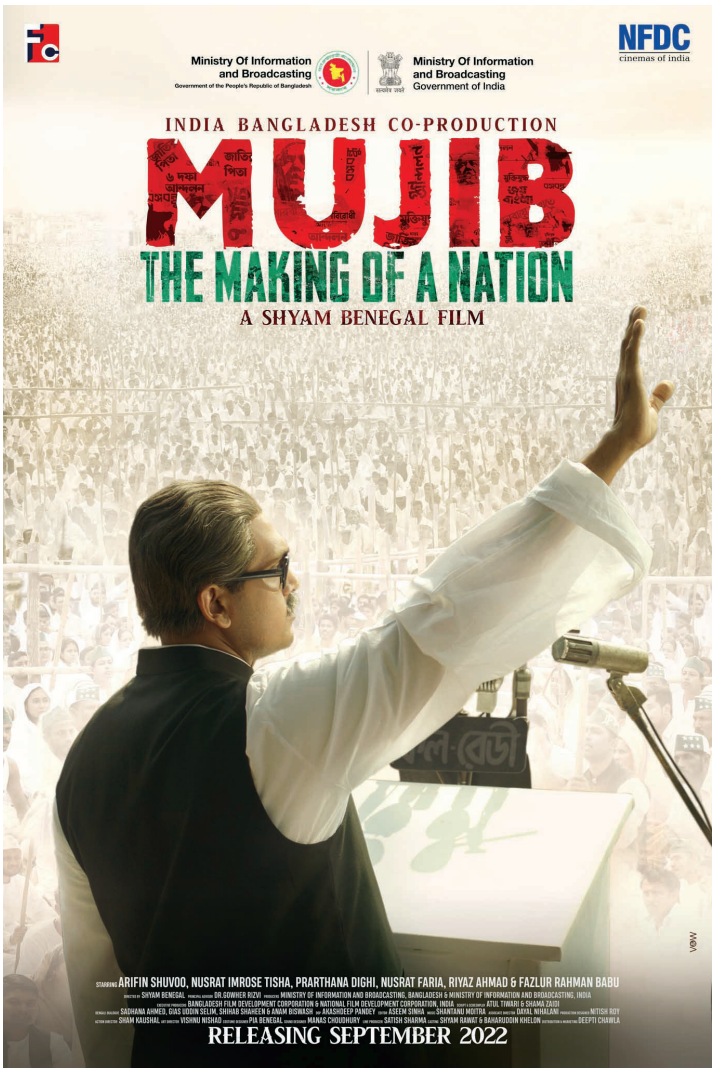
Ministry Of Information and Broadcasting
Government of the People's Republic of Bangladesh
Ministry Of Information and Broadcasting
Government of India
NFDC
cinemas of india
INDIA BANGLADESH CO-PRODUCTION
MUJIB
THE MAKING OF A NATION
A SHYAM BENEGAL FILM
STARRING ARIFIN SHUVOO, NUSRAT IMROSE TISHA, PRARTHANA DIGHI, NUSRAT FARIA, RIYAZ AHMAD & FAZLUR RAHMAN BABU
RELEASING SEPTEMBER 2022

NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION
PRESENTS
NFDC
cinemas of india
Chhaad
The Terrace
A FILM BY INDRANI
CAST PAOLI DAM, RAHUL ARUNODAY BANERJEE , RAJNANDINI PAUL, ANURADHA RAY
STORY, SCRIPT & DIRECTION INDRANI DIRECTOR OF PHOTOGRAPHY SUBHODEEP DEY BACKGROUND SCORE JOY SARKAR EDITOR AMITAVA DASGUPTA SOUND DESIGN ANUP MUKHOPADHYAY
PRODUCED BY NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED (INDIA) PRODUCER DHANPREET KAUR EXECUTIVE PRODUCER PP MATH MARKETING & DISTRIBUTION DEEPTI CHAWLA

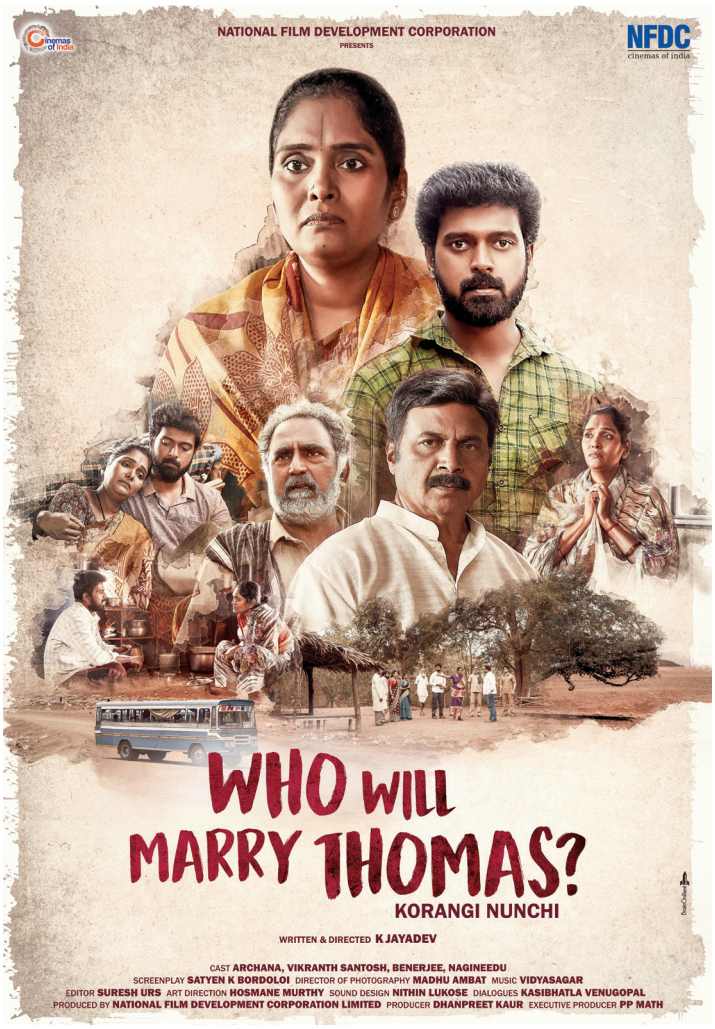
NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION
PRESENTS
NFDC
cinemas of india
WHO WILL MARRY THOMAS?
KORANGI NUNCHI
WRITTEN & DIRECTED K JAYADEV
CAST ARCHANA, VIKRANTH SANTOSH, BENERJEE, NAGINEEDU
SCREENPLAY SATYEN K BORDOLOI DIRECTOR OF PHOTOGRAPHY MADHU AMBAT MUSIC VIDYASAGAR
EDITOR SURESH URS ART DIRECTION HOSMANE MURTHY SOUND DESIGN NITHIN LUKOSE DIALOGUES KASIBHATLA VENUGOPAL
PRODUCED BY NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED PRODUCER DHANPREET KAUR EXECUTIVE PRODUCER PP MATH

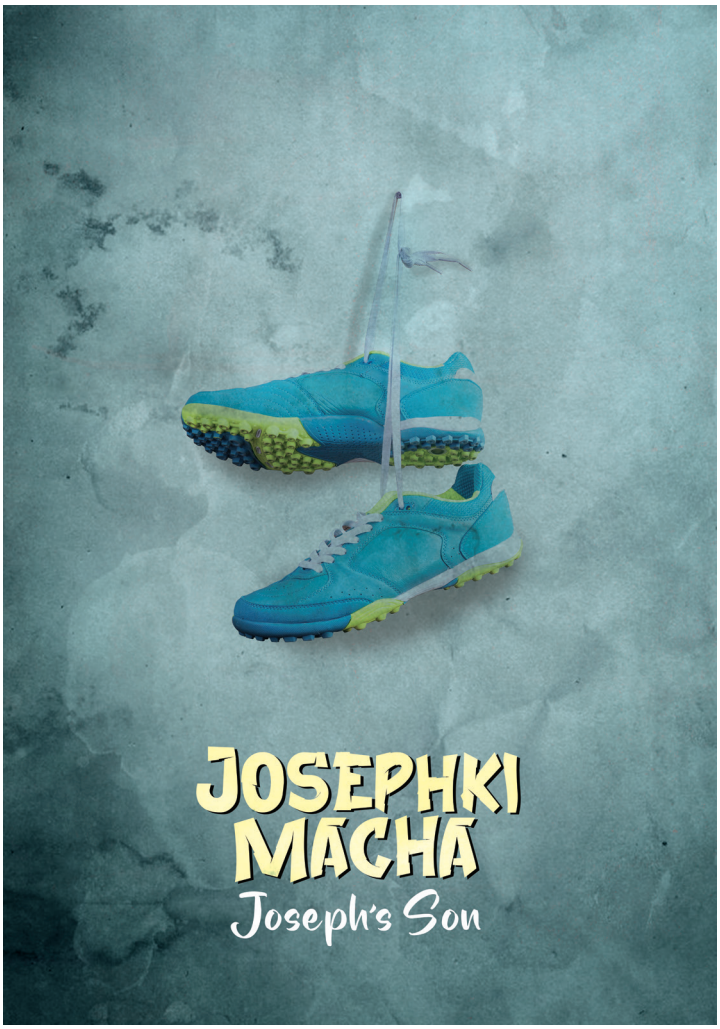
JOSEPHKI MACHA
Joseph's Son

विषय सूची Contents

निदेशक मंडल
Board of Directors....5

हमारे बारे में
About us....7

फिल्म निर्माण
Film Production....8

वितरण
Distribution....9

प्रमोशन
Promotion....11

एनएफडीसी लैब्स
NFDC Labs....12

भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय संग्रहालय
National Museum of Indian Cinema....13

सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया (कॉफ़ी)
Cine Artistes Welfare of Fund of India (CAWFI)....13

सूचना
Notice....14

निदेशक का पत्र अंशधारकों के नाम
Managing Director's Letter to Shareholders....15

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report....20

व्यवस्थापन विश्लेषण रिपोर्ट
Management Discussion And Analysis Report....60

कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रमाणपत्र
Corporate Governance Certificate....68

आचार संहिता प्रमाणपत्र
Certificate for Code of Conduct....69

दिनांक 31 मार्च 2022 का तुलन पत्र
Balance Sheet as on 31st March 2022....70

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष का लाभ एवं हानि का विवरण
Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March 2022....72

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2022....73

लेखाओं पर टिप्पणियां
Notes on Accounts....75

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditor's Report....105

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "I"
Annexure "I" To The Independent Auditors' Report....111

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "II"
Annexure "II" To The Independent Auditor's Report....116

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "III"
Annexure "III" To The Independent Auditor's Report....118

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, भारत सरकार की टिप्पणियां
Comments of The Comptroller And Auditor General of India Under Section 143(6) (B) of The Companies Act, 2013 on The Financial Statements of National Film Development Corporation Limited For The Year Ended 31 March 2022....120

पंजीकृत कार्यालय **मुम्बई**

डिस्कवरी ऑफ इंडिया बिल्डिंग, छठी मंजिल,
नेहरू सेंटर, डॉ ॲनी बेसंट रोड,
वरली, मुम्बई – 400 018
सीआईएन यू92100एमएच1975जीओआई022994

क्षेत्रीय कार्यालय **चेन्नई**

पहली मंजिल, को ऑप्टेक्स वेअर हाउस
बिल्डिंग,
350, पेंथोन रोड, इगमोर,
चेन्नई – 600 008

कोलकाता

आरआयसी इंडस्ट्रियल इस्टेट कम्पाउंड,
उपेन बेनर्जी रोड, पर्नाश्री, बेहाला,
कोलकाता – 700 060

नई दिल्ली

चौथी मंजिल, सूचना भवन,
फेज – 1, सी.जी.ओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली – 110 003

शाखा कार्यालय **तिरूवनंतपुरम**

चित्रांजली स्टूडिओ कॉम्प्लेक्स,
तिरूवनंतपुरम – 695027

बैंक एच.डी.एफ.सी. बैंक

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

पंजाब नैशनल बैंक

आयडीबीआय बैंक

यस बैंक

बैंक ऑफ इंडिया

आय.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक

लेखा परीक्षक सी. बी. छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
इलेक्ट्रिक मेंशन, 5वीं मंजिल,
आप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी,
मुम्बई – 400 025

Registered Office **Mumbai**

Discovery of India Building (6th Floor),
Nehru Center, Dr. Annie Besant Road,
Worli, Mumbai – 400 018
CIN U92100MH1975GOI022994

Regional Offices **Chennai**

1st Floor, Co-optex Warehouse Building,
350, Pantheon Road, Egmore
Chennai – 600 008

Kolkata

R.I.C. Industrial,Estate Compound,
Upen Banerjee Road, Parnasree,
Behala, Kolkata – 700 060

New Delhi

4th Floor, Soochana Bhavan,
Phase I, C.G.O. Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003

Camp office **Thiruvananthapuram**

Chitranjali Studio Complex
Thiruvananthapuram – 695 027

Bankers H.D.F.C Bank

State Bank of India

State Bank of Travancore

Punjab National Bank

IDBI Bank

Yes Bank

Bank of India

I.D.F.C First Bank

Auditor C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Electric Mansion, 5th Floor,
Appasaheb Marathe Marg,
Prabhadevi, Mumbai – 400 025

निदेशक मंडल
Board of Directors

प्रबंध निदेशक Managing Director

रविंद्र भाकर
प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
Ravinder Bhakar
Managing Director (Additional charge)

अंशकालिक निदेशक (सरकारी) Part-time Directors (Official)

पृथुल कुमार
सरकार द्वारा नामित निदेशक
Prithul Kumar
Government Nominee Director

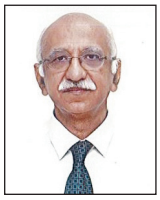

जयंत सिन्हा
सरकार द्वारा नामित निदेशक
Jayant Sinha
Government Nominee Director

गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक Non Official Independent Director

राजेश कन्ना
गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक
Rajesh Kanna
Non Official Independent Director

जी. गौरीशंकर
गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक
G. Gowrishankar
Non Official Independent Director

मुजीब - द मेकिंग ऑफ ए नेशन
Mujib - The making of A Nation

परिकल्पना

सिनेमाज ऑफ इंडिया मिशन के प्रति अंतर्देशीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सराहना एवं उत्सव भावना का सृजन.

Vision

To create domestic and global appreciation and celebration of the Cinemas of India.

छाद (द टॅरेस)
Chhaad (The Terrace)

कोरंगी नुंची (हू वील मॅरी थॉमस?)
Korangi Nunchi (Who Will Marry Thomas?)

लक्ष्य

एनएफडीसी का उद्देश्य है सिनेमा में उत्कृष्टता एवं विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों के समर्थन तथा प्रोत्साहन के जरिये इसकी विविधतापूर्ण संस्कृति का उन्नयन.

Mission

NFDC aims at fostering excellence in cinema and promoting the diversity of its culture by supporting and encouraging films made in various Indian languages.

जोसेफकी माचा
Josephki Macha

हमारे बारे में

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. (एनएफडीसी) की स्थापना भारत सरकार द्वारा 1975 में की गई थी. इसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय फिल्म उद्योग तथा भारतीय सिनेमा का एकीकृत एवं प्रभावशाली ढंग से विकास के लिये योजनाएं बनाना, उन्हें प्रोन्नत करना तथा केंद्र सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित नीतियों के अनुरूप सिनेमा में श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करना है. वर्ष 1980 में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. को फिल्म फाइनेंस कार्पोरेशन (एफएफसी) तथा इंडियन मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (आईएमपीएससी) को समामेलित कर के पुनर्गठित किया गया.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की दृष्टि भारत के विभिन्न सिनेमाज के घरेलू और वैश्विक प्रशंसा का निर्माण करना रही है और इसका उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनाई गई फिल्मों का समर्थन और प्रोत्साहन देकर अपनी संस्कृति की विविधता को बढ़ावा देना है. निगम ने 21 भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों के वित्तपोषण और निर्माण द्वारा अपने विजन और मिशन के बयानों को सफलतापूर्वक लागू करके अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया है, जिनमें अकादमी पुरस्कार (गांधी), राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार सहित कई अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसाएं हासिल की है.

About us

The National Film Development Corporation Limited (NFDC) was set up by the Government of India in 1975 with the primary objective of planning, promoting and organizing an integrated and efficient development of the Indian Film Industry in accordance with the National economic policy and objectives laid down by the Central Government from time to time. In 1980, Film Finance Corporation and Indian Motion Picture Export Corporation were merged with NFDC.

NFDC's vision is to create domestic and global appreciation and celebration of the cinemas of India and we aim to foster excellence in Cinema and promoting the diversity of its culture by supporting and encouraging films in various Indian languages. The Corporation has demonstrated its efficacy in successfully implementing its Vision and Mission statements by funding and producing over 300 films in 21 Indian languages, which have won several international accolades including the Academy Awards (Gandhi), National and State Awards.

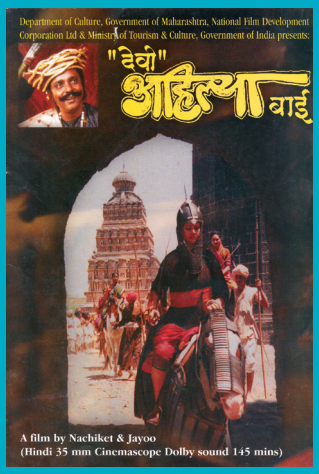

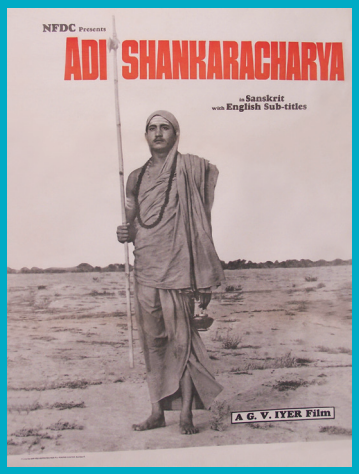

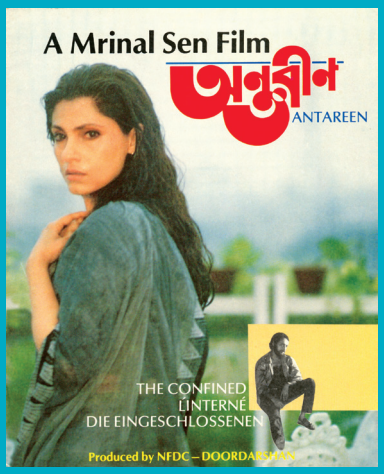

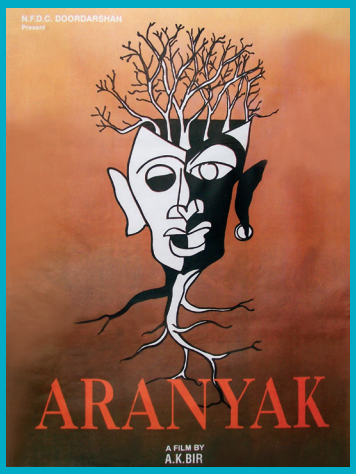

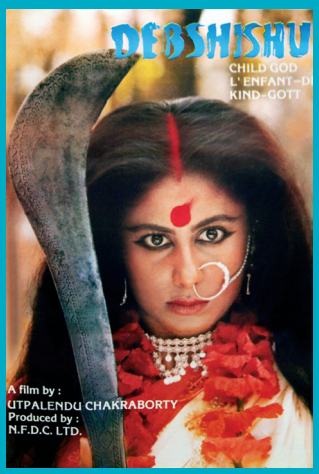

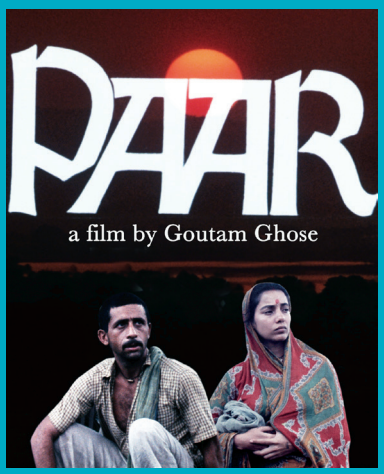

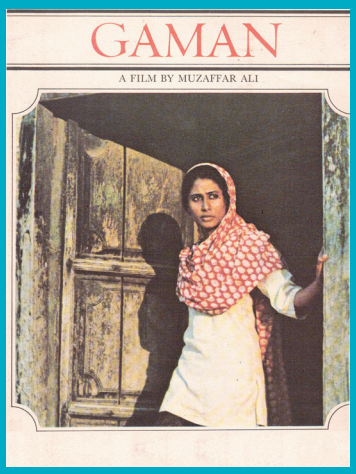

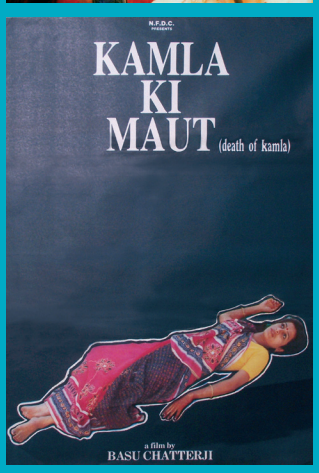

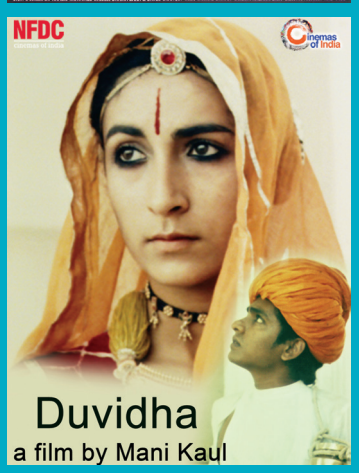

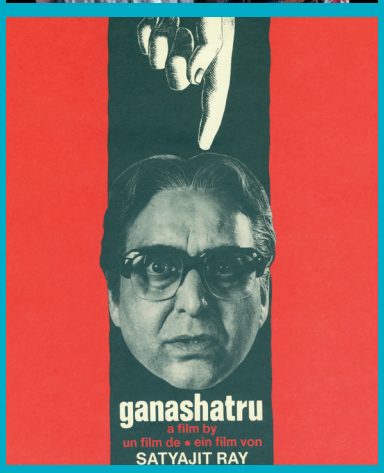

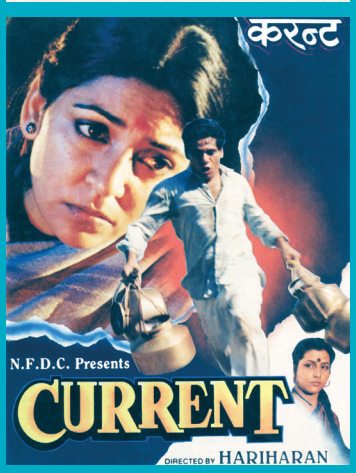

फिल्म निर्माण

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत "फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना की उप-योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" शीर्षक योजना के अंतर्गत एनएफडीसी ऐसी फिल्मों का निर्माण अथवा सह निर्माण करता है जो भारत के सिनेमा के विविधता को प्रतिबिंबीत करती हों. इस योजना के अंतर्गत, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. फिल्म निर्माण के विस्तारित दिशा निर्देश के अंतर्गत फिल्मों का निर्माण/सह-निर्माण करता है, जिससे वह नवोदित फिल्मकारों को उनकी पहली फिचर फिल्म तथा निजी निर्माताओं के साथ देशी और विदेशी दोनों अच्छी गुणवत्ता की 100% निर्माण/सहनिर्माण फिल्मों में साझेदारी के लिए सहायता करके उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है. समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में अच्छी गुणवत्ता और सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहित करना है. यह योजना उत्कृष्ट सिनेमैटीक, विषय गत और सुरूचीपूर्ण फिल्मों के निर्माण का समर्थन करती है.

फिल्में पूरी कीं गई

तेलुगु फिल्म **कोरंगी नुंची (हू वील मॅरी थॉमस?)**
बंगाली फिल्म **छाद (द टॅरेस)**

निर्माणाधीन फिल्में

बांग्ला फिल्म **मुजीब - द मेकिंग ऑफ ए नेशन** - एक इंडो बांग्लादेश सह-निर्माण
मणिपुरी फिल्म **जोसेफकी माचा**

मुजीब - द मेकिंग ऑफ ए नेशन
Mujib - The making of A Nation

कोरंगी नुंची (हू वील मॅरी थॉमस?)
Korangi Nunchi (Who Will Marry Thomas?)

Film Production

NFDC produces & co-produces feature films that reflect the diversity of Indian Cinema, under the Scheme of the Ministry of Information and Broadcasting, titled “Development, Communication and Dissemination of Filmic Content” (DCDFC) under the sub scheme “Production of films in various Indian languages”. Under the said Scheme, NFDC produces & co-produces films under its extant guidelines for film production, whereby it encourages debutant filmmakers by undertaking 100% production of their first feature film and co-production of good quality films in partnership with private filmmakers both from India and abroad. The objective of MOU is to encourage production of good quality and socially relevant films in Indian languages. The scheme supports production of films with cinematic, thematic and aesthetic excellence.

Films Completed

Telugu film **Korangi Nunchi (Who Will Marry Thomas?)**
Bengali film **Chhaad (The Terrace)**

Films under production

Bangla film **Mujib - The making of A Nation** – an Indo Bangladesh Co-production
Manipuri film **Josephki Macha**

छाद (द टॅरेस)
Chhaad (The Terrace)

जोसेफकी माचा
Josephki Macha

वितरण

एनएफडीसी ने पारंपरिक प्लेटफार्मों (थिएट्रीकल, टेलीविजन और होम वीडियो) तथा प्रसिद्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म (वीडियो-ऑन-डिमांड, डीटीएच और इन-फ्लाइट) पर भारतीय स्वतंत्र सिनेमा के प्रदर्शन की सुविधा के लिए अपनी मजबूत बहुमुखी प्रणाली के साथ 120 से अधिक सौदों का सफलतापूर्वक समापन किया है. दूरदर्शन, सोनी जैसे सबसे बड़े प्रसारकों के साथ पुस्तकालय फिल्में और वैश्विक डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे मुबी, अन्य प्रमुख चैनल.

भारत के पहले स्वदेशी ओटीटी प्लेटफार्मों में से एक, www.cinemasofindia.com सिनेमाज ऑफ इंडिया, 2012 में ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया जिसका लक्ष्य, भारत सरकार द्वारा संचालित अभियानों के उद्देश्यों के साथ संरेखित करना और फिल्मों के लिए सिंगल क्लिक प्लेटफॉर्म बनना है. यह एनएफडीसी के पुरस्कृत क्लासिक्स और अधिग्रहीत फिल्मों, शॉर्ट्स और वृत्तचित्रों का एक अच्छा मिलाप स्ट्रीम करता है.

Distribution

NFDC with its robust multifaceted system to facilitate showcasing of Indian independent cinema across traditional platforms (Theatrical, Television & Home Video) and to renowned digital platforms (Video-on-demand, DTH and In-Flight), has successfully concluded deals of over 120 library films with largest broadcasters like Doordarshan, Sony and Global digital platforms such as MUBI, Criterion Channel among others.

One of the first home-grown OTT platforms in India, www.cinemasofindia.com. Cinemas of India, OTT platform launched in 2012, aims to align with the goals, mission and objectives of Government of India driven campaigns & be the single click platform for movies. It streams NFDC's award winning classics & a decent mix of acquired films, shorts & documentaries.

एनएफडीसी का आधिकारिक ओटीटी प्लेटफार्म
सिनेमाज ऑफ इंडिया
भारत का बेहतरीन पुरस्कार विजेता फिल्मों का विशालतम संग्रह

पदातिक
Padatik

दुविधा
Duvidha

NFDC's official OTT Platform
Cinemas of India
India's Largest Collection of pathbreaking Award Winning Movies

27 डाउन
27 Down

आदि शंकराचार्य
Adi Shankaracharya

फिल्म बाज़ार Film Bazaar 2021

3डी वर्चुअल 3D virtual

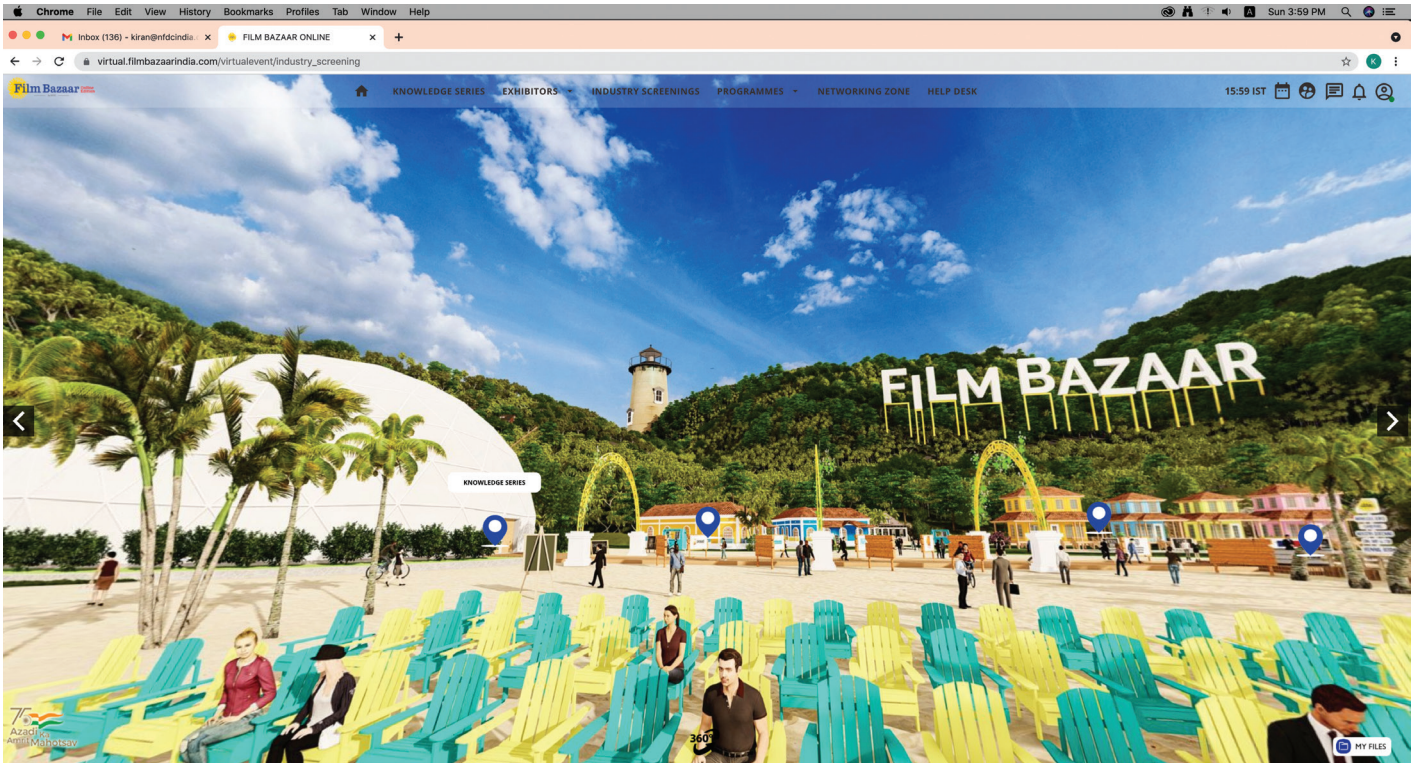

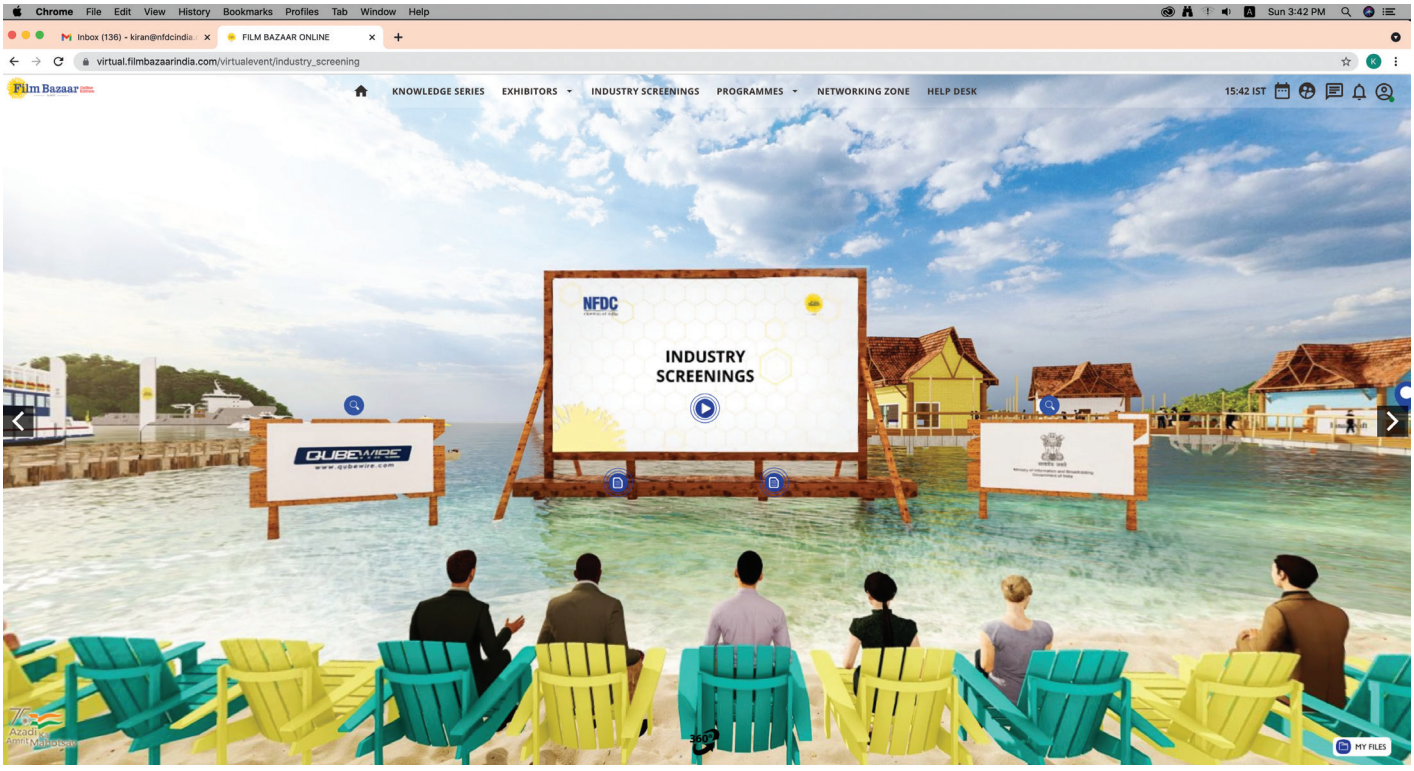

प्रमोशन

- एनएफडीसी द्वारा हर वर्ष इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, गोआ, (आई एफएफआई) के साथ ही मेरियट रिसार्ट, गोआ में आयोजित किया जाने वाला फिल्म बाज़ार दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा फिल्म बाजार बन चुका है. फिल्म बाज़ार अंतरराष्ट्रीय तथा दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सामंजस्य को प्रोत्साहित करने के लिए विशेषत: निर्मित प्लेटफॉर्म है.
- एनएफडीसी फिल्म बाजार का 15वां संस्करण 20-25 नवंबर, 2022 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जो वास्तविक रूप में 6 दिनों के बजाय 6 दिनों की अवधि में आयोजित किया गया.
- फिल्म बाजार ऑनलाइन के लिए दुनिया भर से एक अद्वितीय अत्याधुनिक 3डी वर्चुअल पोर्टल बनाया गया था, जिसे चारों ओर से बहुत सराहा गया और यह एक बड़ी सफलता थी. 39 देशों से कुल 553 प्रतिनिधियों ने लॉग इन किया.
- फिल्म निर्माण, प्रोडक्शन तथा वितरण क्षेत्र की दक्षिण एशियाई प्रतिभाओं एवं प्रकरणों को ढूंढ कर उन्हें सामने लाने के ध्येय पर केंद्रित रहना.
- विश्व भर के फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग मेलजोल तथा सिने व्यापार की नयी जानकारियों एवं दूसरे सहयोग की तलाश के लिए यहां आते हैं.
- अंतरराष्ट्रीय सेल्स एजेंटों, निर्माताओं, वितरकों, फिल्म फेस्टिवल प्रोग्रामर्स खरीदारों और फिल्म फंड्स के लिए यह ऐसा इवेंट बन चुका है जिसमें शामिल होना आवश्यक समझा जाता है. फिल्म बाज़ार का लक्ष्य है दक्षिण एशियाई सिनेमा और सह निर्माण को सुविधाएं उपलब्ध कराना.
- फिल्म बाज़ार के विभिन्न खंड – को प्रोडक्शन मार्केट, वर्क इन प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, इंडस्ट्री स्क्रीनिंग्स, फिल्म ऑफिसेस, प्रोड्यूसर्स वर्कशॉप, नॉलेज सिरीज

Promotion

- Film Bazaar is the largest South Asian film market organized by National Film Development Corporation (NFDC) alongside the International Film Festival of India (IFFI), every year at the Marriott Resort, Goa, India. Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the International and South Asian film fraternity.
- The 15th edition of NFDC Film Bazaar was held online from November 20-25, 2022 over a period of 6 days instead of 4 days as in the physical format.
- A unique state of the art 3D virtual portal was created for Film Bazaar Online which was very well received around the world and was a huge success. A total of 553 delegates logged in from 39 countries.
- The focus is on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent in the field of filmmaking, production and distribution.
- Industry professionals from all over the world attend in order to network and also learn about the upcoming trends in business of cinema and to find other collaborations.
- It has become a must-attend event for international sales agents, producers, distributors, film festival directors/ programmers, Buyers and film funds. Film Bazaar aims at facilitating the world sales for South Asian Cinema and Co-Productions.
- The Various segments of Film Bazaar which are part of Film Bazaar 2021 are – Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Industry Screenings, Film Offices, and Knowledge Series.

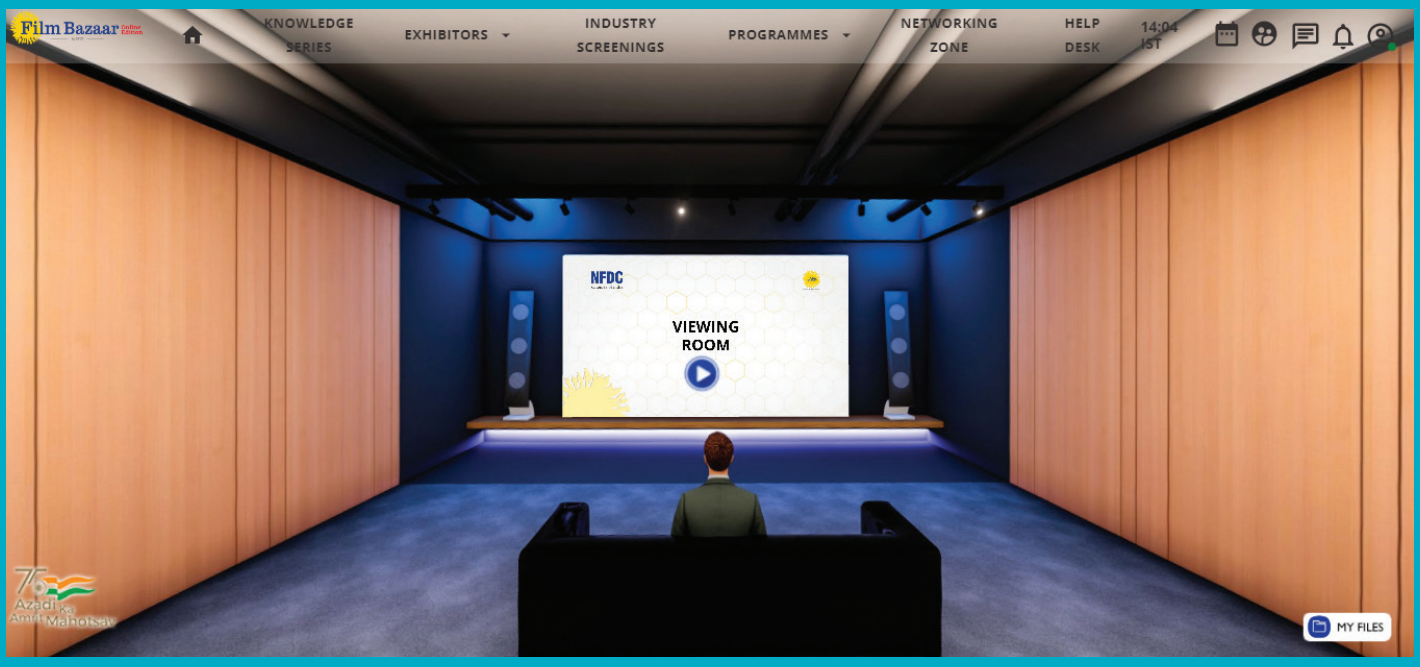

एनएफडीसी लैब्स

एनएफडीसी लैब्स की शुरुआत 2012 में हुई. इसमें सम्मलित था – पेशेवर फिल्म निर्माताओं को महत्वपूर्ण कार्यों जैसे निर्देशन, लेखन, संपादन, सिनेमेटोग्राफी और निर्माण के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना, जिससे कि फिल्म सेक्टर में कैरियर की मध्यावधि में होने वाले गैप को प्रशिक्षण के अवसरों से भरा जा सके.

- एनएफडीसी ने 2021 में स्क्रीन राइटर्स लैब का आयोजन किया जिसमें 8 पटकथा लेखकों ने 5 महीनों के लिए गहन सत्रों के ऑनलाइन सत्र में भाग लिया जिसमें 3 सत्र आयोजित किए गए और भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों ने उनकी पटकथाओं पर प्रतिक्रिया दी.
- महाराष्ट्र फिल्म, स्टेज एंड कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से, एनएफडीसी द्वारा मराठी पटकथा लेखक शिविर का आयोजन किया गया, जहां मराठी भाषा में 6 पटकथाओं को शामिल न हुए मराठी सलाहकारों द्वारा प्रतिक्रिया दी गई.

NFDC Labs

NFDC Labs was commenced in 2012, to deliver a key output for the Indian film community – training for professional filmmakers, providing workshops and master classes in core disciplines – directing, writing, editing, cinematography and producing to address the gap in the area of mid-career training opportunities in the film sector.

- NFDC conducted the Screenwriters' Lab in 2021 in which 8 writers went through the intense sessions online session for 5 months in which 3 session were conducted and the Indian and International Mentors gave the feedback on their script.
- In association with Maharashtra Film, Stage & Cultural Development Corporation Ltd, NFDC conducted a Marathi Screenwriters' Camp where 6 scripts in Marathi language were given a feedback by the removed Marathi mentors.

भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय संग्रहालय

मंत्रालय की मीडिया इकाइयों का एनएफडीसी के साथ मेगा मर्जर के एक भाग के साथ, भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय संग्रहालय का संचालन 2022 में कंपनी द्वारा अधिग्रहित कर लिया है. महामारी प्रतिबंध हटा दिए जाने के बाद एनएमआईसी ने अतिथियों का स्वागत किया. संग्रहालय का फिरसे शुरूआत करने के लिए संग्रहालय परिसर में विंटेज कार प्रदर्शनी आयोजित करने हेतु द विंटेज एंड क्लासिक कार क्लब ऑफ इंडिया (वीसीसीसीआई) के तत्वावधान में सहयोग किया. वीसीसीसीआई की मूल्य प्रणाली और पुनर्स्थापना तथा संस्कृति की विरासत संग्रहालय के विशिष्टता का पूरक है और यह हमारे सिनेमा संग्रहालय में प्रदर्शनियों को जोड़ने का एक उत्कृष्ट संयोजन है.

National Museum of Indian Cinema

With the on-going part of the mega merger of the Ministry's media units with NFDC, operation of NMIC has been taken over by the Company in 2022. NMIC welcomed visitors post pandemic restrictions were lifted. Leading up to the reopening of the Museum, it collaborated with The Vintage and Classic Car Club of India (VCCCI) for conducting a vintage car exhibition at the Museum premise. The VCCCI's value system and legacy of restoration and culture complements Museum's personality and it's a great amalgamation of connecting exhibitions to our cinema Museum.

सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया (कॉफ़ी)

क. सन 1991 में जिस सबसे बड़े सिने आर्टिस्ट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी उसका प्रबंध तथा नियमन एनएफडीसी के बोर्ड द्वारा नियुक्त ट्रस्टियों द्वारा किया जाता है.

ख. फिल्म 'गांधी' से प्रतिवर्ष होने वाली आय का 5 प्रतिशत हर साल सीएडब्ल्यूएफआई में दिया जाता है.

ग. प्रमुख उद्देश्य बीते जमाने के, 50 वर्ष से अधिक आयु के उन सिने कलाकारों को सहायता प्रदान करना है जो दुर्दिनों के शिकार हैं.

Cine Artistes Welfare of Fund of India (CAWFI)

a. The largest cine-artiste trust formed in the year 1991 is administered and managed by the trustees duly appointed by the NFDC Board

b. 5% of profits earned from the film Gandhi are contributed to CAWFI every year

c. The main objective is to give financial assistance to yester years Cine Artistes above 50 years of age who have fallen on bad days and need financial support

सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड की 47वीं वार्षिक सर्वसाधारण बैठक मंगलवार, 27 दिसंबर, 2022 को दोपहर 3:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/अन्य श्रव्य दृश्य साधन (ओएवीएम) के माध्यम से कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में निम्नलिखित विषयों के संपादनार्थ आयोजित की जाएगी.

सामान्य विषय

1. 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर विचार करना और उन्हें पारित करना, जिसमें 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि और रोकड़ प्रवाह विवरण, उस तिथि के अनुसार तुलन पत्र, उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, निदेशकों की रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां शामिल है.

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि.

(सुमोना मजूमदार)
कम्पनी सचिव

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 27.12.2022

टिप्पणी

1. अधिनियम की धारा 101 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के 95% से अधिक सदस्यों की लिखित सहमति के अधीन बैठक कम समय के नोटिस पर बुलाई जा रही है. सहमति प्रपत्र संलग्न है.

2. कोविड-19 महामारी की स्थिति को देखते हुए, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") ने 5 मई, 2020 के अपने परिपत्र को 1.01.2021, 08.12.2021, 14.12.2021 और 05.05.2022 के परिपत्रों के साथ पढ़ा है, (एकत्रित रूप से "एमसीए परिपत्रों" के रूप में संदर्भित) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी") या अन्य ऑडियो विजुअल साधनों ("ओएवीएम") के माध्यम से वार्षिक सर्वसाधारण बैठक ("एजीएम") आयोजित करने की अनुमति दी. एमसीए परिपत्रों, कंपनी अधिनियम, 2013 ('द एक्ट') के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी की एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जा रही है. इस एजीएम को कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित किया जाएगा.

3. एमसीए परिपत्रों के अनुपालन में वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के साथ एजीएम की सूचना केवल सदस्यों को उनके ईमेल पते पर इलेक्ट्रॉनिक मोड से भेजी जा रही है.

4. चूंकि यह एजीएम एमसीए परिपत्रों के अनुसार वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, इसलिए सदस्यों की भौतिक उपस्थिति समाप्त कर दी गई है. तदनुसार, सदस्यों द्वारा प्रॉक्सी की नियुक्ति की सुविधा इस एजीएम के लिए उपलब्ध नहीं होगी और इसलिए प्रॉक्सी फॉर्म इसके साथ संलग्न नहीं है. हालांकि, अधिनियम की धारा 112 और धारा 113 के प्रावधानों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति जैसे सदस्यों के अधिकृत प्रतिनिधि वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं और अपना वोट डाल सकते हैं.

Notice

Notice is hereby given that the 47th Annual General Meeting of National Film Development Corporation Limited will be held on shorter notice on Tuesday, the 27th day of December, 2022 at 15:00 Hrs at the Registered Office of the company through Video Conferencing (VC)/Other Audio Visual Means (OAVM), to transact the following business.

Ordinary Business

1. To consider and adopt the audited financial statements of the Company for the year ended March 31, 2022, which include the Statement of Profit & Loss and Cash Flow Statement for the year ended March 31, 2022, the Balance Sheet as on that date, the Auditors' Report thereon, the Directors' Report and comments of the Comptroller and Auditor General of India on the financial statement.

By Order of The Board of Directors
For National Film Development Corporation Limited

(Sumona Majumdar)
Company Secretary

Place – Mumbai
Date – 27.12.2022

Note

1. The Meeting is being convened at a shorter notice, subject to consent, in writing, of more than 95% of the Members of the Company, pursuant to the provisions of Section 101 of the Act. Consent form is enclosed.

2. In view of Covid-19 pandemic situation, the Ministry of Corporate Affairs ("MCA") has vide its circular dated May 5, 2020 read together with circulars dated 1.01.2021, 08.12.2021, 14.12.2021 and 05.05.2022, (collectively referred to as "MCA Circulars") permitted convening the Annual General Meeting ("AGM") through Video Conferencing ("VC") or Other Audio Visual Means ("OAVM"). In accordance with the MCA Circulars, provisions of the Companies Act, 2013 ('the Act'), the AGM of the Company is being held through VC/OAVM. This AGM shall be deemed to be held at the Registered Office of the Company.

3. In compliance with the MCA Circulars, Notice of the AGM along with the Annual Report 2021-22 is being sent only through electronic mode to the Members at their email addresses.

4. Since this AGM is being held through VC/OAVM pursuant to the MCA Circulars, physical attendance of members has been dispensed with. Accordingly, the facility for appointment of proxies by the members will not be available for this AGM and hence the Proxy Form are not annexed hereto. However, in terms of the provisions of Section 112 and Section 113 of the Act, Authorised representatives of the Members such as the President of India can attend the AGM through VC/OAVM and cast their vote.

निदेशक का पत्र अंशधारकों के नाम

जैसा कि आप सभी को अवगत हैं कि वर्ष की शुरुआत कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई थी और कंपनी का संचालन लॉक डाउन से बुरी तरह प्रभावित हुआ था. वर्ष के दौरान कंपनी अपने परिचालन राजस्व को पिछले वर्ष के ₹ 5264.29 लाख से बढ़ाकर ₹ 6887.02 लाख कर सकी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30% अधिक है. हालांकि, पिछले वर्ष 2020-21 में ₹ 64.05 लाख के लाभ की तुलना में वर्ष के दौरान ₹ 673.99 लाख का नुकसान हुआ. मुझे आशा है कि एनएफडीसी वित्त वर्ष 2022-23 में लाभ कमाने में सक्षम होगा. वर्ष के दौरान कंपनी की परिचालन जानकारी पर एक संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

फिल्म निर्माण

निगम का मुख्य उद्देश्य अच्छे सिनेमा का निर्माण करना है और इस दिशा में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की "फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना की उप-योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत, कंपनी को 4 फिल्मों के निर्माण के लिए ₹ 4.88 करोड़ और श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित श्री शेख मुजीबुर रहमान (बांग्लादेश राष्ट्र के पिता) के जीवन और कार्यों पर आधारित भारत-बांग्लादेश सह-निर्माण "बंगबंधु" के लिए ₹ 15.50 करोड़ प्राप्त हुए. फिल्म की पूरी शूटिंग पूर्ण हो चुकी है और अब पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है. इनके अलावा कंपनी के पास सुश्री इंद्राणी चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित बंगाली फीचर फिल्म "छाद" जैसी अपनी स्व निर्माण फिल्म है, जिसने हाल ही में 28वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारतीय भाषा फिल्मों की श्रेणी प्रतियोगिता में विशेष जूरी मेंशन जीता है. श्री के. जयदेव द्वारा निर्देशित तेलुगु फीचर फिल्म "कोरांगी नुन्ची", कंपनी ने सह-निर्माण के तहत श्री हाओबम पबन कुमार द्वारा निर्देशित जोसेफकी माचा जैसी फिल्मों का भी निर्माण किया है, जो पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है. हम हिंदी भाषा में एक एनिमेशन फिल्म "पेड पे कमरा" भी बना रहे हैं.

वितरण

इन वर्षों में, एनएफडीसी का वितरण चैनल हिंदी सहित 20+ क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों के साथ विकसित हुआ है और 85 फिल्मों को पुनर्स्थापित किया गया है, एनएफडीसी 120 फिल्मों की एक सूची को एकिकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यता प्राप्त की हैं. ये सामग्री उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए आउटरीच के माध्यम से सिंडिकेटेड हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान और भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा की पहचान है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से दोहन करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है. ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemaofindia.com एनएफडीसी की फिल्मों को प्रसारित करता है. हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय समारोह स्क्रीनिंग के अलावा अपनी क्लासिक फिल्मों की अधिकतम पहुंच के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्लेटफार्मों के साथ सहयोग करते हैं. सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा 23 से 29 अगस्त 2021 के बीच प्रतिष्ठित सप्ताह मनाया गया और एनएफडीसी ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बनगरवाडी, बायोस्कोप, क्रॉसिंग ब्रिज, एक घर, आयर्लंड सिटी, मिस बैटीज चिल्ड्रेन तथा वीस म्हणजे वीस जैसी फिल्मों को प्रसारित करके प्रति दिन सात फिल्मों को निशुल्क प्रदर्शित किया. निगम विश्व भर के सभी प्रमुख फिल्म बाजारों में अपना प्रतिनिधित्व जारी रखे हुए है तथा मार्शे डू कान्स, अमेरिकन फिल्म मार्केट (एएफएम), यूरोपियन फिल्म मार्केट (ईएफएम), फिल्मआर्ट (हाँगकांग) आदि जैसे सभी प्रसिद्ध बाजारों में ब्रांड एनएफडीसी का शानदार निर्माण करता है तथा ए-लिस्ट फेस्टिवल प्रोग्रामर्स, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों/वितरकों और प्रतिष्ठित पत्रकारों के साथ संबंध बनाएं और संभावित साझेदारी तथा सामग्री की बिक्री के लिए तलाश करना. 10 से 17 फरवरी 2022 के बीच सीआईआई के इंडिया पवेलियन प्लेटफॉर्म पर प्रसारण के लिए घरे बैरे, आगंतुक, गणशत्रु और डॉक्यूमेंट्री म्यूजिक ऑफ सत्यजीत रे तथा नेमाई घोष - रे ऑफ लाइट की सुविधा देकर बर्लिनेल 2022 के 72वें संस्करण के दौरान सत्यजीत रे शताब्दी समारोह मनाया गया.

Managing Director's Letter to Shareholders

On behalf of the Board of Directors of the National Film Development Corporation Ltd., I present the report of NFDC for F. Y. 2021-22. As all of you are aware, the beginning of year was adversely effected due to the second wave of Covid-19 pandemic and the operation of the company was badly affected by the lock down. During the year company could enhance its revenue from operation to ₹ 6887.02 Lakhs from ₹ 5264.29 Lakhs in previous year, which is 30% increase compared to last year. However, incurred loss of ₹ 673.99 Lakhs during the year in comparison to profit of ₹ 64.05 Lakhs in the previous year 2020-21. I am hopeful NFDC will be able to make profit in the F. Y. 2022-23. A brief on the operational insight of the company during the year follows:

Film Production

One of main object of the Corporation is to produce good cinema and in this direction under the sub-scheme "Production of films in various Indian languages" of the Scheme "Development Communication and Dissemination of Filmic Content" (DCDFC) of Ministry of Information and Broadcasting, Company received ₹ 4.88 Crores for production of 4 films and ₹ 15.50 crores for "Bangabandhu" an Indo-Bangladesh Co-production based on life and works of Shri Sheikh Mujibur Rehman (the father of the nation of Bangladesh) directed by Shri Shyam Benegal. The entire shooting has been completed and now post production activities are under process. Other than these Company has its own Produced film like Bengali feature film "Chhaad" directed by Ms. Indrani Chakrabarti, which has recently won Special Jury Mention at the 28th Kolkata International Film Festival in the category Competition in Indian Language Films. A Telugu feature film "Korangi Nunchi" directed by Shri K. Jayadev. Company has also produced films under Co-production like Josephki Macha directed by Shri Haobam Paban Kumar, which is under final stage of post-production. We are also producing an animation film in Hindi language "Ped Pe Kamra".

Distribution

Over the years, distribution channel of NFDC has evolved with over 300 films in 20+ regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC syndicates a catalogue of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards & recognitions. These content are syndicated across medium of outreach for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues. The OTT platform www.cinemasofindia.com streams NFDC's films. We enter into collaboration with various platforms both domestic and international for maximum outreach of our classic films other than domestic and international Festival Screenings. The Iconic Week was observed by M I & B between 23rd to 29th August 2021 and NFDC showcased seven films free on each day on its OTT platform by streaming films like Bangarwadi, Bioscope, Crossing Bridges, Ek Ghar, Island City, Miss Beatty's Children & Vees Mhanje Vees. Corporation continues its representation at all major film markets across the globe and build brand NFDC across all renowned markets such as Marche du Cannes, American Film Market (AFM), European Film Market (EFM), Filmart (Hong Kong) etc. and build great relationships with A-list festival programmers, International sales agents/distributors & journalists of repute and to scout for potential partnerships & content sales. Celebrated the Satyajit Ray Centennial during the 72nd edition of Berlinale 2022, by facilitating the films Ghare Baire, Agantuk, Ganashatru and the documentaries Music of Satyajit Ray & Nemai Ghosh – A Ray of Light for streaming on CII's India Pavilion platform between 10th to 17th February 2022.

विज्ञापन फिल्म निर्माण और संचार

भारत सरकार और इनकी विभिन्न एजेंसियों के लिए विज्ञापन संचार का निर्माण इस वर्ष राजस्व का सबसे बड़ा योगदान रहा है और एनएफडीसी ने सभी प्लेटफार्मों पर विज्ञापन संचार के निर्माण और प्रसार के लिए स्वयं को 360 डिग्री एकीकृत मीडिया सेवा प्रदाता के रूप में दृढता से स्थापित किया है. हमारे मुख्य विशेषताएं गान (7 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के लिए संगीत आधारित वीडियो), प्रेरणादायक लघु फिल्में (एनएफडीसी ने टोकियो ओलंपिक के लिए भारतीय ओलंपिक दल की तैयारी पर भारतीय खेल प्राधिकरण के लिए 41 लघु फिल्मों का निर्माण किया); आजादी का अमृत महोत्सव- (आजादी का अमृत महोत्सव से संबंधित विभिन्न विषयों पर 7 उच्च श्रेणी फिल्में); वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान; वैज्ञानिक सोच और संस्कृति को बढ़ावा देना; हमने शिक्षा मंत्रालय की गणतंत्र दिवस की झांकी के लिए गीत तैयार किया, जिसने केंद्रीय मंत्रालय और विभाग श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता); दुबई एक्सपो में भारत का प्रतिनिधित्व आदि.

मीडिया व्यवसाय

एनएफडीसी भारत सरकार की नोडल एजेंसी है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान चलाती है और भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), स्वायत्त निकायों, विभागों और संगठनों की योजनाओं, संदेशों, विज्ञापनों और नीतियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों और सूचनाओं का प्रसार डीएवीपी दरों के अनुसार करती है. वर्ष के दौरान तीन ग्राहकों की ओर से 13 अभियान चलाए गए.

कौशल विकास और प्रशिक्षण

एनएफडीसी 2005 से फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और इसने लगभग 18,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और रोजगार दिया है. क्षेत्र में अपने प्रतिबद्ध प्रयासों के कारण, एनएफडीसी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद से दिसंबर 2020 में □अवार्डिंग बॉडी□ का दर्जा मिला. कौशल भागीदार के रूप में एनएफडीसी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के सहयोग से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा मार्च 2022 में आयोजित जूनियर कौशल पहल के तहत छात्रों के लिए एक डिजिटल फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की है. हमने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर 8 मार्च, 2022 को नई दिल्ली में रेकग्निशन टू प्रायर लर्निंग (आरपीएल) प्रोग्राम लॉन्च किया. फरवरी में, एनएफडीसी ने भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में 75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ़ टुमॉरो (सीएमओटी) के लिए संभावित सहयोग के संबंध में बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होने वाली दुनिया की अग्रणी प्रतिभा विकास पहल, बर्लिनले टैलेंट के साथ चर्चा की. हम फिल्म बाजार के दौरान ज्ञान श्रृंखला में कौशल विकास कार्यशालाओं और सत्रों का भी आयोजन करते हैं, जिसे फिल्म जगत के अग्रणीयों द्वारा सराहा और प्रमाणित किया गया है तथा प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया और एफटीआईआई द्वारा इसका समर्थन किया गया है.

फिल्म बाज़ार

फिल्म बाजार अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष रूप से बनाया गया मंच है. फिल्म बाजार फिल्म मेकिंग, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. मार्शे डु फिल्म ने 'गोज़ टू कान्स' और 'को-प्रोडक्शन डे' के लिए 2021 की अपनी कार्यक्रम योजनाओं में भाग लेने के लिए एनएफडीसी से संपर्क किया था. गोज टू कान्स - एनएफडीसी फिल्म बाजार के लिए 2020 के ऑनलाइन संस्करण से पांच वर्क-इन-प्रोग्रेस फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्लॉट सुरक्षित किया गया था, यानी वे फिल्में जो अभी भी पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में थीं. सह-निर्माण दिवस शुक्रवार 9 जुलाई को पूरे दिन के लिए ऑनलाइन आयोजित किया गया था. फिल्म बाजार 2021, कोविड-19 महामारी की अभूतपूर्व स्थिति के कारण 20-25 नवंबर, 2021 के बीच वस्तुतः आयोजित किया गया था. फिल्म बाजार ऑनलाइन के लिए एक अनूठा अत्याधुनिक 3डी वर्चुअल पोर्टल बनाया गया था जिसे विश्व भर में बहुत पसंद किया गया था और इसे बड़ी सफलता प्राप्त हुई. 39 देशों

Advertisement Film Production and Communication

Production of advertising communication for the government and its various agencies has been the highest contributor of revenue this year and NFDC has firmly established itself as a 360-degree integrated media service provider for the creation and dissemination of advertising communication across platforms. Our major highlights were Anthem (music based video for the 7th International Day of Yoga 2021), Inspirational Short films (NFDC produced 41 short films for Sports Authority of India on Indian Olympic contingent's preparation for Tokyo Olympics); Azaadi Ka Amrit Mahotsav- (7 high end films on various themes related to Azadi Ka Amrit Mahotsav); Honouring the Senior citizens; Promoting Scientific thought and culture; we produced Song for Ministry of Education's Republic day tableau which won the best tableau award in the Central Ministry and Dept. Category); Represented India at Dubai Expo etc.

Media Business

NFDC is a Nodal agency of Government of India executing Electronic Media campaigns and does dissemination of Awareness Programs and Information about schemes, messages, advertisement and policies of different Ministries, Public Sector Undertaking (PSU's), Autonomous Bodies, Departments and organization under the Govt. of India, as per DAVP rates. During the year 13 Campaigns were undertaken on behalf of three clients.

Skill Development & Training

NFDC has been providing training in various technical trades pertaining to film making since 2005 and has trained and placed nearly 18,000 candidates. Owing to its committed efforts in the area, NFDC received the "Awarding Body" status in December 2020, from the National Council for Vocational Education & Training, Ministry of Skill development & Entrepreneurship. NFDC as the Skill Partner has conducted a Digital Photography Competition for students under the Junior Skills initiative, held in March 2022, organized by National Skill Development Corporation (NSDC) in collaboration with the Central Board of Secondary Education (CBSE). We collaboration with Netflix, launched a Recognition to Prior Learning (RPL) programme, on March 8, 2022, in New Delhi. In February, NFDC held discussions with Berlinale Talents, world's leading talent development initiative, that takes place at the Berlin International Film Festival in regard to a prospective collaboration for 75 Creative Minds of Tomorrow (CMOT), at the International Film Festival of India (IFFI). We also organize the skill development workshops and sessions in the Knowledge Series during Film Bazaar, which has been appreciated and validated by the industry leaders and was endorsed by the Producers Guild of India, Film Federation of India and FTII.

Film Bazaar

Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity. The Bazaar focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. Marché du Film had approached NFDC to participate in their 2021 Program plans for 'Goes to Cannes' and 'Co-Production Day'. Goes To Cannes - A slot was secured for NFDC Film Bazaar to showcase the five Work-in-Progress films from the 2020 online edition i.e, films which were still in the post-production stage. Co-Production Day was organised online for the entire day on Friday, July 9. Film Bazaar 2021, due to the unprecedented situation of the COVID-19 pandemic was conducted virtually between November 20-25, 2021. A unique state of the art 3D virtual portal was created for Film Bazaar Online which was very well received around the world and was a huge success. A total of 553 delegates logged in from 39 countries. The French Embassy in India presented

से कुल 553 प्रतिनिधियों ने लॉग इन किया. भारत में फ्रेंच एम्बेसी ने 20 चयनित सह-निर्माण बाजार परियोजनाओं में से एक चयनित परियोजना के लिए फ्रेंच संस्थान पुरस्कार प्रदान किया. को-प्रोडक्शन मार्केट चयनित प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से क्यूरेटेड 5 दिनों की प्रारंभिक कार्यशाला के साथ प्रोड्यूसर एयू सूद वर्कशॉप (फ्रांस) के बीच सहयोग ऑनलाइन आयोजित किया गया था. फिल्म बाजार के सभी सत्र ऑनलाइन आयोजित किए गए जिसमें को-प्रोडक्शन मार्केट, वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, नॉलेज सीरीज, फिल्म ऑफिस और इंडस्ट्री स्क्रीनिंग शामिल थे.

स्क्रिन राइटर्स लैब

लैब को 4-5 महीनों में व्याप्त 3 ऑनलाइन सत्रों के साथ संरचित किया गया. आठ पटकथाओं में से 2 - हिमाद्री परमार द्वारा रेख्ता और परक्ष डेका द्वारा गोस कोटा मनुह (द वुडकटर) निर्माणाधीन हैं और शीघ्र ही पूरी होगी.

फिल्म सुविधा कार्यालय (एफएफओ)

हमारा प्रयास फिल्म सुविधा कार्यालय केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्य सरकारों का एक सामंजस्यपूर्ण इकोसिस्टिम है. एफएफओ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए एक ऑनलाइन सिंगल विंडो अनुमति सुविधा तंत्र के रूप में कार्य करना जारी रखता है. 2016 से 33 देशों से 144 अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं को भारत में फिल्म बनाने की अनुमति दी गई थी. जिनमें से 13 परियोजनाओं को विभिन्न देशों के साथ भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित ऑडियो विजुअल सह-निर्माण करारों के तहत आधिकारिक सह-निर्माण के रूप में मान्यता दी गई थी. वर्ष के दौरान इसका प्रमुख कार्य अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयोगों का प्रसंस्करण था, इसने 25 घरेलू अनुप्रयोगों को संसाधित किया, भारत-बांग्लादेश की आधिकारिक सह-निर्माण फिल्म 'बंगबंधु' की सुविधा; नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम (एनएसडब्ल्यूएस) के साथ एफएफओ वेब पोर्टल का एकीकरण; सरकार के नीतिगत ढांचे को सुगम बनाना; फिल्म इन इंडिया पहल और फिल्म मेकर्स/फिल्म निर्माताओं के साथ बॅक 2 बॅक बैठकें आयोजित करना; नॉलेज सीरीज, फिल्म बाजार 2021 में एफएफओ सत्र; 'मीट द प्रोफेशनल्स' में एफएफओ सत्र; ऑनलाइन फिल्म बाजार 2021 आदि में राज्य की भागीदारी. वर्तमान में एफएफओ को इन्वेस्ट इंडिया में स्थानांतरित किया गया है.

सिने आर्टिस्ट वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया

सामाजिक हेतु लॉर्ड रिचर्ड एटनबरो द्वारा वर्ष 1991 में गांधी फिल्म से अर्जित लाभ के एक हिस्से से गठित ट्रस्ट, 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुराने सिने कलाकारों को वित्तीय सहायता देने का प्रयास कर रहा है, जो दूर्दिनों के शिकार हैं.

डिजिटल मीडिया

एनएफडीसी ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार केवल सोशल मीडिया प्रबंधन सेवाओं की पेशकश से करके डिजिटल अभियान, इन्फ्लुएंसर आउटरीच प्रोग्राम, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) और वेबसाइट विकास तक किया है. अग्रसर बढ़ते हुए, एनएफडीसी की योजना मोबाइल ऐप डेवलपमेंट और नवीनतम उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ सिंक में सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी सेवाओं के दायरे को व्यापक बनाने की है. वर्तमान के ट्रेंड्स के साथ सामाजिक आउटरीच और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा डिजिटल मीडिया को दिए गए महत्व के साथ, डिजिटल मीडिया वर्टिकल में विकास की अपार संभावनाएं हैं.

आगामी वर्ष के लिए दृष्टिकोन

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने दिनांक 5 जनवरी 2021 के कार्यालय ज्ञापन संख्या एम-14011/2/2020-डीओ (एफए) के माध्यम से सूचित किया था कि कैबिनेट ने 23 दिसंबर 2020 को हुई बैठक में चार फिल्म मीडिया इकाइयों - फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति, भारत, राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, भारत और फिल्म समारोह निदेशालय का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के साथ का विलय करने का निर्णय लिया है. एनएफडीसी के एक एकीकृत निकाय बनने से संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है. यह ओटीटी के लिए सामग्री विकसित करने और फिल्में बनाने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बेहतर तरीके तलाशने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा.

The French Institute Award for one selected project from the 20 selected Co- Production Market projects. Collaboration between the Produire Au Sud Workshop (France) with specially curated 5 days' preparatory workshop for Co-Production Market selected participants was conducted online. All the Film Bazaar session were held online which included Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Knowledge Series, Film Offices and Industry Screenings.

Screenwriters' Lab

The Lab structured with 3 online sessions spread over 4-5 months. Out of eight scipts two 2 – Rekhta by Himadri Parmar and Gos kota Manuh (The woodcutter) by Paraksh Deka, are in post production and will soon be completed.

Film Facilitation Office (FFO)

Our endeavor Film Facilitation Office is a cohesive ecosystem of Key Central Government Ministries/Departments and 36 State Governments. FFO continues to act as an Online Single Window Permission Facilitation Mechanism for both international and domestic filmmakers. Since 2016, 144 international projects from across 33 countries were accorded permissions to film in India. Out of which 13 projects were recognized as official co-production under the Audio Visual co-production treaties signed by Government of India with various countries. Its major work during the year were Processing of International Applications, it processed 25 Domestic Applications, Facilitation of Indo–Bangladesh official co-production film 'Bangabandhu'; Integration of FFO Web portal with National Single Window System (NSWS); Facilitating Policy framework to the government; Film in India initiative and hold B2B meetings with filmmakers/producers; FFO Sessions in Knowledge Series, Film Bazaar 2021; FFO Session in 'Meet the Professionals'; State Participation at Online Film Bazaar 2021 etc. Now FFO has been transferred to the Invest India.

Cine Artistes Welfare Fund of India

On Social front, the Trust formed out of a portion of profit earned from the film Gandhi, in the year 1991 by late Lord Richard Attenborough, is striving to extent financial assistance to old cine artistes above 50 years who have fallen on bad days.

Digital Media

NFDC has expanded its portfolio from just offering Social Media Management services to executing Digital Campaign, Influencer Outreach Programs, Search Engine Optimization (SEO) and Website Development. Going forward, NFDC plans to broaden the scope of its services to Mobile App Development and providing services in sync with latest emerging technologies. With recent trend social outreach and the significance given to Digital Media by various Government Departments, the Digital Media vertical have immense potential of growth.

Outlook for the next year

The Ministry of Information & Broadcasting vide its Office Memorandum No.M-14011/2/2020-DO(FA) dated 5th January 2021 had informed that the Cabinet in the meeting held on 23rd December 2020 has decided to merge four Film Media Units namely- Films Division, Children's Film Society of India, National Film Archive of India and Directorate of Film Festivals with National Film Development Corporation Ltd. With NFDC becoming an integrated body, resources can be used better. It will also focus on developing content for OTT and on making films and explore better ways to achieve its goals.

गतिविधियों और संसाधनों (सभी चार निकायों) के उचित अभिसरण से न केवल बेहतर समन्वय होगा बल्कि यह तालमेल भारतीय फिल्म उद्योग के संतुलित विकास का निर्माण करेगा, जिसमें ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों के लिए सामग्री सहित फीचर फिल्में, बच्चों की सामग्री, एनिमेशन, लघु फिल्में और वृत्तचित्र, एक एकल संगठन द्वारा बनाए जाएंगे. एनएफडीसी एक अंब्रेला संगठन के रूप में काम करेगा, जोकि फिल्म विकास, निर्माण, प्रचार और फिल्म सामग्री का संरक्षण सभी एक ही प्रबंधन के तहत आएंगे. यह श्रमशक्ति व्यस्तता, परिचालन व्यय और वित्तीय अपव्यय का भी संचय करेगा.

विलय डिजिटल माध्यमों में वार्तालाप, लाभप्रदता बढ़ाने और फिल्म और टीवी पेशेवरों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करेगा. लंबे समय से लंबित मुद्दे जैसे राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के तहत बेहतर संग्रह, महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में अधिक दृश्यता, केंद्र में होंगे. विलय सभी संस्थानों के लिए तेजी से निर्णय लेने और कंपनी की बैलेंस शीट में प्रदर्शित होने वाली लाभप्रदता और डिलिवरेबल्स द्वारा निर्देशित विकास पथ को सुनिश्चित करेगा. अपने विलय पश्चात अवतार में, एनएफडीसी सभी इकाइयों की मौजूदा संपत्तियों और बुनियादी ढांचे का मुद्रीकरण करने में सक्षम होगा. एक विस्तारित परिसंपत्ति आधार के साथ, एनएफडीसी एक मजबूत संस्थान के रूप में उभरेगा जो सामग्री निर्माण में अब तक की तुलना में बड़े निर्णय लेने की स्थिति में होगा. एनएफएआई में किए जा रहे संग्रह और जीर्णोद्धार को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि एनएफडीसी के पास चलचित्र और ध्वनि पुनरूद्धार हेतु एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानकों में एकरूपता आती है. सभी पांच संस्थानों द्वारा आयोजित समारोहो/मार्केटों को अब इस तरह के आयोजनों को आयोजित करने के लिए आवश्यक विशिष्ट कौशल से सुसज्जित टीम द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है.

इस वर्ष फिल्म बाजार का आयोजन 20-24 नवंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के साथ मैरियट होटल, गोवा में किया गया था. इस वर्ष फिल्म बाजार में 39 देशों के कुल 1407 प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

कमीशण्ड निर्माण विभाग ने चालू वर्ष में अर्जित ₹ 17.93 करोड के 72 कार्यादेश प्राप्त किए हैं और उनके पास ₹ 60.00 करोड़ मूल्य की लगभग 170 परियोजनाएं हैं.

विलय के चलते, राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत (एनएफएआई), पुणे और भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय संग्रहालय की गतिविधियों को एनएफडीसी ने अपने नियंत्रण में ले लिया है. वर्ष 2022 में एनएफडीसी-एनएफएआई अपने संग्रह की फिल्मी सामग्री से संबंधित गतिविधियों का संचालन करता है. राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम) के हिस्से के रूप में, एनएफडीसी-एनएफएआई के परिसर में हजार से अधिक फिल्मों (फीचर्स, लघु और वृत्तचित्र) को 2के और 4के दोनों रेजोल्यूशन में डिजिटाइज किया गया है. इसके अलावा, कई सत्यजीत रे फिल्मों को मूल कैमरा निगेटिव से 4 रेजोल्यूशन में बहाल किया गया था और कान्स, वेनिस और टीआईएफएफ जैसे विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय समारोहो में प्रदर्शित किया गया. एनएफडीसी-एनएफएआई में सेल्युलाइड रीलों के संरक्षण के लिए निवारक संरक्षण परियोजना शुरू की गई है. संरक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई है और भौतिक और रासायनिक रूप से नुकसान ग्रस्त और जीर्ण फिल्म रीलों पर सावधानीपूर्वक संरक्षण कार्य शुरू किया गया है. द फिल्म सर्कल के हिस्से के रूप में, एनएफडीसी-एनएफएआई प्रति शनिवार फिल्म सर्कल के सदस्यों के लिए फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन करता है ताकि इसके समृद्ध संग्रह से सिनेमा का नियमित प्रसार किया जा सके.

एनएफडीसी ने भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय संग्रहालय (एनएमआईसी) के संचालन को अपने हाथ में ले लिया है, इसके दर्शकों की संख्या नवंबर 2022 में प्रति माह 1600 अतिथियों से 2000 लगभग बढ़ गई है. पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए, एनएमआईसी ने विभिन्न यात्रा पोर्टलों के साथ एक गठजोड़ शुरू किया है, जहाँ वे एनएमआईसी को सूचीबद्ध करेंगे और अपने टूर पैकेज में प्रचार करेंगे, संस्कृति मंत्रालय के साथ हमारी विशेषता के लिए बातचीत शुरू की है. संग्रहालयों के बीच उनके पोर्टल, दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी संग्रहालय उत्सव के एक भाग के रूप में चित्रित किए जाएंगे और 2023 में प्रकाशित होने वाले भारत के संग्रहालयों के गाइड का एक हिस्सा भी होंगे. एनएमआईसी ने एक डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी और सोशल मीडिया हैंडल्स पर हस्ताक्षर किए हैं. एनएमआईसी ने डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी के साथ करार किया है और सोशल मीडिया हैंडल्स लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं. एनएमआईसी के पास विशाल बुनियादी ढांचा है और हम विभिन्न माध्यमों से अतिरिक्त आय निर्माण के विकल्पों की खोज कर रहे हैं.

Reasonable convergence of activities and resources (of all four bodies) will lead to better coordination and this synergy will create balanced growth of Indian film industry, wherein feature films including content for over-the-top (OTT) platforms, children's content, animation, short films and documentaries, will be made by a singular organisation. NFDC will work as an umbrella organisation, which will mean that film development, production, promotion and preservation of filmic content will all come under single management. This will save manpower engagement, operational expenditure and also financial wastage.

The merger will focus on tapping into digital mediums, enhancing profitability and utilizing film and TV professionals. Long pending issues like better archiving under the National Film Archives, greater visibility at important film festivals, will take center stage. The merger would ensure, for all the institutions, quicker decision-making and a growth trajectory guided by profitability and deliverables that reflect in the balance sheet of the company. In its post-merger avatar, NFDC would be able to monetize the existing assets and infrastructure of all the units. With an expanded asset base, NFDC will emerge a stronger institution that would be in a position to make bigger decisions in content creation than it has hitherto. Archiving and restoration being done in NFAI would receive a boost as NFDC has a laid-out process for picture and sound restoration, resulting in uniformity of standards. Festivals/markets held by all the five institutions can now be handled by a single team equipped with the specific skill sets required to organize such events.

This year Film Bazaar was organized alongside the International film festival of India (November 20-28, 2022) at the Marriott Hotel, Goa, November 20-24, 2022. A total of 1407 delegates from 39 countries attended Film Bazaar this year.

The Commissioned Production dept. has in the current year acquired 72 work orders of earned ₹ 17.93 Cr and the projects in hand is about 170 Nos of value ₹ 60.00 Cr.

With the on-going Merger, activities of National Archive of India (NFAI), Pune and National Museum of Indian Cinema has been taken over by NFDC. In the year 2022, NFDC-NFAI has been conducting activities pertaining to the filmic content of its collection. As part of National Film Heritage Mission (NFHM), more than thousand films (features, shorts and documentaries) have been digitized in both 2K and 4K resolution on the premises of NFDC-NFAI. Additionally, multiple Satyajit Ray films were restored in 4K resolution from the original camera negatives and were screened across globally reputed International Festivals such as Cannes, Venice and TIFF, to name a few. Preventive Conservation project has been initiated for the conservation of celluloid reels at NFDC-NFAI. The conservation lab has been set up and is ready to commence the meticulous conservation work on physically and chemically damaged and deteriorating film reels. As part of "The Film Circle", NFDC-NFAI organizes film screenings every Saturday for the film circle members to enable regular dissemination of cinema from its rich collection.

NFDC has taken over of the operation of National Museum of Indian Cinema (NMIC) its footfall increased from approx. 1600 per month to 2000 visitors in November, 2022. To increase footfall, NMIC has initiated a tie up with various travel portals where they will be listing NMIC and promote in their tour packages, have initiated a conversation with Ministry of culture for featuring us on their portals among Museums, be featured as a part of the upcoming Museums festival to be held in Delhi and also be a part of the museums of India guide to be published in 2023. NMIC signed up a digital marketing agency and the social media handles have been gaining traction. NMIC has huge infrastructure and we are exploring for options of additional revenue generation by various means.

निगमित प्रशासन

कंपनी ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन किया है.

औद्योगिक संबंध

वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध सद्भावपूर्ण बने रहे.

स्वीकृति

निदेशक मंडल के सभी सदस्यों तथा कंपनी के सभी पदाधिकारियों की ओर से मैं सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरगन, के प्रति उनसे निरंतर मिले मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूं. मैं सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अपूर्व चंद्रा के प्रति भी कंपनी को चलाने में मिले सहयोग एवं विश्वास बनाए रखने के लिए आभार प्रकट करती हूं.

निदेशक मंडल के अपने सहयोगियों, एनएफडीसी के सभी कर्मचारियों एवं कंपनी के स्टेकहोल्डर्स की ओर से मिले मूल्यवान समर्थन और सहयोग के लिए मैं सभी को धन्यवाद देती हूं.

अंततः, मैं अपना बहुमूल्य समय निकालने और कंपनी के शेयरधारक के रूप में कार्यवाही में भाग लेने के लिए आपको धन्यवाद देना चाहूंगा. मैं आने वाले महीनों में प्रेरणा, मदद, सहयोग और सहायता प्राप्त करने के लिए तत्पर हूं. अब मैं बोर्ड की रिपोर्ट के साथ-साथ लेखापरीक्षित तुलन पत्र और वर्ष 2021-22 के लाभ और हानि विवरण की ओर बढ़ता हूं. यह अनुरोध किया जाता है कि वार्षिक लेखों को अनुमोदित और पारित किया जाए.

स्थान – मुंबई
दिनांक – 27.12.2022

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक

Corporate Governance

Company has complied with the conditions of the corporate governance as stipulated in the guidelines on corporate governance for Central Public Sector Enterprises.

Industrial Relations

During the year, industrial relations in your company remained cordial.

Acknowledgement

On behalf of the Board of Directors and all officials of the Company, I would like to convey my sincere gratitude to the Hon'ble Union Minister for Information & Broadcasting, Shri Anurag Singh Thakur and Minister of State for Information & Broadcasting, Dr. L. Murugan, for the immense support and guidance received from them. I am also deeply grateful to Shri Apurva Chandra, Secretary, Ministry of Information & Broadcasting, for his support and trust in the functioning of the Company.

I would also like to express my thanks and appreciation to my esteemed colleagues on the Board and to all employees of NFDC, as also to other stakeholders of the Company for their valuable support and co-operation to the Company.

In conclusion, I would like to thank you for sparing your valuable time and to participate in the proceedings, as a shareholder of the company. I look forward to receive inspiration, help, cooperation and assistance in the coming months. I now move to the Boards' Report as well as the audited balance sheet and the statement of profit and loss for the year 2021-22. It is requested that the Annual Accounts be approved and adopted.

Place – Mumbai
Date – 27.12.2022

(Ravinder Bhakar)
Managing Director

निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,

अंशधारक
निगम के निदेशक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिये कम्पनी के लेखा परीक्षित लेखों के साथ अपनी 47वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रसन्नतापूर्वक प्रस्तुत कर रहे हैं.

वर्ष के दौरान कंपनी को पिछले वर्ष 2020-21 के ₹ 64.05 लाख के लाभ की तुलना में ₹ 673.99 लाख का घाटा हुआ है. कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में लॉक डाउन होने के कारण कंपनी के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था. कंपनी अभी भी वर्ष के दौरान अपनी टॉपलाइन को 30% तक बढ़ाने में सफल रही.

1. निष्पादन की विशिष्टताएं

1.1 वित्तीय विवरण

क. वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये कंपनी की निष्पादन विशिष्टताएं वित्तीय वर्ष 2020-2021, वित्तीय वर्ष 2019-20 तथा वित्तीय वर्ष 2018-2019 के मुकाबले इस प्रकार रहीं –

₹ लाखो में

पैरामीटर्स	Parameters	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19
सकल राजस्व	Gross Revenues	7279	6438	11115	32977
ग्रॉस मार्जिन (ईबीआईडी टीए)	Gross Margin (EBIDTA)	(612)	162	(707)	151
कर पूर्व लाभ	Profit before Tax	(674)	64	(815)	14
कुल कीमत	Net Worth	2176	2850	2785	3600

ख. सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने कार्यालय ज्ञापन संख्या एम-14011/2/2020-डीओ (एफए) दिनांक 5 जनवरी 2021 के माध्यम से सूचित किया था कि कैबिनेट ने 23 दिसंबर 2020 को हुई बैठक में चार फिल्म मीडिया इकाइयों का विलय करने का निर्णय लिया है- फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति, भारत, राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत तथा फिल्म समारोह निदेशालय के साथ राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड एनएफडीसी के एकीकृत निकाय बनने से संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है. यह ओटीटी के लिए सामग्री विकसित करने और फिल्में बनाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बेहतर तरीके तलाशने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा.

गतिविधियों और संसाधनों (सभी चार निकायों के) के उचित अभिसरण से न केवल बेहतर समन्वय होगा बल्कि यह तालमेल भारतीय फिल्म उद्योग के संतुलित विकास का निर्माण करेगा, जिसमें ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों के लिए सामग्री सहित फीचर फिल्में, बच्चों की सामग्री, एनिमेशन, लघु फिल्में और वृत्तचित्र, एक एकल संगठन द्वारा बनाए जाएंगे. एनएफडीसी एक अंब्रेला संगठन के रूप में काम करेगा, जिसका अर्थ होगा कि फिल्म विकास, निर्माण, प्रचार और फिल्म सामग्री का संरक्षण सभी एक ही प्रबंधन के तहत आएंगे. इससे श्रमशक्ति प्रतिबध्दता, परिचालन व्यय और वित्तीय अपव्यय का भी जतन होगा.

विलय डिजिटल माध्यमों में वार्तालाप, लाभप्रदता बढ़ाने और फिल्म और टीवी पेशेवरों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करेगा. लंबे समय से लंबित मुद्दे जैसे राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के तहत बेहतर संग्रह, महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में अधिक दृश्यता, केंद्र में होंगे. विलय सभी संस्थानों के लिए तेजी से निर्णय लेने और कंपनी की बैलेंस शीट में प्रदर्शित होने वाली लाभप्रदता और डिलिवरेबल्स द्वारा निर्देशित विकास पथ को सुनिश्चित करेगा. अपने विलय पश्चात अवतार में, एनएफडीसी सभी इकाइयों की मौजूदा संपत्तियों और बुनियादी ढांचे का मुद्रीकरण करने में सक्षम होगा. एक विस्तारित परिसंपत्ति आधार के साथ, एनएफडीसी एक मजबूत संस्थान के रूप में उभरेगा जो सामग्री निर्माण में अब तक की तुलना में बड़े निर्णय

Directors' Report

To,

The Shareholders
Your directors are presenting the 47th Annual Report together with Audited accounts of the Company for the financial year ended March 31, 2022.

During the year Company has incurred loss of ₹ 673.99 Lakhs in comparison to profit of ₹ 64.05 Lakhs in the previous year 2020-21. The second wave of Covid-19 pandemic had adversely effected the operation of the company due to the lock down. The company still managed to enhance its topline by 30% during the year.

1. Performance Highlights

1.1 Financial Details

a. The highlights of performance of the company for the Financial Year 2021-22 as against the performance in FY 2020-21, FY 2019-20 and FY 2018-19 are as under –

₹ in lakhs

b. The Ministry of Information & Broadcasting vide its Office Memorandum No.M-14011/2/2020-DO(FA) dated 5th January 2021 had informed that the Cabinet in the meeting held on 23rd December 2020 has decided to merge four Film Media Units namely- Films Division, Children's Film Society of India, National Film Archive of India and Directorate of Film Festivals with National Film Development Corporation Ltd. With NFDC becoming an integrated body, resources can be used better. It will also focus on developing content for OTT and on making films and explore better ways to achieve its goals.

Reasonable convergence of activities and resources (of all four bodies) will not only lead to better coordination but this synergy will create balanced growth of Indian film industry, wherein feature films including content for over-the- top (OTT) platforms, children's content, animation, short films and documentaries, will be made by a singular organisation. NFDC will work as an umbrella organisation, which will mean that film development, production, promotion and preservation of filmic content will all come under single management. This will save manpower engagement, operational expenditure and also financial wastage.

The merger will focus on tapping into digital mediums, enhancing profitability and utilizing film and TV professionals. Long pending issues like better archiving under the National Film Archives, greater visibility at important film festivals, will take center stage. The merger would ensure, for all the institutions, quicker decision-making and a growth trajectory guided by profitability and deliverables that reflect in the balance sheet of the company. In its post-merger avatar, NFDC would be able to monetize the existing assets and infrastructure of all the units. With an expanded asset base, NFDC will emerge a stronger institution that would be in a position to make

लेने की स्थिति में होगा. एनएफएआई में किए जा रहे संग्रह और जीर्णोद्धार को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि एनएफडीसी के पास चलचित्र और ध्वनि पुनरूद्धार हेतु एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानकों में एकरूपता आती है. सभी पांच संस्थानों द्वारा आयोजित समाहोरों/मार्केटों को अब इस तरह के आयोजनों को आयोजित करने के लिए आवश्यक विशिष्ट कौशल से सुसज्जित टीम द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है.

1.2 पूंजी संरचना –
आपकी कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 4540 लाख है और प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 4539 लाख है.

1.3 राशि हस्तांतरित या किसी आरक्षित निधि में स्थानांतरित करने के लिए प्रस्तावित –
कंपनी ने 31.03.2022 तक किसी भी राशि को किसी रिजर्व में स्थानांतरित या स्थानांतरित करने का प्रस्ताव नहीं दिया है.

1.4 लाभांश
इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए ₹ 2367 लाख की संचित हानियों के कारण लाभांश के भुगतान की अनुशंसा नहीं की गई है और 31 मार्च, 2022 तक इसे आगे बढ़ाया गया है.

bigger decisions in content creation than it has hitherto. Archiving and restoration being done in NFAI would receive a boost as NFDC has a laid-out process for picture and sound restoration, resulting in uniformity of standards. Festivals/markets held by all the five institutions can now be handled by a single team equipped with the specific skill sets required to organize such events.

1.2 Capital structure –
Your company's authorized share capital is ₹ 4540 lakhs and paid up share capital is ₹ 4539 Lakhs.

1.3 Amount transferred or proposed to transfer to any reserves –
Your Company has not transferred or proposed to transfer any amount to any reserve as on 31.03.2022.

1.4 Dividend
Payment of Dividend is not recommended for the financial year 2021-22, due to accumulated losses of ₹ 2367 Lakhs being carried forward as on March 31, 2022.

2. वित्तीय समीक्षा

2.1 वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के कंपनी के वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप नीचे दिया जा रहा है –

2. Financial Review

2.1 Summary of Financial Results
The summary of financial results of the company for the year ended March 31, 2022 is given below –

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
सकल आय	Gross Income	7279	6437.97
ई बी आई डी टी ए	EBIDTA	(612)	161.90
वित्तीय खर्च	Financial Expenses	0	1.18
मूल्य -हास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortisation	62.09	96.63
कर पूर्व लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) Before Tax	(673.99)	64.08
कर के लिये प्रावधान आदि	Provision for Tax, etc.	0	0
करों के बाद लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) After Tax	(673.99)	64.08
घटाएं – लाभ/(हानि) आगे लाया गया	Less: Profit/(loss) Brought forward	(1692.71)	(1756.79)
तुलन पत्र पर शेष लाया गया	Balance Carried to Balance Sheet	(2366.70)	(1692.71)

2.2 विकास
बाल चित्र समिति, भारत, फिल्म प्रभाग, राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, भारत तथा फिल्म समारोह निदेशालय, जैसी मीडिया इकाइयों के विलय से भविष्य के वर्षों में एनएफडीसी की परिचालन क्षमता में कई गुना वृद्धि होगी और कंपनी के उच्च स्तर के तालमेल और परिचालन दक्षता और प्रॉडक्ट बास्केट लाने की संभावना है. हालांकि, वर्तमान में कोविड-19 नियंत्रण में है, तथापि निकट भविष्य में इसके कारण सार्वजनिक जीवन और अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता से इंकार नहीं किया जा सकता है.

2.3 सकल स्वामित्व
वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी का सकल स्वामित्व ₹ 2176 लाख का था. (पिछले वर्ष – ₹ 2850).

2.4 विदेशी मुद्रा (संरक्षण तथा निर्गामी व्यय)
आय के साधन फिल्म स्क्रीनिंग/ब्रॉडकास्ट राइट्स/लाइसेंस फीस/रॉयल्टी इन्कम आदि हैं. कन्सल्टिंग फीस/रजिस्ट्रेशन फीस/स्टाफ की यात्राओं आदि द्वारा व्यय होता है.
विवरण निम्नानुसार है –

2.2 Growth
The on-going merger of the media units like Children Film Society of India, Film Division, National Film Achieve of India and Directorate of Film Festivals Company will enhance operational genre of NFDC many folds in future years and is likely to bring in higher level of synergy and operational efficiency and product basket of the company. Though, Covid 19 is currently under control, however, uncertainty in public life and economy due to these cannot be ruled out in near future.

2.3 Net Worth
The net worth of the company for the financial year 2021-22 is ₹ 2176 Lakhs against ₹ 2850 Lakhs in the previous year.

2.4 Foreign Exchange (Earnings and Outgo)
Earnings are from Film Screening/Broadcasting rights/ License Fee/Royalty Income, etc. Expenditure is from Consultancy Fee/Registration Fee/Staff Traveling etc. The details are as under –

₹ लाखो में ₹ in lakhs

वित्त वर्ष	आय	व्यय
Financial Year	Earnings	Expenditure
2021-22	₹ 115.27	₹ 147.92
2020-21	₹ 60.44	₹ 39.93

3. वार्षिक रिटर्न

कंपनी अधिनियम 2013 के धारा 92(3) के अंतर्गत वर्ष 2021-2022 के लिए कंपनी की वार्षिक रिटर्न्स वेबसाइट www.nfdcindia.com/कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस पर दर्शायी जाती हैं.

4. निदेशकों का दायित्व संबंधी वक्तव्य

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134(3) (क) के अनुसार यह पुष्ट किया जाता है कि –

i. 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए समय के हिसाब किताब का वार्षिक लेखा तैयार करने में हिसाब किताब के वही मानदंड अपनाये गये हैं जो आमतौर पर अपनाये जाते हैं. साथ में वित्तीय विवरणों से संबंधित आवश्यक स्पष्टीकरण भी दे दिये गये हैं.

ii. हिसाब किताब के संबंध में उन्हीं नीतियों का चुनाव किया गया तथा सुसंगत रूप में लागू किया और अनुमान एवं निर्णय लिये गये जो सही तथा तथ्यपरक हैं, जो कंपनी के मामलों का सही और सच्चा विवरण देने में समर्थ हैं, कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत में और लाभ अथवा हानि का सही और सच्चा विवरण देते हैं.

iii. कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह की अनियमितताओं तथा जालसाजी आदि को रोकने के लिये लेखे जोखे का रिकॉर्ड कंपनी अधिनियम 2013 की प्रावधानों के अनुरूप पर्याप्त रूप से रखा गया है और इसकी देखभाल के लिये पर्याप्त इंतजाम किये हैं.

iv. वार्षिक लेखे जोखे का विवरण संचलित संस्थान के आधार पर तैयार किया गया है.

v. सभी लागू नियमों के प्रावधानों का भली भांति अनुपालन करने के लिए समुचित कार्यप्रणाली विकसित कर ली गई है और यह कार्यप्रणाली पर्याप्त रूप से प्रभावशाली है.

5. कंपनी की गतिविधियां

5.1 फिल्म निर्माण –
निगम के मुख्य उद्देश्यों मे से एक अच्छे सिनेमा का निर्माण करना है, इस संदर्भ में कंपनी सूचना और प्रसारण मंत्रालय की उप योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत □फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार□ (डीसीडीएफसी) योजना निष्पादित करती है.

i. एनएफडीसी को सूचना प्रसारण मंत्रालय से वित्तीय वर्ष 2021-2022 में "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" योजना के लिए 4 फिल्मों के निर्माण के लिए ₹ 4.88 करोड़ और फिल्म बंगबंधु के सह-निर्माण के लिए ₹ 15.50 करोड़ प्राप्त हुए.

ii. 'विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण'योजना के अंतर्गत चुनी गईं फिल्में

स्व निर्माण के तहत फिल्में –

1. सुश्री इंद्राणी चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित बंगाली फीचर फिल्म छाद पूरी हो चुकी है और सीबीएफसी ने फिल्म को प्रमाणित किया है. 'छाद' एक यथार्थवादी चित्र है जिसमें पाओली डैम, अरुणोदय 'राहुल' बैनर्जी, राजनंदिनी पॉल और अन्य प्रमुख कलाकार हैं.

3. Annual Return

As required under the provisions of the Section 92(3) of the Companies Act, 2013, the Annual Return of the Company for 2021-22 is displayed on the website www.nfdcindia.com/corporate performance.

4. Directors' Responsibility Statement

Pursuant to Section 134 (3) (c) of the Companies Act, 2013, it is hereby confirmed that –

i. In the preparation of the Annual Accounts for the period ended March 31, 2022, the applicable accounting standards have been followed, along with proper explanation relating to material departures.

ii. Such accounting policies are selected and applied consistently, and judgments and estimates made that are reasonable and prudent, so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company at the end of the financial year, and of the profit or loss of the company for that period.

iii. Proper and sufficient care is taken for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013, for safeguarding the assets of the company, and for preventing and detecting fraud and other irregularities.

iv. The annual accounts have been prepared on a going concern basis.

v. Proper systems have been devised to ensure compliance with the provision of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

5. Activities of The Company

5.1 Film Production –
One of main object of the Corporation is to produce good cinema, in this context the company executes the scheme "Development Communication and Dissemination of Filmic Content" (DCDFC) under the sub scheme "Production of films in various Indian languages" of the Ministry of Information & Broadcasting.

i. NFDC had received ₹ 4.88 Crores for production of 4 films for the scheme "Production of films in various Indian languages" and ₹ 15.50 crores for co-production of film Bangabandhu in the F.Y 2021-22 from the Ministry of Information Broadcasting.

ii. Films under various stages under the scheme "Production of films in various Indian Languages"

Films under Own Production –

1. Bengali feature film Chhaad directed by Ms. Indrani Chakrabarti has been completed and CBFC has certified the film. 'Chhaad' is a realistic drama starring Paoli Dam, Arunoday 'Rahul' Banerjee, Rajnandini Paul & Rajnandini Paul & another prominent cast.

2. श्री के. जयदेव द्वारा निर्देशित तेलुगु फीचर फिल्म कोरंगी नुंची पूरी हो चुकी है और सीबीएफसी ने फिल्म को प्रमाणित किया है. फिल्म में अभिनेता श्री विक्रांत संतोष, जेष्ठ अभिनेत्री सुश्री के. अर्चना और अन्य प्रमुख कलाकार हैं.

सह-निर्माण के तहत फिल्में –

1. श्री हाओबम पबन कुमार द्वारा निर्देशित जोसेफकी माचा एक साहसिक नाट्य है जिसमें अन्य प्रमुख कलाकारों के साथ मुख्य भूमिका में पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त गुरु रेवबेन मशांगवा हैं. मणिपुरी फिल्म की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है. फिल्म की शूटिंग मणिपुर राज्य के तुइनेम, रिंगुई, सोमदल, कीथेलमनबी, नोनी क्षेत्र में की गई थी. फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है.

2. श्री अमित दत्ता द्वारा निर्देशित डोगरी फीचर फिल्म पेड़ पे कमरा के निर्माता ने निगम से फीचर फिल्म को लाइव एक्शन से एनिमेशन में बदलने का अनुरोध किया है और मंत्रालय ने हिंदी भाषा में एनिमेशन फिल्म में रूपांतरण करने की मंजूरी दे दी है.

3. फिल्म "बंगबंधु" का सह-निर्माण –
श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित बंगाली भाषा में इंडो-बांग्लादेश सह-निर्मित फिल्म "बंगबंधु" बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु-शेख मुजीबुर रहमान के जीवन और कार्यों पर आधारित फिल्म है.

उपर्युक्त फिल्म की पूरी शूटिंग दो देशों में दो वर्षों से चार शेड्यूल में सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है और अब पोस्ट प्रोडक्शन गतिविधियां प्रक्रियाधीन हैं.

5.2 प्रीव्यू थियेटर
मुंबई और चेन्नई में स्थित प्रीव्यू थिएटर ने मासिक स्क्रीनिंग बढ़ाने के लिए सीबीएफसी और निजी पार्टियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा है. एनएफडीसी ने तमिलनाडु सरकार के सहयोग से एक बेहतरीन प्रीव्यू थियेटर और होम थियेटर बनावाया है जिसमें प्रोडक्शन कंपनियां, सीबीएफसी, फिल्म उद्योग संघों, दूतावासों, शिक्षा संस्थाएं, कॉर्पोरेट ऑफिसेस वगैरह फिल्मों की स्क्रीनिंग कर सकती हैं. वर्ष 2021-22 के दौरान टेगोर फिल्म सेंटर में 271 फिल्में दिखाई गईं.

5.3 कौशल विकास एवं प्रशिक्षण
वर्ष 2005 से राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई में फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है और लगभग 18,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और नियुक्त किया है.

- मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र उन संगठनों से विशेष गुणवत्ता प्रशिक्षण और प्रमाणन की मांग करता है जिन्होंने वर्षों से विश्वसनीयता हासिल की है, जो सिनेमा और प्रतिभा विकास में उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं. अंतर को जोड़ने तथा प्रतिभा और कौशल विकास को पोषित करना जोकि मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है, संगठन प्रतिबद्ध है.

- इस क्षेत्र में दृढ और प्रतिबद्ध प्रयासों के कारण, दिसंबर 2020 में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) को "अवार्डिंग बॉडी" का दर्जा मिला, जिसने संगठन को मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए कौशल और प्रतिभा विकास में गतिविधियाँ करने की अनुमति प्राप्त हुई.

श्रेणी ने संगठन को निम्नलिखित निष्पादित करने की अनुमति दी –

1 निजी प्रशिक्षण भागीदारों की संबद्धता
2 असेसमेंट्स का आयोजन करना
3 प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन (टीओटी);
4 पुरस्कार प्रमाणपत्र

2. Telugu feature film Korangi Nunchi directed by Shri K. Jayadev has been completed and CBFC has certified the film. The film features actors Shri Vikranth Santosh, Veteran Actress Ms K. Archana & other prominent cast.

Films under Co-production –

1. Josephki Macha directed by Shri Haobam Paban Kumar is an adventure drama featuring the Padma Shri Awardee Guru Rewben Mashangva in the lead role along with other prominent cast. Shooting of the Manipuri film, has successfully been completed. The film was shot in Tuinem, Ringui, Somdal, Keithelmanbi, Noney areain the state of Manipur. Film is under final stage of post-production.

2. The producer of Dogri feature film Ped Pe Kamra directed by Shri Amit Dutta has requested the Corporation to convert the feature film from Live action to Animation and the Ministry has approved conversion to Animation film in Hindi language.

3. Co-Production of Film “Bangabandhu” –
Bengali film “Bangabandhu” an Indo-Bangladesh Co-production is a film on the life and works of Shri Sheikh Mujibur Rehman, the father of the nation of Bangladesh, directed by Shri Shyam Benegal.

The entire shooting of the above mentioned film has been successfully completed spread in four schedules over two years in two countries and now post production activities are under process.

5.2 Preview Theatre
Preview Theatre at Mumbai and Chennai have kept its commitments to provide improved services to CBFC and private parties in order to increase monthly screenings. NFDC in collaboration with Government of Tamil Nadu has established a state of the art preview theatre and home theatre for screening of films for production companies, CBFC, film industry associations, embassies, educational institutions, corporate offices etc. During the year 2021-22, 271 films were screened in the Tagore Film Centre.

5.3 Skill Development & Training
National Film Development Corporation Ltd has been conducting training in various technical trades pertaining to film making since 2005 and has trained and placed nearly 18,000 candidates.

- The Media & Entertainment sector demands specialized quality training & certification by organizations who have gained credibility over the years, are known for their contribution in cinema and talent development. To bridge the gap and nurture talent and Skill development, which is crucial for the Media and Entertainment industry, your organization is committed.

- Owing to determined and committed efforts in this area, the National Film Development Corporation (NFDC) in December 2020, received the “Awarding Body” status, which allowed the organization to undertake activities in skill and talent development for the Media and Entertainment industry.

The status allowed the organization to execute the following –

1. Affiliation with private training partners;
2. Conduct Assessments;
3. Conduct Training of Trainers (ToT);
4. Award Certifications;

5 विभिन्न प्रशिक्षण भागीदारों को सामग्री की बिक्री
6 एनएसक्यूएफ के साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित करना;
7 फिल्म और टीवी में उत्कृष्टता केंद्र (CoE) खोलना

निगम ने मीडिया और मनोरंजन उद्योग, विशेष रूप से फिल्म और टेलीविजन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के कौशल, उन्नयन और प्रशिक्षण को सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों को महामारी की शुरुआत को प्रभावित नहीं होने दिया.

कौशल विकास और प्रशिक्षण क्षेत्र में 1 अप्रैल 2021 और 31 मार्च 2022 के बीच एनएफडीसी की प्रमुख गतिविधियाँ –

- दिसंबर 2020 में पुरस्कृत निकाय का दर्जा प्राप्त करने के बाद, एनएफडीसी ने डिजिटल स्टिल फ़ोटोग्राफ़ी (एनएसडीए कोड: 2020/एमई/एनएफडीसी/03875) में नेशनल काउंसिल फ़ॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) के तहत राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ़्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप तीन योग्यताएँ विकसित कीं डिजिटल वीडियो एडिटर (एनएसदीए कोड: 2020/एमई/एनएफडीसी/03966), और चीफ कैमरा असिस्टेंट (एनएसडीए कोड: 2020/एमई/एनएफडीसी/039655). योग्यता फाइलों के हिस्से के रूप में, हिंदी और अंग्रेजी में प्रतिभागी हैंडबुक और हिंदी और अंग्रेजी में फैसिलिटेटर गाइड विकसित किए गए थे.

- एनएफडीसी ने मीडिया और मनोरंजन उद्योग से 50 पाठ्यक्रमों/व्यवसायों की भी पहचान की है जिनमें योग्यता विकसित की जा सकती है.

- मार्च 2022 में आयोजित जूनियर कौशल पहल के तहत छात्रों के लिए डिजिटल फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित करने हेतु एनएफडीसी स्किल पार्टनर था. इसका आयोजन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के सहयोग से किया गया था.

- फाइनल राउंड में कक्षा 6-8, 9-10 और 11-12 के 24 छात्रों ने प्रथम पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की.

- एनएफडीसी ने नेटफ्लिक्स के सहयोग से वर्तमान में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में काम कर रही 100 महिला पटकथा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक पेड रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) कार्यक्रम लागू किया है. 25 प्रतिभागियों के चार बैचों का आयोजन किया गया और 25 वर्षों से अधिक समय से फिल्म उद्योग में काम कर रहे अनुभवी पटकथा लेखक, निर्माता और निर्देशक श्री मुनीश भारद्वाज, प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए.

- महिला पटकथा लेखन कार्यशालाओं के उम्मीदवारों के लिए लाभ मूल्यांकन एजेंसी के रूप में बोर्ड पर लाया गया है.

- एनएफडीसी ने विचार-विमर्श किया तथा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख के कौशल विकास बोर्डों/विभागों/मिशनों को टीवी और सिनेमा के लिए इन राज्यों में युवाओं के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू करने के प्रस्ताव भेजे. राज्यों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने पर भी विचार किया गया है तथा यथोचित प्रस्ताव भेजे गए हैं.

- एनएफडीसी ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, भारत (आईएफएफआई) में 75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो (सीएमओटी) के संभावित सहयोग के संबंध में बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होने वाली दुनिया की अग्रणी कौशल विकास पहल, बर्लिनेल टैलेंट के साथ विचार-विमर्श किया.

महामारी की शुरुआत के बाद, एनएफडीसी ने फिल्म निर्माण में शामिल तकनीकी और गैर-तकनीकी पहलुओं में ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया, जैसे कि नॉन-लीनियर एडिटिंग, मल्टीमीडिया, वीएफएक्स, डीआई-कलर करेक्शन, आदि.

कंपनी ने समझौता ज्ञापन किया तथा जूनियर कौशल, डिजिटल फोटोग्राफी आदि के लिए आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी), मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास मिशन (एमपीएसएसडीएम), राष्ट्रीय

5. Sale of Content to various training partners;
6. Conducting online courses aligned with NSQF;
7. Opening of Centres of Excellence (CoE) in film and television

Corporation did not let the onset of pandemic affect their efforts to ensure skilling, upskilling and training of people working in the Media and Entertainment industry, especially Film and Television sector.

The key activities NFDC undertook between 1st April 2021 and 31st March 2022 in the Skill Development and Training sphere –

- After receiving an Awarding Body status in December 2020, NFDC developed three qualifications, aligned with the National Skills Qualification Framework (NSQF), under the National Council for Vocational Education and Training (NCVET), in Digital Still Photography (NSDA Code: 2020/ME/NDFC/03875), Digital Video Editor (NSDA Code: 2020/ME/NFDC/03966), and Chief Camera Assistant (NSDA Code: 2020/ME/NFDC/039655). As part of the Qualification Files, Participant Handbooks in Hindi and English, and Facilitator Guide in Hindi and English, were developed.

- NFDC also identified 50 courses/professions from the Media and Entertainment industry in which qualifications may be developed.

- NFDC was the Skill Partner to conduct a Digital Photography Competition for students under the Junior Skills initiative, held in Match 2022. It was organized by National Skill Development Corporation (NSDC) in collaboration Central Board of Secondary Education (CBSE).

- In the final round, 24 students, from Classes 6-8, 9-10 and 11-12 competed for the First Prize.

- NFDC, in collaboration with Netflix implemented a paid Recognition of Prior Learning (RPL) programme to train 100 women scriptwriters currently working in the media and entertainment sector. Four batches of 25 participants each were organized and the veteran screenwriter, producer, and director working in the film industry for over 25 years, Shri. Munish Bharadwaj, joined as the trainer.

- Eduvantage has been brought on board as the assessment agency for the candidates of the women scriptwriting workshops.

- NFDC held discussions and sent proposals to Skill Development Boards/Departments/Missions of Chhattisgarh, Maharashtra, Madhya Pradesh, Sikkim and Ladakh to undertake Skill Development and Training activities for youth in these states for TV and Cinema. Setting up a Centre of Excellence has also been considered in the states and due proposals have been sent.

- NFDC held discussions with Berlinale Talents, world's leading talent development initiative, that takes place at the Berlin International Film Festival in regard to a prospective collaboration for 75 Creative Minds of Tomorrow (CMOT), at the International Film Festival of India (IFFI).

Following the onset of pandemic, NFDC started online courses in technical and non-technical aspects involved in filmmaking, such as Non-Linear Editing, Multimedia, VFX, DI-Colour Correction, among others.

Company has entered into MoU and collaborations for imparting various trainings with Andhra Pradesh State Skill Development Corporation (APSSDC), Madhya Pradesh State

पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम (एनबीसीएफडीसी), राष्ट्रीय विकलांग फिल्म विकास निगम (एनएचएफडीसी) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सहयोग किया है.

एनएफडीसी फिल्म बाजार के दौरान ज्ञान श्रृंखला में कौशल विकास कार्यशालाओं और सत्रों का भी आयोजन करता है. उद्योग के नेताओं द्वारा इस प्रयास की सराहना की गई और इसे मान्य किया गया और प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया और एफटीआईआई द्वारा इसका समर्थन किया गया. पटकथा लेखन, अभिनय, लघु फिल्म लेखन, वीएफएक्स, छायांकन और निर्देशन के क्षेत्रों में कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं. कार्यशालाओं का संचालन फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित श्री प्रसून जोशी, श्रीमती वाणी त्रिपाठी टिक्कू, श्रीमती मेघना गुलज़ार, श्री आदिल हुसैन, श्री पुनीत कृष्णा आदि द्वारा किया गया. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से कौशल विकास पर ज्ञान श्रृंखला सत्र हुआ.

लॉकडाउन के दौरान, एनएफडीसी ने विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी पहलुओं में ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए, ये पाठ्यक्रम सफल रहे और भविष्य में इसे नियमित प्रयोग बनाने के अनुरोध के साथ अनुकूल पंजीकरण प्राप्त हुए. एनएफडीसी नेटवर्क के साथ कई निजी साझेदार जैसे रेड एफएम, नेटफ्लिक्स, एमेझोन प्राइम, एडोब आदि ने सहयोग करने का प्रस्ताव दिया. एनएफडीसी ने फिल्म प्रशंसा पर एफटीआईआई के साथ एक प्रायोगिक कार्यक्रम भी शुरू किया, यह पाठ्यक्रम सीटों से अधिक सदस्यता और नए बैचों और सत्रों के अनुरोध के साथ सफल रहा. एनएफडीसी के पास अभी स्क्रिप्ट लेखन, संपादन, वॉयस ओवर आर्टिस्ट, फिल्म प्रशंसा और विभिन्न अन्य कार्य भूमिकाओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पूर्ण रूप से ऑनलाइन कक्षाएं हैं.

एनएफडीसी बेरोजगार युवाओं के लिए मीडिया से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रहा है और वर्ष के दौरान 750 ऑनलाइन और 290 ऑफलाइन कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए. वर्तमान में हमारी निम्नलिखित गतिविधियां इस प्रकार –

i. स्कूल शिक्षा विभाग, तमिलनाडु सरकार.
समग्र शिक्षा योजना के तहत, तमिलनाडु सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने तमिलनाडु के 37 जिलों के 278 स्कूलों में 9वीं और 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले 11,120 स्कूली छात्रों के लिए "मल्टीमीडिया" में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनएफडीसी के साथ एक समझौता किया है. विभाग ने स्कूलों में कौशल प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एनएफडीसी को ₹ 3.05 करोड़ हस्तांतरित किए हैं.

ii. तमिलनाडु कौशल विकास निगम (टीएनएसडीसी)
तमिलनाडु कौशल विकास निगम (टीएनएसडीसी) के तहत एनिमेशन और मल्टीमीडिया में 70 अंतिम वर्ष के कॉलेज के पूर्वस्नातक छात्रों को "स्थायी उद्योग - शिकायत रोजगार" प्रशिक्षण प्रदान किया गया था.

iii. दिव्यांगजन कल्याण (डीएडब्ल्यू)
वर्ष के दौरान, तमिलनाडु में लगभग 204 बेरोजगार दिव्यांगजनों को तमिलनाडु राज्य के अलग-अलग दिव्यांगजन कल्याण विभाग की योजनाओं के तहत कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

साथ ही, एनएफडीसी को संपादन, मल्टीमीडिया, एनिमेशन, ऑडियो इंजीनियरिंग और डिजिटल स्टिल फोटोग्राफी में लगभग 250 बेरोजगार दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु विभाग से कार्य आदेश प्राप्त हुआ है.

एनएफडीसी ने राष्ट्रीय बहु दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीएमडी) के सहयोग से डीएडब्ल्यू योजना के तहत लगभग 16 बौद्धिक रूप से दिव्यांग उम्मीदवारों को मल्टीमीडिया कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया.

एनएफडीसी भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिची के सहयोग से डीएडब्ल्यू योजना के तहत लगभग 50 बौद्धिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को मल्टीमीडिया कौशल प्रशिक्षण जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है.

Skill Development Mission (MPSSDM), National Backward Classes Finance Development Corporation (NBCFDC), National Handicapped Film Development Corporation (NHFDC), National Skill Development Corporation (NSDC) for Junior Skills, Digital Photography etc.

NFDC now also organizes the skill development workshops and sessions in the knowledge series during Film Bazaar. The effort was appreciated and validated by the industry leaders and was endorsed by the Producers Guild of India, Film Federation of India and FTII. The workshops are conducted in the areas of Script Writing, Acting, Short Film Writing, VFX, Cinematography & Direction. The workshops were conducted by industry eminent like Shri Prasoon Joshi, Smt Vani Tripathi Tikkoo, Smt Meghna Gulzar, Shri Adil Hussain, Shri Puneet Krishna and others. The knowledge Series session on skill development were supported by Ministry of Skill Development & Entrepreneurship.

During the lockdown, NFDC started online courses in various technical & non-technical aspects, these courses were a success and had optimum enrollments with requests for making it a regular exercise in future. With NFDC network, several private partners such as, Red FM, Netflix, Amaxon Prime, Adobe have offered to collaborate. NFDC also initiated a pilot programme with FTII on Film Appreciation. The course was a success with over subscription of seats and request for new batches and sessions. NFDC now has a full- fledged online classes for various courses in Script Writing, Editing, Voice Over Artist, Film Appreciation etc.

NFDC is also conducting various media related training programme for the unemployed youth and during the year 750 online and 290 offline skill training was imparted. Current we undertaking following –

i. Department for School Education, Government of Tamil Nadu.
Under the Samagra Shiksha scheme, Department of School Education, Government of Tamil Nadu has entered into an arrangement with NFDC for providing skill training in "Multimedia" for 11,120 school students studying in 9th and 11th Standard in 278 schools in 37 districts of Tamil Nadu. The department has transferred ₹ 3.05 Crore to NFDC for conducting the skill training in schools.

ii. Tamil Nadu Skill Development Corporation (TNSDC)
Under Tamil Nadu Skill Development Corporation (TNSDC) "Sustainable Industry - Complaint Employment" training was provided to 70 undergraduate final year college students in Animation and Multimedia

iii. Differently Abled Persons Welfare (DAW)
During the year, around 204 unemployed Differently Abled Persons in Tamil Nadu were provided skill training under the schemes of the Tamil Nadu State Differently Abled Persons Welfare Department.

Also, NFDC has received work order from the department for providing skill training for around 250 unemployed Differently Abled Persons in Editing, Multimedia, Animation, Audio Engineering and Digital Still Photography.

NFDC in association with the National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (NIEPMD) provided Multimedia skill training to around 50 Intellectually Challenged candidates under DAW scheme.

NFDC in association with Bharathidasan University, Tirchy provided various courses like Multimedia skill training to around 50 Intellectually Challenged candidates under DAW scheme.

iv. ट्रान्सजेंडर समुदाय का कल्याण
ट्रान्सजेंडर समुदाय के सशक्तिकरण के लिए, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग और वित्त विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) ने 50 ट्रान्सजेंडर उम्मीदवारों को संपादन और वीडियोग्राफी में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनएफडीसी के साथ करार किया.

v. पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का कल्याण
पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभ के लिए, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग और वित्त एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) ने एनएफडीसी के सहयोग से संपादक और ग्राफिक डिजाइनर की जॉब रोल्स में 200 उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण शुरू किया है.

5.4 वितरण
हिंदी सहित 20 से अधिक क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों और 85 टाइटल्स को पुन:स्थापित करने के साथ एनएफडीसी 120 फिल्मों की सूची को एकीकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यताएं जीती हैं. उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए ये सामग्री दुनिया भर के विभिन्न टीवी, डिजिटल, वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान करके तथा उसमें भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा का मुखमंडल है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है. वितरण को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में संरचित किया गया है, जैसे फिल्म समारोह और फिल्म बाजार के साथ वितरण - थिएट्रीकल, सिंडीकेशन - घरेलू, निर्यात - अंतर्राष्ट्रीय बिक्री, ओटीटी - भारत के सिनेमा, होम-वीडियो. ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com एनएफडीसी की फिल्मों को साल भर प्रदर्शित करता है और दुनिया में कहीं से भी उपलब्ध किया जा सकता है.

5.4.1 घरेलू
दूरदर्शन
श्री जी वी अय्यर द्वारा निर्देशित एनएफडीसी की संस्कृत भाषा की फीचर फिल्म 'आदि शंकराचार्य' के मूल भाषा में हिंदी और तमिल डब किए गए संस्करणों के साथ-साथ दूरदर्शन - राष्ट्रीय, डीडी - भारती और डीडी - पोधिगई चैनलों पर प्रसारित करने की सुविधा प्रदान की.

रिलायंस प्रोजेक्ट्स एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (जियो सिनेमा)
भारत के लिए एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-अनन्य आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए रिलायंस के जियो सिनेमा ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ औपचारिक रूप से 90 फिल्में डील करती हैं.

फेस्टिवल स्क्रीनिंग (घरेलू)
एनएफडीसी के ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com पर 2 से 5 मई 2021 के बीच आयोजित होने वाले सत्यजीत रे फिल्म फेस्टिवल का ऑनलाइन आयोजन नि:शुल्क किया गया. सत्यजीत रे के निर्देशन में बनी तीन क्लासिक फिल्मों आगंतुक (द स्ट्रेंजर), गणशत्रु (एनिमी ऑफ द पीपल), घरे बैरे (द होम एंड द वर्ल्ड), संदीप रे की उत्तरण (द ब्रोकन जर्नी) सहित श्री उत्पलेंदु चक्रवर्ती और नेमई घोष द्वारा निर्देशित सत्यजीत रे के डॉक्यू - फीचर संगीत, श्री अनिर्बन मित्र और श्री तीर्थो दासगुप्ता द्वारा 'अ रे ऑफ लाइट' जैसी छ फिल्में समारोह का का हिस्सा थे.

5.4.2 निर्यात
मुबी, यूके
विश्वभर में एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-अनन्य आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए एमयूबीआई ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ औपचारिक रूप से 24 फिल्में डील करती हैं. 2019 से एनएफडीसी एमयूबीआई के साथ पारस्परिक रूप से लाभदायक सहयोग साझा करता है. और यह मुबी के साथ तीसरा सफल सहयोग था.

iv. Welfare of Transgender Community
For the empowerment of Transgender Community, the National Backward Classes and Finance Development Corporation (NBCFDC) entered into an arrangement with NFDC for providing skill training to 50 transgender candidates in Editing and Videography.

v. Welfare of Backward Classes and Economically Weaker Section
For the benefit of backward classes and economically weaker section, the National Backward Classes and Finance Development Corporation (NBCFDC) in association with NFDC has initiated skill training to 200 candidates in Editor and Graphic Designer job roles

5.4 Distribution
With over 300 films in 20+ regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC syndicates a catalogue of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards & recognitions. These content are syndicated across various TV, Digital, Video on Demand platforms worldwide for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues. Distribution is structured into various verticals namely Distribution – Theatrical, Syndication – Domestic, Exports – International Sales, OTT – Cinemas of India, Home-Video along with Film Festivals & Markets. The OTT platform www.cinemasofindia.com streams NFDC's films through out the year and is accessible from anywhere in the world.

5.4.1 Domestic
Doordarshan
Facilitated the telecast of NFDC's Sanskrit language feature film Adi Shankaracharya directed by Shri G V Iyer in original language along with Hindi and Tamil dubbed versions to Doordarshan – National, DD – Bharati & DD – Podhigai channels.

Reliance Projects and Property Management Services Limited (Jio Cinema)
Formalized 90 films deal with Reliance's Jio Cinema OTT platform for a period of 18 months on a non-exclusive basis for SVOD rights for India.

Festival Screenings (Domestic)
Organized the Satyajit Ray Film Festival Online which was held between 2nd to 5th May 2021 on NFDC's OTT platform www.cinemasofindia.com for free. Six films including three of Satyajit Ray's directorial classics Agantuk (The Stranger), Ganashatru (Enemy of the People), Ghare Baire (The Home and the World), Sandip Ray's Uttoran (The Broken Journey) along with docu-features Music of Satyajit Ray directed by Shri Utpalendu Chakraborty & Nemai Ghosh – a RAY of light by Shri Anirban Mitra & Shri Tirtho Dasgupta were part of the Festival.

5.4.2 Exports
MUBI, UK
Formalized 24 films deal with MUBI OTT platform for a period of 18 months on non-exclusive basis for SVOD rights Worldwide. NFDC shares a mutually beneficial association with MUBI since 2019 & this was the third successful collaboration with MUBI.

एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स
एनएफडीसी ने पाथेर पांचाली (1955) फिल्म के 3 (तीन) और 7 (सात) सेकंड के क्लिप राइट्स की सुविधा एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स को दी है, यह क्लिप अकादमी संग्रहालय की स्पीलबर्ग फैमिली गैलरी में प्रदर्शनी के लिए 700 से अधिक फिल्मों के संकलन का हिस्सा है और दस (10) वर्षों की अवधि के लिए सिनेमा 2 गैलरी की कहानियों का परिचय जो 30 सितंबर 2021 को प्रदर्शनी के सार्वजनिक शुभारंभ के साथ शुरू हुआ.

महोत्सव स्क्रीनिंग (अंतर्राष्ट्रीय)

i. श्री जब्बार पटेल द्वारा निर्देशित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर फिल्म (2000) की स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई, इसे 14 अप्रैल 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह (भारत @75) के हिस्से के रूप में भारतीय दूतावास के ऑडिटोरियम, जकार्ता, इंडोनेशिया में प्रदर्शित किया गया.

ii. निदेशक श्री सत्यजीत रे द्वारा फिल्म पाथेर पांचाली (1955) को 11-20 जून 2021 के बीच शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, शंघाई, चीन 2021 के 23वें संस्करण में तथा 11-21 नवंबर 2021 के बीच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, मैनहेम-हीडलबर्ग, जर्मनी 2021 के 70वें संस्करण में प्रदर्शित किया गया था.

iii. निर्देशक श्री उत्पलेंदु चक्रवर्ती द्वारा म्यूझिक ऑफ सत्यजीत रे (1984) को 04-13 जून 2021 के बीच न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल, न्यूयॉर्क, यूएसए 2021 के 21वें संस्करण में प्रदर्शित किया गया था और जिसे रिवर टू रिवर फ्लोरेंस इंडियन फिल्म फेस्टिवल, इटली के 4 दिसंबर 2021 को 21वें संस्करण में प्रदर्शित किया गया था.

iv. श्री सत्यजीत रे द्वारा निर्देशित घरे बैरे (1984) को 12-22 अगस्त 2021 के बीच दक्षिण एशिया के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, टोरंटो, कनाडा 2022 के 10वें संस्करण में प्रदर्शित किया गया था.

v. 15-30 अगस्त 2021 के बीच आयोजित मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के भारतीय फिल्म समारोह में श्री सत्यजीत रे द्वारा निर्देशित एनएफडीसी की फिल्में घरे बैरे (1984), गणशत्रु (1989), आगंतुक (1992) तथा निर्देशक श्री उत्पलेंदु चक्रवर्ती द्वारा म्यूझिक ऑफ सत्यजीत रे (1984), के साथ श्री अनिर्बान मित्रा और श्री तीर्थो दासगुप्ता द्वारा निर्देशित नेमाई घोष - रे ऑफ लाइट (2018) को ऑनलाइन स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की.

vi. निर्देशक श्री सत्यजीत रे द्वारा एनएफडीसी की फिल्म गणशत्रु (1989) को 19-28 नवंबर 2021 के बीच मॉन्ट्रियल के दक्षिण एशियाई फिल्म समारोह में कबीर सांस्कृतिक केंद्र, कॅनडा में प्रदर्शित की गई.

vii. एनएफडीसी का वृत्तचित्र म्यूजिक ऑफ सत्यजीत रे (1984) निदेशक: श्री उत्पलेंदु चक्रवर्ती, श्री सत्यजीत रे द्वारा निर्देशित पाथेर पांचाली (1955) की सुविधा प्रदान की.

viii. सितंबर-अक्टूबर 2021 के दौरान आयोजित होने वाले फेस्टिवल के लिए द हॉंगकॉंग इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सोसाइटी लिमिटेड को नीचे दिए गए सत्यजीत रे फिल्म्स की सुविधा प्रदान की – पाथेर पांचाली (सॉंग ऑफ द रोड), आगंतुक (द स्ट्रेंजर), गणशत्रु (एनिमी ओफ द पीपल), घरे बैरे (द होम एंड द वर्ल्ड), उत्पलेंदु चक्रवर्ती और नेमाई घोष द्वारा निर्देशित म्यूझिक ऑफ सत्यजीत रे तथा श्री अनिर्बान मित्रा और श्री तीर्थो दासगुप्ता द्वारा अ रे ऑफ लाइट के डॉक्यू-फीचर्स के साथ.

5.4.3 सिनेमाज ऑफ इंडिया ओटीटी
(ओटीटी) प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा संचालित अभियानों के लक्ष्यों, मिशन और उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाना और सभी मंत्रालय के नेतृत्व वाली सामग्री का प्रतिनिधित्व करने के लिए सिंगल क्लिक प्लेटफॉर्म बनना है. यह प्लेटफॉर्म 2012 में शुरू किया गया, एनएफडीसी का आधिकारिक वीओडी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com एनएफडीसी की पुरस्कार विजेता क्लासिक्स और अधिग्रहीत फिल्मों, शॉर्ट्स और वृत्तचित्रों का एक समुचित मिश्रण है. एक महीने के लिए ₹ 149 की प्रीमियम

Academy Museum of Motion Pictures
NFDC facilitated clip rights of 3 (three) & 7 (seven) seconds from the movie Pather Panchali (1955) to Academy Museum of Motion Pictures, the clip is part of the montage featuring 700+ films for exhibition in the Academy Museum's Spielberg Family Gallery and Intro to Stories of Cinema 2 Gallery for a period of ten (10) years which commenced with the public opening of the Exhibition on 30 September 2021

Festival Screenings (International)

i. Facilitated the screening of the film Dr Babasaheb Ambedkar (2000) Dir: by Shri Jabbar Patel, it was showcased at The Embassy of India Auditorium, Jakarta, Indonesia as part of Azadi Ka Amrit Mahotsav Celebration (India @75) on 14 April 2021.

ii. Pather Panchali (1955), Dir: Lt Shri Satyajit Ray, was screened between 11-20 June 2021 at the 23rd edition of Shanghai International Film Festival, Shanghai, China 2021 and was screened between 11-21 November 2021 at the 70th edition of International Film Festival Mannheim-Heidelberg, Germany 2021.

iii. Music of Satyajit Ray (1984), Dir: Shri Utpalendu Chakraborty, was screened between 04-13 June 2021 at the 21st edition of New York Indian Film Festival, New York, USA 2021 and which was screened on 4th December 2021 at the 21st edition of River to River Florence Indian Film Festival, Italy.

iv. Ghare Baire (1984), Dir: Lt. Shri Satyajit Ray, was screened between 12-22 August 2021 at the 10th edition of International Film Festival of South Asia, Toronto, Canada 202.

v. Facilitated NFDC's movies Ghare Baire (1984), Ganashatru (1989), Agantuk (1992), Dir: Lt. Shri Satyajit Ray & Music of Satyajit Ray (1984), Dir: Shri Utpalendu Chakraborty along with Nemai Ghosh – A Ray f Light (2018) Dir: Shri Anirban Mitra & Shri Tirtho Dasgupta to Indian Film Festival of Melbourne, Australia for the online screenings which was held between 15-30 August 2021.

vi. NFDC's movie Ganashtru (1989), Dir: Lt. Shri Satyajit Ray, was screened between 19-28 Nov 2021 at the South Asian Film Festival of Montreal, Kabir Cultural Centre, Canada.

vii. Facilitated the NFDC's documentary Music of Satyajit Ray (1984), Dir: Shri Utpalendu Chakraborty, Pather Panchali (1955), Dir: Lt. Shri Satyajit Ray,

viii. Facilitated the below-mentioned Satyajit Ray Films to The Hong Kong International Film Festival Society Limited for their festival which was held during September – October 2021. Pather Panchali (Song of the Road), Agantuk (The Stranger), Ganashatru (Enemy of the People), Ghare Baire (The Home and the World), along with docu-features Music of Satyajit Ray directed by Utpalendu Chakraborty & Nemai Ghosh – a RAY of light by Shri Anirban Mitra & Shri Tirtho Dasgupta.

5.4.3 Cinemas of India OTT
The Over-The- Top (OTT) platform www.cinemasofindia.com aims to align with the goals, mission & objectives of Government of India driven campaigns & be the single click platform to represent all Ministry-led contents. The platform was launched in 2012, it streams NFDC's award winning classics & a decent mix of acquired films, shorts & documentaries. Available in premium subscription of ₹

सदस्यता में उपलब्ध है और सभी सामग्री (एसवीओडी) के लिए एक वर्ष के लिए ₹ 599 या शीर्षकों को 72 घंटे (टीवीओडी) के लिए ₹ 60 में किराए पर लिया जा सकता है. घरेलू ग्राहकों के लिए तथा एक महीने के लिए 2.99 अमेरिकी डॉलर और एक साल के लिए 7.99 अमेरिकी डॉलर और 72 घंटे के लिए उपलब्ध एकल फिल्म के लिए 0.99 अमेरिकी डॉलर.

149 for a month & ₹ 599 for a year for all content (SVoD) or titles can be rented for ₹ 60 each for 72 hours (TVoD) for the Domestic subscribers and USD 2.99 for a month & USD 7.99 for a year and USD 0.99 for a single film available for 72 hours.

फिल्म समारोहों का आयोजन भारत के राष्ट्रीय त्योहारों स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती के उपलक्ष्य में मंच पर किया जाता है ताकि भारत और विदेशों में भारतीयों सहित पूरे देश में देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना पैदा हो सके.

Film Festivals are organized on the platform commemorating the India's National Festivals of Independence Day, Republic Day, Gandhi Jayanti to imbibe a sense of patriotism & nationalism across lengths and breadths of India & including Indians abroad.

#आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर, विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया और एनएफडीसी ने अपने www.cinemasofindia.com ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस अवसर पर श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित फिल्म मंथन (1976) का प्रदर्शन किया. साथ ही, विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया और एनएफडीसी ने अपने www.cinemasofindia.com ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस अवसर पर नीचे उल्लिखित फिल्मों का प्रदर्शन किया.

On the occasion of #AzadiKaAmritMahotsav, the World Milk Day was observed and NFDC showcased the film Manthan (1976), Dir: Shri Shyam Benegal on the occasion on its www.cinemasofindia.com OTT platform. Further, the World Environment Day was observed and NFDC showcased the films mentioned below on the occasion on its www.cinemasofindia.com OTT platform.

	फिल्म	भाषा	निर्देशक	वर्ष
1	पलताडाचो मुनिस	कोंकणी	श्री लक्ष्मीकांत शेटगावकर	2009
2	आरण्यक	हिंदी	श्री ए.के.बीर	1994
3	क्रोसिंग ब्रिजेस	शेरतुप्केन	श्री सेंज दोर्जी थोंगडोक	2014
4	बनगरवाडी	मराठी	श्री अमोल पालेकर	1995
5	एज द रिवर फ्लॉज	हिंदी	श्री बिद्युत कोटकी	2012

	Film	Language	Director	Year
1	Paltadacho Munis	Konkani	Shri Laxmikant Shetgaonkar	2009
2	Aranyaka	Hindi	Shri A.K Bir	1994
3	Crossing Bridges	Shertukpen	Shri Sange Dorjee Thongdok	2014
4	Bangarwadi	Marathi	Shri Amol Palekar	1995
5	As The River Flows	Hindi	Shri Bidyut Kotoki	2012

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 15 अगस्त 2021 के दौरान स्वतंत्रता और देशभक्ति के विषय पर आधारित, एनएफडीसी की फिल्मों को www.cinemasofindia.com प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया गया

Based on the theme of Independence & Patriotism during 15th August 2021 for celebrating the Azadi Ka Amrit Mahotsav, NFDC's films were streamed on the platform www.cinemasofindia.com

क. गांधी (अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और उपलब्ध क्षेत्रों में सुलभ प्रारूप में)

ख. द मेकिंग ऑफ द महात्मा (अंग्रेजी और हिंदी)

ग. घरे बैरे (बंगाली)

a. Gandhi (English, Hindi, Tamil, Telugu, Malayalam & In Accessible Format in available territories)

b. The Making of the Mahatma (English & Hindi)

c. Ghare Baire (Bengali)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा 23 से 29 अगस्त 2021 के बीच आइकोनिक सप्ताह भी मनाया गया और एनएफडीसी ने इस अवसर पर अपने www.cinemasofindia.com ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रति दिन एक फिल्म नि:शुल्क दिखाकर सात फिल्मों का प्रदर्शन किया. दिखाई गई फिल्में क्रमशः बनगरवाडी, बायोस्कोप, क्रॉसिंग ब्रिजेस, एक घर, आइलैंड सिटी, मिस बेटीज चिल्ड्रेन और वीस म्हणजे वीस थीं.

The Iconic Week was also observed by Ministry of Information & Broadcasting between 23rd to 29th August 2021 and NFDC showcased seven films on the occasion on its www.cinemasofindia.com OTT platform by streaming one film for free each day. The Films streamed were Bangarwadi, Bioscope, Crossing Bridges, Ek Ghar, Island City, Miss Beatty's Children & Vees Mhanje Vees respectively.

5.4.4 फिल्म मार्केट्स

निगम दुनिया भर के सभी प्रमुख फिल्म मार्केटों में अपना प्रतिनिधित्व जारी रखता है और सभी प्रसिद्ध फिल्म मार्केटों जैसे मार्चे डू कान्स, अमेरिकन फिल्म मार्केट (एएफएम), यूरोपीय फिल्म मार्केट (ईएफएम), फिल्ममार्ट (हांगकांग) आदि में एनएफडीसी का ब्रांड निर्माण करता है और ए-लिस्ट फेस्टिवल प्रोग्रामर्स, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों/वितरकों और प्रतिष्ठित पत्रकारों और संभावित भागीदारी और सामग्री बिक्री के लिए स्काउट के साथ अच्छे संबंध बनाए रखता है.

मार्चे डू कान्स 2021 ऑनलाइन

6-17 जुलाई 2020 से 74 वें फेस्टिवल डी कान्स ऑनलाइन - मार्चे डू फिल्म में सहयोग के लिए बैठकों में भाग लिया और उपस्थित रहें.

5.4.4 Film Markets

Corporation continues its representation at all major film markets across the globe and build brand NFDC across all renowned markets such as Marche du Cannes, American Film Market (AFM), European Film Market (EFM), Filmart (Hong Kong) etc. and build great relationships with A-list festival programmers, International sales agents/distributors & journalists of repute and to scout for potential partnerships & content sales.

Marche Du Cannes 2021 Online

Participated & attended meetings for collaborations in Marche du Film – 74th Festival De Cannes Online from 6th – 17th July 2021

अमेरिकन फिल्म मार्केट ऑनलाइन
एक केंद्रीकृत बाज़ार, अमेरिकन फिल्म मार्केट दुनिया के किसी भी अन्य फ़िल्म बाज़ार की तुलना में अधिक व्यवसाय-उन्मुख है. एनएफडीसी के अधिकारियों ने 01 से 5 नवंबर 2021 में हुए ऑनलाइन मार्केट में प्रतिभागिता की.

यूरोपीय फिल्म बाजार 2022 ऑनलाइन
बर्लिनले का 72वां संस्करण 10 से 17 फ़रवरी 2022 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था. एनएफडीसी के वितरण विभाग के अधिकारियों ने नए सौदों की खोज के लिए ऑनलाइन बाजार में भाग लिया और पैनल सत्रों में भाग लिया.

बर्लिनेल 2022 के 72वें संस्करण के दौरान 10 से 17 फरवरी 2022 के बीच सीआईआई के इंडिया पेव्हेलियन प्लेटफॉर्म पर दिखाने के लिए घरे बैरे, आगंतुक, गणशत्रु और वृत्तचित्र म्यूजिक ऑफ सत्यजीत रे और नेमाई घोष - अ रे ऑफ लाइट की सुविधा देकर सत्यजीत रे शताब्दी समारोह मनाया.

American Film Market Online
A Centralized Marketplace, AFM is more business-oriented than any other film market in the World. The NFDC's officials attended the online market between 01st to 5th November 2021.

European Film Market 2022 Online
The 72st edition of Berlinale was held online from10th to 17th February 2022. The officials from NFDC's distribution department attended the online market for scouting new deals & attended panel sessions.

Celebrated the Satyajit Ray Centennial during the 72nd edition of Berlinale 2022, by facilitating the films Ghare Baire, Agantuk, Ganashatru and the documentaries Music of Satyajit Ray & Nemai Ghosh – A Ray of Light for streaming on CII's India Pavilion platform between 10th to 17th February 2022.

फिल्म बाजारों में प्रमुख उपलब्धियां –

i. भारत से परे पूरे मीडिया और मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ें.

ii. सिंडिकेशन के लिए प्रमुख स्टूडियो का प्रतिनिधित्व करने वाले खरीदारों/साझेदारों/बिक्री एजेंटों से जुड़ें.

iii. ओटीटी के दिग्गजों के साथ, नेटवर्क और स्वतंत्र सेवाओं से जुड़ें, जो आर्टहाउस और स्थानीय दर्शकों पर केंद्रित हैं और मुख्यधारा के खिलाड़ियों के बाहर फिल्म प्रशंसक हैं.

Key objectives achieved at Film Markets –

i. Connect with the entire Media & Entertainment ecosystem beyond India.

ii. Connect with Buyers/Partners/Sales Agents representing major studios for Syndication.

iii. Alongside the giants of OTT, network & connect with independent services, focused on arthouse and niche audiences and have film fans outside the mainstream players.

5.4.5 वितरण टाई अप्स की स्थिति

प्लेटफार्म्स	टाई-अप्स	विवरण
डिजिटल प्लेटफार्म्स	एमयूबीआई, यूके	वर्तमान में प्लेटफार्म पर एनएफडीसी के 24 लाइब्रेरी टाइटल्स चल रहे है.
	टाटा स्काई, इंडिया	डीटीएच पर 75 लाईब्रेरी टाइटल्स उपलब्ध है.
	एपिक ऑन	वैश्विक स्ट्रिमिंग के लिए एपिक ऑन पर 60 लाइब्रेरी टाइटल्स चल रहे है.
	क्राइटेरियन कलेकशन (जानूस) न्यूयोर्क, यूएसए	एनएफडीसी की मणी कौल की फिल्मों के लिए यूएसए तथा कॅनडा में क्षेत्रीय लाभ उठाने की साझेदारी.
सैटेलाइट चैनल्स	सोनी पिक्चर्स नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड	10 मराठी फिल्में क्रियाशील हैं
इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट	कॉन्टेटिनो मीडिया एलएलपी	एनएफडीसी की फिल्में विश्व भर में एयरलाइन्स पर दिखाने के लिए सहयोग जारी.
वीडियो-ऑन-डिमांड www.cinemasofindia.com	प्रोजेटा- अंतर्राष्ट्रीय ओटीटी वेंडर तथा पे यू, पेमेनट गेटवे पार्टनर	एनएफडीसी के वीओडी प्लेटफार्म के लिए समेकित यूज़र अनुभव बनाने सहयोग जारी.
अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	गोल्डक्रेस्ट फिल्म्स	
	(गांधी कलेक्शन एजंट)	एनएफडीसी की सहनिर्मित फिल्म गांधी (1982) के लिए एनएफडीसी की बिक्री पर द्वि-वार्षिक रिपोर्टिंग.
	स्ट्रे डॉग, फ्रांस स्थित सेल्स एजेंट्स	पार्थो सेनगुप्ता निर्देशित अरूणोदय (द सनराइज), रूचिका ओबेराय द्वारा निर्देशित आयर्लंड सिटी फीचर फिल्मों पर हमारी बिक्री के बारे में रिपोर्ट
	मैच फैक्टरी जीएमबीएच (जर्मनी)	अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों के लिए किस्सा – द टेल ऑफ अ लोनली घोस्ट तथा लंच बॉक्स के लिए हमारी बिक्री की बारे में रिपोर्ट
	राइज़ + शाइन, यूके	द गोल्ड लेडन शीप एंड द सेकरेड माउंटेन फिल्मों के लिए विशेष बिक्री एजेंट

5.4.5 Distribution tie-ups status

Platforms	Tie-ups	Details
Digital Platform/s	MUBI, UK	NFDC's 24 library titles are streaming currently on the platform.
	Tata Sky, India	75 library titles are available on DTH
	EPIC ON	60 library titles are streaming on Epic on for global streaming
	Criterion Collection (Janus),	
New York, USA	Partnership to exploit territories in USA & Canada for NFDC's Mani Kaul titles.	
Satellite Channel/s	Sony Pictures Network Pvt. Ltd.	10 Marathi Films are in an active deal.
In-Flight Entertainment	Contentino Media LLP	Continued collaboration for showcasing NFDC films on Airlines globally
Video-on-Demand	Prozeta an international OTT vendor along with PayU, payment gateway partner.	Continued association to create a seamless user experience for the NFDC's VoD platform
International Sales	Goldcrest Films	
(Gandhi Collection Agent)	NFDC's Co-Production Gandhi (1982). Bi-Annual Reporting on NFDC sales.	
	Stray Dog, a France based Sales Agents	Report in on our sales on feature films Arunoday (The Sunrise) directed by Shri Partho Sen-Gupta. Island City directed by Ms Ruchika Oberoi
	Match Factory GmBh (Germany)	Report in on our sales for Qissa – The Tale of a Lonely Ghost & The Lunchbox for international territories.
	Rise + Shine, UK	The exclusive sales agents for the film The Gold Laden Sheep & The Sacred Mountain

उपरोक्त के अलावा, विभाग ने सक्रिय रूप से एनएफडीसी की नई प्रस्तुतियों की पीआर गतिविधियों को विभिन्न प्रिंट मीडिया (ऑफ़लाइन और डिजिटल) में छाड (द टॅरेस), बंगाली फीचर के लिए सुविधा प्रदान की, जो कि नवोदित निर्देशक इंद्राणी चक्रवर्ती द्वारा और नवोदित निर्देशक जयदेव द्वारा कोरंगी नुंची (हू विल मॅरी थॉमस?) ये दोनों फिल्में जनवरी 2021 के दौरान एनएफडीसी के प्रोडक्शन के नए स्लेट से शुरू हुई है. तथा क्रमशः यू और यूए के साथ 31 दिसंबर 2021 को प्रोडक्शन और फिल्म सर्टिफिकेशन पूरा किया.

5.5 विज्ञापन फिल्म निर्माण और संचार
प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक - सरकार के लिए विज्ञापन संचार तैयार करना. एनएफडीसी ने प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन संचार के निर्माण और प्रसार के लिए खुद को 360 डिग्री एकीकृत मीडिया सेवा प्रदाता के रूप में निश्चित रूप से स्थापित किया है.

- फिल्म निर्माण में टीवीसी, कॉर्पोरेट फिल्में, प्रशिक्षण फिल्में और मॉड्यूल एनिमेशन फिल्में और वर्चुअल टूर शामिल हैं
- रेडियो प्रोडक्शन में रेडियो स्पॉट, रेडियो सुविधाएँ, प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम, गान, जिंगल्स शामिल हैं.
- वेब डिजाइन और प्रबंधन
- प्रिंट डिज़ाइन
- इवेंट मैनेजमेंट
- निम्नलिखित और अन्य उपभोक्ता/लक्षित जुडाव गतिविधियां

वित्त वर्ष 2021-22 में खण्डीय कार्य निष्पादन –

₹ करोड़ में

	अवधि	कार्यादेश प्राप्त	कमीशण्ड निर्माण से आय (₹)
1	अप्रैल 2021 – मार्च 2022	100	47.75 करोड़

In addition to the above, the corporation actively facilitated PR activities of NFDC's new productions across various print media (offline & digital) for Chhaad – The Terrace, a Bengali feature by debut director Ms Indrani Chakraborty and Korangi Nunchi - Who will marry Thomas? by debutante director Shri K. Jayadev. Both these films went on floors from NFDC's new slate of productions during January 2021 & completed production and Film Certification on 31 December 2021 with U & UA respectively.

5.5 Advertisement Film Production and Communication
One of the key business areas - producing advertising communication for the Government. NFDC has firmly established itself as a 360-degree integrated media service provider for the creation and dissemination of advertising communication across platforms

- Film Production includes TVCS, corporate films, training films and modules animation films and virtual tours
- Radio Production includes radio spots. radio features, sponsored radio programmes, anthems, jingles
- Web Design and Management
- Print Design
- Event Management
- Below-the-line and Other Consumer/Target Engagement Activities

The performance of the segment in FY 2021-22 –

₹ in crore

	Period	Work orders Received	Income from Commissioned Production (₹)
1	April 2021 – March 2022	100	47.75 cr

2020-21 में कोविड लॉकडाउन के बाद के परिणामों का सामना करने के बाद 2021-22 में कमीशण्ड निर्माण व्यवसाय में वापस तेजी आ गई और 70% से अधिक की वृद्धि हुई और 100 से अधिक परियोजनाओं की सेवा प्रदान की गई.

किए गए कार्यों की प्रमुख झलकियां इस प्रकार हैं –

गान
एनएफडीसी ने 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के लिए एक संगीत आधारित वीडियो तैयार किया. गीत का मुख्य बिंदु यह था कि इसे सभी महाद्वीपों यानी एशिया, अफ्रीका, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में शूट किया गया था और इसमें सोनू निगम, कैलाश खेर जैसे 13 भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय गायक शामिल थे. शंकर महादेवन, शान, दलेर मेहंदी, येसुदास, चित्रा, भजन सपोरी (संतूर वादक), रागेश्वरी लूम्बा (लंदन), नरेश अय्यर, ऐओन - यूके, लीरा (दक्षिण अफ्रीका), वाउटर केलरमैन, (दक्षिण अफ्रीका), गाज़ा (नांबिया) और टिटो दा.फायर (नाइजेरिया). वीडियो के बीच-बीच में दुनिया भर के लोगों के योगा करते हुए खूबसूरत शॉट्स लगाए गए थे और गाने को 5 दिनों के रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया था.

प्रेरणादायक लघु फिल्में
एनएफडीसी ने टोकियो ओलिंपिक के लिए भारतीय ओलिंपिक दल की तैयारी के बारे में आम दर्शकों को प्रेरित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के लिए 41 लघु फिल्मों का निर्माण किया. फिल्मों ने चयनित एथलीटों की पिछली कहानियों को ट्रैक किया और कैसे उन्होंने ओलिंपिक की राह पर एक मुकाम हासिल किया.

आजादी का अमृत महोत्सव
संस्कृति मंत्रालय ने एनएफडीसी को आजादी का अमृत महोत्सव से संबंधित विभिन्न विषयों पर 07 उच्च श्रेणी फिल्मों का निर्माण सौंपा, जो एक गहन, देशव्यापी अभियान के तहत आता है, जो नागरिक भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसे 'जन आंदोलन' में परिवर्तित किया जाएगा, जहां छोटे स्थानीय स्तर पर परिवर्तन, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय लाभ में जोड़ देंगे.

बनाई गई 07 फिल्में प्रकृति और स्वरूपों में भी काफी विविध हैं. उन्हें प्रत्येक स्थान पर 65 सदस्यों के न्यूनतम दल के साथ भारत में कई स्थानों पर शूट किया गया था. फिल्मों में अक्षय कुमार, रवीना टंडन, राजीव खंडेलवाल, कैलाश खेर आदि जैसी फिल्मों के एंकर के रूप में मुख्य हस्तियों का सहभाग शामिल था. कुछ फिल्मों ने गान और गीतों के निर्माण के लिए अनुपम रॉय जैसे उच्च स्तर के गायकों और संगीतकारों का भी उपयोग किया. उक्त फिल्में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिलीज हुई और माननीय प्रधानमंत्री के लाल किले से भाषण के ठीक बाद दूरदर्शन पर प्रसारित की गई.

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान
वयोश्रेष्ठ सम्मान (राष्ट्रीय पुरस्कार) 2021- सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने एनएफडीसी को प्रतिष्ठित वयोश्रेष्ठ सम्मान (राष्ट्रीय पुरस्कार), 2021 से पुरस्कृत किए जाने वाले पुरस्कारों पर 10 मिनट की 1 डाक्यूमेंट्री फिल्म और 12 प्रशस्ति पत्र फिल्म बनाने का कार्य सौंपा. ये पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा बुजुर्ग व्यक्तियों, विशेष रूप से निर्धन वरिष्ठ नागरिकों को विशिष्ट सेवा प्रदान करने हेतु सम्मिलित प्रतिष्ठित वरिष्ठ नागरिकों और संस्थानों को दिए जाते हैं.

वैज्ञानिक विचार और संस्कृति को बढ़ावा देना
आभासी रूप से आयोजित 2020 के अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव की सफलता पर, एनएफडीसी ने गोवा में भारत के अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, 2021 का आयोजन किया और इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा कमीशण्ड किया गया. इस उत्सव में 20,000 से अधिक प्रतिनिधियों और छात्रों ने भाग लिया और इन प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में 3 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज किये गये.

राजपथ पर एनएफडीसी
एनएफडीसी ने शिक्षा मंत्रालय की गणतंत्र दिवस की झांकी के लिए गीत तैयार किया, जिसने केंद्रीय मंत्रालय और विभाग श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता.

The commissioned production business is back on track in 2021-22 after facing the after effects of COVID lockdown in 2020-21 and grew by more than 70% and serviced more than 100 projects.

Major highlights of work done are as under –

Anthem
NFDC Produced a music based video for the 7th International Day of Yoga 2021. High point od the song was that it was shot across all continents i.e. Asia, Africa, Americas & Australia, and comprised 13 Indian and international singers like Sonu Nigam, Kailash Kher, Shankar Mahadevan, Shaan, Daler Mehndi, Yesudas, Chitra, Bhajan Sapori (santoor vadak player), Raageshwari Loomba (London), Naresh Iyer, Aeone - UK, Lira (South Africa), Wouter Kellerman, (South Africa), Gazza (Namibia) and Tito Da.Fire (Nigeria). The video was interspersed with beautiful shots from around the world of people performing Yoga and the song was produced in a record time of 5 days.

Inspirational Short films
NFDC produced 41 short films for Sports Authority of India to inspire the general audience about the Indian Olympic contingent's preparation for Tokyo Olympics. The films tracked the back stories of selected athletes and how they achieved a position on the road to Olympics.

Azaadi Ka Amrit Mahotsav
The Ministry of Culture assigned NFDC the production of 07 high end films on various themes related to Azadi Ka Amrit Mahotsav which comes under an intensive, country wide campaign which will focus on citizen participation, to be converted into a 'Jan Andolan', where small changes, at the local level, will add up to significant national gains.

The 07 films made are quite diverse in nature and in their formats as well. They were shot across multiple locations in India with a minimum crew of 65 members at each location. The films included engagement of top celebrities as anchors of the films like Akshay Kumar, Raveena Tandon, Rajiv Khandelwal, Kailash Kher etc. Some films also utilized top level Singers and Music composers such as Anupam Roy for production of anthem and songs. The said films released on the occasion of Independence Day and were telecast on Doordarshan right after Hon'ble PM's speech from the Red Fort.

Honouring the Senior citizens
Vayoshreshtha Samman (National Award) 2021- The Department of Social Justice and Empowerment commissioned NFDC the task for production of 1 documentary film of 10 minutes and 12 citation films on awardees who were to be conferred with the prestigious Vayoshreshtha Samman (National Award), 2021. These awards are given to eminent senior citizens and institutions involved in rendering distinguished service for the cause of elderly persons, especially indigent senior citizens by Hon'ble President of India.

Promoting Scientific thought and culture
On the success of the International science Festival of 2020 which was held virtually, NFDC executed the India International Science Festival, 2021 at Goa and was commissioned by Ministry of Earth Sciences. The festival was attended by more than 20,000 delegates and students and set 3 Guinness book of World records for various activities by its participants.

NFDC on the Rajpath
NFDC produced Song for Ministry of Education's Republic day tableau which won the best tableau award in the Central Ministry and Dept. Category.

दुबई एक्सपो में भारत का प्रतिनिधित्व

एनएफडीसी ने एमएसएमई, आयुष और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लिए उनके तत्सम्बन्धित दुबई एक्सपो पेवेलियन के लिए फिल्मों का निर्माण किया.

5.5 सिने आर्टिस्ट वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया

स्व. लॉर्ड रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्मित फिल्म 'गांधी' से प्राप्त आय के एक हिस्से से 1991 में सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर फंड ऑफ इंडिया की स्थापना की गई. ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य 50 साल से अधिक आयु के उन फिल्म कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है जो किन्हीं कारणों से दुर्दिन झेल रहे हैं और जिन्हें आर्थिक मदद की जरूरत है.

फंड से दी गई आर्थिक सहायता	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
	381 पेंन्शनर्स	383 पेंन्शनर्स

5.6 फिल्म सुविधा कार्यालय (एफएफओ)

5.6.1 फिल्म सुविधा कार्यालय का अवलोकन

एफएफओ केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्य सरकारों में नोडल अधिकारियों के सामंजस्यपूर्ण इकोसिस्टिम के साथ, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू फिल्म निर्माताओं दोनों के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो अनुमति सुविधा तंत्र के रूप में कार्य करना जारी रखता है. वर्ष 2016 से 33 देशों से 144 अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं (फीचर फिल्म, टीवी/वेब शो और श्रृंखला) को भारत में फिल्म बनाने की अनुमति दी गई थी. जिनमें से 13 परियोजनाओं को विभिन्न देशों के साथ भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित ऑडियो विजुअल सह-निर्माण करारों के तहत आधिकारिक सह-निर्माण के रूप में मान्यता दी गई.

5.6.2 गतिविधियां

1. अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयोगों की प्रक्रिया – अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए यात्रा प्रतिबंध, कोविड-19 के विभिन्न प्रकारों के उभरने से देश में फिल्म की खोज करने वाली अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की आवक प्रभावित हुई है. 22 अंतर्राष्ट्रीय आवेदन प्राप्त हुए तथा संसाधित किए गए जिनमें पीटीएल प्रोजेक्ट (फीचर फिल्म), द ब्रैड (फीचर फिल्म), एएमआरआई (फीचर फिल्म), 2 प्लस 1 (फीचर फिल्म), चौकीदार - द गार्ड (फीचर फिल्म), कोलकाता 8:40 एएम (लघु फिल्म), शिरकोआ (एनिमेटेड फीचर फिल्म), अरिमथा (फीचर फिल्म), एक्सट्रापोलेशन ईपी 105 (वेब सीरीज), पोचर (टीवी शो/सीरीज), एन अमेरिकन अब्रॉड (वेब सीरीज) और ए फाइन बैलेंस (टीवी शो/सीरीज) आदि. जिनमें से 2 परियोजनाओं को आधिकारिक सह-निर्माण का दर्जा दिया गया - 2 प्लस 1 (फीचर फिल्म) - इंडो - रशिया और शिरकोआ (एनिमेटेड फीचर फिल्म) - इंडो - फ्रेंच.

2. एएसआई और रेल्वे के आवेदनों सहित 25 घरेलू आवेदनों को संसाधित किया गया.

3. भारत-बांग्लादेश की आधिकारिक सह-निर्माण फिल्म बंगबंधु की सुविधा: बांग्लादेश में बंगबंधु के फिल्मांकन की आसान सुविधा के संबंध में, एफएफओ निम्नानुसार जुड़ा हुआ है –

- बांग्लादेश में फिल्मांकन उपकरण, वैनिटी वैन आदि के साथ कर्मचारी दल के सुगम प्रवेश के लिए सीबीआईसी.
- बिमान बांग्लादेश की लैंडिंग के लिए डीजीसीए की अनुमति, मुंबई हवाई अड्डे में चार्टर्ड फ्लाइट और कोलकाता के विभिन्न स्थानों में ड्रोन के साथ फिल्मांकन.
- 1970 के युद्ध के दौरान अंडरवाटर फ्रॉग मेन की वेशभूषा, फोटोग्राफ और शूटिंग के लिए नौसेना की संपत्तियों के स्थान की जानकारी के लिए भारतीय नौसेना.

Representing India at Dubai Expo

NFDC produced Films for MSME, AYUSH and M/o I&B for their respective Dubai Expo Pavilions.

5.6 Cine Artistes Welfare Fund of India

A Trust 'Cine Artistes Welfare Fund of India' was formed out of a portion of profit earned from the film Gandhi, in the year 1991 by late Lord Richard Attenborough. The main objective of the Trust is to give financial assistance to old cine artistes above 50 years who have fallen on bad days and need financial support.

Financial Assistance from the Fund	Year 2020-21	Year 2021-22
	381 Pensioners	383 Pensioners

5.6 Film Facilitation Office (FFO)

5.6.1 Overview of the Film Facilitation Office

With a cohesive ecosystem of Nodal officers, in Key Central Government Ministries/Departments and across 36 State Governments, the FFO continues to act as an Online Single Window Permission Facilitation Mechanism for both international and domestic filmmakers. Since 2016, 144 international projects (Feature Films, TV/Web shows and series) from across 33 countries were accorded permissions to film in India. Out of which 13 projects were recognized as official co-production under the Audio Visual co-production treaties signed by Government of India with various countries.

5.6.2 Activities

1. Processing of International Applications – The travel restrictions for international passengers, emergence of various variants of COVID-19 continued to impact the inflow of the number of international projects looking to film in the country. 22 International applications were received and processed which included PTL Project (Feature Film), The Braid (Feature Film), AMRI (Feature Film), 2 Plus 1 (Feature Film) Chowkidaar - The Guard (Feature Film), Kolkata 8:40AM (Short Film), Schirkoa (Animated Feature Film), Arimtha (Feature Film), Extrapolations Ep 105 (Web Series), Poacher (TV show/series), An American Abroad (Web Series) and A Fine Balance (TV show/series) etc. Out of which 2 projects were granted official co-production status - 2 Plus 1 (Feature Film) - Indo – Russia and Schirkoa (Animated Feature Film) - Indo – French.

2. Processed 25 Domestic Applications, including applications from ASI and Railways.

3. Facilitation of Indo–Bangladesh official co-production film Bangabandhu: With regard to the easy facilitation of filming of Bangabandhu in Bangladesh, the FFO engaged with –

- CBIC for smooth entry of the crew along with the filming equipment, vanity vans etc. into Bangladesh.
- DGCA permission for the landing of the Biman Bangladesh, Chartered flight in Mumbai airport and filming with drones in various locations of Kolkata.
- India Navy for information pertaining to costumes, photographs of underwater frog men during the 1970 war and location recce for naval properties for shooting.

4. नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम (एनएसडब्ल्यूएस) के साथ एफएफओ वेब पोर्टल का एकीकरण: ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इन इंडिया के लिए केंद्र सरकार की पहल को कारगर बनाने के प्रयास में एफएफओ पोर्टल को भारत के एनएसडब्ल्यूएस फॉर बिजनेस अप्रूवल्स, नामतः 'माध्यम' के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है. एकीकरण एनएसडब्ल्यूएस पोर्टल पर आने वाले आवेदकों को भारत में फिल्मांकन के लिए अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के एफएफओ ऑनलाइन आवेदन तक पहुंचने के लिए फिल्मांकन की अनुमति की अनुमति देता है. एफएफओ पोर्टल पर आवश्यक पंजीकरण विवरण एनएसडब्ल्यूएस पोर्टल पर कब्जा कर लिया गया है, जो एनएसडब्ल्यूएस पोर्टल पर लॉग इन करने वाले किसी भी उपयोगकर्ता को एफएफओ पोर्टल तक पहुंचने में सक्षम बनाता है.

5. उत्तराखंड वेब पोर्टल के साथ एफएफओ वेब पोर्टल का एकीकरण - एफएफओ ने अपने वेब पोर्टल www.ffo.gov.in को फिल्म शूटिंग से संबंधित इन्वेस्ट उत्तराखंड पोर्टल, https://investuttarakhand.com/filmshooting/के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया है. एकीकरण आवेदक को एफएफओ वेब पोर्टल के माध्यम से उत्तराखंड में फिल्म निर्माण की अनुमति के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाता है.

6. सफल एफएफओ – रेलवे एकीकरण – रेल मंत्रालय के साथ एफएफओ के एकीकरण और एफएफओ द्वारा रेलवे ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के विकास की घोषणा करने के लिए प्रेस विज्ञप्ति नवंबर 2021 में जारी की गई थी. प्रेस विज्ञप्ति को रेल मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और एनएफडीसी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रसारित भी किया गया था तथा विभिन्न प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स के साथ भी साझा किया गया था.

7. एफएफओ वेब पोर्टल की वृध्दि –
- फिल्म निर्माताओं के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग आवेदन प्रपत्रों को अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने हेतु घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग आवेदन प्रपत्रों को सरल बनाया गया था.

- एक प्रोत्साहन ट्रैकिंग तंत्र आवेदक को सरल फॉर्म भरने की अनुमति देता है, जो एफएफओ को आवेदक की ओर से राज्यों से प्रोत्साहन के संवितरण की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है.

- आवेदकों द्वारा भरा गया शूटिंग अनुमति निवारण/संकल्प फॉर्म एफएफओ को उनकी ओर से हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि अनुमति समय पर दी जाती है और प्रक्रिया आसान हो जाती है.

8. एफएफओ न्यूजलेटर का शुभारंभ - 'फिल्म इन इंडिया' जुलाई 2021 संस्करण - एफएफओ ने अपना पहला न्यूजलेटर 'फिल्म इन इंडिया' जुलाई 2021 संस्करण लॉन्च किया, जो देश में फिल्मांकन के संबंध में सभी नवीनतम विकासों पर अपने भागीदारों और हितधारकों को अपडेट करने के प्रयास में बनाया गया है. पहला संस्करण भारत के सबसे फिल्म अनुकूल राज्यों पर प्रकाश डालता है, कैसे ऑनलाइन अनुमति प्रणाली और एफएफओ पोर्टल पर उपलब्ध सेवाओं और संसाधनों के माध्यम से नेविगेट करें आदि.

9. इंटरनेशनल आउटरीच – एफएफओ ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म बाजारों में भाग लिया जैसे - कान्स फिल्म बाजार- 2021 संस्करण जोकि जुलाई 2021 में ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजित किया गया था, टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) - सितंबर 2021 और यूरोपीय फिल्म बाजार का ऑनलाइन संस्करण (इएफएम) फरवरी 2022 में. इन भागीदारी का मुख्य उद्देश्य फिल्म निर्माताओं के लिए एक स्वागत स्थल के रूप में भारत की स्थिति को प्रतिध्वनित करना और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के लिए भारत सरकार के फिल्म उपक्रम को दोहराना था. निर्माताओं, प्रोडक्शन हाउसों और स्टूडियो को लक्षित एक सफल और दृश्यमान अभियान बनाने के लिए विभिन्न ब्रांडिंग और विज्ञापन गतिविधियां शुरू की गई जिनमें शामिल हैं - टीआईएफएफ में एफएफओ के न्यूजलेटर का प्रसार, एफएफओ के प्रकाशनों का प्रसार

4. Integration of FFO Web portal with National Single Window System (NSWS): The FFO portal has been successfully integrated with India's NSWS for Business Approvals, namely 'Maadhyam', in an endeavor to streamline with the Central Government's initiative for ease of doing business in India. The integration allows applicants coming on NSWS portal seeking filming permissions to access the FFO online application of international filmmakers for filming in India. The registration details required on the FFO portal are captured on the NSWS portal, that enable any user logging in the on NSWS portal, to also access the FFO Portal.

5. Integration of FFO web portal with Uttarakhand web portal - The FFO has successfully integrated its web portal www.ffo.gov.in with the Invest Uttarakhand portal pertaining to film shootings namely, https://investuttarakhand.com/filmshooting/. The integration enables an Applicant to apply for filming permissions in Uttarakhand through the FFO web portal.

6. Successful FFO – Railways Integration – A Press Release to announce the integration of FFO with the Ministry of Railways and the development of the Railways Online Application system by the FFO was released in November 2021. The press release was also disseminated through Ministry of Railway, Ministry of I&B and NFDC's social media handles and was also shared with various producer's association, Chamber of Commerce and industry stake holders.

7. Enhancement of FFO web portal –
- The domestic and international shooting application forms were simplified to make it more user friendly for the filmmakers.

- An Incentive Tracking Mechanism allows the Applicant to fill in a simple form, which enables FFO to track the status of disbursement of the incentive from States on behalf of the Applicant.

- A Shooting Permission Redressal/Resolution Form filled in by the Applicants enables FFO to intervene on their behalf and ensure permissions are granted in time and the process is eased.

8. Launching FFO Newsletter - 'Film in India' July 2021 Edition - The FFO launched its first Newsletter 'Film in India' July 2021 Edition, created in an endeavour to update its partners and stakeholders on all the latest developments regarding filming in the country. The first edition throws light on India's Most Film Friendly States, how to navigate through the Online Permissions system and Services and Resources available on the FFO portal.

9. International Outreach – FFO participated in various international film markets such as - the 2021 edition of the Cannes Film Market which was held online and offline in July 2021, Toronto International Film Festival (TIFF) - September 2021 and Online Edition of European Film Market (EFM) in February 2022. The main objective of these participations was to echo India's positioning as a welcoming destination for filmmakers and reiterate the Government's Film in India initiative to international filmmakers. In order to create a successful and visible campaign targeting producers, production houses and studios various branding and advertisement activities were undertaken which included - Dissemination of FFO's Newsletter at TIFF, dissemination of FFO's Publications (Film in India Brochure, Co-Production

((फिल्म इन इंडिया ब्रोशर, को-प्रोडक्शन गाइड, राज्यों द्वारा फिल्मांकन के लिए प्रोत्साहन, स्टेप बाय स्टेप गाइड, भारत में अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोग्राफी) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थापित वर्चुअल इंडिया पवेलियन के माध्यम से प्रचार फिल्म, प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पत्रिकाओं के ऑनलाइन संस्करण जैसे स्क्रीन इंटरनेशनल, द हॉलीवुड रिपोर्टर (टीएचआर) और वैरायटी, विशेष क्यूरेटेड फोकस सत्र, एकीकृत विज्ञापन - भारतीय व्यापार पत्रिका पिकल आदि के साथ संपादकीय टाई-इन.

10. घरेलू आउटरीच
- मुंबई में पर्यटन मंत्रालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा फिल्म पर्यटन पर संगोष्ठी में ज्ञान भागीदारी - सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय द्वारा फिल्म पर्यटन पर एक संगोष्ठी का आयोजन 8 नवंबर 2021 को मुंबई में किया गया था. संगोष्ठी का आयोजन भारत को घरेलू फिल्म उद्योग के लिए एक फिल्मांकन स्थान के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था, क्योंकि यह एक प्रसिद्ध तथ्य है कि पर्यटक, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों, अक्सर साइटों/स्थानों की यात्रा करना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें विभिन्न फिल्मों और वेब/टेलीविजन शो/श्रृंखलाओं में चित्रित किया गया है. छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु सहित राज्यों ने उनके अधिकार क्षेत्र में अपनी फिल्म नीति और फिल्मांकन को आसान बनाने और अधिक से अधिक फिल्म परियोजनाओं को आकर्षित करने के लिए अपनी राज्य सरकारों द्वारा की गई अन्य पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी. पूरे देश से 19 ट्रेड एसोसिएशन और फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा उद्योग का प्रतिनिधित्व किया गया और 20 से अधिक निर्माताओं, प्रोडक्शन हाउस, स्टूडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. उद्योग के सदस्यों ने विभिन्न स्थानों पर अपनी फिल्म निर्माण प्रक्रिया के दौरान अपने अनुभव और भूस्थलों के मुद्दों को साझा किया और भाग लेने वाले राज्यों ने इसका संज्ञान लिया.

- फिल्म पर्यटन पर मास्टर क्लासेस – सूचना और जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर), सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से नागालैंड सरकार द्वारा, भारत सरकार, एनएफडीसी और फिल्म एसोसिएशन ऑफ नागालैंड (एफएएन) द्वारा तीसरा नागालैंड फिल्म महोत्सव (हॉर्नबिल संस्करण) आयोजित किया गया. इस सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि किसी राज्य/क्षेत्र में किसी विशेष स्थान पर फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए स्थानीय राज्य प्रशासन के लिए फिल्मांकन में आसानी, फिल्मी और गैर-फिल्मी संसाधनों की उपलब्धता, सहायक सरकारी नीतियों, प्रोत्साहन आदि को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था. इस संबंध में, सत्र ने भारत में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की फिल्म पहल और देश में फिल्मांकन को आसान बनाने के लिए एफएफओ द्वारा किए जा रहे उपायों पर विशेष ध्यान आकर्षित किया. एफएफओ वेब पोर्टल को दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया गया, जिससे उन्हें भारत को पसंदीदा फिल्मांकन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया गया.

11. केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों के साथ जुड़ाव
- एफएफओ ने 30.06.202 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आई एंड बी) के मार्गदर्शन में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) और विभिन्न व्यापार संघों और फिल्म चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ 30.06.202 को एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया. कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न मुद्दों का समाधान करना था जैसे एडब्ल्यूबीआई द्वारा शूटिंग से पहले/बाद की अनुमति के लिए शुल्क वृद्धि, आवेदन पत्र की जटिल प्रकृति, फिल्मों में स्टॉक शॉट और कंप्यूटर जनित पशुओं के उपयोग से संबंधित मुद्दे और प्रदर्शन करने वाले जानवरों आदि की तुलना में गुजरने वाले जानवरों की शूटिंग के बीच अंतर करने की आवश्यकता है. कार्यशाला में 20 व्यापार संघों और फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भाग लिया.

Guide, Filming Incentives offered by States, Step by Step Guide, International Filmography in India) and Promotional Film through the virtual India Pavilions set up by the Ministry of I&B, Advertising campaign in the online editions of leading international trade magazines namely Screen International, The Hollywood Reporter (THR) and Variety, special curated focus session, integrated advertising - editorial tie-in with an Indian trade magazine Pickle etc.

10. Domestic Outreach
- Knowledge Partnership in the Symposium on Film Tourism by Ministry of Tourism and Ministry of Information and Broadcasting in Mumbai - A Symposium on Film Tourism was organized by Ministry of Tourism in association with Ministry of Information and Broadcasting on 8th November 2021 at Mumbai. The symposium was organized with an aim to promote India as a filming location to the domestic film industry, as it is a well-known fact that tourist, both domestic and international, often prefer to travel to sites/locations specifically because they have been depicted in various Films and Web/Television shows/series. States including Chhattisgarh, Goa, Gujarat, Jammu and Kashmir, Karnataka, Maharashtra, Madhya Pradesh, Rajasthan and Tamil Nadu gave a detailed presentation on their Film Policy and other initiatives undertaken by their State Governments to make filming easier and attract more and more projects to film in their jurisdiction. The industry was represented by 19 Trade Association and Film Chamber of Commerce from all over the country and representatives from over 20 Producers, Production Houses, Studios and OTT platform. The industry members shared their experiences and ground issues faced during their filming process at various locations and participating states took cognizance of the same.

- Master Classes on Film Tourism – The Third Nagaland Film Festival (Hornbill Edition), was organized by the Directorate of Information & Public Relations (DIPR), Government of Nagaland in collaboration with the Ministry of Information & Broadcasting, GoI, NFDC and the Film Association of Nagaland (FAN). The session emphasized that in order to attract filmmakers to a particular location in a State/Region it was important for the local state administration to ensure ease of filming, availability of filmic and non-filmic resources, supportive government policies, incentives, etc. In this regard, the session drew special focus on the Ministry of I&B's Film in India initiative and the measures being taken by the FFO towards ease of filming in the country. The FFO web portal was showcased to the audience, taking them through the efforts being made to position India as a preferred filming destination.

11. Engagement with Central Government Ministries/ Departments
- FFO organized an Online Workshop under the guidance of the Ministry of Information and Broadcasting (I&B) with the Animal Welfare Board of India (AWBI) and the representatives of various Trade Associations and The Film Chambers of Commerce from across India on 30.06.202. The objective of the workshop was to address various issues such as fee hike for pre/post shoot permissions by AWBI, the complex nature of the application form, issues relating to usage of stock shot and computer generated animals in films and the need to distinguish between shooting of animal passing by vis-à-vis performing animals etc. 20 Trade Associations and Film Chamber of Commerce participated in the workshop.

- एफएफओ ने ड्रोन नियम 2021 के मसौदे का अध्ययन किया और 5 अगस्त 2021 को सिविल एविएशन महानिदेशालय (डीजीसीए) के उप महानिदेशक को एक प्रति के साथ सिविल एविएशन मंत्रालय को अपने इनपुट और अवलोकन प्रस्तुत किए. इसके बाद, सिविल एविएशन मंत्रालय ने 26 अगस्त 2021 को नए उदारीकृत ड्रोन नियम, 2021 की घोषणा की जिसमें एफएफओ के सुझाव को संज्ञान में लिया गया है कि विदेशी फिल्म निर्माण के लिए ड्रोन के अस्थायी आयात की अनुमति दी जा सकती है.

12. राष्ट्रगान और प्रतिष्ठित सप्ताह को उजागर करने के लिए एफएफओ वेब पोर्टल का लाभ उठाना - साइट पर बैनर के साथ भारत सरकार की राष्ट्रगान पहल के साथ-साथ सूचना और प्रसारण मंत्रालय की आइकोनिक सप्ताह पहल को प्रदर्शित करने और उजागर करने के लिए एफएफओ पोर्टल का लाभ उठाया गया. साथ ही, वेबसाइट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एफएफओ वेब पोर्टल का दूसरा सुरक्षा ऑडिट पूरा किया गया.

13. राज्य सरकारों के साथ बैठकें - 20 सितंबर 2021 को निदेशक, डीआईपीआर, जम्मू-कश्मीर के साथ एनएफडीसी के फिल्म सुविधा कार्यालय (एफएफओ) और सूचना और प्रसारण मंत्रालय को पेश करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई. एनएफडीसी और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के प्रशासन के बीच जुड़ाव की संभावनाओं का पता लगाने के लिए चर्चा हुई. सहयोग के व्यापक क्षेत्र जैसे जम्मू-कश्मीर में फिल्मांकन को आसान बनाने के लिए सरकार के प्रयासों को एकीकृत करना और इसे फिल्मांकन स्थल के रूप में बढ़ावा देना और मीडिया और मनोरंजन उद्योग में कौशल विकास की दिशा में जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रयासों का समर्थन करना, जिसमें क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं के लिए पटकथा लैब और कार्यशाला आयोजित करना तथा नोडल अधिकारी की नियुक्ति आदि पर चर्चा की गई.

14. वैश्विक और घरेलू फिल्म निर्माताओं के लिए एफएफओ और भारतीय स्थलों को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल फिल्म बाजार 2021 का लाभ उठाना –
    - फिल्म कार्यालय के माध्यम से आउटरीच प्रयास - एफएफओ ने फिल्म बाजार 2021 में भारत सरकार की पहल को प्रदर्शित करने और दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं/निर्माताओं के साथ बी2बी बैठकें आयोजित करने के प्रयास में एक आभासी कार्यालय लिया. निर्माताओं को एफएफओ की ऑनलाइन सुविधा प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई जिसमें रिसी आवेदन और रेल मंत्रालय के साथ इसका ऑनलाइन एकीकरण शामिल है, जो फिल्म निर्माताओं को रेलवे के अधिकार क्षेत्र के तहत स्थलों में फिल्म बनाने की अनुमति के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाता है. अनुमति के लिए आवेदन करने पर एफएफओ न्यूजलेटर, सह-निर्माण बुकलेट और विजिटिंग प्रतिनिधियों को स्टेप बाय स्टेप गाइड भी उपलब्ध कराया गया. फिल्म बाजार मार्केट गाइड में "फिल्म इन इंडिया" पहल पर एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित किया गया था.

    - फिल्म बाजार 2021 के नॉलेज सीरीज,में एफएफओ सत्र – जम्मू और कश्मीर, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश राज्यों में नए ड्रोन नियम 2021 और फिल्म नीतियों की घोषणा के आलोक में, एफएफओ ने फ़िल्म बाज़ार 2021 के नॉलेज सीरीज वर्टिकल में दो सत्रों को क्यूरेट किया - कैमरा ऑन विंग्स - ड्रोन के साथ फ़िल्म बनाना आसान हो गया है और फ़िल्मांकन इन द हिल्स...रन रन रन...विथ यूवर कैमेरा. ड्रोन पर सत्र का उद्देश्य बुनियादी नियमों, कैसे फिल्म निर्माता अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं, समय-सीमा के साथ-साथ फिल्म निर्माताओं को ड्रोन का उपयोग करते समय आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी देना था. उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर राज्यों के नोडल अधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों में फिल्मांकन को सुविधाजनक बनाने के लिए उनके द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर विवरण साझा किया.

- FFO studied the draft Drone Rules 2021 and submitted its inputs and observations to the Ministry of Civil Aviation with a copy to the Deputy Director General, Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on 5th August 2021. Thereafter, the Ministry of Civil Aviation announced the new liberalised Drone Rules, 2021 on 26th August 2021 that has taken into cognizance FFO's suggestion that temporary import of Drones may be allowed for foreign production.

12. Leveraging the FFO Web Portal to highlight Rashtragaan and Iconic Week - The FFO portal was leveraged to showcase and highlight the GoI's Rashtragaan initiative as well as the Ministry of I&B's Iconic week initiative with banners on the site. Also, the second Security audit of the FFO web portal was completed to ensure the security of the website.

13. Meetings with State Governments - A meeting was held on 20th September 2021 with Director, DIPR, J&K to introduce the Film Facilitation Office (FFO) of NFDC and the Ministry of Information and Broadcasting. Discussion were held to explore the possibilities of engagement between NFDC and the Administration of UT of J&K. The broad areas of collaboration such as integrating with the Government's efforts to ease filming in J&K and promoting it as a filming destination and supporting the Government of J&K's efforts towards Skill Development in the Media & Entertainment Industry, including organising Script Labs and Workshops for filmmakers from the region and appointment of Nodal officer etc. were discussed.

14. Leveraging Virtual Film Bazaar 2021 to promote FFO and Indian locations to global and domestic filmmakers –
    - Outreach efforts through Film Office - The FFO took a virtual Office at the Film Bazaar 2021, in an endeavour to showcase the Government's Film in India initiative and hold B2B meetings with filmmakers/producers from across the world. Producers were briefed about the online facilitation system of FFO including the Recee application and its online integration with the Ministry of Railways which enables film makers to apply for filming permission in locations under Railway's jurisdiction. FFO Newsletter, Co-production booklet and Step by Step Guide on applying for permissions were also made available to the visiting delegates. A full page advertisement on "Film in India" initiative was published in the Film Bazaar Market Guide.

    - FFO Sessions in Knowledge Series, Film Bazaar 2021 – In the light of the announcement of the new Drone Rules 2021 and Film Policies in the States of Jammu and Kashmir, Manipur and Himachal Pradesh, the FFO curated two sessions in the Knowledge series vertical of the film Bazaar 2021 - Camera on Wings - Filming with Drones made Easier and Filming in the Hills…Run Run Run...with your Cameras. The session on Drones was aimed at giving an insight into the basic rules, how filmmakers can apply for permissions, timelines as well as the challenges filmmakers face while using drones. The Nodal officers from the States of Uttarakhand, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Manipur shared details on the various initiatives undertaken by them to ease filming in their respective States.

- 'मीट द प्रोफेशनल्स' में एफएफओ सत्र – देश में फिल्मांकन को आसान बनाने की दिशा में एफएफओ की पहलों को प्रदर्शित करने के प्रयास में एफएफओ ने फिल्म बाजार के 'मीट द प्रोफेशनल्स' विभाग में फिल्म निर्माताओं को संबोधित किया. रेकी एप्लिकेशन की शुरुआत, रेल मंत्रालय के साथ एकीकरण और राज्य फिल्म कार्यालयों की उपस्थिति, फिल्म निर्माण के लिए राज्यों से मिलने के अवसर के रूप में, उनके अधिकार क्षेत्र में फिल्म बनाने के लिए उनके द्वारा दिए गए हितों का लाभ उठाने और देश में एक पारदर्शी अनुकूल अनुमति इकोसिस्टिम बनाने की दिशा में विभिन्न अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने पर प्रकाश डाला गया.

- ऑनलाइन फिल्म बाजार 2021 में राज्य की भागीदारी – एफएफओ ने भारत और विदेशों के विभिन्न फिल्म निर्माताओं को उनके स्थल दिखाने के उद्देश्य से उनके संबंधित 3डी फिल्म कार्यालयों के साथ ऑनलाइन फिल्म बाजार में गुजरात और राजस्थान के 2 वर्चुअल राज्य फिल्म कार्यालयों की भागीदारी का आयोजन किया. राज्य न केवल एक-दूसरे के साथ जुड़ने में सक्षम थे, बल्कि फिल्म बाजार में मौजूद विभिन्न निर्माताओं के साथ बैठकें भी करते थे और उन्हें अपने स्थलों की मार्केटिंग भी करते थे. राज्यों ने अपनी अद्यतन नीतियों, प्रोत्साहनों, सब्सिडी के साथ-साथ उनके द्वारा की जा रही अन्य फिल्म अनुकूल पहलों पर विवरण साझा किया.

- उद्योग हितधारकों के साथ बैठकें – एफएफओ ने भाग लेने वाले राज्य नोडल अधिकारियों के लिए विभिन्न वैश्विक और घरेलू हितधारकों के साथ आमने-सामने बातचीत का आयोजन किया, ताकि वे अपने संबंधित राज्यों में अपनी मौजूदा नीतियों, शूटिंग दिशानिर्देशों और अनुमति प्रक्रिया को साझा करने में सक्षम हो सकें.

- फिल्म बाजार 2021 में ज्ञान श्रृंखला सत्र का आयोजन (सेशन डिजाइन और वक्ताओं के समन्वय सहित) - एफएफओ ने ज्ञान श्रृंखला के लिए 6 सत्रों का आयोजन किया, जहां फिल्म बाजार 2021 के लिए फिल्म सरकार के हितधारकों, उद्योग के विशेषज्ञों और साथियों के साथ विशेष रूप से तैयार व्याख्यान और पैनल चर्चा है.

5.7 फिल्म बाज़ार

फिल्म बाज़ार और स्क्रिन राइटर्स लैब

फिल्म बाज़ार

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित, फिल्म बाजार विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक मंच है. फिल्म बाजार फिल्म बनाना, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. दुनिया भर के फिल्म खरीदारों और विक्रेताओं का एक अभिसरण बिंदु, फिल्म बाजार का उद्देश्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में विश्व सिनेमा की बिक्री को सुविधाजनक बनाना है. एनएफडीसी फिल्म बाजार भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के साथ प्रति वर्ष मैरियट रिसोर्ट, गोवा, भारत में आयोजित होने वाला सबसे बड़ा दक्षिण एशियाई फिल्म बाजार है.

क. एनएफडीसी फिल्म बाजार और मार्चे डू फिल्म सहयोग

मार्शे डु फिल्म ने 'गोज़ टू कान्स' और 'को-प्रोडक्शन डे' के लिए 2021 की अपनी कार्यक्रम योजनाओं में भाग लेने के लिए एनएफडीसी से संपर्क किया था. यह उन फिल्म निर्माताओं के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए था, जिन्होंने एनएफडीसी फिल्म बाजार ऑनलाइन 2020 के विशिष्ट वर्गों में क्रमशः वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब और सह-निर्माण बाजार में भाग लिया. इसलिए संबंध जारी रखने के लिए, एनएफडीसी ने एक बार फिर इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मार्शे डू फिल्म के साथ सहयोग किया. इस सहयोग ने दुनिया के सबसे बड़े फिल्म बाजार में भारतीय/दक्षिण एशियाई फिल्म निर्माताओं और उनकी चयनित परियोजनाओं की दृश्यता को अधिकतम किया.

- FFO Session in 'Meet the Professionals' – FFO addressed the filmmakers in the 'Meet the Professionals' section of Film Bazaar in an endeavor to showcase FFO's initiatives towards easing filming in the country. The introduction of recce application, integration with Ministry of Railways and presence of the State Film offices, as an opportunity for producers to meet with the States, leverage the benefits offered by them for filming in their jurisdiction and build one-on-one relationships with various officers towards creating a transparent friendly permission ecosystem in the country were highlighted.

- State Participation at Online Film Bazaar 2021 – FFO organized participation of 2 Virtual State Film Offices of Gujarat, and Rajasthan at the Online Film Bazaar with their respective 3D Film Offices with a view to showcase their locations to various filmmakers from India and abroad. States were not only able to engage with each other but also conduct meetings with various producers present at Film Bazaar and market their locations to them. The States shared details on their updated policies, incentives, subsidies as well as the other film friendly initiatives being undertaken by them.

- Meetings with Industry stakeholders – The FFO organised one-on-one interactions for the participating State Nodal Officers with various global and domestic stakeholders, to enable them to share their existing policies, shooting guidelines and permission process in their respective States.

- Organizing Knowledge Series sessions (including session designs and co-ordination of Speakers) in Film Bazaar 2021- FFO organised 6 sessions for Knowledge Series which is a specially curated lectures and panel discussions with film government stakeholders, industry experts and peers for Film Bazaar 2021.

5.7 Film Bazaar

Film Bazaar and Screenwriter Lab

Film Bazaar

Organized by the National Film Development Corporation (NFDC), Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity. The Bazaar focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. A converging point for film buyers and sellers from all over the world, the Bazaar aims at facilitating sales of world cinema in the South Asian region. NFDC Film Bazaar is the largest South Asian film market organized alongside the International Film Festival of India (IFFI), every year at the Marriott Resort, Goa, India.

a. NFDC Film Bazaar and Marché du Film Collaboration

Marché du Film had approached NFDC to participate in their 2021 Program plans for 'GOES TO CANNES' and 'CO-PRODUCTION DAY'. This was to provide a wider platform for the filmmakers who participated in the specific sections of NFDC Film Bazaar Online 2020, namely Work-in-Progress Lab and Co-Production Market respectively. Hence, to continue the relationship, NFDC collaborated with Marché du Film once again to participates in these programs. This collaboration maximized the visibility of Indian/South Asian filmmakers and their selected projects at the biggest film market in the world.

गोज टू कान्स – एनएफडीसी फिल्म बाजार के लिए 2020 के ऑनलाइन संस्करण से पांच वर्क-इन-प्रोग्रेस फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्लॉट सुरक्षित किया गया था, यानी वे फिल्में जो अभी भी पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में थीं.

को-प्रोडक्शन डे – मार्शे डू फिल्म ने शुक्रवार, 9 जुलाई, 2021 को पूर्ण दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया. एनएफडीसी फिल्म बाजार ने सह–निर्माण मार्केट 2020 ऑनलाइन संस्करण की चयनित परियोजनाओं में से 7 परियोजनाओं का चयन किया और उन्हें सह-निर्माण दिवस कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत किया.

ख. फिल्म बाजार 2021 – वर्चुअल 3डी आर्ट प्रारूप में ऑनलाइन

कोविड-19 महामारी की असाधारण स्थिति के कारण यह निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष की तरह फिल्म बाज़ार को पिछले संस्करण की तरह ही वर्चुअल रूप से संचालित किया जाएगा. बाज़ार वर्चुअल रूप से 20-25 नवंबर 2021 को अपनी नियमित तारीखों पर आयोजित किया गया था. फिल्म बाज़ार ऑनलाइन के लिए एक अनूठा अत्याधुनिक 3डी वर्चुअल पोर्टल बनाया गया था जिसे दुनिया भर में बहुत अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था और यह एक बड़ी सफलता थी. 39 देशों से कुल 553 प्रतिनिधियों ने लॉग इन किया.

2021 में फिल्म बाजार ने इस साल भारत में फ्रांसीसी दूतावास और फ्रांसीसी संस्थान के साथ अपनी महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाया है. भारत में फ्रांसीसी दूतावास ने 20 चयनित सह-निर्माण बाजार परियोजनाओं में से एक चयनित परियोजना के लिए फ्रांसीसी संस्थान पुरस्कार प्रदान किया. प्रोड्यूयर औ सूद (फ्रांस) के बीच एक नया सहयोग हुआ, जहां सह-निर्माण मार्केट चयनित प्रतिभागियों के लिए पहली बार विशेष रूप से क्यूरेट की गई 5 दिवसीय प्रारम्भिक कार्यशाला ऑनलाइन आयोजित की गई थी.

फिल्म बाजार के सभी सत्र सह-निर्माण मार्केट, वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, नॉलेज सीरीज, फिल्म ऑफिस, स्टाल, इंडस्ट्री स्क्रीनिंग जैसे ऑनलाइन आयोजित किए गए.

को-प्रोडक्शन मार्केट – को-प्रोडक्शन मार्केट का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सह-प्रोडक्शन्स के अवसरों को बढ़ाने के लिए फिल्म व्यावसायिकों को आमंत्रित करना है. 2021 के संस्करण में 11 देशों - बांग्लादेश, नेपाल, अफगाणिस्तान, स्पेन, श्रीलंका, हंगेरी, सिंगापुर, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और भारत की 15 भाषाओं में कुल 20 परियोजनाओं को अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन संस्करण प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था.

वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब – डब्ल्यूआईपी लैब चयनित फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्म के रफ कट को अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों के एक प्रतिष्ठित पैनल में प्रदर्शित करने का मौका देती है, जिसमें फिल्म फेस्टिवल निर्देशक, फिल्म समीक्षक, निर्माता और संपादक शामिल हैं. ये सलाहकार फिल्म निर्माता को फिल्म के अंतिम कट को हासिल करने में मदद करने के उद्देश्य से संपादन पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं. ऑनलाइन संस्करण अक्टूबर 26 से नवंबर 17, 2021 में हुआ था.

व्यूइंग रूम – द व्यूइंग रूम (वीआर) एक वीडियो लाइब्रेरी प्लेटफ़ॉर्म है जो फ़िनिशिंग फ़ंड, विश्व बिक्री और संभावित वितरण भागीदारों की तलाश करने वाली फ़िल्मों को प्रदर्शित करता है और फिल्म समारोहों में भाग लेना चाहता है. वर्चुअल व्यूइंग रूम में 159 फिल्में प्रस्तुत की गई. बाज़ार की तारीखों के दौरान 24 घंटे के लिए व्यूइंग रूम उपलब्ध था. यह 20 नवंबर को सुबह 10.00 बजे से 25 नवंबर, 2021 तक बाज़ार के दौरान उपलब्ध था. यह पहला वर्ष था जब 26-30 नवंबर 2021 तक बाज़ार की तारीखों के बाद भी प्रतिनिधियों के लिए व्यूइंग रूम उपलब्ध रखने का निर्णय लिया गया था. प्रतिनिधि इन दिनों के दौरान अपने MyFilmBazaar खाते के माध्यम से फिल्मों को ऑनलाइन देख सकते थे. दुनिया के किसी भी हिस्से से प्रतिनिधि फिल्म्स/फिल्म-क्लिप्स देखने के लिए लॉग इन कर सकते हैं.

इंडस्ट्री स्क्रीनिंग – इंडस्ट्री स्क्रीनिंग एक ऐसा मंच है जो फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्मों को अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, वितरकों, निर्माताओं, फिल्म समारोह के कार्यक्रम में भाग लेने वाले चुनिंदा दर्शकों को दिखाने का अवसर देता है. विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए सॉफ़्टवेयर के माध्यम से कुल 45 फ़िल्मों की स्क्रीनिंग की गई और इंटरफ़ेस ओपन स्क्रीनिंग रूम था जोकि वर्चुअल 3डी प्लेटफ़ॉर्म पर डिज़ाइन किया गया. स्क्रीनिंग शेड्यूल के अनुसार और विश्वभर में

Goes to Cannes – A slot was secured for NFDC Film Bazaar to showcase the five Work-in-Progress films from the 2020 online edition i.e, films which were still in the post-production stage.

Co-Production Day – Marché du Film conducted the event online for the entire day on Friday, July 9, 2021. NFDC Film Bazaar selected 7 projects from the selected projects of Co-Production Market 2020 online edition and present them under the CO-Production Day program.

b. Film Bazaar 2021 – Online in Virtual 3D art format

Due to the unprecedented situation of the COVID-19 pandemic it was decided that Film Bazaar like last year would be conducted virtually just like the previous edition. The Bazaar was conducted virtually on its regular dates November 20-25, 2021. A unique state of the art 3D virtual portal was created for Film Bazaar Online which was very well received around the world and was a huge success. A total of 553 delegates logged in from 39 countries.

Film Bazaar in 2021 had taken forward its valued partnership with the French Embassy in India and the French Institute. The French Embassy in India presented The French Institute Award for one selected project from the 20 selected Co-Production Market projects. Collaboration between the Produire Au Sud Workshop (France) with specially curated 5 day preparatory workshop for Co-Production Market selected participants was conducted online.

All the Film Bazaar session were held online which included Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Knowledge Series, Film Offices and Industry Screenings.

Co-Production Market – The Co-Production Market aimed to bring film professionals to enhance opportunities for international co-productions. In the 2021 edition a total of 20 projects in 15 languages from 11 countries – Bangladesh, Nepal, Afghanistan, Spain, Sri Lanka, Hungary, Singapore, Germany, Australia, the United Kingdom, and India were selected to present their projects at the online edition.

Work-in-Progress Lab – The Lab gave selected 5 filmmakers a chance to screen the rough cut of their film to an eminent panel of international advisors, which include a film festival director, a film critic, producers and editors. These advisors provided valuable feedback on the edit with aim of helping the filmmaker achieve an accomplished final cut of the films. The online edition of was held from October 26 to November 17, 2021.

Viewing Room – The Viewing Room (VR) is a video library platform to showcase films seeking finishing funds, world sales, potential distribution partners and looking to travel to film festivals. 159 films were presented at virtual Viewing Room. Viewing Room was accessible for 24 hours during the dates of the Bazaar. It was accessible during the Bazaar from 10.00 am IST on November 20 up to November 25, 2021. This was the first year that it was decided to keep Viewing Room available for the delegates even after the dates of the Bazaar from November 26-30, 2021. The delegates were able to watch the films online via their MyFilmBazaar Account during these days. Delegates from any part of the world could log into watch the films/film-clips.

Industry Screenings – Industry Screenings is a platform at Film Bazaar that gives an opportunity to filmmakers/producers to showcase their finished films to a select audience of international sales agents, distributors, film festival programmers attending the market. Total 45 films were screened virtually through a specially designed software and the interface was open screening room designed on the virtual 3D platform. The films were available to watch for 24hrs as per the screening schedule and keeping

अलग-अलग समय क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए फिल्में 24 घंटे देखने के लिए उपलब्ध थी. 26-30 नवंबर, 2021 तक फिल्म बाजार की तारीखों के बाद भी फिल्म उद्योग स्क्रीनिंग फिल्में देखने के लिए उपलब्ध थी.

फिल्म कार्यालय - भारत भर से राज्य सरकारें अपने राज्य को एक उत्कृष्ट फिल्मांकन स्थल के रूप में प्रदर्शित करने के लिए अपने फिल्म कार्यालयों के साथ एनएफडीसी फिल्म बाजार में प्रति वर्ष भाग लेती हैं. स्टाल और फिल्म कार्यालय के लिए विशेष रूप से बनाए गए 3डी अत्याधुनिक डिजाइन में शो रील होस्टिंग, ब्रोशर और अन्य प्रचार दस्तावेज जैसे कार्य शामिल थे. संबंधित राज्य विभाग के व्यक्ति के साथ बैठक आयोजित करने की सुविधा भी मंच पर प्रदान की गई. बैठक आयोजित करने के लिए ज़ूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म को हर स्टाल के साथ एकीकृत किया गया था.

नॉलेज सीरिज में फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्णयकर्ताओं और बाजार संचालकों के साथ विशेष रूप से क्यूरेट की गई प्रस्तुतियाँ, व्याख्यान और पैनल चर्चा शामिल थी. यह डिजिटल इंटरफ़ेस पर विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए क्षेत्र के साथ किया गया था जिसमें रिकॉर्ड किए गए सत्रों और को-प्रोडक्शन मार्केट क्षेत्रों और व्यूइंग रूम क्षेत्रों की प्रस्तुति के लिए वीमियो का उपयोग करके एकीकृत लाइव स्ट्रीमिंग का उपयोग किया गया था.

मीट द प्रोफ़ेशनल्स – मीट द प्रोफ़ेशनल्स कन्सिस्टेड का आयोजन 3डी प्लेटफ़ॉर्म पर किया गया था, जहाँ फ़िल्म बाज़ार के अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय अतिथियों को 45 मिनट के लाइव सत्र के लिए स्लॉट बुक करने के लिए आमंत्रित किया गया था ताकि वे अपना परिचय दे सकें या दक्षिण में अपनी कंपनी/संस्था के बारे में एशियाई पंजीकृत प्रतिनिधि को प्रस्तुति दे सकें. यह कार्यक्रम ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर 'व्यूइंग रूम झोन' में आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के तहत 22 सत्रों का आयोजन किया गया.

फिल्म बाज़ार 2020 - 2021 की फ़िल्में जोकि 2020 - 2021 - 2022 में प्रीमियर हुई थी अथवा 2023 में प्रीमियर होनी है. पिछले संस्करणों की कुछ फ़िल्मों की स्क्रीनिंग की गई या अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित की जानी हैं और चयनित देशों में वितरण किया गया - हर्षद नलावडे द्वारा फोलोअर - इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ रॉटरडैम (आईएफएफआर) 2023 में वर्ल्ड प्रीमियर, जय शंकर द्वारा शिवम्मा - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2022 में वर्ल्ड प्रीमियर, एकतारा कलेक्टिव द्वारा एक जगह अपनी (ए स्पेस ऑफ अवर ओन) - टोकियो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2022, निथिन लुकोस द्वारा पाका (रिवर ऑफ ब्लड) - टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, अजीतपाल सिंह द्वारा फायर इन द माउंटन्स - सनडान्स फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, इरफ़ाना मजूमदार द्वारा शंकर्स फेयरिज - लोकार्नो फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, दोस्तोजी (टू फ्रेंड्स) प्रसून चैटर्जी द्वारा - बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर. नतेश हेगड़े द्वारा पेड्रो - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2021. पुष्पेंद्र सिंह द्वारा लैला और सत गीत (द शेफर्डेस एंड द सेवन सॉन्ग्स) वर्ल्ड प्रीमियर - 70 वां बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020, (एनकाउंटर्स सेक्शन), हांगकांग आईएफएफ - यंग सिनेमा कॉम्पिटिशन (वर्ल्ड), जोंजू आईएफएफ, वैंकूवर आईएफएफ, मॉन्ट्रियल न्यू सिनेमा एफएफ, साओ पाओलो आईएफएफ, नासिर अरुण कार्तिक द्वारा प्रीमियर - टाइगर प्रतियोगिता में रॉटरडैम (आईएफएफआर) का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव. ईशान शुक्ला द्वारा शिरकोआ, बिच-क्वान ट्रान (डिसिडेंज़ फिल्म्स, फ्रांस) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनसे फिल्म निर्माता एनएफडीसी फिल्म बाजार में मिले थे. डेचेन रोडर का आई, द सॉन्ग यह फिल्म फिलहाल फंड जुटाने के चरण में है, लेकिन उनके पहले से मौजूद फ्रांसीसी सह-निर्माता के अलावा एक नॉर्वेरियन सह-निर्माता भी है. सुषमा खाडेपाउ द्वारा सब्रास (सॉल्ट) इस परियोजना में अब एक अमेरिकी निर्माता है और यह SFFILM वेस्ट्रिज ग्रांट के लिए फाइनलिस्ट भी है. भास्कर हजारिका द्वारा आमिस वर्ल्ड प्रीमियर - ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल 2019 में, ईब अलाय ऊ! प्रतीक वत्स द्वारा वर्ल्ड प्रीमियर - पिंग्याओ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (पीवाईआईएफएफ), 2019, 70वां बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020 (पैनोरमा सेक्शन), ऐसे ही (जस्ट लाइक दैट) किसलय फिल्म फेस्टिवल्स द्वारा - वर्ल्ड प्रीमियर - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2019 तथा कई अधिक फिल्में.

स्क्रिन राइटर्स लैब – एनएफडीसी लैब, 2007 में शुरू हुआ, भारतीय फिल्म निर्माताओं के लिए पहले से ही कार्य क्षेत्र में स्थापित या फिल्म और/या मीडिया अध्ययन के बाद अपने करियर को विकसित करने के लिए पेशेवर विकास का एक ढांचा प्रदान करने के लिए स्थापित किया

in mind the different time zones across the world. The Industry Screening films were also available to watch even after the dates of Film Bazaar from November 26-30, 2021.

Film Offices – State Governments from across India participate in NFDC Film Bazaar every year with their Film Offices to showcase their State as an excellent filming destination. The 3D state-of-the-Art design specially made for stall and film office had functions like show reel hosting, brochures & other promotional documents. Facility to conduct meeting with relevant state department person was also provided on the platform. Zoom video conferencing platform was integrated with every stall to conduct the meeting.

Knowledge Series – Knowledge Series consists of specially curated presentations, lectures and panel discussions with key decision-makers and market drivers of the film industry. This was done with specially designed area on the digital interface which used integrated live streaming using Vimeo for the recorded sessions and presentation of the Co-Production Market pitches and Viewing Room pitches.

Meet the Professionals – Meet the Professionals consisted was organized on the 3D platform, where International and Indian guests of Film Bazaar were invited to book a slot for 45-minute live session to introduce themselves or make a presentation about their company/institution to the South Asian registered delegates. This program was conducted in the 'Viewing Room Zone' on the online 3D platform. 22 sessions were conducted as a part of this program.

Films from Film Bazaar 2020 - 2021 that were Premiered in 2020 – 2021- 2022 or to be premiered in 2023. Some films from previous editions got screened or are to be screened at the international film festival and got distribution in selected countries - Follower by Harshad Nalawade - World Premiere at International Film Festival of Rotterdam (IFFR) 2023, Shivamma by Jai Shankar - World Premiere at Busan International Film Festival 2022, Ek Jagah Apni (A Space of our Own) by Ektara Collective - World Premiere at Tokyo International Film Festival 2022, Paka (River of Blood) by Nithin Lukose - World Premiere at Toronto International Film Festival 2021, Fire in the Mountains by Ajitpal Singh - World Premiere at Sundance Film Festival 2021, Shankar's Fairies by Irfana Majumdar - World Premiere at Locarno Film Festival 2021, Dostojee (Two Friends) by Prasun Chatterjee - World Premiere at BFI London Film Festival 2021., Pedro by Natesh Hegde - World Premiere at Busan International Film Festival 2021. Laila Aur Satt Geet (The Shepherdess and the Seven Songs) by Pushpendra Singh World premiere - 70th Berlin International Film Festival 2020, (Encounters section), Hong Kong IFF - Young Cinema Competition (World), Jeonju IFF, Vancouver IFF, Montreal New Cinema FF, Sao Paolo IFF, Nasir by Arun Karthick Premiered - International Film Festival of Rotterdam (IFFR) in Tiger Competition. Schirkoa by Ishan Shukla, a deal has been signed with Bich-Quan Tran (Dissidenz Films, France) whom the filmmaker met at NFDC Film Bazaar. I, the Song by Dechen Roder The film is currently in the fund-raising stage but has a Norwegian co-producer in addition to their already existing French co-producer. Sabras (Salt) by Sushma Khadepau The project now has a US producer and is also a finalist for SFFILM Westridge Grant. Aamis by Bhaskar Hazarika World Premiere - Tribeca Film Festival in 2019. Eeb Allay Ooo! by Prateek Vats World premiere - Pingyao International Film Festival (PYIFF), 2019, 70th Berlin International Film Festival 2020 (Panorama section), Aise Hee (Just Like That) by Kislay Film Festivals - World premiere - Busan International Film Festival, 2019 and many more Films.

Screenwriters' Lab – NFDC LABS, started in 2007, has been established to provide a framework of professional development for Indian filmmakers already established in the work field or developing their careers following Film and/or Media studies.

गया है. एनएफडीसी लैब्स प्रोजेक्ट-आधारित कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और मास्टर-क्लास के माध्यम से प्रतिभाशाली लेखकों और निर्देशकों के कार्यकलाप को गहन और उन्नत करना चाहता है. विभिन्न चरणों में स्क्रिप्ट के विकास के लिए प्रयोगशालाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उद्योग विशेषज्ञों की सलाह के अधीन हैं. भारतीय पटकथा लेखक लंबे समय से चल रही आवासीय लैब पटकथा लेखन, कहानी संरचना और पटकथा लेखन के मूल सिद्धांतों को समझना जारी रखेंगे. इस मॉडल में वन ऑन वन या ग्रुप सेशन्स भी शामिल थे जहां प्रत्येक प्रतिभागी को अन्य लेखकों की परियोजनाओं में निवेश किया गया था.

लैब को 4-5 महीनों में व्याप्त 3 ऑनलाइन सत्रों के साथ संरचित किया जाएगा. मेंटर्स 6/8 चयनित लेखकों के साथ सावधानीपूर्वक चरणबद्ध विकास के माध्यम से काम करेंगे. फिल्म बाजार 2021 के ऑनलाइन संस्करण में तीसरे सत्र के बाद इन चयनित लेखकों की पिचिंग की गई. फिल्म बाजार 2021 के ऑनलाइन संस्करण में कुल 8 लेखकों ने परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से अपनी परियोजनाओं को पेश किया. 8 पटकथाओं में से 2 - 1 हिमाद्री परमार द्वारा रेख़्ता और 2. पराक्ष डेका द्वारा गोस कोटा मनुह (द वुडकटर) पोस्ट प्रोडक्शन में हैं और जल्द ही पूरी हो जाएंगी.

5.8 मीडिया बिजनेस

एनएफडीसी, डीएवीपी/बीओसी/सीबीसी की दरों पर सरकारी ग्राहकों के लिए पब्लिसिटी कैंपेन रिलीज करता है.

एनएफडीसी भारत सरकार की नोडल एजेंसी है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान चलाती है और भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), स्वायत्त निकायों, विभागों और संगठनों की योजनाओं, संदेशों, विज्ञापनों और नीतियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों और सूचनाओं का प्रसार डीएवीपी दरों के अनुसार करती है.

NFDC Labs seeks to deepen and enhance the working practice of talented writers and directors, through project-based workshops, labs, and master-classes. The labs are under the mentorship of Internationally acclaimed Industry experts for the development of scripts at different stages. The long running residential Lab for Indian screenwriters will continue to understand the fundamentals of screenwriting, story structure and character development. This model included one-on-one as well as group sessions where each participant was invested in other writers' projects.

The Lab will be structured with 3 online sessions spread over 4-5 months. Mentors will work with 6/8 selected writers through carefully staged development. Pitching of these selected writers after third session was held at the online edition of Film Bazaar 2021. Total of 8 writers went through the mentorship programme and pitched their projects at the online edition of Film Bazaar 2021. Out of 8 scipts 2 – 1. Rekhta by Himadri Parmar and 2. Gos kota Manuh (The woodcutter) by Paraksh Deka, are in post production and will soon be completed.

5.8 Media Business

NFDC Releases Publicity Campaigns on DAVP/BOC/CBC rates for Government clients.

NFDC is a Nodal agency of Government of India executing Electronic Media campaigns and does dissemination of Awareness Programmes and Information about schemes, messages, advertisement and policies of different Ministries, Public Sector Undertaking (PSU's), Autonomous Bodies, Departments and organization under the Govt. of India, as per DAVP rates.

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए लेखा पुस्तकों के अनुसार टर्नओवर

Turnover as per Books of Accounts for FY 2021-22

₹ करोड़ में
₹ in Crore

कैंपेन्स की कुल संख्या	Total no. of Campaigns	13
कुल टर्नओवर	Total Turnover	₹ 4.26 Cr
गाहकों की कुल संख्या	Total No. of Clients	3
ग्राहक वार ब्रेकअप	Client wise Breakup	
भारतीय वायु सेना	Indian Air Force	₹ 3.49 Cr
ट्राइबल को ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया	Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India	₹ 0.60 Cr
लिवर और बिलियरी सायन्सेस संस्थान	Institute of Liver and Biliary Sciences	₹ 0.17 Cr

महामारी पश्चात की स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में मीडिया प्लानिंग वर्टिकल पुनर्जीवित होने के लिए तैयार है.

5.9 युक्ति तथा योजना

5.9.1. ऑनलाइन एनलिस्टमेंट एप्लिकेशन – प्रोडक्शन

एनएफडीसी ने विभिन्न मंत्रालयों तथा उनके विभागों के अपने ग्राहकों को अधिकतम संतुष्टि प्रदान करने के लिए विज्ञापन तथा मीडिया जगत के श्रेष्ठतम प्रोफेशनल्स के साथ भागीदारी की है. कार्यनिष्पादन प्रक्रिया की एक विशेषता यह है कि प्रोडक्शन तथा सोशल मीडिया में सर्वथा उपयुक्त क्रिएटिव एजेंसियों का चुनाव किया जाता है जिनमें आवश्यक कौशल हो और ग्राहक की आवश्यकता को समझने की क्षमता हो. यह सब एनएफडीसी के ऑनलाइन एनलिस्टमेंट एप्लिकेशन की वजह से संभव हो पाता है. इससे एनएफडीसी इस क्षेत्र की एमएसएमई कंपनियों को सहायता देने का मार्ग भी बन जाता है.

वर्ष के दौरान कुल मिला कर 260 एजेंसियां विभिन्न वर्गों के अंतर्गत, जैसे एडवर्टाइजिंग, प्रोडक्शन हाउसेस, ग्राफिक डिजाइन, सोशल मीडिया एजेंसीज, इंपेक्ट, इवेंट तथा रिसर्च एजेंसियां सूचीबद्ध की गई.

With the post pandemic situation, the media planning vertical is poised to revive in the coming years.

5.9 Strategy & Planning

Online Enlistment Application – for Production

NFDC has partnered with professionals in the advertising and media industries to deliver optimum results for its clients in the various Ministries and their departments. One of the key elements of the execution process is to identify suitable creative agencies in Production & Social Media with the required competence and domain knowledge to meet the client's requirements. This has been made possible and easier from the NFDC Online Enlistment Application. This also gives NFDC a way to help the MSME companies in this sector.

On the whole, a total of 260 agencies have enlisted during the year under various categories like Advertising, Production Houses, Graphic Design and Print, Social Media Agencies, Impact, Event & Research agencies.

नीचे उन श्रेणियों की सूची दी जा रही है जिनके अंतर्गत एजेंसियों को सूचीबद्ध किया गया है –

Below is the List of the categories under which the agencies are enlisted with NFDC –

	श्रेणी	Category	कुल Total
1	प्रोडक्शन हाउस	Production House	158
2	एडवर्टाइजिंग एजेंसियां	Advertising Agency	37
3	डिजिटल मीडिया एजेंसियां	Digital Media Agency	27
4	इवेंट मैनेजमेंट एजेंसियां	Event Management Agencies	19
5	ग्राफिक डिजाइन/प्रिंट	Graphic Design/Print	13
6	इंपेक्ट असेसमेंट/मीडिया मॉनिटरिंग/पीआर	Impact Assessment/Media Monitoring/PR	4
7	थिएटर ग्रुप	Theatre Group	2
	कुल	**Total**	**260**

5.10 डिजिटल मीडिया

डिजिटल मीडिया माध्यम है जो एनएफडीसी द्वारा वर्मान समय में अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराए जाने वाले मीडिया मिक्स चैनल्स को सप्लीमेंट करता है.

एनएफडीसी ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार सिर्फ सोशल मीडिया प्रबंधन सेवाओं की पेशकश से लेकर डिजिटल अभियान, इन्फ्लुएंसर आउटरीच प्रोग्राम, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) और वेबसाइट विकास तक किया है. आगे बढ़ते हुए, एनएफडीसी की योजना मोबाइल ऐप डेवलपमेंट और नवीनतम उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ साथ सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी सेवाओं के दायरे को व्यापक बनाने की है.

वर्ष के दौरान एनएफडीसी ने अपनी डिजिटल मीडिया सेवाएं नीचे दिए गए ग्राहकों को उपलब्ध कई हैं.

1. आईआरसीटीसी – डिजिटल मीडिया सेवाएं और सोशल मीडिया प्रबंधन
2. राइट्स लि. – सोशल मीडिया प्रबंधन और मीडिया मोनिटरिंग
3. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड – सोशल मीडिया मैनेजमेंट
4. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग – सोशल मीडिया प्रबंधन
5. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान – सोशल मीडिया प्रबंधन
6. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (संस्कृति मंत्रालय) – "आजादी का अमृत महोत्सव" और डिजिटल अभियानों के हिस्से के रूप में एबीसीडी परियोजना के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन
7. भारतीय खाद्य निगम - सोशल मीडिया प्रबंधन
8. श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा एनसीएस योजना - सोशल मीडिया प्रबंधन

वर्तमान के प्रवृत्तियों सामाजिक आउटरीच सहित और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा डिजिटल मीडिया को दिए गए महत्व के साथ, डिजिटल मीडिया वर्टिकल में विकास की अपार संभावनाएं हैं.

6. मानव संसाधन विकास

6.1 श्रमशक्ति

इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर कंपनी में 54 कर्मचारी हैं जिनमें 11 कार्यकारी अधिकारी और 43 गैर-कार्यकारी हैं.

5.10 Digital Media

Digital Media is a medium which supplements the existing channels of media mix offered by NFDC to its clients.

NFDC has expanded its portfolio from just offering Social Media Management services to executing Digital Campaign, Influencer Outreach Programs, Search Engine Optimization (SEO) and Website Development. Going forward, NFDC plans to broaden the scope of our services to Mobile App Development and providing services in sync with latest emerging technologies.

During the year, NFDC has provided its digital media services to the below mentioned clients.

1. IRCTC – Digital Media Services (SEO) & Social Media Management
2. RITES LTD. – Social Media Management & Media Monitoring
3. National High Speed Rail Corporation Ltd - Social Media Management
4. Department of Personnel & Training (DoPT) – Social Media Management
5. National Institute of Electronics & Information Technology – Social Media Management
6. Indira Gandhi National Centre for the Arts (Ministry of Culture) – Social Media Management for ABCD project as part of “Azadi Ka Amrit Mahotsav” & Digital Campaigns
7. Food Corporation of India – Social Media Management
8. NCS Scheme by Ministry of Labour and Employment – Social Media Management

With recent trend social outreach and the significance given to Digital Media by various Government Departments, the Digital Media vertical have immense potential of growth.

6. Human Resource Development

6.1 Manpower

Your company has 54 employees consisting of 11 executives and 43 Non-Executives at the close of this financial year.

6.2 रिक्तियों का आरक्षण

6.2 Reservation of Vacancies

श्रेणी	कुल संख्या		31 मार्च को अ.जा की संख्या		31 मार्च को अ.ज की संख्या		31 मार्च को ओबीसी की संख्या		31 मार्च को पीएच की संख्या		31 मार्च को भूतपूर्व सैनिकों की संख्या	
Group	Total strength		No of SCs As on 31st March		No of STs As on 31st March		No of OBCs As on 31st March		No of PH As on 31st March		No of Ex-Serviceman As on 31st March	
	2022	2021	2022	2021	2022	2021	2022	2021	2022	2021	2022	2021
A	11	11	3	3	0	0	1	1	0	0	0	0
B	13	13	4	4	0	0	3	3	1	1	0	0
C	30	34	8	9	0	0	9	9	2	2	0	0
D	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल Total	**54**	**58**	**15**	**16**	**0**	**0**	**13**	**13**	**3**	**3**	**0**	**0**

6.3 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना –
वर्ष के दौरान स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत कोई भी कर्मचारी/श्रमिक स्वेच्छा सेवानिवृत्त नहीं हुआ है

6.4 औद्योगिक संबंध
वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध स्नेहपूर्ण बने रहे. कर्मचारियों की शिकायतों पर आपसी विचार-विमर्श किया गया और जहां तक संभव हुआ उनका समाधान किया गया.

6.3 Voluntary Retirement Scheme –
During the year no employees/workers has voluntarily retired under Voluntary Retirement Scheme

6.4 Industrial Relations
The industrial relations during the year remain cordial. Grievances of the employees were discussed mutually and as far as possible settled.

7. सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ एमओयू

एनएफडीसी लिमिटेड के साथ चार मीडिया इकाइयों के चल रहे विलय को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए डीपीई के एमओयू विभाग ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से छूट प्रदान की.

8. राजभाषा कार्यान्वयन

वर्ष के दौरान कंपनी में राजभाषा अधिनियम तथा उसके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए गए नियमों और राजभाषा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और लोक उद्यम विभाग द्वारा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में जारी आदेशों को लागू किया गया था. कंपनी में हिंदी के प्रयोग की समीक्षा के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं और वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक कार्यक्रम को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई. 14 सितंबर 2021 को वर्चुअल माध्यम से हिंदी दिवस मनाया गया और निगम के मुख्यालय में 14 सितंबर 2021 से 28 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया. हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी कार्यशालाएं और हिंदी प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण हिंदी गायन एवं कविता का आयोजन किया गया. विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रतिभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.

9. ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समावेशन आदि पर रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (एम), के प्रावधानों के अनुरूप कंपनी के अधिनियम (अकाउंट्स) 2014 के साथ पढ़ा जाय, ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समावेशन जाने आदि कंपनी पर लागू नहीं होते.

10. सतर्कता मामले

सतर्कता मामलों की निगरानी के लिए उप महाप्रबंधक स्तर के एक अधिकारी को नामित किया गया है. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान सतर्कता मामलों से संबंधित आवधिक रिपोर्ट नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी गई थी. वर्ष 2021-22 के दौरान शून्य सतर्कता शिकायत प्राप्त हुई थी और पिछले वर्ष की एक शिकायत का परिणाम निकाला गया है.

7. MOU With Ministry of Information & Broadcasting

In view of on-going merger of four Media Units with NFDC Ltd., MoU Division of DPE, had granted exemption from signing of Memorandum of Understanding with the Ministry of Information & Broadcasting, GoI, for the F.Y. 2021-22.

8. Official Language Implementation

The official Language Act, along with the Rules thereof and orders issued from time to time by the Department of Official Language, Ministry of Information and Broadcasting and the Department of Public Enterprises regarding progressive use of Hindi, were implemented in the Company during the year. Meetings of the Official Language implementation Committee were held regularly to review the use of Hindi in the Company and steps taken to implement the Annual program for the year 2021-22 issued by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India. Hindi Day was celebrated on 14th September 2021 and Hindi Fortnight was organized from 14th September 2021 to 28th September 2021 at the headquarters of the Corporation. During the Hindi fortnight, Hindi workshops and Hindi competitions i.e. Hindi Essay, Hindi noting and drafting, Hindi singing and poems were organized. Winners were awarded with Cash prize money and appreciation certificates.

9. Reportion Conservation of Energy, Technology Absorption, Etc.

Information in accordance with the provisions of Section 134 (3) (m) of the Companies Act, 2013 read with the Companies (Accounts) Rules, 2014 regarding Conservation of Energy, Technology Absorption is not applicable to the Company.

10. Vigilance Matters

An officer in the rank of Deputy General Manager has been nominated to oversee the vigilance matters. During the year under report periodical reports relating to vigilance matters were sent to Ministry regularly. There was Nil vigilance compliant received during the year 2021-22 and one complaint of previous year has been concluded.

11. राष्ट्रपतिक निर्देश

वर्ष के दौरान कोई राष्ट्रपतिक निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है.

12. धोखाधड़ी की सूचना देना

वर्ष के दौरान कंपनी पर या कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं देखी अथवा रिपोर्ट की गई है.

13. निदेशक मंडल तथा मंडल की बैठकें

कंपनी के निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और उनका पारिश्रमिक भी वही नियत करती है. अतः निदेशकों की नियुक्ति, योग्यता, उनके पारिश्रमिक, सकारात्मक प्रवृत्तियों, निदेशक की स्वतंत्रता तथा सेक्शन 178 के उप सेक्शन (3) के अंतर्गत आने वाले अन्य मामलों के संबंध में कंपनी की कोई नीति नहीं है.

रिपोर्ट की तारीख के अनुसार एनएफडीसी में श्री रविंद्र भाकर, प्रबंध निदेशक, (अतिरिक्त प्रभार) दो पदेन अधिकारी अंशकालिक सरकारी निदेशक हैं – श्री जयंत सिन्हा, विशेष सचिव एवं आर्थिक सलाहकार, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय तथा सुश्री अंजू निगम, संयुक्त सचिव (ईडब्ल्यू), सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय. दो अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक हैं, श्री राजेश कन्ना और श्री जी. गौरीशंकर.

निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती. उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है.

14. लेखा परीक्षक

भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139 के अधीन मेसर्स सी. बी छाड़ेज एंड को, सनदी लेखाकार, इलेक्ट्रिक मेंशन, 5वीं मंजिल, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई, 400025, महाराष्ट्र को वित्तवर्ष 2020-21 के लिये निगम के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया.

14.1 सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन की टिप्पणियां

- लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के खातों का लेखा परीक्षण किया है. आवश्यक अनुबंध और रिपोर्ट के साथ ऑडिट किए गए खाते इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं. कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के खातों पर योग्य रिपोर्ट दी है.

14.1.1 लेखाकारों की रिपोर्ट पर टिप्पणियां

क्वालिफाइड ओपिनियन का आधार –

पैरा (क)
कंपनी ने विभिन्न देनदारों, ऋणों तथा अग्रिमों एवं उन जमाओं के संबंध में, जो बही खातों में 31 मार्च 2022 को आउटस्टैंडिंग हैं, बकाए के सत्यापन के लिए पत्र भेजे हैं. कुछ पक्षों से जवाब आ भी चुके हैं. उन विभिन्न देनदारों, ऋणों तथा अग्रिमों के बारे में बही खातों में पर्याप्त प्रावधान कर दिये गये हैं जो तीन साल से अधिक समय से बकाया पड़े हैं और उन्हें विधिवत पिछले वर्षों से आगे ले आया गया है. इसके अतिरिक्त टीवी मार्केटिंग के देनदारों और अन्य बकायाओं को लेकर आवश्यकतानुसार केस दायर कर दिए गए हैं.

चालू देनदारियां मुख्यतः मीडिया व्यवसाय के कारण हैं. बहुत सारी देनदारियां क्रमशः निपटा दी गई हैं.

पैरा (ख)
कोई टिप्पणी नहीं.

पैरा (ग)
₹ 6240.52/- (शुद्ध प्रावधान) के कुल व्यापार प्राप्तियों में ₹ 6190.01/- की राशि शामिल है, जो सरकारी विभाग/एजेंसियों से संबंधित है, जिनमें

11. Presidential Directives

No Presidential Directives has been received during the year.

12. Fraud Reporting

No fraud on or by the company has been noticed/reported during the year.

13. Board of Directors And Board Meetings

The Company's Directors are appointed and their remuneration is fixed by the Government of India. Hence the Company has no policy on appointment of Directors and their remuneration including criteria for determining qualification, positive attitudes, independence of a director and other matters provided under sub-section (3) of Section 178.

As on date of report, the Board of NFDC consists of Mr. Ravinder Bhakar as Managing Director (additional Charge), two non-executive Government Director, namely Shri Jayant Sinha, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of I&B and Mr. Prithul Kumar, Joint Secretary (Films), Ministry of I&B and two part-time non-official Directors as Independent Directors - Shri Rajesh Kanna and Shri G. Gowrishankar.

The Company has no role in the appointment of its Directors since they are appointed by the Government of India.

14. Auditors

The Comptroller and Auditor General of India appointed M/s. C.B.Chhajed & Co., Chartered Accountants, Mumbai as Auditors of the Company for the FY 2021-22 under Section 139 of the Companies Act, 2013.

14.1 Management comments on Statutory Auditors' Report

- The auditors have audited the Accounts of the Company for the year ended March 31, 2022. The audited accounts with required annexure and reports are annexed to this report. The Statutory Auditors of the Company have given a qualified report on the accounts of the Company for the financial year 2021-22.

14.1.1 Comments on The Auditors Report

Basis for Qualified Opinion –

PARA (a)
The Company has sent letters seeking confirmation of balances in respect of Sundry Debtors, Loans and Advances, as well as Deposits outstanding in the Books of Accounts as on 31st March 2022. Responses have been received from some of the parties. Adequate provisions have been made in the Books of Accounts for Sundry Debtors, Loans and Advances that are outstanding for more than three years and have been duly carried forward from previous years. Further, legal cases have been filed for recovery in respect of TV Marketing Debtors and other cases of outstanding dues wherever required.

The Current Liabilities are mainly on account of Media Business. Most of the dues have been cleared subsequently.

PARA (b)
No comments.

PARA (c)
The total trade receivables of ₹ 6240.52 Lakhs (Net of Provision) includes a sum of ₹ 6190.01 Lakhs pertaining to Government Department/agencies of which ₹ 4317.51 Lakhs are outstanding

से ₹ 4317.5/- तीन वर्षों से बकाया हैं. कुल सरकारी देय राशि ₹ 3142.70/- में से जोकि 3 वर्षों से बकाया है वह सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा उनके मीडिया इकाइयों से बकाया है, जो एनएफडीसी का प्रशासनिक मंत्रालय है. एनएफडीसी की महत्वपूर्ण लेखा नीति के अनुसार, प्रबंधन की राय में सरकारी देय राशि के लिए प्रावधान उस सीमा तक किया जाता है, जिसे वसूली योग्य नहीं माना जाता है. सरकार से बकाया वसूल किए जाने की उम्मीद है और इसलिए प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है.

पैरा (घ)
कंपनी ने 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया व्यापार देय राशि को वापस नहीं लिखा है क्योंकि यह सरकारी देनदारों से संबंधित प्राप्य के विरुद्ध लंबित देय हैं. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान शेष ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं.

पैरा (ङ)
ग्राहक-वार/परियोजन-वार सूची प्रदान की गई है और ऐसा कोई अग्रिम नहीं है जिसके लिए प्रावधान करने की आवश्यकता हो.

पैरा (च)
जीएसटी सलाहकार द्वारा प्रदान किए गए अग्रिमों पर जीएसटी पर रिपोर्ट के अनुसार, लेखा पुस्तकों के अनुसार अग्रिमों पर जीएसटी लेखा पुस्तकों में पड़े ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम के साथ मेल खा रहा है. साथ ही, परियोजनाओं की स्थिति की पहचान की गई है (कुछ परियोजनाओं को छोड़कर) और अनुपालन के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई है/ ध्यान दिया गया है.

पैरा (छ)
एमएसएमई अधिनियम, 2006 की धारा 15 के अनुसार, खरीदार को उसके और आपूर्तिकर्ता के बीच लिखित रूप से सहमत होने की तिथि पर या उससे पहले भुगतान करना होगा या, नियत दिन से पहले जहां इस संबंध में कोई समझौता नहीं है. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान अंतिम ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं. तदनुसार, अंतिम ग्राहकों से प्राप्तियों की वसूली न होने के कारण विक्रेताओं को भुगतान देय नहीं हो पाया है. इसलिए 31 मार्च 2022 तक वर्ष के अंत में भुगतान न की गई राशि पर कोई ब्याज भुगतान या देय नहीं है.

14.2 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा खातों की समीक्षा
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने पत्र दिनांक 11/14.11.2022 के माध्यम से आपकी कंपनी के वित्तीय विवरणों पर 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 143(6)(बी) के तहत 'गैर-समीक्षा प्रमाणपत्र' दिया है और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी के वित्तीय विवरणों के लिए (सी एंड एजी) की शून्य टिप्पणियों को इस वार्षिक रिपोर्ट में आपकी कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के साथ अन्यत्र रखा जा रहा है.

15. सूचना का अधिकार एक्ट, 2005

एनएफडीसी में सूचना का अधिकार एक्ट 2005 लागू करने के लिए पर्याप्त आवश्यक कार्यवाही की गई है. आरटीआई संबंधी आवेदन पत्रों को देखने और उन पर की जा रही आगे की कार्यवाही पर निगरानी के लिए समुचित व्यवस्था है. आरटीआई मशीनरी का प्रतिनिधित्व 31.03.2022 तक किया गया है जोकि निम्नानुसार है –

1. मुख्य जन सूचना अधिकारी
   श्री पी.पी मठ, उप महाप्रबंधक, (फिल्म निर्माण)

2. अपीलीय प्राधिकारी
   श्री ई. जे. पॉल, कंपनी सचिव

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 16 (सोलह) आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए थे तथा 15 आरटीआई आवेदनों का जवाब दिया गया और 31.03.2022 तक 1 (एक) आवेदन लंबित था.

more than 3 years. of the total Government dues outstanding for more than three years ₹ 3142.70 lakhs is due from the Ministry of Information & Broadcasting & Media units of Ministry of Information & Broadcasting, which is NFDC's administrative Ministry. As per the Significant Accounting Policy of NFDC, provision towards Government dues are made to the extent considered not recoverable in the opinion of the Management. The dues from the Government are expected to be recovered and hence provision is not considered necessary.

PARA (d)
Company has not written back the trade payables outstanding for more than 3 years as the same are pending payables against the corresponding receivable from the government debtors. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers.

PARA (e)
Customer wise/Project wise list has been provided and there are no such advances which need provision to be made.

PARA (f)
As per report on GST on advances provided by GST consultant, GST on advances as per Books is matching with advance received from customers lying in Books of Accounts. Also, the status of projects has been identified (except few projects) and the necessary actions have been taken/noted for compliances.

PARA (g)
As per section 15 of MSME Act, 2006, the buyer shall make payment therefore on or before the date agreed upon between him and the supplier in writing or, where there is no agreement in this behalf, before the appointed day. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers. Accordingly, due to non-realization of receivables from the end customers, the payments to the vendors have not become due. Hence as on 31st March 2022, there is no interest paid or payable on the amounts unpaid as at the year end.

14.2 Review of accounts by Comptroller & Auditor General of India (C&AG)
The Comptroller & Auditor General of India, through letter dated 11/14.11.2022, has given the 'Non-Review Certificate' on the Financial Statements of your Company for the year ended 31st March 2022 under Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013 and the Nil comments of C&AG for the financial statements of your Company for the year ended 31st March 2022 are being placed with the report of Statutory Auditors of your Company elsewhere in this Annual Report.

15. Right To Information Act, 2005

RTI Machinery is in place in NFDC to attend to RTI applications and follow-ups. Necessary action has been taken by the Company towards implementation of Right to Information (RTI) Act 2005 in NFDC. The RTI machinery is represented as on 31.03.2022 as mentioned hereunder –

1. Chief Public Information Officer
   Shri P.P. Math, Deputy General Manager (Film Production)

2. Appellate Authority
   Shri E. J. Paul, Company Secretary

Total 16 (sixteen) RTI applications were received during FY 2021-22 and 15 RTI applications were replied and 1 (one) applications were pending as on 31.03.2022.

16. सतर्कता तंत्र

बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रदान करने के लिए एनएफडीसी ने धोखाधड़ी के मामलों की रोकथाम के लिए नीति निर्धारित की है. इस नीति का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराना है जिससे धोखेबाजी से बचाव एवं उसका पता लगाना संभव हो सके, किसी तरह की धोखेबाजी की आशंका हो तो उसे रिपोर्ट किया जा सके और सामने आए मामलों से निपटा जा सके.

विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक तथा क्षेत्रीय प्रबंधकों को इस धोखाधड़ी निरोधी नीति का नोडल अधिकारी बनाया गया है. वे नीतिनुसार सभी कार्यवाहियां नियोजित करते हैं.

17. लेखा परीक्षण समिति

31 मार्च 2022 को लेखा परीक्षण समिति की संरचना इस प्रकार है –

निदेशक का नाम	पद	समिति में स्थिति
श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य
श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य
श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक	सदस्य

लेखा समिति की बैठकों में निदेशक (वित्त), आंरिक लेखा परीक्षक तथा सरकार लेखा परीक्षक स्थायी निमंत्रित होते हैं. समिति को जानकारी प्रदान करने के लिए वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को भी आवश्यकतानुसार बुलाया जाता है.

18. जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशक मंडल बिजनेस के आंतरिक और वाह्य जोखिमों की समय समय पर समीक्षा करते रहते हैं जिससे कि समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाये जा सकें. आंतरिक कमजोरियों तथा विभिन्न वाह्य खतरों की समीक्षा के लिये निदेशक मंडल के सामने रिपोर्ट पेश की जाती है.

19. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

कृपया अनुलग्नक II देखें

20. महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर हुए यौन उत्पीड़न संबंधी प्रकटीकरण (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन, एंड रिड्रेसल एक्ट 2013)

इसके संबंध में कंपनी की नीति निर्धारित है. महिला कर्मचारीगणों की शिकायतों के निवारण के लिए निगम की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया था.

वर्ष 2021-22 के दौरान यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायतें प्राप्त होने तथा उनका निपटारा किये जाने का विवरण प्रकार है –

प्राप्त शिकायतों की संख्या	कुछ नहीं
शिकायतों का निपटारा	लागू नहीं

21. कॉर्पोरेट गवर्नेंस

अपने प्रतिदिन के कार्यकलापों में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही बनाये रखने के लिए कंपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की श्रेष्ठतम नीतियों का निरंतर अनुसरण करती है. कॉर्पोरेट गवर्नेंस की इन नीतियों को संलग्न (अनुलग्नक I) में प्रमुखता के साथ दर्शाया गया है.

16. Vigil Mechanism

In order to practice better Corporate Governance, NFDC has adopted a Policy for Prevention of Fraud. The objective of the policy is to provide a system for detection and prevention of fraud, reporting of any fraud that is detected or suspected and for fair dealing of matters pertaining to fraud.

The Heads of Departments, General Managers, and Regional Managers are designated as the Nodal officers for this Fraud Policy and will co-ordinate all activities as per the Policy.

17. Audit Committee

The composition of the Audit Committee as on 31st March 2022 is as under –

Name of the Director	Designation	Position in Committee
Shri Rajesh Kanna	Non-Official Director	Member
Shri G. Gowrishankar	Non-Official Director	Member
Shri Jayant Sinha	Govt. Nominee Director	Member

Internal Auditors and Statutory Auditors are standing invitees in the Audit Committee meetings. Senior functional executives are also invited as and when required to provide inputs to the Committee.

18. Risk Management Policy

The Board of Directors review internal & external risks of the business periodically so as to take timely corrective action. In order to review its internal weaknesses and various external threats periodically, reports are placed before the Board of Directors.

19. Corporate Social Responsibility

Please see Annexure II

20. Disclosure Under The Sexual Harassment of Women At Workplace (Prevention, Prohibition And Redressal) Act, 2013.

The Company has a policy in this regard. The Internal Complaints Committee (ICC) of the Corporation had been constituted for redressal of grievances of women staff members.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed of during the year 2021-22 –

No. of complaints received	Nil
No. of complaints disposed of	Not Applicable

21. Corporate Governance

The Company consistently endeavors to adopt the best practices of Corporate Governance to ensure transparency, integrity and accountability in its functioning. The Corporate Governance Report highlighting these endeavors is enclosed herewith (Annexure-I).

22. जमा

कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों 2(31), 73 तथा 74 के अंतर्गत जनता से मियादी जमा आमंत्रित नहीं की.

23. स्वतंत्र निदेशकों द्वारा दी गई घोषणा पर निवेदन

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की आवश्यकता नहीं है, हालांकि डीपीई के कॉर्पोरेट प्रशासन के दिशानिर्देशों के तहत दिनांक 14.05.2010 को कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए तदनुसार प्रशासनिक मंत्रालय ने 21.01.2020 को तीन स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की है. स्वतंत्र निदेशक ने स्वतंत्रता का घोषणा पत्र दिया है.

24. सूक्ष्म और लघु उद्यमों से की गई खरीद

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई थी, जो निर्धारित करती है कि वस्तुओं और सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद का 20% सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/सीपीएसयू द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से किया जाएगा. इस प्रतिशत के भीतर, एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से उप-कुल 4% खरीद की जानी है. वर्ष 2021-22 के दौरान खरीद का कुल मूल्य ₹ 78.19 करोड़ है और एमएसई से प्राप्त कुल मूल्य में से ₹ 33.48 करोड़ है. इनमें से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति द्वारा पार्टी शून्य थी और महिला उद्यमियों से ₹ 9.12 करोड़ की खरीद की गई.

25. भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं, यदि कोई हों, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हैं, जो वित्तीय वर्ष के अंत और रिपोर्ट की तारीख के बीच हुई हैं –

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष के अंत के बीच नहीं हुई जिससे वित्तीय विवरण संबंधित हैं और इस रिपोर्ट की तारीख.

26. वित्तीय विवरणों या बोर्ड की रिपोर्ट का स्वैच्छिक पुनरीक्षण

प्रबंधन ने स्वेच्छा से वित्तीय विवरणों या बोर्ड की रिपोर्ट को संशोधित नहीं किया है.

27. आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता, परिचालन और रणनीतिक लक्ष्यों की उपलब्धि पर समय पर प्रतिक्रिया, नीतियों, प्रक्रियाओं, नियमों और विनियमों का अनुपालन, संपत्तियों की सुरक्षा और संसाधनों के किफायती और कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी में एक आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तैयार की गई है.

आंतरिक लेखा परीक्षक जो कि कंपनी द्वारा नियुक्त एक चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म है, आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता की लगातार निगरानी करता है. आंतरिक लेखापरीक्षा गतिविधि का दायरा आंतरिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति के पत्र में अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है. लेखापरीक्षा समिति नियमित रूप से बैठक करती है तथा आंतरिक लेखापरीक्षक द्वारा प्रस्तुत आंतरिक लेखापरीक्षा की रिपोर्ट की समीक्षा करती है.

22. Deposit

The Company has not invited deposits from Public under Section 2(31), 73 and 74 of the Companies Act, 2013.

23. Statement on Declaration Given By Independent Directors

The company is not required to have requisite number of independent directors on the board as per the Companies Act, 2013, however under the Guidelines of Corporate Governance of DPE dated 14.05.2010 company should have independent directors on board and accordingly the administrative ministry has appointed three Independent Directors on 21.01.2020. The Independent Director has given declaration of Independence.

24. Procurement Made From Micro And Small Enterprises

Public Procurement Policy for Micro and Small Enterprises (MSEs) was notified by the Government under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 which stipulates that 20% of total annual procurement of goods and services shall be made by all Central Ministries/Departments/CPSUs from Micro & small Enterprises (MSEs). Within this percentage, a sub-total of 4% procurement is to be made from MSEs owned by SC/ST entrepreneurs. The total value of procurement during the year 2021-22 is ₹ 78.19 Cr and out of the total value procured from MSE is ₹ 33.48 Cr. Out of these, the party from SC/ST were Nil and procurement from women entrepreneur is ₹ 9.12 Cr.

25. Material Changes And Commitments, If Any, Affecting The Financial Position of The Company Which Have Occurred Between The End of The Financial Year To Which The Financial Statements Relate And The Date of The Report –

No material changes and commitments affecting the financial position of the company occurred between the end of the financial year to which the financial statements relates and the date of this report.

26. Voluntary Revision of Financial Statements Or Board's Report

The management has not voluntarily revised the financial statements or boards report.

27. Adequacy of Internal Financial Controls System

An internal control system is formulated in the Company to ensure reliability of financial reporting, timely feedback on the achievement of operational and strategic goals, compliance with policies, procedures, rules and regulations, safeguarding of assets and economical and efficient use of resources.

The internal auditor which is a Chartered Accountant firm appointed by the Company continuously monitor the effectiveness of internal controls. The scope of internal audit activity is well defined in the letter of appointment of internal auditors. The audit committee met regularly and reviewed the reports of internal audit submitted by the internal auditor.

28. संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्था

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने अपने किसी भी संबंधित पक्ष के साथ कोई महत्वपूर्ण लेन-देन नहीं किया था. कंपनी के प्रमुख संबंधित पक्ष लेनदेन आम तौर पर इसकी सहायक कंपनी के साथ होते हैं, जो एक सरकारी कंपनी भी है. सभी संबंधित पक्ष लेन-देन व्यापार के सामान्य क्रम में थे और समर्थन के आधार पर बातचीत की गई थी और इस वार्षिक रिपोर्ट के एक अलग खंड के रूप में संलग्न वित्तीय विवरण का हिस्सा है. उनका उद्देश्य कंपनी के हितों को आगे बढ़ाना था. तदनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एच) के तहत फॉर्म एओसी-2 में आवश्यक संबंधित पार्टी लेनदेन का प्रकटीकरण लागू नहीं होता है.

29. राष्ट्रीय निधि में योगदान

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी द्वारा विभिन्न करों/ब्याज के रूप में केंद्र और राज्य दोनों के राष्ट्रीय निधि में योगदान/प्रावधान पिछले वर्ष के ₹ 1133 लाख की तुलना में ₹ 1197 लाख था.

30. नियामकों/अदालतों/न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और वास्तविक आदेश जो गोईंग कन्सर्न स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन को प्रभावित करते हैं

नियामकों/अदालतों/न्यायाधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण और वास्तविक आदेश पारित नहीं किया गया है, जो गोईंग कन्सर्न स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन को प्रभावित करते है.

31. कर्मचारियों का विवरण

कंपनी में ऐसा कोई कर्मचारी नहीं था जो कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों 197 (12), जिसे नियम 5 (2) तथा 5 (3) के साथ पढ़ा जाय, के अंतर्गत आता हो (प्रबंधन कर्मचारियों की नियुक्ति तथा पारिश्रमिक) नियम 2014.

32. आभार

निदेशक मंडल कंपनी के व्यावसायिक भागीदारों को उनके सहयोग और संस्था में उनके विश्वास के प्रति आभारी हैं और पूरी आशा करता है कि भविष्य में ऐसा ही निरंतर पारस्परिक सहयोग जारी रहेगा. निदेशक मंडल अपने रिकॉर्ड में निगम के निदेशक मंडल से बाहर जाने वाले निदेशकों के प्रति उनके उल्लेखनीय बहुमूल्य योगदान के लिये अपनी गहरी सराहना दर्ज करता है.भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से जो समर्थन और मार्गदर्शन मिलता रहा है, उसके प्रति भी निदेशक मंडल आभार प्रकट करता है, विशेषकर सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, कंपनी के संचालन और विकासात्मक योजनाओं के लिये आभारी है. नियंत्रक और महालेखा परीक्षक भारत सरकार, लेखामंडल के अध्यक्ष एवं सदस्यों, वैधानिक लेखा परीक्षकों, आंतरिक लेखा परीक्षकों तथा बैंकों, संरक्षकोंऔर कंपनी ग्राहकों के प्रति निदेशक मंडल आभार प्रदर्शित करता है. निदेशक मंडल राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम परिवार के सभी सदस्यों के प्रति उनके उत्साहपूर्ण, समर्पित कार्यों के लिये गहरी कृतज्ञता भी दर्ज करता है. रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की सुचारु क्रियाशीलता के लिये उनके द्वारा दिया गया सहयोग बहमूल्य था.

निदेशक मंडल की ओर से

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक
DIN No.09452149

(राजेश कन्ना)
निदेशक
DIN No.08680883

स्थान – मुंबई
दिनांक – 19.12.2022

28. Contracts Or Arrangements With Related Parties

During the period under review, the Company had not entered into any material transaction with any of its related parties. The Company's major related party transactions are generally with its subsidiary, which is also a government company. All related party transactions were in the ordinary course of business and were negotiated on an arm's length basis and forms part of financial statement, attached as a separate section of this Annual Report. They were intended to further the Company's interests. Accordingly, the disclosure of Related Party Transactions as required under Section 134(3)(h) of the Companies Act, 2013 in Form AOC-2 is not applicable.

29. Contribution to National Exchequer

During the year under review, the contribution/provision made by the company in the form of various taxes/interest to the National Exchequer, both Central and State, was of ₹ 1197 lakhs as against ₹ 1133 lakhs in the previous year.

30. Significant And Material Orders Passed By Regulators/Courts/Tribunals impacting The Going Concern Status And Company's Operations In Future

There is no significant and material orders passed by regulators/courts/tribunals impacting the going concern status and company's operations in future.

31. Particulars of Employees

There was no employee in the Company falling under the category of employees required to be reported under Section 197(12) of the Companies Act, 2013, read with Rules 5(2) and 5(3) of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014.

32. Acknowledgements

The Board thanks the Company's business partners for their support and confidence in NFDC and look forward to sustaining and building this mutually supportive relationship in the future as well. The Board also gratefully acknowledges the support and guidance received from the Government of India, various Ministries of the Government of India, particularly the Ministry of Information and Broadcasting, in the Company's operations. The Directors also express their grateful appreciation to the Department of Public Enterprises, Comptroller and Auditor General of India, Chairman and Members of the Audit Board, Statutory Auditors, Internal Auditors, Bankers, patrons and customers of the Company. The Board records its deep appreciation for the enthusiastic and dedicated work of the employees of NFDC. Their outstanding team effort was invaluable for the smooth functioning of the Company during the year under report.

For and on behalf of the Board of Directors

(Ravinder Bhakar)
Managing Director
DIN No. 09452149

(Rajesh Kanna)
Director
DIN No. 08680883

Place – Mumbai
Date – 19.12.2022

अनुलग्नक – I

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, जो कि भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मामले में डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (डीपीई) भारी उद्योग मंत्रालय तथा पब्लिक एंटरप्राइजेज, भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देशों का पालन करता है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर संक्षिप्त रिपोर्ट इस प्रकार है –

1. कोड ऑफ कार्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी की धारणा

कंपनी उन अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए प्रतिबद्ध है जिसे समुचित पारदर्शी प्रणाली और उन प्रथाओं का सहारा है जिनसे इसके सभी हिस्सेदारों के हितों का संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा सुनिश्चित होती रहे.

एनएफडीसी एक प्रतियोगी, ग्राहक के प्रति मैत्रीभाव रखने वाली और विकासोन्मुखी संस्था के रूप में कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है जो देश-विदेश में स्वस्थ सिनेमा का उन्नयन करे. साथ ही यह अपने सभी ग्राहकों को मैत्रीपूर्ण तथा श्रेष्ठतम सेवाएं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिये भी प्रतिबद्ध है. कंपनी ने हमेशा अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस पर ध्यान केंद्रित किया है, जो अपने शेयरधारकों के लिए स्थायी कॉर्पोरेट विकास और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण का एक प्रमुख चालक है. कंपनी का मानना है कि उसे अपने श्रमशक्ति और पूंजीगत संसाधनों का लाभ उठाना चाहिए ताकि अवसरों को हकीकत में तब्दील किया जा सके, कॉर्पोरेट दृष्टि के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और सभी स्तरों पर गतिशीलता और उद्यमिता को जगाया जा सके. इन सबसे ऊपर, कॉर्पोरेट प्रशासन को व्यक्तिगत हितों को कॉर्पोरेट लक्ष्यों के साथ संतुलित करना चाहिए और औचित्य, इक्विटी, निष्पक्ष खेल और न्याय की भावना के स्वीकृत मानदंडों के भीतर काम करना चाहिए. उत्तरदायित्व और पारदर्शिता निर्णय लेने में सुधार करने और ऐसे निर्णयों के पीछे के तर्क को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण चालक हैं, जो बदले में हितधारक विश्वास पैदा करते हैं.

2. निदेशक मंडल

(क) बोर्ड की संरचना

एनएफडीसी के निदेशक मंडल में सात सदस्य हैं. इनमें से दो कार्यकारी निदेशक हैं. शेष पांच में से दो भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा तीन गैर सरकारी निदेशक हैं. विगत में नियुक्त बोर्ड के अध्यक्ष गैर-सरकारी निदेशक और फिल्म उद्योग से प्रतिष्ठित व्यक्ति रह चुके है. निदेशक मंडल में नियुक्ति विस्तृत अनुभव, ज्ञान एवं कार्य कुशलता के आधार पर की जाती है.

31 मार्च 2022 को कंपनी के बोर्ड की संरचना इस प्रकार थी –

कार्यकारी निदेशक	
श्री रविंद्र भाकर	प्रबंध निदेशक
गैर कार्यकारी निदेशक	
श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक
सुश्री अंजू निगम	सरकार द्वारा नामित निदेशक
श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक
श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक

बोर्ड के पिछले अध्यक्ष का कार्यकाल 15.01.2015 को समाप्त हो गया, तत्पश्चात भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा अध्यक्ष का कोई नामांकन नहीं किया गया है. वर्तमान में निदेशक (वित्त) का पद भी रिक्त है.

Annexure – I

Corporate Governance Report For The Financial Year 2021-22

A Public Sector Enterprise of Government of India, NFDC follows the extant Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises (DPE), Ministry of Finance, Government of India.

A Brief report on Corporate Governance is given below –

1. Company's Philosophy on Code of Corporate Governance.

Your Company is committed to good Corporate Governances supported by transparent systems and practice to protect, promote and safeguard the interests of all its stakeholders.

NFDC is committed to act as a competitive, client-friendly and development-oriented organization for promotion of good cinema in the country and abroad. It is also committed to providing client friendly best services to all its customers in a transparent manner. The Company has always focused on good corporate governance, which is a key driver of sustainable corporate growth and long-term value creation for its shareholders. The Company believes, it must leverage its human and capital resources to translate opportunities into reality, create awareness of corporate vision and spark dynamism and entrepreneurship at all levels. Above all, corporate governance must balance individual interest with corporate goals and operate within accepted norms of propriety, equity, fair play and a sense of justice. Accountability and transparency are key drivers to improve decision-making and the rationale behind such decisions, which in turn creates stakeholder confidence.

2. Board of Directors

(a) Composition of Board

The Board of Directors of NFDC comprises Seven members, out of which two are Functional Directors and five are Directors, of whom two are the nominees of the Government of India and three are Non-Official Directors. The Chairman of the board appointed in past were non-official director and eminent personality from the film industry. The Directors bring to the Board a wide range of experience, knowledge and skills.

The composition of the Board as on 31st March 2022 is as follows –

Functional Director	
Mr. Ravinder Bhakar	Managing Director
Non Executive Directors	
Mr. Jayant Sinha	Government Nominee Director
Ms. Anju Nigam	Government Nominee Director
Mr. Rajesh Kanna	Non-official Director (Independent Director)
Mr. G. Gowrishankar	Non-official Director (Independent Director)

The tenure of the last Chairman of the Board ceased on 15.01.2015, thereafter no nomination of Chairman has been made appointed by the Hon'ble President of India. Currently the position of Director (Finance) is also vacant.

(ख) बैठक और उपस्थिति

(i) वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान हुई बोर्ड मीटिंग्स का विवरण

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान चार बोर्ड मीटिंग्स 23.07.2021, 18.10.2021, 29.11.2021 तथा 28.01.2022. को हुई.

बोर्ड के पास कंपनी के संबंध में सभी आवश्यक सूचनाएं तथा जानकारियां उपलब्ध हैं जिनसे निदेशक मंडल और विभिन्न समितियों को सुविज्ञ तथा प्रभावशाली निर्णय लेने में सहूलियत हुई.

(ii) वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान बोर्ड मीटिंग्स में निदेशकों की उपस्थिति, पिछली आम सभा में उपस्थिति, अन्य निदेशकीय उत्तरदायित्वों की संख्या (अन्य पब्लिक लिमिटेड कंपनियों/ समितियों में निदेशकों की सदस्यता) आदि का विवरण निम्नानुसार हैं –

(b) Meeting and attendance

(i) Details of Board Meeting held during the Financial Year 2021-22

During the Financial year 2021-22, four Board Meetings were held on 23.07.2021, 18.10.2021, 29.11.2021 and 28.01.2022.

The Board has complete access to all the relevant information within the Company enabling the Board of Directors and Committees thereof to take informed and efficient decision.

(ii) Details of Number of Board Meetings attended by Directors, attendance at last AGM, number of other directorship/ committee memberships held by Directors during the year 2021-22 are as under –

	निदेशक का नाम	पद	बोर्ड मीटिंग		29/12/2020 को हुई पिछली ए जी एम में उपस्थिति	31/03/2021 को अन्य निदेशकों की संख्या	31/03/2021 को अन्य कमिटी मेंबर्स की संख्या	
			कार्यकाल में हुईं	उपस्थित रहे			चेयरमैन के तौर पर	सदस्य के तौर पर
1.	सुश्री धनप्रीत कौर	प्रबंध निदेशक	1$	हां	हां	–	लागू नहीं	लागू नहीं
2.	श्री रविंद्र भाकर	प्रबंध निदेशक	1@	हां	लागू नहीं	–	लागू नहीं	कुछ नहीं
3.	सुश्री अंजू निगम	सरकार द्वारा नामित निदेशक	4	–	नहीं	–	कुछ नहीं	1
4.	श्री अली रज़ा रिज़वी	सरकार द्वारा नामित निदेशक	0	लागू नहीं	लागू नहीं	–	कुछ नहीं	1
5.	श्री आशीष उपाध्याय*	सरकार द्वारा नामित निदेशक	1	–	लागू नहीं	–	कुछ नहीं	1
6.	श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक	2	2	हां	–	कुछ नहीं	1
7.	श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक	4	4	नहीं	–	कुछ नहीं	3
8.	श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक	4	4	नहीं	–	कुछ नहीं	2

	Name of Director	Designation	Board Meeting		Attendances at Last AGM held on 18.11.2021	No. of other Directorships	No. of other Committee Memberships	
			Held during the tenure	Attended			As Chairman	As Member
1.	Ms. Dhanpreet Kaur	Managing Director	1$	Yes	Yes	–	NA	NA
2.	Mr. Ravinder Bhakar	Managing Director	1@	Yes	NA	–	NA	Nil
3.	Ms. Anju Nigam	Government Nominee Director	4	–	No	–	Nil	1
4.	Mr. Ali Raza Rizvi#	Government Nominee Director	0	NA	NA	–	Nil	1
5.	Mr Ashish Upadhayaya*	Government Nominee Director	1	–	NA	–	Nil	1
6.	Mr. Jayant Sinha	Government Nominee Director	2	2	Yes	–	Nil	1
7.	Mr. Rajesh Kanna	Non-official Director	4	4	No	–	Nil	3
8.	Mr. G.Gowrishankar	Non-official Director	4	4	No	–	Nil	2

सुश्री धनप्रीत कौर, निदेशक (फिल्म्स), सूचना प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या 202/1/2018-एफ (पीएसयू), एमआई एंड बी, भारत सरकार के दिनांक 11.12.2020 के द्वारा छह महिने की अवधि के लिए प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी (अतिरिक्त प्रभार) नियुक्त किया गया था. 11.12.2020 से या नए प्रबंध निदेशक की नियुक्ति तक या अगले आदेश तक और छह महीने की आगे की अवधि आदेश संख्या 202/1/2018-एफ (पीएसयू), एमआईएंडबी, भारत सरकार दिनांक 09.06.2021 से प्रभावी 11.06.2021 या नए प्रबंध निदेशक की नियुक्ति तक अथवा अगले आदेश तक. नियुक्ति आदेश क्रमांक एम-13013/37/2021-यूएस (फिल्म्स) दिनांक 29.10.2021 सुश्री धनप्रीत कौर, निदेशक (फिल्म्स) को बोर्ड में एमडी कार्यात्मक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था. विशेष आमंत्रित की हैसियत से दिनांक 29.10.2021 के आदेश के पहले समस्त बैठक में भाग लिया.

#12.04.2021 से श्री अली रज़ा रिज़वी निदेशक मंडल पर

* श्री आशीष उपाध्याय को कंपनी के बोर्ड पर 26.07.2021 से नियुक्त किया गया तथा 22.10.2021 को समापन हुआ श्री जयंत सिन्हा को कंपनी के निदेशक मंडल में 22.10.2021 से नियुक्त किया गया था.

@ श्री रविंद्र भाकर, सीईओ, सीबीएफसी को 05.01.2022 से प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) नियुक्त किया गया था.

(iii) बोर्ड का कोई भी निदेशक 10 से ज्यादा समितियों का सदस्य नहीं है.

(iv) नये निदेशकों का संक्षिप्त परिचय

(क) श्री आशीष उपाध्याय, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में 26.07.2021 से नियुक्त किया गया था तथा 22.10.2021 को समापन हुआ. वे मध्य प्रदेश कैडर से 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं.

(ख) श्री जयंत सिन्हा, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में 22.10.2021 से नियुक्त किया गया था. वे 1990 बैच के आईएएंडएएस अधिकारी हैं.

(ग) केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवींद्र भाकर को दिनांक 05.01.2022 द्वारा नियुक्ति आदेश क्रमांक एम-13013/37/2021-अस(फिल्म्स) कंपनी के प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में दिनांक 05.01.2022 से नियुक्त किया गया था. वे 1999 बैच के इंडियन रेलवे स्टोर्स सर्विसेस (आईआरएसएस) के अधिकारी हैं.

3. निदेशक मंडल की समितियां

3.1 निदेशक मंडल द्वारा गठित समितियां इस प्रकार है –

- लेखा परीक्षण समिति
- कार्मिक उप-समिति
- पारिश्रमिक समिति
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति

3.1.1 लेखा परीक्षण समिति

(i) 31 मार्च 2022 को लेखा परीक्षण समिति का गठन इस प्रकार था –

	निदेशक का नाम	पद	समिति में स्थिति
1	श्री जयंत सिन्हा	सरकार द्वारा नामित निदेशक	सदस्य
2	श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य
3	श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य

Ms. Dhanpreet Kaur, Director (Films), M I&B was appointed Managing Director, NFDC (Additional Charge) vide order No. 202/1/2018-F(PSU), MI&B, GoI dated 11.12.2020 for a period of six months w.e.f. 11.12.2020 or till the appointment of new MD or till further order and further period of six months vide Order No. 202/1/2018-F(PSU), MI&B, GoI dated 09.06.2021 w.e.f. 11.06.2021 or till the appointment of new MD or till further order. Vide appointment order No. M-13013/37/2021-US(Films) dated 29.10.2021 Ms. Dhanpreet Kaur, Director (Films), was appointed as MD functional director on the board of NFDC with immediate effect till further orders. All meeting attended before order dated 29.10.2021 in the capacity of special invitee.

Mr. Ali Raza Rizvi ceased to be on board w.e.f. 12.04.2021

* Mr Ashish Upadhaya was appointed on board of the company w.e.f. 26.07.2021 and ceased to be on board w.e.f. 22.10.2021 & Mr Jayant Sinha was appointed on board of the company w.e.f. 22.10.2021.

@ Mr Ravinder Bhakar, CEO, CBFC was appointed Managing Director (additional Charge) w.e.f. 05.01.2022.

(iii) None of the Directors on the Board is a member of more than 10 Committees.

(iv) Brief Profile of new Directors

(a) Mr Ashish Upadhaya, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Information & Broadcasting was appointed as the Government Nominee Director w.e.f. 26.07.2021 and ceased to be on board w.e.f. 22.10.2021. He is an IAS Officer of 1989 Batch belonging to Madhya Pradesh cadre.

(b) Mr Jayant Sinha, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Information & Broadcasting was appointed as the Government Nominee Director w.e.f. 22.10.2021. He is an IA&AS Officer of 1990 Batch.

(c) Mr Ravinder Bhakar, Chief executive officer of Central Board of Film Certification (CBFC) was appointed Managing Director (additional Charge) of the company w.e.f. 05.01.2022 vide appointment order No. M-13013/37/2021-US(Films) dated 05.01.2022. He is from 1999 batch officer of Indian Railway Stores Services (IRSS).

3. Committees of The Board of Directors

3.1 The Committees constituted by the Board are as follows –

- Audit Committee
- Personnel Sub-Committee
- Remuneration Committee
- Corporate Social Responsibility Committee

3.1.1 Audit Committee

(i) The composition of the Audit Committee as on 31st March 2022 is as under –

	Name of the Director	Designation	Position in Committee
1	Mr. Jayant Sinha	Government Nominee Director	Member
2	Mr. Rajesh Kanna	Non-official Director	Member
3	Mr. G. Gowrishankar	Non-official Director	Member

लेखा परीक्षण समिति की बैठकों में आंतरिक लेखा परीक्षक तथा वैधानिक लेखा परीक्षक, स्थायी निमंत्रित होते हैं. आवश्यकता पड़ने पर समिति को आवश्यक सूचनाएं प्रदान करने के लिये वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को भी बुलाया जाता है.

लेखा परीक्षण समिति की संख्या चार है. इसमें शामिल हैं – सरकार द्वारा मनोनीत निदेशक और तीन स्वतंत्र निदेशक. एक स्वतंत्र निदेशकों के पद खाली था. वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लेखा परीक्षण समिति की 23.07.2021, 18.10.2021, 29.11.2021 तथा 28.01.2022 बैठक आयोजित हुई.

लेखा परीक्षण समिति का कार्यक्षेत्र इस प्रकार है –

(क) कंपनी के अधिनियम की धारा 177 में दी गई आवश्यकताओं का अनुपालन

(ख) कंपनी के लेखा परीक्षित/अपरीक्षित त्रैमासिक/अर्धवार्षिक/वार्षिक वित्तीय विवरणों को रिकॉर्ड पर लेना तथा/अथवा उनकी समीक्षा करना.

3.1.2 कार्मिक उप-समिति

31 मार्च 2022 को निदेशक मंडल की कार्मिक उप समिति का गठन इस प्रकार था –

	निदेशक का नाम	पद	समिति में स्थिति
1	सुश्री अंजू निगम	सरकार द्वारा नामित निदेशक	सदस्य
2	श्री राजेश कन्ना	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य

कार्मिक उप समिति का कार्यक्षेत्र प्रबंधक से लेकर उप महाप्रबंधक तक के पदों पर अधिकारियों की पदोन्नति, कल्याणकारी कदमों एवं कर्मचारियों से ताल्लुक रखने वाले नीति संबंधी अन्य मामलों पर विचार. वर्ष 2021-22 के दौरान कार्मिक सब कमिटी की दो बैठक 28.03.2022 तथा 29.03.2022 को हुई.

3.1.3 पारिश्रमिक समिति

31 मार्च 2022 को पारिश्रमिक समिति का गठन इस प्रकार था –

	निदेशक का नाम	पद	समिति में स्थिति
1	सुश्री अंजू निगम	सरकार द्वारा नामित निदेशक	सदस्य
2	श्री जी. गौरीशंकर	गैर सरकारी निदेशक	सदस्य

पारिश्रमिक समिति की संदर्भ परिभाषा वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और निर्धारित सीमा के भीतर अधिकारियों और गैर-संघीय पर्यवेक्षकों के बीच इसके वितरण के लिए नीति तय करना. वर्ष 2021-22 के दौरान पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक नहीं हुई.

3.1.4 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति

कंपनी को वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 6.74 करोड़ की हानि हुई है. जैसा कि पिछले 3 वर्षों में सीएसआर व्यय ₹ 50.00 लाख से कम था, इसलिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति का पुनर्गठन किया जा रहा है.

4. लेखा परीक्षण योग्यता

कंपनी हमेशा अयोग्य वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने का प्रयास करती है; हालाँकि, वैधानिक लेखा परीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण पर अपनी रिपोर्ट में योग्य राय दी है. 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के खातों पर वैधानिक लेखा परीक्षकों की योग्य राय के लिए प्रबंधन का जवाब निदेशकों की रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है.

Internal Auditors and Statutory Auditors are standing invitees in the Audit Committee meetings. Senior functional executives are also invited as and when required to provide inputs to the Committee.

The strength of the Audit Committee is four consisting of Govt. Nominee Director and three Independent Directors. The post of one Independent Director is vacant. During the Financial Year 2021-22, three Audit Committee Meetings were held on 23.07.2021, 18.10.2021, 29.11.2021 and 28.01.2022.

The terms of reference of the Audit Committee are as under –

(a) to comply with the requirements laid down in Section 177 of the Companies Act

(b) to take on record and/or to review unaudited/audited quarterly/half-yearly/annual financial statements of the Company

3.1.2 Personnel Sub-Committee

The composition of Personnel Sub-Committee of Board of Directors as on 31st March 2022 is as under –

	Name of the Director	Designation	Position in Committee
1	Mr. Anju Nigam	Govt. Nominee Director	Member
2	Mr. Rajesh Kanna	Non-official Director	Member

The terms of reference of the Personnel Sub-Committee is to consider the promotion of officers from Manager up to the level of Deputy General Manager and Welfare issues and other policy matters related to personnel. During the year 2021-22, two Personnel Sub-Committee Meeting was held on 28.03.2022 and 29.03.2022.

3.1.3 Remuneration Committee

The composition of the Remuneration Committee as on 31st March 2022 is as under –

	Name of the Director	Designation	Position in Committee
1	Ms. Anju Nigam	Govt. Nominee Director	Member
2	Mr. G. Gowrishankar	Non-official Director	Member

The terms of reference of the Remuneration Committee is to decide the annual bonus/variable pay pool and policy for its distribution across the executives and non-unionized supervisors within the prescribed limits. During FY 2021-22, no Remuneration Committee Meeting was held.

3.1.4 Corporate Social Responsibility Committee

The company has incurred loss of ₹ 6.74 Cr in FY 2021-22. As in last 3 years the CSR spending was less than ₹ 50.00 Lakhs, therefore the Corporate Social Responsibility Committee is under reconstitution.

4. Audit Qualification

It is always the company's endeavor to present unqualified financial statement; however, the Statutory Auditors has given qualified opinion in its report on the financial statement of the Company for the financial year 2021-22. Management reply to the Statutory Auditors' Qualified opinion on the Accounts of the company for the financial year ended 31st March, 2022 is furnished in the Directors' Report.

5. बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण

वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए में वर्तमान में कंपनी अपने नवनियुक्त निदेशकों को औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करने में असमर्थ है, हालांकि बोर्ड के निदेशकों को कंपनी के व्यवसाय मॉडल, संचालन के क्षेत्र आदि का परिचय प्रदान किया गया है. निदेशक डीपीई द्वारा आयोजित मौजूदा और नवनियुक्त निदेशकों के क्षमता निर्माण के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लेते हैं.

6. निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों का पारिश्रमिक

6.1 सरकारी कंपनी होने के नाते, कार्यात्मक निदेशक जैसे प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त) का पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है. सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान किसी भी निदेशक को पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया गया.

6.2 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के कार्यकारी निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक का विवरण निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध-II में वार्षिक विवरण के सार में प्रदान किया गया है.

7. वार्षिक आम सभा

7.1 कंपनी की पिछली तीन वार्षिक आम बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गईं –

	वर्ष	स्थान	दिनांक तथ समय	क्या कोई विशेष प्रस्ताव पास किया गया
44वीं	2018-19	संयुक्त सचिव का कार्यालय (ईडब्ल्यू एंड बी-1), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय कमरा नं.659, 'ए'विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001	12.12.2019 दोपहर 3.00	नहीं
45वीं	2019-20	वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से	29.12.2020 दोपहर 3.00	नहीं
46वीं	2020-21	वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से	18.11.2021 सुबह 11.00	नहीं

7.2 कंपनी की 47वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन मंगलवार, 27 दिसंबर, 2022 को 3.00 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में डिस्कवरी ऑफ इंडिया बिल्डिंग, छठी मंजिल, नेहरू सेंटर, डॉ ॲनी बेसंट रोड, वरली, मुम्बई – 400 018 पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स (ओएवीएम) के माध्यम से किया जाना निर्धारित है.

5. Training of Board Members

Having regard to the financial status currently company is unable to provide formal training to its newly appointed directors, however directors on board have been provided with an introduction to the company's business model, area of operations etc. Directors attend the Orientation Program for capacity building for existing and newly appointed directors organized by DPE.

6. Remuneration of Directors And Key Managerial Personnel

6.1 Being a Government Company, the remuneration of functional director like Managing Director and Director (Finance) are decided by the Government of India. Government Nominee Directors and Independent Directors are not paid any remuneration. None of the Directors were paid any remuneration during the financial year 2021-22.

6.2 Details of the remuneration of functional directors and Key Managerial Personnel of the company during the year under review are provided in the extract of the Annual Return in Annexure –II of the Directors' Report.

7. Annual General Meeting

7.1 The last three Annual General Meetings of the Company were held as under –

	Year	Location	Date & Time	Whether any special resolution passed
44th	2018-19	Office of Joint Secretary (EW&B-1), Ministry of Information & Broadcasting, Room No.659, 'A' Wing, Shashtri Bhawan, New Delhi – 110001	12.12.2019 3.00 P.M.	No
45th	2019-20	Through Video Conferencing	29.12.2020 3.00 P.M.	No
46th	2020-21	Through Video Conferencing	18.11.2021 11.00 A.M.	No

7.2 47th Annual General Meeting of the company is scheduled to be held on Tuesday, the 27th day of December, 2022 at 15.00 Hrs at the Registered Office of the Company situated at Discovery of India Building (6th Floor), Nehru Center, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai – 400 018 through Video Conferencing (VC)/ Other Audio Visual Means (OAVM).

8. आचार संहिता

कंपनी ने कंपनी के उद्देश्यों और लक्ष्यों के अनुरूप भारत सरकार द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) में कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों के संदर्भ में कंपनी के मामलों के प्रबंधन में नैतिक और पारदर्शी प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए "बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यापार आचरण और नैतिकता का कोड" लागू किया है. इसके अनुसरण में बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष के अंत से 30 दिनों के भीतर वार्षिक आधार पर कोड के अनुपालन की पुष्टि की है और इसे बोर्ड के समक्ष रखा गया है. अनुपालन का प्रमाण पत्र निदेशकों की रिपोर्ट के परिशिष्ट के रूप में संलग्न है. इसके अलावा, कंपनी ने धोखाधड़ी रोकथाम पर एक नीति तैयार की है.

9. व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी

कंपनी शीघ्र ही बोर्ड द्वारा अनुमोदित "व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी" का प्रारूप तैयार करने तथा उसे लागू करने की प्रक्रिया में है. वर्तमान में कंपनी द्वारा 'धोखाधड़ी रोकने संबंधी नीति'अपनाई गई है जिसके अंतर्गत धोखाधड़ी रोकने संबंधी व्यवस्था चाकचौबंद है जिसमें धोखाधड़ी का पता लगाना, इसकी रोकथाम और रिपोर्ट सभी कुछ शामिल है. यह नीति किसी भी संदेहास्पद धोखाधड़ी जिसमें कोई कर्मचारी, स्टेकहोल्डर, सलाहकार, वेंडर, उधार लेने या देने वाला, ठेकेदार, कंपनी के साथ बिजनस करने वाली बाहरी एजेंसियां, ऐसी एजेंसियों के कर्मचारी और/अथवा कोई अन्य पार्टी जिसके कंपनी के साथ बिजनस संबंध हो, संलग्न पाये जाने पर लागू होती है.

10. संपर्क साधन

10.1 वैबसाइट
कंपनी की वेबसाइट https://www.nfdcindia.com निवेशकों और सभी हितधारकों के लिए जानकारी देती है. कंपनी के वार्षिक वित्तीय विवरण उपयोगकर्ता के अनुकूल और डाउनलोड करने योग्य वेबसाइट पर उपलब्ध हैं.

10.2 आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति
कंपनी इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति के माध्यम से हितधारकों के साथ संवाद करती है.

निदेशक मंडल की ओर से

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक
DIN No.09452149

(राजेश कन्ना)
निदेशक
DIN No.08680883

स्थान – मुंबई
दिनांक – 19.12.2022

8. Code of Conduct

The company has implemented “Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management” in terms of guidelines on corporate governance in Central Public Sector Enterprises (CPSEs) issued by the Government of India, in alignment with the Company’s mission and objectives and aims at enhancing ethical and transparent process in managing the affairs of the Company. Pursuant to this Board members and senior management personnel have affirmed compliance with the code on an annual basis within 30 days from the end of FY and same was placed before board. The certificate of Compliance is enclosed as Addendum to the Directors’ Report. Further, the Company has formulated a policy on Fraud Prevention.

9. Whistle Blower Policy

The company is under process of drafting and implementing a board approved “Whistle Blower Policy” shortly. Currently “Policy for Prevention of Frauds” is being adopted by the Company, wherein a Whistle Blower mechanism is in place for detection, prevention and reporting of fraud. This policy applies to any fraud or suspected fraud involving employees as well as stakeholder, consultants, vendors, lenders, borrowers, contractors, outside agencies doing business with the Company, employees of such agencies, and/or any other parties with a business relationship with the Company.

10. Means of Communication

10.1 Website
The company’s website https://www.nfdcindia.com hosts information for investors and all stakeholders. The Annual Financial statements of the company are available on the website in a user friendly and downloadable form.

10.2 Official News releases
The company communicates with stakeholders by way of official news releases in electronic and print media.

For and on behalf of the Board of Directors

(Ravinder Bhakar)
Managing Director
DIN No. 09452149

(Rajesh Kanna)
Director
DIN No. 08680883

Place – Mumbai
Date – 19.12.2022

अनुलग्नक – II

फॉर्म नं- एम जी टी – 9
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के कंपनी के वित्तीय परिणामों का सार संक्षेप

[कंपनी के अधिनियम 2013 तथा कंपनी के (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 12 (1) नियम 2014] के अनुवर्ती.

i. पंजीकरण एवं अन्य विवरण

i	सीआईएन	यू92100एमएच1975जीओआई022994	CIN	U92100MH1975GOI022994
ii	पंजीकरण की तारीख	01.05.1975	Registration Date	01.05.1975
iii	कंपनी का नाम	राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड	Name of the Company	National Film Development Corporation Limited
iv	कंपनी की कैटेगरी-सब कैटेगरी	सरकारी कंपनी	Category/Sub-Category of the Company	Private Company/ Government Company
v	पंजीकृत कार्यालय का पता तथा संपर्क के अन्य विवरण	डिस्कवरी ऑफ इंडिया बिल्डिंग, छठी मंजिल, नेहरू सेंटर, डॉ. ऍनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुंबई 400018, महाराष्ट्र टेलीफोन :+91 22 66288288 फैक्स: +91 22 249 45336 Email:nfdc@nfdcindia.com	Address of the registered office and contact details	6th Floor, Nehru Centre, Discovery of India Bldg. Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai, Maharashtra – 400018 Telephone: +91 22 66288288 Fax: +91 22 249 45336 Email:nfdc@nfdcindia.com
vi	क्या यह लिस्टेड कंपनी है	नहीं	Whether listed company	No
vii	रजिस्ट्रार तथा ट्रांसफर एजेंट (यदि कोई हो तो) का पता	कोई नहीं	Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any	NA

कंपनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधि

कंपनी की वे सब व्यावसायिक गतिविधियां जिनसे 10 प्रतिशत या अधिक योगदान आता हो, इस प्रकार हैं –

	मुख्य उत्पाद/ सेवा का नाम तथा उसका विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल उत्पाद का प्रतिशत
1	गैर फीचर फिल्म निर्माण		70.10%
2	सोशल मीडिया		6.44%

ii. सब्सिडियरी एवं असोसिएट कंपनियों में होल्डिंग्स का विवरण

	कंपनी का नाम तथा पता	सीआईएन/जीएलएन	शेयर्स का प्रतिशत
	सब्सिडियरी कंपनी {सेक्शन 2(87)(ii)}		
1	कोई नहीं		

Annexure – II

Form No. Mgt – 9
Extract of Annual Return
As on the financial year ended on 31st March 2022

[Pursuant to section 92(3) of the Companies Act, 2013 and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

i. Registration And Other Details

Principal Business Activities of The Company

All the business activities contributing 10 % or more of the total turnover of the company shall be stated –

	Name and Description of main products/services	NIC Code of the Product/ service	% to total turnover of the company
1	Non Feature Film Production		70.10 %
2	Social Media		6.44 %

ii. Particulars of Holding, Subsidiary And Associate Companies

	Name and address of the company	CIN/GLN	% of shares held
	Subsidiary Company {Section 2(87)(ii)}		
1	Nil		

iv.(क) शेयर होल्डिंग पैटर्न (कुल इक्विटी के प्रतिशत के रूप में इक्विटी शेयर कैपिटल ब्रेकअप)

i. श्रेणीवार शेयर होल्डिंग

iv.(a) Share Holding Pattern (Equity Share Capital Breakup as percentage of Total Equity)

i. Category-wise Share Holding

	शेयरहोल्डर्स की श्रेणी	Category of Shareholders	वर्ष के प्रारंभ में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the beginning of the year				वर्ष के अंत में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the end of the year				वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन % Change during the year
			डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	
A.	प्रमोटर्स	Promoter									
1)	भारतीय	Indian									
a)	व्यक्ति/एचयूएफ	Individual/HUF	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	केंद्र सरकार	Central Govt.	0	4539985	4539985	100	0	4539985	4539985	100	100
c)	राज्य सरकार	State Govt(s)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
d)	निकाय/निगम	Bodies Corp	0	0	0	0	0	0	0	0	0
e)	बैंकर्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
f)	कोई अन्य	Any Other	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (क) (1)	Sub-total(A)(1):-	0	4539985	4539985	100	0	4539985	4539985	100	100
2)	विदेशी	Foreign									
g)	एन आर आई व्यक्ति	NRIs-Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
h)	अन्य व्यक्ति	Other-Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
i)	बॉडीज कॉर्प	Bodies Corp.	0	0	0	0	0	0	0	0	0
j)	बैंकर्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
k)	कोई अन्य	Any Other….	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (क) (2)	Sub-total(A)(2):	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल क =क(1)+क(2)	Total of A= A(1)+A(2):	–	4539985	4539985	100	–	4539985	4539985	100	100
B.	पब्लिक शेयरहोल्डिंग	Public Shareholding									
1.	संस्थाएं	Institutions									
a)	म्यूचुअल फंड्स	Mutual Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	बैंक्स/एफ आई	Banks/FI	0	0	0	0	0	0	0	0	0
c)	केंद्र सरकार	Central Govt	0	0	0	0	0	0	0	0	0
d)	राज्य सरकार	State Govt.(s)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
e)	वेंचर कैपिटल फंड्स	Venture Capital Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
f)	बीमा कंपनियां	Insurance Companies	0	0	0	0	0	0	0	0	0
g)	एफआईआईएस	FIIs	0	0	0	0	0	0	0	0	0

	शेयरहोल्डर्स की श्रेणी	Category of Shareholders	वर्ष के प्रारंभ में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the beginning of the year				वर्ष के अंत में शेयरों की संख्या No. of Shares held at the end of the year				वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन % Change during the year
			डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	डीमेट Demat	फिजिकल Physical	कुल Total	कुल शेयर्स का प्रतिशत % of Total Shares	
h)	विदेशी वेंचर कैपिटल फंड्स	Foreign Venture Capital Funds	0	0	0	0	0	0	0	0	0
i)	अन्य (उल्लेख करें)	Others (specify)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (ख) (1)	Sub-total (B)(1)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	2 गैर संस्थाएं	2. Non Institutions									
a)	निकाय निगम	Bodies Corp.	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	(i) भारतीय	(i) Indian	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	(ii) विदेशी	(ii) Overseas	0	0	0	0	0	0	0	0	0
b)	व्यक्तिगत	Individuals	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	(i) व्यक्तिगत शेयरहोल्डर्स जिनकी शेयरकैपिटल होल्डिंग्स नाममात्र-₹ एक लाख तक की हों	(i) Individual shareholders holding nominal share capital upto ₹ 1 lakh	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	(ii) व्यक्तिगत शेयरहोल्डर्स जिनकी शेयरकैपिटल होल्डिंग्स ₹ एक लाख से अधिक की हों	(ii) Individual shareholders holding nominal share capital in excess of Rs 1 lakh	0	0	0	0	0	0	0	0	0
c)	अन्य (उल्लेख करें)	Others (Specify)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सब टोटल (ख) (2)	Sub-total(B)(2)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल पब्लिक शेयरहोल्डिंग्स (ख)=(ख)(1)+(ख)(2)	Total Public Shareholding (B)=(B)(1)+ (B)(2)	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	ग.कस्टोडियन द्वारा जीडीआर एवं एडीआर के लिए रखे गये शेयर्स की संख्या	C. Shares held by Custodian for GDRs and ADRs	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल योग (क+ख+ग)	Grand Total (A+B+C)	0	4539985	4539985	100	0	4539985	4539985	100	100

ख) प्रमोटर्स की शेयरहोल्दिंग

(b) Shareholding of Promoters

	शेयरहोल्डर का नाम	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Shareholding at the end of the year			वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में हुए परिवर्तन का प्रतिशत % change in shareholding during the year
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total Shares of the company	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त शेयरों का प्रतिशत % of Shares Pledged/ encumbered to total shares	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total Shares of the company	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त शेयरों का प्रतिशत % of Shares Pledged/ encumbered to total shares	
1	भारत के राष्ट्रपति	President of India	4539983	100	0	4539983	100	0	–
2	सुश्री धनप्रीत कौर	Ms Dhanpreet Kaur	1	0	0	1	0	0	
3	सुश्री अंजू निगम	Ms Anju Nigam	1	0	0	1	0	0	

(ग) प्रमोटर्स की शेयरहोल्डिंग्स में परिवर्तन (अगर परिवर्तन हो तो कृपया वैसा उल्लेख करें)

(c) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change)

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग		वर्ष के दौरान लेन-देन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग	
			Shareholding at the beginning of the year		Transaction during the year			Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	वर्ष के प्रारंभ में	At the beginning of the year	4539985	100				4539985	100
2	अलॉटमेंट	Allotment	–	–	–	–	–	–	–
3	वर्ष के अंत में	At the end of the year	4539985	100				4539985	100

(घ) सर्वोच्च दस शेयरहोल्डर्स की शेयरहोल्डिंग्स का पैटर्न (निदेशकों, प्रमोटर्स तथा जी डी आर्स होल्डर्स को छोड़ कर)

(d) Shareholding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs)

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग		वर्ष के दौरान लेन-देन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग	
			Shareholding at the beginning of the year		Transaction during the year			Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	वर्ष के प्रारंभ में	At the beginning of the year	0	0				0	0
2	अलॉटमेंट	Allotment			–	0	–	–	–
3	वर्ष के अंत में	At the end of the year	0	0				0	0

(ङ) निदेशकों तथा महत्वपूर्ण प्रबंधन कर्मचारियों का शेयरहोल्डिंग्स

(e) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel

	विवरण	Particulars	वर्ष के प्रारंभ में शेयरहोल्डिंग		वर्ष के दौरान लेन-देन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग	
			Shareholding at the beginning of the year		Transaction during the year			Cumulative Shareholding during the year	
			शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company	Date	Increase/ Decrease in share holding	Reason	शेयर्स की संख्या No. of shares	कंपनी के कुल शेयर्स का प्रतिशत % of total shares of the company
1	सुश्री धनप्रीत कौर	Ms Dhanpreet Kaur	1	0		–	–	1	0
2	सुश्री अंजू निगम	Ms Anju Nigam	1	0		–	–	1	0

iii. देनदारियां

कंपनी की देनदारियां जिनमें ब्याज, बकाया, उपार्जित किंतु भुगतान के लिए देय नहीं, शामिल हों.

iii. Indebtedness

Indebtedness of the Company including interest outstanding/ accrued but not due for payment

विवरण	Particulars	सुरक्षित ऋण- जमाओं को छोड़ कर	असुरक्षित ऋण	जमाएं	कुल कर्जदारी
		Secured Loans excluding deposits	Unsecured Loans	Deposits	Total Indebtedness
वित्तवर्ष के प्रारंभ में देनदारी	Indebtedness at the beginning of the financial year				
i) मूल राशि	i) Principal Amount				
ii) देय ब्याज किंतु अदा नहीं किया गया.	ii) Interest due but not paid				
iii) ब्याज की जमा राशि किंतु अदा नहीं की गई	iii) Interest accrued but not due				
कुल (i+ii+iii)	Total (i+ii+iii)	–	–	–	–
वित्तवर्ष के दौरान देनदारियों में परिवर्तन	Change in Indebtedness during the financial year				
- जोड़	- Addition				
- कमी	- Reduction				
कुल परिवर्तन	Net Change	–	–	–	–
वित्तवर्ष के अंत में देनदारी	Indebtedness at the end of the financial year				
i) मूल राशि	i) Principal Amount				
ii) देय ब्याज किंतु अदा नहीं किया गया.	ii) Interest due but not paid				
iii) ब्याज की जमा राशि किंतु अदा नहीं की गई	iii) Interest accrued but not due				
कुल (i+ii+iii)	**Total (i+ii+iii)**	–	–	–	–

* भारत सरकार के ऋण पर पिछले वर्ष में लगाए गए अतिरिक्त ब्याज को वापस लिखा गया.

* Excess interest charged in earlier year on Government of India loan were written back.

vi. निदेशकों एवं अन्य प्रबंधकीय कर्मचारियों का पारिश्रमिक

क) प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों एवं/अथवा प्रबंधकों को पारिश्रमिक

vi. Remuneration of Directors And Key Managerial Personnel

a) Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager

	पारिश्रमिक का विवरण	Particulars of Remuneration	प्रबंध निदेशक/डब्ल्यूटीडी का नाम Name of MD/WTD/Manager			कुल राशि Total Amount
1.			प्रबंध निदेशक MD	डब्ल्यूटीडी WTD	प्रबंधक Manager	
2.			सुश्री धनप्रीत कौर/ श्री रविंद्र भाकर Ms Dhanpreet Kaur/ Mr. Ravinder Bhakar			
3.	सकल वेतन	Gross salary				
	(क) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (1) के प्रावधानों के अनुरूप वेतन,	(a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income tax Act, 1961		–	–	–
	(ख) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (2) के प्रावधानों के अनुरूप अनुलाभों का मूल्य	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income Tax Act, 1961		–	–	–
	(ग) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (3) के प्रावधानों के अनुरूप, वेतन के बदले मिलने वाले लाभ	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income Tax Act,1961		–	–	–
4.	स्टॉक विकल्प	Stock Option		–	–	–
5.	स्वेंट इक्विटी	Sweat Equity		–	–	–
6.	कमीशन	Commission		–	–	–
	- लाभ के प्रतिशत के रूप में	- as % of profit	–	–	–	
	- अन्य (उल्लेख करें)	- others, specify…	–	–	–	
7.	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	Others, please specify		–	–	–
8.	कुल (क)	Total(A)		–	–	–
	नियम के अनुसार सीलिंग	Ceiling as per the Act	NA*			

* दिनांक 5.6.2015 के एमसीए अधिसूचना द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 लागू नहीं होगी

* Section 197 of Companies Act, 2013 shall not apply vide MCA notification dated 5.6.2015

ख) अन्य निदेशकों को पारिश्रमिक

b) Remuneration to other directors

	पारिश्रमिक का विवरण	Particulars of Remuneration	निदेशकों के नाम Name of Director	कुल Total
1.	स्वतंत्र निदेशक	Independent Directors	–	
	• स्वतंत्र निदेशक बोर्ड/कमिटी की बैठकों में भाग लेने की फीस	• Fee for attending board/committee meetings – Sitting Fees		–
	• कमीशन	• Commission		–
	• अन्य (उल्लेख करें)	• Others, please specify		–
	कुल(1)	Total(1)	–	–
2.	अन्य गैर कार्यकारी निदेशक कमीशन	Other Non-Executive Directors		
	• स्वतंत्र निदेशक बोर्ड/कमिटी की बैठकों में भाग लेने की फीस	• Fee for attending board/committee meetings		–
	• कमीशन	• Commission		–
	• अन्य (उल्लेख करें)	• Others, please specify		–

	कुल(2)	Total(2)	–	–
	कुल(1) (ख)=(1+2)	Total(B)=(1+2)	–	–
	प्रबंधक वर्ग का कुल वेतन	Total Managerial Remuneration	–	–
	नियम के अनुसार कुल सिलिंग सीलिंग	Ceiling as per the Act (@ 1 % of profits calculated under Section 198 of the Companies Act, 2013)	NA*	

* दिनांक 5.6.2015 के एमसीए अधिसूचना द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 लागू नहीं होगी

* Section 197 of Companies Act, 2013 shall not apply vide MCA notification dated 5.6.2015

ग) प्रबंध निदेशक, प्रबंधकों एवं डब्ल्यू टी डी को छोड़ कर अन्य प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों को पारिश्रमिक

c) Remuneration To Key Managerial Personnel Other Than MD/Manager/WTD

	पारिश्रमिक का विवरण	Particulars of Remuneration	प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारी Key Managerial Personnel			कुल Total
			सीईओ CEO	कंपनी सचिव CS	सीएफओ CFO	
				श्री ई जे पॉल Mr. E J Paul		
1.	कुल वेतन	Gross salary				
	(क) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (1) के प्रावधानों के अनुरूप वेतन	(a) Salary as per provisions contained insection17(1) of the Income tax Act, 1961	–	24.65	–	24.65
	(ख) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (2) के प्रावधानों के अनुरूप अनुलाभों का मूल्य	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income Tax Act, 1961	–	–	–	
	(ग) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 17 (3) के प्रावधानों के अनुरूप, वेतन के बदले मिलने वाले लाभ	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income Tax Act,1961	–	–	–	–
2.	स्टॉक ऑप्शन	Stock Option	–	–	–	–
3.	स्वेट इक्विटी	Sweat Equity	–	–	–	–
4.	कमीशन	Commission	–	–	–	–
	- लाभ के प्रतिशत के रूप में	- as % of profit	–		–	–
5.	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	Others, please specify	–		–	–
	कुल	**Total**	**–**	**24.65**	**–**	**24.65**

vii. दोषों का दंड/सजा/अधिरोपित समझौता

vii. Penalties/Punishment/Compounding of Offences

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	दंड/सजा/अधिरोपित समझौता फीस का विवरण	प्राधिकरण (आरडी/ एन सीएलटी/कोर्ट)	अगर कोई अपील की गई हो तो उसका विवरण
Type	**Section of the companies Act**	**Brief description**	**Details of Penalty/ Punishment/Compounding fees imposed**	**Authority [RD/ NCLT/Court]**	**Appeal made. If any (give details)**
वर्ष के दौरान कंपनी या इसके निदेशकों या चूक करने वाले अन्य अधिकारियों, यदि कोई हो, के विरुद्ध कंपनी अधिनियम की किसी भी धारा के उल्लंघन के लिए कोई दंड/दंड/अपराध का प्रशमन नहीं था.					
There were no penalty/punishment/compounding of offences for breach of any section of Companies Act against the company or its Directors or other officers in default, if any, during the year.					

निदेशक मंडल की ओर से

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक
DIN No.09452149
स्थान – मुंबई
दिनांक – 19.12.2022

(राजेश कन्ना)
निदेशक
DIN No.08680883

For and on behalf of the Board of Directors

(Ravinder Bhakar)
Managing Director
DIN No. 09452149

(Rajesh Kanna)
Director
DIN No. 08680883

Place – Mumbai
Date – 19.12.2022

व्यवस्थापन विश्लेषण रिपोर्ट

कंपनी

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम देश में अच्छे सिनेमा के विकास आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार द्वारा स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है. एनएफडीसी का बुनियादी लक्ष्य भारतीय फिल्म उद्योग तथा भारतीय सिनेमा का एकीकृत एवं प्रभावशाली ढंग से विकास के लिये योजनाएं बनाना, उन्हें प्रोन्नत करना तथा केंद्र सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित नीतियों के अनुरूप सिनेमा में श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करना है. इसके अलावा, कैबिनेट ने दिसंबर 2020 में चार फिल्म मीडिया इकाइयों का जैसे फिल्म प्रभाग, फिल्म समारोह निदेशालय, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार और बाल चित्र समिति, भारत को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) के साथ उनके ज्ञापन तथा नियमावली का विस्तार करके जो पहले उनके द्वारा किया जा रहा था विलय को मंजूरी दे दी है. निगम के तहत फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय से गतिविधियों और संसाधनों का अभिसरण और बेहतर समन्वय होगा, जिससे प्रत्येक मीडिया इकाई के जनादेश को प्राप्त करने में तालमेल और दक्षता सुनिश्चित होगी.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की दृष्टि भारत के विभिन्न सिनेमाज के घरेलू और वैश्विक प्रशंसा का निर्माण करना रही है और इसका उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनाई गई फिल्मों का समर्थन और प्रोत्साहन देकर अपनी संस्कृति की विविधता को बढावा देना है. निगम ने 21 भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों के वित्तपोषण और निर्माण द्वारा अपने विजन और मिशन के बयानों को सफलतापूर्वक लागू करके अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया है, जिनेमें अकादमी पुरस्कार (गांधी), राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार सहित कई अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसाएं हासिल की है.

उद्योग संरचना और विकास

भारतीय फिल्म उद्योग एक लंबा सफर तय कर चुका है. प्रौद्योगिकी की तकनीकी प्रगति ने उद्योग को इस तरह बढ़ावा दिया है और एनएफडीसी इस सेगमेंट में एकमात्र सीपीएसई की समृद्ध विरासत है और इस अवधि में विकसित हुई है और फिल्म निर्माण के अलावा नए युग के सोशल मीडिया और डिजिटल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है. हालांकि महामारी का मीडिया और मनोरंजन उद्योग पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है, लेकिन दर्शकों की प्राथमिकताएं कुछ वर्षों में बदल गई हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की भी अब समान रूप से मांग हो रही है. एनएफडीसी ने फिल्म के लिए सिनेमाघरों के साथ-साथ ऑन-लाइन ओटीटी प्लेटफॉर्म को लक्षित करते हुए छलांग लगाई है और अपने मीडिया, डिजिटल और सोशल मीडिया चैनल को विकसित किया है. कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बावजूद, लॉक डाउन के कारण कंपनी के संचालन को प्रभावित करते हुए, आपकी कंपनी वर्ष के दौरान अपने राजस्व में 30% की वृद्धि करने में सफल रही.

कॉर्पोरेशन की सामर्थ्य

फिल्म निर्माण

एनएफडीसी की विरासत तथा फिल्म क्षेत्र में इसका योगदान –

- 21 भारतीय भाषाओं में 300 फिल्मों का निर्माण
- 'गांधी' फिल्म को 8 ऑस्कर पुरस्कार.
- संस्कृत में 'आदि शंकराचार्य'एवं कश्मीरी में 'बब'का निर्माण. इन फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले.
- नामी निर्देशकों के साथ काम
- प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों/राज्य सरकारों की फीचर फिल्मों में कार्यकारी निर्माता
- 11वीं तथा 12वीं योजना के अंतर्गत 13 भाषाओं में 27 फीचर फिल्मों का निर्माण

Management Discussion And Analysis Report

The Company

National Film Development Corporation Limited (NFDC) is a Central Public Sector Undertaking established to encourage the good cinema movement in the country. The primary goal of the NFDC is to plan, promote and organize an integrated and efficient development of the Indian Film Industry in accordance with the national economic policy laid down by the Central Government from time to time. Further, Cabinet in December 2020 has approved the merger of four of its film media units, namely Films Division, Directorate of Film Festivals, National Film Archives of India and Children's Film Society of India with the National Film Development Corporation Ltd. (NFDC) by expanding the Memorandum and Articles of Association of NFDC Ltd., which were earlier being carried out by them. The merger of Film Media Units under one corporation will lead to convergence of activities and resources and better coordination, thereby ensuring synergy and efficiency in achieving the mandate of each media unit.

NFDC's vision has been to create domestic and global appreciation and celebration of the various cinemas of India and its mission aims at fostering excellence in Cinema and promoting the diversity of its culture by supporting and encouraging films made in various Indian languages. The Corporation has demonstrated its efficacy in successfully implementing its Vision and Mission statements by funding and producing over 300 films in 21 Indian languages, which have won several international accolades including the Academy Awards (Gandhi), National and State Awards.

Industry Structure and Developments

Indian Film Industry has come a long. Technological advancement of technology has boosted the industry as such and NFDC the only CPSE in this segment has a rich heritage and evolved over the period and other than film production has ventured into new age social media and digital segment as well. Though pandemic has a huge impact on the media and entertainment industry, with viewer's preferences have changed over couple of years and on-line platform has now become equally in demand. NFDC has also taken leap and targeting the theaters as well as on-line OTT platform for Film and evolved its media, Digital and Social Media channel. Despite the second wave of Covid-19 pandemic, effecting the operation of the company due to the lock down, your company managed to enhance its topline by 30% during the year.

Strengths of the Corporation

Film Production

NFDC's legacy and its contribution to the film sector –

- Produced more than 300 films across 21 languages
- 8 Oscar Awards for film "Gandhi"
- Produced National Award winning films "Adi Shankaracharya" in Sanskrit and "Bub" in Kashmiri
- Rich Associations with acclaimed Directors
- Executive Producer of feature films backed by key Central Ministries/State Government
- Produced 27 feature under the 11th and 12th plan Scheme in 13 languages

- 14 स्व-निमाण तथा 13 सह-निर्माण
- पहली बार स्वतंत्र रूप से फीचर फिल्म का निर्देशन करने वाले 13 निर्देशकों को लॉन्च किया. उनकी फीचर फिल्म का शत प्रतिशत निर्माण (स्व-निर्माण)
- पहली बार स्वतंत्र निर्देशन कर रहे 5 निर्देशकों को सह निर्माण के जरिए लॉन्च किया
- 11वीं तथा 12वीं योजना में 9 घरेलू सहनिर्माण तथा 4 अंतरराष्ट्रीय सहनिर्माण जिनमें से 3 आधिकारिक समझौतों के अंतर्गत हैं
- 33 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार
- 8 राष्ट्रीय पुरस्कार
- 1 गोल्डन पीकॉक

एनएफडीसी सूचना और प्रसारण मंत्रालय की उप योजना "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" के तहत "फिल्मी सामग्री का विकास संचार और प्रसार" (डीसीडीएफसी) योजना निष्पादित करता है.

एनएफडीसी को छाद (द टॅरेस), (बंगाली), कोरांगी नुंची (हू वील मॅरी थॉमस?) (तेलुगु), जोसफकी माचा (मणिपुरी) और पेड पे कमरा फिल्मों के निर्माण के लिए "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" योजना के अंतर्गत सूचना और प्रसारण मंत्रालय से ₹ 4.88 करोड़ प्राप्त हुए हैं.

1. श्री हाओबाम पबन कुमार द्वारा निर्देशित मणिपुरी फिल्म जोसफकी माचा की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है.
2. नवोदित निर्देशक श्री के. जयदेव द्वारा निर्देशित तेलुगू फिल्म कोरंगी नुन्ची को पूरा किया गया तथा सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित किया गया है.
3. नवोदित निर्देशक सुश्री इंद्राणी चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित बांग्ला फिल्म छाद पूरी हो चुकी है और सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित है.
4. एनएफडीसी ने पहली बार श्री अमित दत्ता द्वारा निर्देशित हिंदी में पेपरबोट डिजाइन स्टूडियो प्रा. लिमिटेड हिंदी एनिमेशन फिल्म पेड पे कमरा का सह निर्माण कर रहा है.
5. एनएफडीसी को बंगाली फीचर फिल्म मुजीब - द मेकिंग ऑफ ए नेशन के सह-निर्माण के लिए ₹ 15.50 करोड़ मिले हैं.
6. फिल्म मुजीब – द मेकिंग ऑफ अ नेशन भारत गणराज्य और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश के बीच ऑडियो विजुअल को-प्रोडक्शन समझौते के तहत बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान के जीवन पर एक भारत-बांग्लादेश सह-निर्माण. एनएफडीसी और बीएफडीसी कार्यकारी निर्माता हैं. इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने डायरेक्टर श्याम बेनेगल कर रहे हैं. उपर्युक्त फिल्म की पूरी शूटिंग दो देशों में दो वर्षों में चार शेड्यूल में सफलतापूर्वक पूरी की गई है. वर्तमान में फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन एडिटिंग, कलर करेक्शन और वीएफएक्स के कार्य में आगे बढ रही है.

फिल्म वितरण

हिंदी सहित 20 से अधिक क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों और 85 टाइटल्स को पुन:स्थापित करने के साथ एनएफडीसी 120 फिल्मों की सूची को एकीकृत करता है जिसमें प्रीमियम और मार्की फिल्में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यताएं जीती हैं. उचित उपयोग, राजस्व और पहुंच के लिए ये सामग्री दुनिया भर के विभिन्न टीवी, डिजिटल, वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हैं. भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान करके तथा उसमें भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत के स्वतंत्र सिनेमा का मुखमंडल है. एनएफडीसी फिल्म वितरण के

- 14 Own production and 13 Co-production
- Launched 13 debutant feature film director by undertaking 100% production (Own Production) of their first feature films.
- Launched 5 first time feature film directors through Co-productions
- 9 Domestic Co-production & 4 International Co-production of which 3 are under official treaties in the 11th and 12th Plan Scheme.
- 33 International Awards
- 8 National Awards
- 1 Golden Peacock

NFDC executes the scheme “Development Communication and Dissemination of Filmic Content” (DCDFC) under the sub scheme “Production of films in various Indian languages” of the Ministry of Information & Broadcasting.

NFDC has received ₹ 4.88 crores from the Ministry of Information & Broadcasting for the scheme “Production of films in various Indian languages” for production of films Chhad (Bengali), Korangi Nunchi (Telugu), Josephki Macha (Manipuri) and Ped Pe Kamra.

1. The Shooting of Manipuri film Josephki Macha directed by Shri Haobam Paban Kumar has been completed and film is under post-production.
2. Telugu film Korangi Nunchi directed by the first time director Mr.K Jayadev has been completed and certified by the CBFC.
3. Bengali film Chhaad directed by the first time director Ms. Indrani Chakrbarti has been completed and certified by the CBFC.
4. NFDC is co-producing first animation feature film Ped Pe Kamra in Hindi directed by Shri Amit Dutta with Paperboat Design Studio Pvt. Ltd.
5. NFDC has received ₹ 15.50 crores for co-production of Bengali feature film Mujib - The making of A Nation
6. Film Mujib - The making of A Nation an Indo Bangladesh Coproduction on the life of Sheikh Mujibur Rahman, the father of the nation of Bangladesh, under Audio Visual Co-Production agreement between the Republic of India and the People’s Republic of Bangladesh. NFDC and BFDC are the Executive Producers. The film is being directed by eminent Director Shyam Benegal. The entire shooting of the above mentioned film has been successfully completed spread in four schedules over two years in two countries. At present the film is under post-production editing, colour correction and VFX is under progress.

Film Distribution

With over 300 films in 20 + regional Indian languages including Hindi and 85 titles restored, NFDC syndicates a catalogue of 120 films which includes premium & marquee films that have won National and International Awards recognitions. NFDC’s content is syndicated across various TV, Digital, Video on Demand platforms worldwide for appropriate exploitation, revenue and reach. The content is further leveraged globally by identifying and participating at film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. NFDC

समकालीन तरीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके दर्शकों को सिनेमा दिखाने में सफल रहा है.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के तहत चार मीडिया इकाइयों के मंत्रालय के विलय के बाद, भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय संग्रहालय का 2 जनवरी 2022 को निगम द्वारा टेक ओवर किया गया है और दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पूरा कर रहा है, विकास और विकास के लिए समारोहों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है. संग्रहालय का प्रचार. इसके अलावा बाल चित्र समिति, भारत और फिल्म प्रभाग की सामग्री का भी लाइसेंसिंग सौदों के लिए और संगठन को राजस्व उत्पन्न करने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर पिचिंग के लिए उपयोग किया जा रहा है.

नवोदित निर्देशकों द्वारा निगम की दो फिल्में उनके फेस्टिवल जर्नी में थीं, बंगाली फीचर फिल्म छाड़ - द टेरेस में मार्शे द्यू कान्स 2022 में मार्केट स्क्रीनिंग थी; 28वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में चुना गया है; जनवरी 2023 में 21वां ढाका अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन. कोरंगी नुन्ची – हू विल मैरी थॉमस? डायोरमा फिल्म फेस्टिवल, भारत में चुना गया है. इन दोनों फिल्मों के लिए 31 दिसंबर 2021 को फिल्म सर्टिफिकेशन था जिसे क्रमशः यूए प्रमाणपत्र मिला. उप-महाद्वीप की बहुप्रतीक्षित फिल्म में से एक तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की एक प्रमुख परियोजना, श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित भारत-बांग्लादेश सह-निर्माण मुजीब-द मेकिंग ऑफ ए नेशन का इंडिया पवेलियन में भव्य ट्रेलर रिलीज हुआ. दोनों देशों के मंत्रालयों और गणमान्य व्यक्तियों की सम्मानित सभा में कान फिल्म महोत्सव 2022. इसके अलावा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक हाओबम पबन कुमार की फिल्म जोसेफकी माचा-जोसेफ'स सन, पोस्ट-प्रोडक्शन के अपने समापन चरणों के बाद और जल्द ही अपनी फेस्टीवल जर्नी शुरू करेगी.

इसके अलावा, भारत के पहले घरेलू ओटीटी प्लेटफॉर्म में से एक, एनएफडीसी द्वारा www.cinemasofindia.com सिनेमा ऑफ इंडिया ओटीटी प्लेटफॉर्म का उद्देश्य लक्ष्यों, मिशन के साथ संरेखित करना है; भारत सरकार द्वारा संचालित अभियानों के उद्देश्य और यह एनएफडीसी के पुरस्कार विजेता क्लासिक्स को स्ट्रीम करता है; अधिग्रहीत फिल्मों, शॉर्ट्स और वृत्तचित्रों का एक अच्छा जोड़. एक महीने के लिए ₹ 149 के प्रीमियम सब्सक्रिप्शन में उपलब्ध है और सभी सामग्री (एसवीओडी) या टाइटल के लिए एक वर्ष के लिए ₹ 599 प्रत्येक 72 घंटे (टीवीओडी) के लिए ₹ 60 के लिए किराए पर लिया जा सकता है. देशभक्ति की भावना को आत्मसात करने के लिए स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती जैसे भारत के राष्ट्रीय त्योहारों के उपलक्ष्य में मंच पर फिल्म समारोह आयोजित किए जाते हैं.

भारत के सिनेमाघरों की स्थिति को बनाए रखने के लिए फिल्म समारोहों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की पहचान करने तथा भाग लेने से वैश्विक स्तर पर सामग्री का लाभ उठाया जाता है, जो कि भारत से स्वतंत्र सिनेमा की सूरत है. फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाती है तथा फिल्मों की क्लिप प्रतिष्ठित संग्रहालयों और गैलरी जैसे म्यूज़ियम ऑफ़ मॉडर्न आर्ट्स (एमओएमए) और द एकेडमी म्यूज़ियम ऑफ़ मोशन पिक्चर्स आदि में प्रदर्शित की जाती हैं.

एनएफडीसी ने मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (मिफ) के 17वें संस्करण का समर्थन किया, जो 29 मई से 5 जून 2022 तक फिल्म महोत्सव और फिल्म उद्योग के बीच महत्वपूर्ण लास्ट माइल के संपर्क को सक्षम करने और इस प्रकार बाजार में लाने हेतु आयोजित किया गया था. इसलिए एमआईएफएफ प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ओटीटी प्लेटफॉर्म सहित उद्योग के हितधारकों के बीच मिलने का स्थान बन गया. यह मिलन स्थल एक बिजनेस हब और एक नॉलेज लैब में तब्दील हो गया था, जिसमें बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) मीटिंग्स और मास्टरक्लासेस ने फेस्टिवल के लिए बढ़त बनाई क्योंकि इनसे उद्योग के कौशल को बढ़ावा मिला, जो उद्योग के रचनात्मक विकास के लिए बहुत जरूरी है.

इसके अलावा, गोवा में 20 से 28 नवंबर के बीच हाल ही में संपन्न 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) पर, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ने महान फिल्म निर्माता सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि के रूप में एक ऑनलाइन फिल्म पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की. प्रतियोगिता का विषय था "द वन एंड ओनली रे" 635 प्रविष्टियों में से, जूरी, जिसमें कला, फिल्म और पेंटिंग के क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार शामिल थे, ने 75 सर्वश्रेष्ठ फिल्म पोस्टरों का चयन किया. जूरी के मूल्यांकन सहित पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हुई और शीर्ष तीन विजेताओं

has been successful in showcasing cinema to the audiences by effectively exploiting contemporary modes of film distribution avenues.

Post the Ministry's merger of four media units under National Film Development Corporation, the National Museum of Indian Cinema is being taken over by the Corporation from 2nd January 2022 and has been carrying out the day to day activities, organizing festivals and events for the growth and publicity of the Museum. Further the Children's Film Society of India and Films Division content are also being exploited for licensing deals and for pitching to various platforms for generation of revenues to the Organization.

Corporation's two films from debut directors were in their festival journeys, the Bengali feature film Chhaad – The Terrace had a Market Screening at Marché du Cannes 2022; has been selected at 28th Kolkata International Film Festival; 21st Dhaka International Film Festival to be held in January 2023. Korangi Nunchi – Who Will Marry Thomas? has been selected at Diorama Film Festival, India. Film Certifications for these two films were on 31 December 2021; UA respectively. One of the most anticipated film from the sub-continent and a major project from Ministry of Information & Broadcasting, the India – Bangladesh co-production Mujib – The Making of a Nation directed by Shyam Benegal had a grand trailer release at the India Pavilion at Cannes Film Festival 2022 in the esteemed gathering of Ministries & dignitaries from both the countries. Further, the film Josephki Macha – Joseph's Son, from the National Award winning director Haobam Paban Kumar, after its closing stages of post-production and will begin its festival journey soon.

In addition, one of the first home-grown OTT platform in India, www.cinemasofindia.com. Cinemas of India, OTT platform by NFDC aims to align with the goals, mission & objectives of Government of India driven campaigns & it streams NFDC's award winning classics; a decent mix of acquired films, shorts & documentaries. Available in premium subscription of ₹ 149 for a month & ₹ 599 for a year for all content (SVoD) or titles can be rented for ₹ 60 each for 72 hours (TVoD). Film Festivals are organized on the platform commemorating the India's National Festivals of Independence Day, Republic Day, Gandhi Jayanti to imbibe a sense of patriotism.

The content is leveraged globally by identifying and participating at film festivals and International markets to maintain the positioning of Cinemas of India as the brand that is the face of independent cinema from India. The films are screened and the clips of the films are showcased at the prestigious museums and gallery such as Museum of Modern Arts (MoMA) and The Academy Museum of Motion Pictures etc.

NFDC supported the 17th edition of the Mumbai International Film Festival (MIFF), which was held from 29th May to 5th June 2022 by enabling the crucial last mile connect between a Film Festival and the Industry and thus bring in the Market. MIFF therefore became a meeting place between Industry stakeholders including leading domestic and international OTT platforms. This meeting place was transformed into a Business Hub and a Knowledge Lab wherein Business to Business (B2B) meetings and Masterclasses built an edge for the Festival as these created an impetus to the Industry's skill quotient, so essential for the creative growth of the industry.

Further, on the instance of recently concluded 53rd International Film Festival of India (IFFI) held between 20th to 28th November in Goa, National Film Development Corporation Limited conducted an online Film Poster Design Contest as a tribute to the legendary filmmaker Satyajit Ray. The theme of the contest was "The One and Only Ray" Out of 635 entries, the jury, which included renowned artists from the fields of art, film, and painting, selected the 75 best film posters. The entire procedure, including

को मौद्रिक पुरस्कार मिले और इन तीन विजेता फिल्म पोस्टर डिजाइनों से बनाई गई स्मारिका को 53वें आईएफएफआई में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिष्ठित हस्तियों को भेंट किया गया. जूरी में श्याम बेनेगल, अंजोली इला मेनन, धीमंत व्यास, राधा बिनोद शर्मा, प्रकाश बाल जोशी, शुक्ला सावंत शामिल थे. इसके अतिरिक्त, 75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ़ टुमॉरो कार्यक्रम को लागू किया गया. इसके अतिरिक्त, 75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ़ टुमॉरो कार्यक्रम को लागू किया गया. एनएफडीसी द्वारा अब तक के पहले आउटरीच प्रयास के हिस्से के रूप में, 53-घंटे की फिल्म निर्माण चुनौती की विजेता फिल्म, जो कल के 75 क्रिएटिव माइंड्स का एक घटक थी, को लगभग दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया गया था. भारत के 22,000 स्कूलों में 8 से 12 वर्ष के बीच के 2 करोड़ स्कूली बच्चे. इस पहल को ऑनलाइन स्कूल प्रोग्रामिंग- रूट्स 2 रूट्स में सक्रिय एक गैर सरकारी संगठन द्वारा समर्थित किया गया था.

एनएफडीसी के ओटीटी प्लेटफॉर्म www.cinemasofindia.com पर 2 से 5 मई 2021 के बीच आयोजित होने वाले सत्यजीत रे फिल्म फेस्टिवल का ऑनलाइन आयोजन नि:शुल्क किया गया. सत्यजीत रे के निर्देशन में बनी तीन क्लासिक फिल्मों आगंतुक (द स्ट्रेंजर), गणशत्रु (एनिमी ऑफ द पीपल), घरे बैरे (द होम एंड द वर्ल्ड), संदीप रे की उत्तरण (द ब्रोकन जर्नी) सहित श्री उत्पलेंदु चक्रवर्ती और नेमई घोष द्वारा निर्देशित सत्यजीत रे के डॉक्यू - फीचर संगीत, श्री अनिर्बन मित्र और श्री तीर्थो दासगुप्ता द्वारा 'अ रे ऑफ लाइट' जैसी छ फिल्में समारोह का का हिस्सा थे.

निर्यात

मुबी, यूके

विश्वभर में एसवीओडी अधिकारों के लिए गैर-अनन्य आधार पर 18 महीने की अवधि के लिए एमयूबीआई ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ औपचारिक रूप से 24 फिल्में डील करती हैं. 2019 से एनएफडीसी एमयूबीआई के साथ पारस्परिक रूप से लाभदायक सहयोग साझा करता है.

आईएफएफआर अनलेशेड

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, रॉटरडैम (आईएफएफआर) के अनलेशेड प्लेटफॉर्म के साथ फिल्म उसकी रोटी के लिए तीन साल की अवधि के लिए एक गैर-अनन्य आधार पर दुनियाभर के लिए लेन-देन संबंधी-वीओडी राइट्स के लिए औपचारिक करार किया.

क्राएटेरिया चैनल

जानूस फिल्म्स/जोकि क्राएटेरियन चैनल के रूप में जाना जाता है के तत्वावधान में अब मणि कौल की तीन फिल्में शीर्षक दुविधा, उसकी रोटी; आषाढ़ का एक दिन, यूएसए, कनाडा के क्षेत्रों के लिए 12 महीने की अवधि के लिए.

एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स

एनएफडीसी ने पाथेर पांचाली (1955) फिल्म के 3 (तीन) और 7 (सात) सेकंड के क्लिप राइट्स की सुविधा एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स को दी है, यह क्लिप अकादमी संग्रहालय की स्पीलबर्ग फैमिली गैलरी में प्रदर्शनी के लिए 700 से अधिक फिल्मों के संकलन का हिस्सा है और दस (10) वर्षों की अवधि के लिए सिनेमा 2 गैलरी की कहानियों का परिचय जो 30 सितंबर 2021 को प्रदर्शनी के सार्वजनिक शुभारंभ के साथ शुरू हुआ.

फिल्म बाजार

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित, फिल्म बाजार विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक मंच है. फिल्म बाजार फिल्म बनाना, फिल्म निर्माण और वितरण के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई सामग्री और प्रतिभा की खोज, समर्थन और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है. दुनिया भर के फिल्म खरीदारों और विक्रेताओं का एक अभिसरण बिंदु, फिल्म बाजार का उद्देश्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में विश्व सिनेमा की बिक्री को सुविधाजनक बनाना है. एनएफडीसी फिल्म बाजार भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के साथ हर साल मैरियट रिज़ॉर्ट, गोवा, भारत में आयोजित सबसे बड़ा दक्षिण एशियाई फिल्म बाजार है.

ए. एनएफडीसी फिल्म बाजार और मार्चे डू फिल्म सहयोग

मार्शे डु फिल्म ने 'गोज़ टू कान्स' और 'को-प्रोडक्शन डे' के लिए 2021 की अपनी कार्यक्रम योजनाओं में भाग लेने के लिए एनएफडीसी से संपर्क किया था. यह उन फिल्म निर्माताओं के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए था, जिन्होंने एनएफडीसी फिल्म बाजार ऑनलाइन 2020 के विशिष्ट वर्गों में क्रमशः वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब और सह-निर्माण बाजार में भाग लिया. इसलिए संबंध जारी रखने के लिए, एनएफडीसी ने एक बार

the jury's evaluation, took place online and top three winners received monetary prizes and souvenir created from these three winning film poster designs, were presented to dignitaries, eminent personalities attending 53rd IFFI. The Jury included Shyam Benegal, Anjolie Ela Menon, Dhimant Vyas, Radha Binod Sharma, Prakash Bal Joshi, Shukla Sawant. Additionally, the 75 Creative Minds of Tomorrow programme was implemented. As part of the first-ever outreach effort by NFDC, the winning film of the 53-hour filmmaking challenge, which was a component of the 75 Creative minds of Tomorrow was screened for an audience of approx. 2 Crore school children between the ages of 8 and 12 across 22,000 schools of India. The initiative was supported by a NGO active in online school programming- Routes 2 roots.

Organized the Satyajit Ray Film Festival Online which was held between 2nd to 5th May 2021 on NFDC's OTT platform www.cinemasofindia.com for Free. Six films including three of Satyajit Ray's directorial classics Agantuk (The Stranger), Ganashatru (Enemy of the People), Ghare Baire (The Home and the World), Sandip Ray's Uttoran (The Broken Journey) along with docu-features Music of Satyajit Ray directed by Utpalendu Chakraborty & Nemai Ghosh – a RAY of light by Anirban Mitra & Tirtho Dasgupta were part of the Festival.

Exports

MUBI, UK

Formalized 24 films deal with MUBI OTT platform for a period of 18 months on non-exclusive basis for SVOD rights Worldwide. NFDC shares a mutually beneficial association with MUBI since 2019 & this was the third successful collaboration with MUBI.

IFFR Unleashed

Formalized a deal for the film Uski Roti with International Film Festival of Rotterdam (IFFR)'s Unleashed platform for a period of three years on a Non-Exclusive basis for TVOD rights Worldwide.

Criterion Channel

Strategic collaboration with Janus Films/now known as Criterion Collection for titles Mani Kaul's three titles namely Duvidha, Uski Roti; Aashad Ka Ek Din, for a period of 12 months for the territories of USA, Canada.

Academy Museum of Motion Pictures

NFDC facilitated clip rights of 3(three); 7(seven) seconds from the movie Pather Panchali (1955) to Academy Museum of Motion Pictures, the clip is part of the montage featuring 700+ films for exhibition in the Academy Museum's Spielberg Family Gallery and Intro to Stories of Cinema 2 Gallery for a period of ten (10) years which commenced with the public opening of the Exhibition on 30 September 2021

Film Bazaar

Organized by the National Film Development Corporation (NFDC), Film Bazaar is a platform exclusively created to encourage collaboration between the international and South Asian film fraternity. The Bazaar focuses on discovering, supporting and showcasing South Asian content and talent, in the realm of filmmaking, production and distribution. A converging point for film buyers and sellers from all over the world, the Bazaar aims at facilitating sales of world cinema in the South Asian region. NFDC Film Bazaar is the largest South Asian film market organized alongside the International Film Festival of India (IFFI), every year at the Marriott Resort, Goa, India.

a. NFDC Film Bazaar and Marché du Film Collaboration

Marché du Film had approached NFDC to participate in their 2021 Program plans for 'GOES TO CANNES' and 'CO-PRODUCTION DAY'. This was to provide a wider platform for the filmmakers who participated in the specific sections of NFDC Film Bazaar Online 2020, namely Work-in-Progress Lab and Co-Production Market respectively. Hence, to continue the relationship, NFDC

फिर इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मार्शे डू फिल्म के साथ सहयोग किया. इस सहयोग ने दुनिया के सबसे बड़े फिल्म बाजार में भारतीय/दक्षिण एशियाई फिल्म निर्माताओं और उनकी चयनित परियोजनाओं की दृश्यता को अधिकतम किया.

गोज टू कान्स - एनएफडीसी फिल्म बाजार के लिए 2020 के ऑनलाइन संस्करण से पांच वर्क-इन-प्रोग्रेस फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्लॉट सुरक्षित किया गया था, यानी वे फिल्में जो अभी भी पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में थीं.

को-प्रोडक्शन डे – मार्शे डू फिल्म ने शुक्रवार, 9 जुलाई, 2021 को पूर्ण दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया. एनएफडीसी फिल्म बाजार ने सह–निर्माण मार्केट 2020 ऑनलाइन संस्करण की चयनित परियोजनाओं में से 7 परियोजनाओं का चयन किया और उन्हें सह-निर्माण दिवस कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत किया.

ख. फिल्म बाजार 2020 - वर्चुअल 3डी कला प्रारूप में ऑनलाइन

कोविड-19 महामारी की असाधारण स्थिति के कारण यह निर्णय लिया गया कि फिल्म बाजार का संचालन वर्चुअल किया जाएगा. फिल्म बाजार को 20-25 नवंबर, 2021 तक आयोजित किया गया. एनएफडीसी फिल्म बाजार ऑनलाइन के लिए दुनिया भर से प्रतिनिधियों, फिल्म निर्माताओं, वितरकों, निर्माताओं बिक्री एजेंट के लिए एक अद्वितीय अत्याधुनिक 3डी वर्चुअल पोर्टल बनाया गया था, जिसे चारों ओर से बहुत सराहा गया और यह एक बड़ी सफलता थी. 39 देशों से कुल 553 प्रतिनिधियों ने लॉग इन किया.

2020 में फिल्म बाजार ने भारत में फ्रांसीसी दूतावास और फ्रांसीसी संस्थान के साथ अपनी महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाया है. भारत में फ्रांसीसी दूतावास ने 20 चयनित सह-निर्माण बाजार परियोजनाओं में से एक चयनित परियोजना के लिए फ्रांसीसी संस्थान पुरस्कार प्रदान किया. प्रोड्यूयर औ सूद (फ्रांस) के बीच एक नया सहयोग हुआ, जहां सह-निर्माण मार्केट चयनित प्रतिभागियों के लिए पहली बार विशेष रूप से क्यूरेट की गई 5 दिवसीय प्रारम्भिक कार्यशाला उनके द्वारा आयोजित की गई थी.

फिल्म बाजार के सभी सत्र सह-निर्माण मार्केट, वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब, व्यूइंग रूम, नॉलेज सीरीज, फिल्म ऑफिस, स्टाल, इंडस्ट्री स्क्रीनिंग जैसे ऑनलाइन आयोजित किए गए.

को-प्रोडक्शन मार्केट – को-प्रोडक्शन मार्केट का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सह-प्रोडक्शन्स के अवसरों को बढ़ाने के लिए फिल्म व्यावसायिकों को आमंत्रित करना है. 2021 के संस्करण में 11 देशों - बांग्लादेश, नेपाल, अफगाणिस्तान, स्पेन, श्रीलंका, हंगेरी, सिंगापुर, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और भारत की 15 भाषाओं में कुल 20 परियोजनाओं को अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन संस्करण प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था.

वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब – डब्ल्यूआईपी लैब चयनित फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्म के रफ कट को अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों के एक प्रतिष्ठित पैनल में प्रदर्शित करने का मौका देती है, जिसमें फिल्म फेस्टिवल निर्देशक, फिल्म समीक्षक, निर्माता और संपादक शामिल हैं. ये सलाहकार फिल्म निर्माता को फिल्म के अंतिम कट को हासिल करने में मदद करने के उद्देश्य से संपादन पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं. ऑनलाइन संस्करण 26 अक्टूबर से 17 नवंबर, 2021 तक आयोजित किया गया था.

व्यूइंग रूम – द व्यूइंग रूम (वीआर) एक वीडियो लाइब्रेरी प्लेटफ़ॉर्म है जो फ़िनिशिंग फ़ंड, विश्व बिक्री और संभावित वितरण भागीदारों की तलाश करने वाली फ़िल्मों को प्रदर्शित करता है और फिल्म समारोहों में भाग लेना चाहता है. वर्चुअल व्यूइंग रूम में 159 फिल्में प्रस्तुत की गई. बाज़ार की तारीखों के दौरान 24 घंटे के लिए व्यूइंग रूम उपलब्ध था. यह 20 नवंबर को सुबह 10.00 बजे से 25 नवंबर, 2021 तक बाज़ार के दौरान उपलब्ध था. यह पहला वर्ष था जब 26-30 नवंबर 2021 तक बाज़ार की तारीखों के बाद भी प्रतिनिधियों के लिए व्यूइंग रूम उपलब्ध रखने का निर्णय लिया गया था. प्रतिनिधि इन दिनों के दौरान अपने MyFilmBazaar खाते के माध्यम से फिल्मों को ऑनलाइन देख सकते थे. दुनिया के किसी भी हिस्से से प्रतिनिधि फिल्म्स/फिल्म-क्लिप्स देखने के लिए लॉग इन कर सकते हैं.

collaborated with Marché du Film once again to participates in these programs. This collaboration maximized the visibility of Indian/South Asian filmmakers and their selected projects at the biggest film market in the world.

Goes To Cannes – A slot was secured for NFDC Film Bazaar to showcase the five Work-in-Progress films from the 2020 online edition i.e, films which were still in the post-production stage.

Co-Production Day – Marché du Film conducted the event online for the entire day on Friday, July 9, 2021. NFDC Film Bazaar selected 7 projects from the selected projects of Co-Production Market 2020 online edition and present them under the Co-Production Day program.

b. Film Bazaar 2020 – Online in Virtual 3D art format

Due to the unprecedented situation of the COVID-19 pandemic it was decided that Film Bazaar like last year would be conducted virtually just like the previous edition. The Bazaar was conducted virtually on its regular dates November 20-25, 2021. A unique state of the art 3D virtual portal was created for Film Bazaar Online which was very well received around the world and was a huge success. A total of 553 delegates logged in from 39 countries.

Film Bazaar in 2020 had taken forward its valued partnership with the French Embassy in India and the French Institute. The French Embassy in India presented The French Institute Award for one selected project from the 20 selected Co- Production Market projects. Collaboration between the Produire Au Sud Workshop (France) with specially curated 5 day preparatory workshop for Co-Production Market selected participants was conducted online.

All the Film Bazaar session were held online which included Co-Production Market, Work-in-Progress Lab, Viewing Room, Knowledge Series, Film Offices and Industry Screenings.

Co-Production Market – The Co-Production Market aimed to bring film professionals to enhance opportunities for international co-productions. In the 2020 edition a total of 20 projects in 15 languages from 11 countries – Bangladesh, Nepal, Afghanistan, Spain, Sri Lanka, Hungary, Singapore, Germany, Australia, the United Kingdom, and India were selected to present their projects at the online edition.

Work-in-Progress Lab – The Lab gave selected 5 filmmakers a chance to screen the rough cut of their film to an eminent panel of international advisors, which include a film festival director, a film critic, producers and editors. These advisors provided valuable feedback on the edit with aim of helping the filmmaker achieve an accomplished final cut of the films. The online edition of was held from October 26 to Nov 17, 2021.

Viewing Room – The Viewing Room (VR) is a video library platform to showcase films seeking finishing funds, world sales, potential distribution partners and looking to travel to film festivals. 159 films were presented at virtual Viewing Room. Viewing Room was accessible for 24 hours during the dates of the Bazaar. It was accessible during the Bazaar from 10.00 am IST on November 20 up to November 25, 2021. This was the first year that it was decided to keep Viewing Room available for the delegates even after the dates of the Bazaar from November 26-30, 2021. The delegates were able to watch the films online via their MyFilmBazaar Account during these days. Delegates from any part of the world could log into watch the films/film-clips.

इंडस्ट्री स्क्रीनिंग – इंडस्ट्री स्क्रीनिंग एक ऐसा मंच है जो फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्मों को अंतर्राष्ट्रीय बिक्री एजेंटों, वितरकों, निर्माताओं, फिल्म समारोह के कार्यक्रम में भाग लेने वाले चुनिंदा दर्शकों को दिखाने का अवसर देता है. विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए सॉफ़्टवेयर के माध्यम से कुल 45 फ़िल्मों की स्क्रीनिंग की गई और इंटरफ़ेस ओपन स्क्रीनिंग रूम था जोकि वर्चुअल 3डी प्लेटफ़ॉर्म पर डिज़ाइन किया गया. स्क्रीनिंग शेड्यूल के अनुसार और विश्वभर में अलग-अलग समय क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए फिल्में 24 घंटे देखने के लिए उपलब्ध थी. 26-30 नवंबर, 2021 तक फिल्म बाजार की तारीखों के बाद भी फिल्म उद्योग स्क्रीनिंग फिल्में देखने के लिए उपलब्ध थी.

फिल्म कार्यालय – भारत भर से राज्य सरकारें अपने राज्य को एक उत्कृष्ट फिल्मांकन स्थल के रूप में प्रदर्शित करने के लिए अपने फिल्म कार्यालयों के साथ एनएफडीसी फिल्म बाजार में प्रति वर्ष भाग लेती हैं. स्टाल और फिल्म कार्यालय के लिए विशेष रूप से बनाए गए 3डी अत्याधुनिक डिजाइन में शो रील होस्टिंग, ब्रोशर और अन्य प्रचार दस्तावेज जैसे कार्य शामिल थे. संबंधित राज्य विभाग के व्यक्ति के साथ बैठक आयोजित करने की सुविधा भी मंच पर प्रदान की गई. बैठक आयोजित करने के लिए जूम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म को हर स्टॉल के साथ एकीकृत किया गया था.

नॉलेज सीरिज – नॉलेज सीरिज में फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्णयकर्ताओं और बाजार संचालकों के साथ विशेष रूप से क्यूरेट की गई प्रस्तुतियाँ, व्याख्यान और पैनल चर्चा शामिल थी. यह डिजिटल इंटरफ़ेस पर विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए क्षेत्र के साथ किया गया था जिसमें रिकॉर्ड किए गए सत्रों और को-प्रोडक्शन मार्केट क्षेत्रों और व्यूइंग रूम क्षेत्रों की प्रस्तुति के लिए वीमियो का उपयोग करके एकीकृत लाइव स्ट्रीमिंग का उपयोग किया गया था.

मीट द प्रोफ़ेशनल्स – मीट द प्रोफ़ेशनल्स कन्सिस्टेड का आयोजन 3डी प्लेटफ़ॉर्म पर किया गया था, जहाँ फ़िल्म बाज़ार के अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय अतिथियों को 45 मिनट के लाइव सत्र के लिए स्लॉट बुक करने के लिए आमंत्रित किया गया था ताकि वे अपना परिचय दे सकें या दक्षिण में अपनी कंपनी/संस्था के बारे में एशियाई पंजीकृत प्रतिनिधि को प्रस्तुति दे सकें. यह कार्यक्रम ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर 'व्यूइंग रूम झोन' में आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के तहत 22 सत्रों का आयोजन किया गया.

फिल्म बाज़ार 2020 – 2021 की फ़िल्में जोकि 2020-2021 – 2022 में प्रीमियर हुई थी अथवा 2023 में प्रीमियर होनी है. पिछले संस्करणों की कुछ फ़िल्मों की स्क्रीनिंग की गई या अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित की जानी हैं और चयनित देशों में वितरण किया गया - हर्षद नलावडे द्वारा फोलोअर - इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ रॉटरडैम (आईएफएफआर) 2023 में वर्ल्ड प्रीमियर, जय शंकर द्वारा शिवम्मा - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2022 में वर्ल्ड प्रीमियर, एकतारा कलेक्टिव द्वारा एक जगह अपनी (ए स्पेस ऑफ अवर ओन) - टोकियो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2022, निथिन लुकोस द्वारा पाका (रिवर ऑफ ब्लड) - टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, अजीतपाल सिंह द्वारा फायर इन द माउंटन्स - सनडान्स फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, इरफ़ाना मजूमदार द्वारा शंकरर्स फेयरिज - लोकार्नो फिल्म महोत्सव 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर, दोस्तोजी (टू फ्रेंड्स) प्रसून चैटर्जी द्वारा - बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2021 में वर्ल्ड प्रीमियर. नतेश हेगड़े द्वारा पेड्रो - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर 2021. पुष्पेंद्र सिंह द्वारा लैला और सत गीत (द शेफर्डेस एंड द सेवन सॉन्ग्स) वर्ल्ड प्रीमियर - 70 वां बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020, (एनकाउंटर्स सेक्शन), हांगकांग आईएफएफ - यंग सिनेमा कॉम्पिटिशन (वर्ल्ड), जोंजू आईएफएफ, वैंकूवर आईएफएफ, मॉन्ट्रियल न्यू सिनेमा एफएफ, साओ पाओलो आईएफएफ, नासिर अरुण कार्तिक द्वारा प्रीमियर - टाइगर प्रतियोगिता में रॉटरडैम (आईएफएफआर) का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव. ईशान शुक्ला द्वारा शिरकोआ, बिच-क्वान ट्रान (डिसिडेंज़ फिल्म्स, फ्रांस) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनसे फिल्म निर्माता एनएफडीसी फिल्म बाजार में मिले थे. डेचेन रोडर का आई, द सॉन्ग यह फिल्म फिलहाल फंड जुटाने के चरण में है, लेकिन उनके पहले से मौजूद फ्रांसीसी सह-निर्माता के अलावा एक नॉर्वेरियन सह-निर्माता भी है. सुषमा खाडेपाठ द्वारा सब्रास (सॉल्ट) इस परियोजना में अब एक अमेरिकी निर्माता है और यह SFFILM वेस्ट्रिज ग्रांट के लिए फाइनलिस्ट भी है. भास्कर हजारिका द्वारा आमिस वर्ल्ड प्रीमियर - ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल 2019 में, ईब अलाय ऊ! प्रतीक वत्स द्वारा वर्ल्ड प्रीमियर - पिंग्याओ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (पीवाईआईएफएफ), 2019, 70वां

Industry Screenings – Industry Screenings is a platform at Film Bazaar that gives an opportunity to filmmakers/producers to showcase their finished films to a select audience of international sales agents, distributors, film festival programmers attending the market. Total 45 films were screened virtually through a specially designed software and the interface was open screening room designed on the virtual 3D platform. The films were available to watch for 24hrs as per the screening schedule and keeping in mind the different time zones across the world. The Industry Screening films were also available to watch even after the dates of Film Bazaar from November 26-30, 2021.

Film Offices – State Governments from across India participate in NFDC Film Bazaar every year with their Film Offices to showcase their State as an excellent filming destination. The 3D state-of-the-Art design specially made for stall and film office had functions like show reel hosting, brochures & other promotional documents. Facility to conduct meeting with relevant state department person was also provided on the platform. Zoom video conferencing platform was integrated with every stall to conduct the meeting.

Knowledge Series – Knowledge Series consists of specially curated presentations, lectures and panel discussions with key decision-makers and market drivers of the film industry. This was done with specially designed area on the digital interface which used integrated live streaming using Vimeo for the recorded sessions and presentation of the Co-Production Market pitches and Viewing Room pitches.

Meet the Professionals – Meet the Professionals consisted was organized on the 3D platform, where International and Indian guests of Film Bazaar were invited to book a slot for 45-minute live session to introduce themselves or make a presentation about their company/institution to the South Asian registered delegates. This program was conducted in the 'Viewing Room Zone' on the online 3D platform. 22 sessions were conducted as a part of this program.

Films from Film Bazaar 2020-2021 that were Premiered in 2020 – 2021-2022 or to be premiered in 2023. Some films from previous editions got screened or are to be screened at the international film festival and got distribution in selected countries - Follower by Harshad Nalawade - World Premiere at International Film Festival of Rotterdam (IFFR) 2023, Shivamma by Jai Shankar - World Premiere at Busan International Film Festival 2022, Ek Jagah Apni (A Space of our Own) by Ektara Collective - World Premiere at Tokyo International Film Festival 2022, Paka (River of Blood) by Nithin Lukose - World Premiere at Toronto International Film Festival 2021, Fire in the Mountains by Ajitpal Singh - World Premiere at Sundance Film Festival 2021, Shankar's Fairies by Irfana Majumdar - World Premiere at Locarno Film Festival 2021, Dostojee (Two Friends) by Prasun Chatterjee - World Premiere at BFI London Film Festival 2021., Pedro by Natesh Hegde - World Premiere at Busan International Film Festival 2021. Laila Aur Satt Geet (The Shepherdess and the Seven Songs) by Pushpendra Singh World premiere - 70th Berlin International Film Festival 2020, (Encounters section), Hong Kong IFF - Young Cinema Competition (World), Jeonju IFF, Vancouver IFF, Montreal New Cinema FF, Sao Paolo IFF, Nasir by Arun Karthick Premiered - International Film Festival of Rotterdam (IFFR) in Tiger Competition. Schirkoa by Ishan Shukla, A deal has been signed with Bich-Quan Tran (Dissidenz Films, France) whom the filmmaker met at NFDC Film Bazaar. I, the Song by Dechen Roder The film is currently in the fund-raising stage but has a Norwegian co-producer in addition to their already existing French co-producer. Sabras (Salt) by Sushma Khadepau The project now has a US producer and is also a finalist for SFFILM Westridge Grant. Aamis by Bhaskar Hazarika World Premiere - Tribeca Film Festival in 2019. Eeb Allay Ooo! by Prateek Vats World premiere - Pingyao International Film Festival (PYIFF), 2019, 70th Berlin International Film Festival

बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020 (पैनोरमा सेक्शन), ऐसे ही (जस्ट लाइक दैट) किसलय फिल्म फेस्टिवल्स द्वारा - वर्ल्ड प्रीमियर - बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2019 तथा कई अधिक फिल्में.

एनएफडीसी लैब, 2007 में शुरू हुआ, भारतीय फिल्म निर्माताओं के लिए पहले से ही कार्य क्षेत्र में स्थापित या फिल्म और/या मीडिया अध्ययन के बाद अपने करियर को विकसित करने के लिए पेशेवर विकास का एक ढांचा प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है. एनएफडीसी लैब्स प्रोजेक्ट-आधारित कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और मास्टर-क्लास के माध्यम से प्रतिभाशाली लेखकों और निर्देशकों के कार्यकलाप को गहन और उन्नत करना चाहता है. विभिन्न चरणों में स्क्रिप्ट के विकास के लिए प्रयोगशालाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उद्योग विशेषज्ञों की सलाह के अधीन हैं. भारतीय पटकथा लेखक लंबे समय से चल रही आवासीय लैब पटकथा लेखन, कहानी संरचना और पटकथा लेखन के मूल सिद्धांतों को समझना जारी रखेंगे. इस मॉडल में वन ऑन वन या ग्रुप सेशन्स भी शामिल थे जहां प्रत्येक प्रतिभागी को अन्य लेखकों की परियोजनाओं में निवेश किया गया था.

लैब को 4-5 महीनों में व्याप्त 3 ऑनलाइन सत्रों के साथ संरचित किया जाएगा. मेंटर्स 6/8 चयनित लेखकों के साथ सावधानीपूर्वक चरणबद्ध विकास के माध्यम से काम करेंगे. फिल्म बाजार 2021 के ऑनलाइन संस्करण में तीसरे सत्र के बाद इन चयनित लेखकों की पिचिंग की गई. फिल्म बाजार 2021 के ऑनलाइन संस्करण में कुल 8 लेखकों ने परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से अपनी परियोजनाओं को पेश किया. 8 पटकथाओं में से 2 - 1 हिमाद्री परमार द्वारा रेख़्ता और 2. पराक्ष डेका द्वारा गोस कोटा मनुह (द वुडकटर) पोस्ट प्रोडक्शन में हैं और जल्द ही पूरी हो जाएंगी.

(iii) अवसर, खतरे और दृष्टिकोण – 2022-23 के दौरान, कंपनी दिसंबर, 2022 तक अपनी विलय की चल रही प्रक्रिया पूरी करने की संभावना है, जो कंपनी के लिए नए अवसर लाएगी और एनएफडीसी अवसरों की तलाश कर रही है और खुद को विकसित कर रही है. सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने कार्यालय ज्ञापन संख्या एम-14011/2/2020-डीओ (एफए) दिनांक 5 जनवरी 2021 के माध्यम से सूचित किया था कि कैबिनेट ने 23 दिसंबर 2020 को हुई बैठक में चार फिल्म मीडिया इकाइयों - फिल्म प्रभाग, बाल चित्र समिति, भारत, राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, भारत और फिल्म समारोह निदेशालय का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के साथ का विलय करने का निर्णय लिया है. एनएफडीसी के एक एकीकृत निकाय बनने से संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है. यह ओटीटी के लिए सामग्री विकसित करने और फिल्में बनाने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बेहतर तरीके तलाशने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा.

गतिविधियों और संसाधनों (सभी चार निकायों) के उचित अभिसरण से न केवल बेहतर समन्वय होगा बल्कि यह तालमेल भारतीय फिल्म उद्योग के संतुलित विकास का निर्माण करेगा, जिसमें ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों के लिए सामग्री सहित फीचर फिल्में, बच्चों की सामग्री, एनिमेशन, लघु फिल्में और वृत्तचित्र, एक एकल संगठन द्वारा बनाए जाएंगे. एनएफडीसी एक अंब्रेला संगठन के रूप में काम करेगा, जोकि फिल्म विकास, निर्माण, प्रचार और फिल्म सामग्री का संरक्षण सभी एक ही प्रबंधन के तहत आएंगे. यह श्रमशक्ति व्यस्तता, परिचालन व्यय और वित्तीय अपव्यय का भी संचय करेगा.

विलय डिजिटल माध्यमों में वार्तालाप, लाभप्रदता बढ़ाने और फिल्म और टीवी पेशेवरों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करेगा. लंबे समय से लंबित मुद्दे जैसे राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के तहत बेहतर संग्रह, महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में अधिक दृश्यता, केंद्र में होंगे. विलय सभी संस्थानों के लिए तेजी से निर्णय लेने और कंपनी की बैलेंस शीट में प्रदर्शित होने वाली लाभप्रदता और डिलिवरेबल्स द्वारा निर्देशित विकास पथ को सुनिश्चित करेगा. अपने विलय पश्चात अवतार में, एनएफडीसी सभी इकाइयों की मौजूदा संपत्तियों और बुनियादी ढांचे का मुद्रीकरण करने में सक्षम होगा. एक विस्तारित परिसंपत्ति आधार के साथ, एनएफडीसी एक मजबूत संस्थान के रूप में उभरेगा जो सामग्री निर्माण में अब तक की तुलना में बड़े निर्णय लेने की स्थिति में होगा. एनएफएआई में किए जा रहे संग्रह और जीर्णोद्धार को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि एनएफडीसी के पास चलचित्र और ध्वनि पुनरुद्धार हेतु एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानकों में एकरूपता आती है. सभी पांच संस्थानों द्वारा आयोजित समाहोरों/मार्केटों को अब इस तरह के आयोजनों को आयोजित करने के लिए आवश्यक विशिष्ट कौशल से सुसज्जित टीम द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है.

2020 (Panorama section), Aise Hee (Just Like That) by Kislay Film Festivals - World premiere - Busan International Film Festival, 2019 and many more Films

Screenwriters' Lab - NFDC LABS, started in 2007, has been established to provide a framework of professional development for Indian filmmakers already established in the work field or developing their careers following Film and/or Media studies. NFDC Labs seeks to deepen and enhance the working practice of talented writers and directors, through project-based workshops, labs, and master-classes. The labs are under the mentorship of Internationally acclaimed Industry experts for the development of scripts at different stages.The long running residential Lab for Indian screenwriters will continue to understand the fundamentals of screenwriting, story structure and character development. This model included one-on-one as well as group sessions where each participant was invested in other writers' projects.

The Lab will be structured with 3 online sessions spread over 4-5 months. Mentors will work with 6/8 selected writers through carefully staged development. Pitching of these selected writers after third session was held at the online edition of Film Bazaar 2021. Total of 8 writers went through the mentorship programme and pitched their projects at the online edition of Film bazaar 2021. Out of 8 scipts 2 – 1. Rekhta by Himadri Parmar and 2. Gos kota Manuh (The woodcutter) by Paraksh Deka, are in post production and will soon be completed.

(iii) Opportunities, Threats and Outlook – During 2022-23, Company is likely to complete its On-going Merger proceeding by December, 2022, which will bring in new opportunities for the company and NFDC is exploring the opportunities and evolving itself. The Ministry of Information & Broadcasting vide its Office Memorandum No.M-14011/2/2020-DO(FA) dated 5th January 2021 had informed that the Cabinet in the meeting held on 23rd December 2020 has decided to merge four Film Media Units namely- Films Division, Children's Film Society of India, National Film Archive of India and Directorate of Film Festivals with National Film Development Corporation Ltd. With NFDC becoming an integrated body, resources can be used better. It will also focus on developing content for OTT and on making films and explore better ways to achieve its goals.

Reasonable convergence of activities and resources (of all four bodies) will not only lead to better coordination but this synergy will create balanced growth of Indian film industry, wherein feature films including content for over-the- top (OTT) platforms, children's content, animation, short films and documentaries, will be made by a singular organisation. NFDC will work as an umbrella organisation, which will mean that film development, production, promotion and preservation of filmic content will all come under single management. This will save manpower engagement, operational expenditure and also financial wastage.

The merger will focus on tapping into digital mediums, enhancing profitability and utilising film and tv professionals. Long pending issues like better archiving under the National Film Archives, greater visibility at important film festivals, will take center stage. The merger would ensure, for all the institutions, quicker decision-making and a growth trajectory guided by profitability and deliverables that reflect in the balance sheet of the company. In its post-merger avatar, NFDC would be able to monetize the existing assets and infrastructure of all the units. With an expanded asset base, NFDC will emerge a stronger institution that would be in a position to make bigger decisions in content creation than it has hitherto. Archiving and restoration being done in NFAI would receive a boost as NFDC has a laid-out process for picture and sound restoration, resulting in uniformity of standards. Festivals/markets held by all the five institutions can now be handled by a single team equipped with the specific skill sets required to organize such events.

(iv) सेगमेंट के अनुसार कार्य प्रदर्शन: कमीशण्ड निर्माण राजस्व का प्रमुख योगदानकर्ता रहा है, जिसने ₹ 4512.19 लाख का योगदान दिया, इसके बाद मीडिया अभियान वर्टिकल ने ₹ 425.99 लाख का योगदान दिया और सोशल मीडिया ने ₹ 414.62 लाख का योगदान दिया. फीचर फिल्म निर्माण ने ₹ 310.96 लाख का योगदान दिया.

(v) जोखिम प्रबंधन: कंपनी का व्यवसाय का मुख्य क्षेत्र फिल्म निर्माण है और इस कालावधि में कंपनी ने डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा कमीशन प्रोडक्शन आदि में अपना ध्यान केंद्रित किया है.

(vi) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता: कंपनी ने आंतरिक लेखापरीक्षा गतिविधियों को करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की फर्म को आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रक्रिया को कंपनी के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने वाली प्रणालियों में आंतरिक नियंत्रण जांच की पर्याप्तता की समीक्षा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. कंपनी की लेखा परीक्षा समिति है जो आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा भी करती है.

(vii) परिचालन कार्य निष्पादन के संबंध में वित्तीय कार्य प्रदर्शन पर चर्चा: कंपनी को पिछले वर्ष के ₹ 64.05 लाख के लाभ की तुलना में ₹ 673.99 लाख की हानि हुई है.

(viii) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व: पिछले तीन वर्षों के लिए औसत शुद्ध लाभ न होने के कारण, कंपनी को सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करने की आवश्यकता नहीं है.

निदेशक मंडल की ओर से

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक
DIN No.09452149

(राजेश कन्ना)
निदेशक
DIN No.08680883

स्थान – मुंबई
दिनांक – 19.12.2022

(iv) Segment wise performance: The commissioned production has been the major contributor of the revenue, contributing ₹ 4512.19 Lakhs followed by Media Campaign vertical contributing ₹ 425.99 Lakhs and Social Media slightly behind contributing ₹ 414.62 Lakhs. The feature Film production contributed ₹ 310.96 Lakhs.

(v) Risks Management: The Company's core area of business is film production and over the period company has diversified its focus into Digital and Social Media Platform and Commission Production etc.

(vi) Internal Control System and their Adequacy: The Company has appointed a firm of Chartered Accountants as Internal Auditor to carry out the Internal Audit activities. Internal Audit process is designed to review the adequacy of internal control checks in the systems covering all significant area of the company. Company has an audit committee which also reviews the report of internal auditors.

(vii) Discussion on financial performance with respect to operational performance: The Company has incurred loss of ₹ 673.99 Lakhs in comparison to profit of ₹ 64.05 Lakhs in the previous year.

(viii) Corporate Social Responsibility: In view of average Net Profit for the last three years being negative, company is not required to spend on CSR activities.

For and on behalf of the Board of Directors

(Ravinder Bhakar)
Managing Director
DIN No. 09452149

(Rajesh Kanna)
Director
DIN No. 08680883

Place – Mumbai
Date – 19.12.2022

कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रमाणपत्र

सेवा में,
सदस्यगण
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

हमने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के कॉर्पोरेट गवर्नेंस की उन शर्तों के अनुपालन संबंधी वक्तव्यों की जांच की है जिनकी अपेक्षा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (सीपीएसई) द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशा निर्देशों के अंतर्गत की जाती है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन का दायित्व है. हमारे द्वारा किया गया परीक्षण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन के लिये अपनाये गये तरीकों और उन्हें लागू करने की समीक्षा तक सीमित है. यह न तो लेखा परीक्षण है और न ही कंपनी की वित्तीय स्थिति के प्रति प्रकट की गयी राय है.

हमारी राय, हमें प्रदान की गई सूचनाओं और स्पष्टीकरणों के आधार पर हम यह प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने उन कॉर्पोरेट गवर्नेंस की उन शर्तों को पूरा किया है, जिनकी अपेक्षा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (सीपीएसई) द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशा निर्देशों के अंतर्गत की जाती है.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

सी.पी.भाटिया
साझेदार
सदस्यता सं. 045210
UDIN – 21045210AAAAFI2115

स्थान – मुंबई
दिनांक – 07.12.2022

Corporate Governance Certificate

To
The Members,
National Film Development Corporation Limited

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by National Film Development Corporation Limited (the "Company"), for the year ended March 31, 2022 as stipulated in Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises for Central Public Sector Enterprises (CPSEs).

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of the management. Our examination has been limited to review of the procedures and implementation thereof, adopted by the Company, for ensuring the compliance with th.e conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion of financial statements of the Company.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, we certify that the Company has complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in Guidelines on Corporate Governance issued by Department of Public Enterprises for Central Public Sector Enterprises (CPSEs).

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia
Partner
Membership No. – 045210
UDIN – 220452108FANDP7108

Place – Mumbai
Dated – 07.12.2022

आचार संहिता प्रमाणपत्र

एनएफडीसी/प्र.नि/2022
30.11.2022

यह पुष्टि की जाती है कि राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के लिए एनएफडीसी लिमिटेड की व्यावसायिक आचरण और नैतिक संहिता निर्धारित की है और कोड कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है. बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए उक्त संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है.

(रविंद्र भाकर)
प्रबंध निदेशक
डीआईएन संख्या 09452149

स्थान – मुंबई
दिनांक – 30.11.2022

Certificate for Code of Conduct

NFDC/MD/2022
30.11.2022

This is to confirm that National Film Development Corporation Limited has laid down a NFDC Ltd. Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management Officers and the code is posted on the company website. The board and Senior Management have affirmed compliance with the said Code for the financial year ended 31st March, 2022.

(Ravinder Bhakar)
Managing Director
DIN No. 09452149

Place – Mumbai
Date – 30.11.2022

दिनांक 31 मार्च 2022 का तुलन पत्र
Balance Sheet as on 31st March 2022

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	टिप्पणी Notes	31.03.2022 को As at 31.03.2022	31.03.2021 को As at 31.03.2021
इक्विटी और देयताएं	**Equity And Liabilities**			
अंशधारकों की निधि	**Shareholders' Funds**			
(क) अंश पूंजी	(a) Share Capital	3	4,539.99	4,539.99
(ख) संचय एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	4	(2,364.37)	(1,690.38)
गैर चालू देयताएं	**Non-Current Liabilities**			
(क) अन्य दीर्घकालिक देयताएं	(a) Other Long-Term Liabilities	5	2,676.09	3,339.15
(ख) दीर्घकालिक प्रावधान	(b) Long-Term Provisions	6	765.51	738.40
चालू देयताएं	**Current Liabilities**			
(क) व्यापारिक देय	(a) Trade Payables	7		
सूक्ष्म उद्यम और लघू उद्यम का कुल बकाया	total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises		1,365.00	1,163.21
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की	total outstanding dues of creditors other than micro enterprises			
कुल बकाया राशि	and small enterprises		3,670.45	3,865.96
(ख) अन्य चालू देयताएं	(b) Other Current Liabilities	8	6,008.37	7,227.89
(ग) अल्पकालिक प्रावधान	(c) Short-Term Provisions	9	146.74	127.13
कुल	**Total**		**16,807.78**	**19,311.35**
परिसम्पत्तियां	**Assets**			
गैर चालू परिसम्पत्तियां	**Non-Current Assets**			
(क) सम्पत्ति, संयंत्र, उपकरण और अवास्तविक परिसम्पत्तियां	(a) Property, Plant and Equipment and Intangible assets			
सम्पत्ति, संयंत्र और उपकरण	Property, Plant and Equipment	10	289.70	336.91
अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible Assets		4.72	14.10
पूंजीगत कार्य जारी	Capital Work-in-Progress		–	38.28
विकास के तहत अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible assets under development		2.21	–
(ख) आस्थगित कर परिसम्पत्तियां	(b) Deferred Tax Asset		981.64	981.64
(ग) दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम	(c) Long-Term Loans and Advances	11	–	–
(घ) अन्य गैर - चालू परिसम्पत्तियां	(d) Other Non Current Assets	12	117.58	114.43
चालू परिसम्पत्तियां	**Current Assets**			
(क) सम्पत्ति सूची	(a) Inventories	13	0.33	12.48
(ख) व्यापारिक प्राप्तियाँ	(b) Trade Receivables	14	6,240.51	6,115.99
(ग) रोकड़ और बैंक शेष	(c) Cash and Bank Balances	15	2,856.53	5,626.65
(घ) अल्पकालिक ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-Term Loans and Advances	16	6,292.40	6,041.91
(ड़) अन्य चालू परिसम्पत्तियां	(e) Other Current Assets	17	22.16	28.96
कुल	**Total**		**16,807.78**	**19,311.35**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	2		

टिप्पणी संख्या 1 से 59 तक वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग है
समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
निदेशक मंडल की ओर से

Notes 1 to 59 are integral part of Financial Statement
As per our report of even date
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

रविंद्र भाकर
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 09452149

Ravinder Bhakar
Managing Director
DIN No. – 09452149

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

UDIN – 21045210AAAAFI2115

राजेश कन्ना
निदेशक
डीआईएन नं 08680883

Rajesh Kanna
Director
DIN No. – 08680883

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28 सितंबर 2022

Place – Mumbai
Dated – 28th September 2022

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष का लाभ एवं हानि का विवरण
Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March 2022

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	टिप्पणी Notes	वर्ष 2021-22 Year 2021-22	वर्ष 2020-21 Year 2020-21
आय	**Income**			
प्रचलन से आय	Revenue from Operations	18	6,887.02	5,264.29
अन्य आय	Other Income	19	392.55	1,173.74
कुल	**Total Income**		**7,279.57**	**6,438.03**
व्यय	**Expenses**			
प्रचलित व्यय	Operating Expenditure	20	6,231.11	4,663.27
सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Inventory	21	12.15	(2.91)
कार्मिक लाभ व्यय	Employee Benefits Expenses	22	828.21	786.94
अन्य व्यय	Other Expenses	23	820.00	828.87
वित्तीय लागत	Finance Cost	24	–	1.18
मूल्य -ह्रास एवं परिशोधन	Depreciation and Amortisation		62.09	96.63
कुल व्यय	**Total Expenses**		**7,953.56**	**6,373.98**
असाधारण मदों के पूर्व लाभ/(हानि)	**Profit/(Loss) Before Exceptional Items**		**(673.99)**	**64.05**
घटाइये – असाधारण मदें	Less – Exceptional items		–	–
कर पूर्व लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) Before Tax		(673.99)	64.05
घटाईये – कर व्यय	Less – Tax Expense			
चालू कर	Current Tax		–	–
घटाईये – आस्थगित कर	Add – Deferred Tax		–	–
जोडिए – पूर्व वर्ष के अतिरिक्त आयकर/मॅट प्रावधानों वापिस	Add – Excess Income Tax/MAT Provision of earlier year written back		–	–
कर पश्चात लाभ/(हानि)	**Profit/(Loss) After Tax**		**(673.99)**	**64.05**
प्रति इक्विटी शेयर आय –	Earnings Per Equity Share –			
(1) मूल	(1) Basic		(14.85)	1.41
(2) तनुकृत	(2) Diluted		(14.85)	1.41
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	2		

टिप्पणी संख्या 1 से 59 तक वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग है
Notes 1 to 59 are integral part of Financial Statement

समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
As per our report of even date

निदेशक मंडल की ओर से
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरऐन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

रविंद्र भाकर
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 09452149

Ravinder Bhakar
Managing Director
DIN No. – 09452149

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

UDIN – 21045210AAAAFI2115

राजेश कन्ना
निदेशक
डीआईएन नं 08680883

Rajesh Kanna
Director
DIN No. – 08680883

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28 सितंबर 2022

Place – Mumbai
Dated – 28th September 2022

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2022

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Year 2021-22		Year 2020-21	
प्रचलन गतिविधियों में रोकड़ प्रवाह	**I. Cash Flows From Operating Activities**				
कराधान के पहले शुध्द लाभ	**Net Profit Before Taxation**	(673.99)		64.08	
समंजन हेतु	Adjustments for				
सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की बिक्री पर हानि/(लाभ)	Loss/(Profit) on Sale of Property, Plant and Equipment	(0.06)		0.07	
मूल्य -हास और हानि	Depreciation & Impairment	62.09		81.63	
संदिग्ध ऋणों/ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loan/Advance	(1.13)		3.96	
जमा शेष वापिस	Credit Balance Written Back	(10.66)		10.09	
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	Provision for Employee Benefits	46.72		(68.63)	
पूंजीगत डब्ल्यूआईपी बट्टे - खाते में	Capital WIP written off	38.28		–	
ब्याज आय	Interest Income	(90.56)		(822.08)	
ब्याज व्यय	Interest Expenses	–		1.18	
कुल (क)	**Total of (A)**	**44.68**		**(793.78)**	
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के पहले प्रचलित रोकड़	Operating Cash Profit Before Working Capital Changes	(629.31)		(729.70)	
समंजन हेतु	Adjustments for				
सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Inventories	12.15		(2.91)	
विविध देनदारों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Sundry Debtors	(123.39)		1,077.69	
दीर्घ कालिक ऋण एवं अग्रिम में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long Term Loans & Advances	–		–	
अन्य चालू परिसम्पत्तियों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Non Current Assets	(3.15)		(0.05)	
अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिमों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Short Term Loans & Advances	118.60		1,798.86	
अन्य चालू परिसम्पत्तियों में (वृध्दि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current Assets	6.80		34.65	
विविध लेनदारों में (वृध्दि)/कमी	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors	16.94		(1,742.00)	
दीर्घ कालिक देयताएं में वृध्दि/(कमी)	Increase/(Decrease) in Long Term Liabilities	(663.06)		47.01	
अल्पावधिक देयताएं में (वृध्दि)/कमी	Increase/(Decrease) in Short Term Liabilities	(1,219.52)		(3,193.71)	
कुल (ख)	**Total of (B)**		**(1,854.63)**		**(1,980.46)**
प्रचलनों द्वारा उत्पन्न रोकड़	Cash Generated From Operations		(2,483.94)		(2,710.16)
आयकर (भुगतान) कुल रिफंड	Income Tax (Paid)/Refund - Net		(369.09)		986.71
असाधारण मदों के पूर्व रोकड़ प्रवाह	Cash Flows Before Extraordinary Item		(2,853.03)		(1,723.45)

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष का रोकड़ प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2022

₹ लाखो में ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	Year 2021-22		Year 2020-21	
प्रचलन गतिविधियों से शुध्द रोकड़ (क)	**Net Cash From Operating Activities (A)**		(2,853.03)		(1,723.45)
II. निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह	**II. Cash Flows From Investing Activities**				
स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद	Purchases of Fixed Assets	(8.16)		(15.85)	
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री	Sale of Fixed Assets	0.51		0.02	
सावधि जमा	Fixed Deposits	794.47		594.80	
व्याज आय	Interest Income	90.56		822.08	
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुध्द रोकड़ (ख)	**Net Cash Used In Investing Activities (B)**		877.38		1,401.05
III. वित्तीय गतिविधियों में रोकड़ प्रवाह	**III. Cash Flows From Financing Activities**				
दीर्घकालिक उधार	Long Term Borrowings	–		(19.83)	
ब्याज भुगतान	Interest paid	–		(2.33)	
वित्तीय गतिविधियों से शुध्द रोकड़ (ग)	**Net Cash From Financing Activities (C)**		–		(22.16)
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों पर शुध्द वृध्दि (क + ख + ग)	**Net Increase In Cash And Cash Equivalents (A + B + C)**		(1,975.65)		(344.56)
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों का प्रारम्भिक शेष	Opening Balance of Cash And Cash Equivalents		3,851.69		4,196.25
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों का अंतिम शेष	**Closing Balance of Cash And Cash Equivalents**		**1,876.04**		**3,851.69**
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्यों के पूरक	Component of Cash And Cash Equivalents				
बैंक में शेष	Balances with Banks				
चालू खाते में	In Current Account		1,487.04		1,358.49
सावधि जमा 3 महिने से कम की मूल परिपक्वता के साथ	Fixed Deposits with original maturity of less than 3 months		388.07		2,492.13
रोकड़ बाकी	Cash on Hand		0.93		1.07
कुल रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य (टिप्पणी सं 15)	**Total Cash And Cash Equivalents (Note No.15)**		**1,876.04**		**3,851.69**

समदिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
निदेशक मंडल की ओर से

As per our report of even date
For and on behalf of Board of Directors

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210
UDIN – 21045210AAAAFI2115

(C. P. Bhatia)
Partner
M.No. 045210

रविंद्र भाकर
प्रबंध निदेशक
डीआईएन नं 09452149

Ravinder Bhakar
Managing Director
DIN No. – 09452149

राजेश कन्ना
निदेशक
डीआईएन नं 08680883

Rajesh Kanna
Director
DIN No. – 08680883

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Sumona Majumdar
Company Secretary
M.No. FCS 8043

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28 सितंबर 2022

Place – Mumbai
Dated – 28th September 2022

लेखाओं पर टिप्पणियां

टिप्पणी – 1. कॉर्पोरेट सूचना

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (कंपनी) भारत स्थित कंपनी है जिसकी स्थापना कंपनी के अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत की गयी है. निगम विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्में बनाता है तथा कम्पनी फीचर एवं ऑडियो–विज्युअल फिल्में तथा मीडिया अभियान तथा एफएफओ सहित फिल्मों का निर्माण, वितरण, विकास एवं बढावा देने में कार्यरत है. निगम का मुख्यालय मुंबई में है तथा नई दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता में क्षेत्रीय कार्यालय हैं.

निगम की स्थापना केंद्रीय सरकार द्वारा समय समय पर सुनिश्चित की जाने वाली आर्थिक नीतियों एवं उद्देश्यों के अंतर्गत फिल्म उद्योग का योजनाबद्ध तरीके से समग्र विकास तथा प्रभावशाली उन्नयन करने के लिये की गई थी. बाद के वर्षों में निगम ने 20 भारतीय भाषाओं में 300 से भी अधिक फिल्मों का निर्माण किया अथवा उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान किया.

टिप्पणी – 2. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

क. लेखाओं का आधार तथा अनुमानों का उपयोग.

i. वित्तीय विवरणों को हिस्टॉरिकल कॉस्ट कन्वेंशन के अंतर्गत, अकाउंटिंग के एक्युरल आधार तथा भारत में लागू लेखा सिद्धांतों, कंपनी (लेखा मानकों) द्वारा अधिसूचित अनिवार्य लेखा मानकों तथा तत्संबंधी कंपनी अधिनियम 2013 (द एक्ट) के उपनियम 133, जिसे कंपनी के (लेखाओं) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाय, के उन प्रावधानों के साथ सभी तथ्यों के अनुपालन करते हुए तैयार किया गया है.

ii. सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के समनुरूप वित्तीय विवरणों को तैयार करने में यह अपेक्षित है कि प्रबंधन उस पर अनुमान और कल्पना करे कि रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियां तथा देयताएं और आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण, वित्तीय विवरण की तारीख और प्रचालनों के परिणाम रिपोर्टाधीन वर्ष के अंत में हैं. यद्यपि ये अनुमान प्रबंधन की वर्तमान घटनाओं एवं क्रियाओं के संबंध में अच्छी जानकारी पर आधारित है फिर भी वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं.

ख. राजस्व तथा तत्संबंधी व्यय की मान्यता

ख 1 लागत का परिशोधन –
फिल्म्स, प्रिंट्स, टीवी अधिकार, स्वकीय फिल्मों का निर्माण, अधिगृहीत फिल्में तथा फिल्मों के सहनिर्माण में कॉर्पोरेशन का अंश.

ख.1.1 वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पहले यदि फिल्म वाणिज्यिक आधार पर प्रदर्शन के लिये रिलीज की जाती है तो उस फिल्म की संपूर्ण निर्माण/अधिग्रहण लागत को लाभ/हानि के विवरण में चार्ज किया जाता है. अगर फिल्म पूरी हो गई है लेकिन वर्ष के दौरान रिलीज के लिये तैयार नहीं हुई है तो उस की संपूर्ण लागत/ अधिग्रहण को विस्तृत सूची में दर्शाया जाता है.

ख.2 भारतीय टीवी धारावाहिकों की निर्माण लागत/अधिगृहीत कार्यक्रमों और फिल्मों के खरीदे गये टीवी अधिकारों के पूर्ण रूप से की लागत को उसी वित्तीय वर्ष में चार्ज किया जाता है जिस वर्ष में उन फिल्मों/धारावाहिकों का पहला प्रदर्शन होता है अथवा अधिकार समाप्त होते हैं, इनमें से जो पहले हो.

ख.3 कंपनी द्वारा खरीदे गये टीवी अधिकारों के लिये ऐसी स्थिति में जहां टीवी पर फिल्म प्रदर्शित नहीं हुई और उनके लिये भुगतान किया जा चुका है तो उस भुगतान राशि को अग्रिम के रूप में माना जाता है. चूंकि वास्तविक देयता तो करार की शर्तों के अनुसार टेलीकास्ट होने पर लागू होती हैं इसलिए उनके भुगतान न किये अधिगृहीत मूल्य के लिये कोई प्रावधान नहीं किया जाता है.

Notes on Accounts

Note – 1. Corporate Information

National Film Development Corporation Limited ("the Company") is a Government company domiciled in India and incorporated under the provisions of the Companies Act, 1956. The Company is engaged in production, distribution, development and promotion of films, including feature and audio-visual films, media campaigns and film facilitation office. The Company has its Head Office in Mumbai and Regional offices at New Delhi, Chennai and Kolkata.

The Company was set up with the objective to plan, promote and organize an integrated and efficient development of the film industry in accordance with the national economic policy and objectives laid down by the Central Government from time to time. Over the years, NFDC has funded/produced more than 300 films in twenty Indian languages.

Note – 2. Significant Accounting Policies

A. Basis of Accounting and use of Estimates.

i. Financial statements are prepared under the historical cost convention, on accrual basis of accounting in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Companies Act, 2013 ("the Act") read with rule 7 of the Companies (Accounts) Rule, 2014.

ii. The preparation of financial statements, in conformity with generally accepted accounting principles requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities and disclosure of contingent liabilities at the date of the financial statements and the Revenue and Expenditure of operations during the end of the reporting period. Although these estimates are based upon the management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

B. Recognition of Revenue and related expenses

B.1 Amortization of cost of –
Films, prints, TV rights, own production of films, taken over films and Corporation's share in co-production of films.

B.1.1 Where the film is ready for release for exhibition on Commercial basis before the close of the financial year, the entire cost of production/acquisition of the films is charged to the Statement of Profit and Loss. Where the film is completed but not ready for release during the year, the entire cost of production/acquisition is shown as inventory.

B.2 Cost of production of Indian Television serials/acquired programme and films purchased for TV rights are charged off in the financial year in which the first telecast of such films/serials takes place or in the financial year, in which the rights expired, whichever is earlier.

B.3 Rights in films for distribution through Television acquired by the Company wherein no telecast is made are accounted as advance to the extent of the amounts paid thereof. No provision is made for the unpaid acquisition price thereof, since actual liability shall arise only in the event of telecast as per terms of the agreement.

ख.4 फिल्म निर्माण/सिनेमा उपकरण खरीद/सिनेमागृह निर्माण आदि के गैर निष्पादन ऋणों के ब्याज को प्रबंधन द्वारा वसूली योग्य माना हो, उस सीमा तक आय में लिया जाता है और जब तक वह मूल राशि के बराबर न हो जाय और उसके आगे कोई जमा नहीं दिखाई जाती जब तक कि वह वास्तविक रूप से वसूल न हो जाय.

ख.5 विभिन्न मंत्रालयों/ग्राहकों की ओर से प्रदर्शित मीडिया कैंपेंस के सिलसिले में हुए आय और व्यय को उसी वर्ष में परिस्वीकृत किया जाता है जिस वर्ष में संबंधित विज्ञापन अथवा कमर्शियल स्पॉट जनता के लिये प्रदर्शित अथवा ब्रॉडकास्ट किये गये हों और जिनके संबंध में एजेंसी को चैनल/सिनेमाघर/वेबसाइट से सफलतापूर्वक टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट की सूचना मिल गई हो. वित्तीय वर्ष में प्रारंभ किये गये कैंपेन जो अगले वित्तीय वर्ष में पूरे हुए हों उन्हें क्रमानुसार वित्तीय वर्ष में ही उस वर्ष में टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट किये गये विज्ञापनों अथवा व्यापारिक स्पॉट्स के आधार पर ही परिस्वीकृत किया जाता है.

ख.6 विभिन्न मंत्रालयों/ग्राहकों की ओर से वर्ष के दौरान लिये गये गैर फीचर फिल्म के आय व्यय को तब तक मान्य नहीं किया जाता जब तक ग्राहक उन्हें स्वीकार न कर लें या ग्राहकों की ओर से उन्हें स्वीकार कर लेने जैसी कोई कार्रवाई न कर दी जाय.

ख.7 विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म निर्माण करने के लिये भारत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त हुआ तथा इनमें से वर्ष के अंत तक प्राप्त व्यय आस्थगित सरकारी अनुदान के अंतर्गत देयताओं के अंतर्गत दर्शाया गया है. विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म निर्माण का वास्तविक व्यय सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित सीमा तक तथा इन फिल्मों के सीधे व्ययों को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन के अनुसार संपत्ति सूची में दर्शाया जाता है किंतु इन फिल्मों में खर्च की गई शेष राशि के परंतु, जिसे सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है उसे 'क्षेत्रीय फिल्म निर्माण के लिये अग्रिम' में दर्शाया गया है. प्राप्त राशि तथा संबंधित फिल्मों के निर्माण पर व्यय फिल्म के रिलीज होने पर क्रमशः आय और व्यय में दर्शाया गया है. फिल्म के रिलीज के लिये तैयार हो जाने पर निगम अपनी आय के लिये कुल निर्माण लागत का 10 प्रतिशत अपने कमीशन के रूप में चार्ज करता है.

ख.8 सेवा परियोजनाओं से प्राप्त आय को वस्तुतः आधार पर मान्य किया जाता है.

ख.9 कपनी को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) कार्यालय स्थापित करने के लिए फंड मिले हैं. कंपनी को फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) स्थापित करने के लिए हुए खर्च पर 7 प्रतिशत की दर से क्षतिपूर्ति दी जाएगी. कंपनी ने खर्च पर आधारित राजस्व तथा सर्विस चार्ज मिला कर लेखा प्रस्तुत किया तथा उसे राजस्व की मद के अंतर्गत दर्ज किया. विवरण के लाभ/मद में कुल खर्च संचालन व्यय में दर्शाया गया. मंत्रालय की ओर से प्राप्त फंड को तुलन पत्र में कुल आधार पर अन्य दीर्घकालीन दायित्वों के अंतर्गत दर्शाया गया है. तथा मंत्रालय से प्राप्त अन्य फंड लघुकालीन ऋण एवं अग्रिमों के अंतर्गत दर्शाया गया है.

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा मूल्यह्रास

ग.1 स्थायी परिसंपत्तियों की मूल लागत (सकल ब्लॉक) से संचित मूल्यह्रास को घटा कर दर्शायी गई है. अधिग्रहण की कीमत अथवा निर्माण में परिवहन शुल्क, महसूल, कर, अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक खर्च, स्थापना अथवा निर्माण व्यय, आरोप्य ब्याज और वित्तीय खर्च आदि को तब तक शामिल किया जाता है जब तक कि परिसंपत्तियां निर्दिष्ट उपयोग के लिये बन कर तैयार न हो जाएं.

ग.2 परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में "दरों पर शेष घटाव" पद्धति के अनुसार किया जाता है जब तक कि नीचे कहा न जाय.

B.4 Interest on loans for Films and Purchase of Equipment/ Construction of theatres is accrued and accounted in the income only to the extent equal to principal amount and no further credits are recognized thereafter unless the same is actually realized.

B.5 Revenue and Expense in respect of Media Campaigns released on behalf of various ministries/clients are recognized in the year in which the related advertisement or commercial spots are telecast/broadcast/appear before the public and in respect of which necessary intimation is received by the agency from the channel/theatre/website for successful telecast/broadcast. Campaigns commencing in a financial year and concluding in next financial year are recognized in the respective financial years on the basis of advertisement or commercial spots telecasted/broadcasted during that year.

B.6 Revenue and Expense in respect of Non-Feature Films produced during the year on behalf of various ministries/ clients are not recognized until the goods have been formally accepted by the client or the client has done an act adopting the transaction.

B.7 The funds received from the Government of India for Film Production in various Indian languages and the expenditure incurred up to year end out of the same is shown on net basis under other long term liabilities in the Balance Sheet. The actual expenditure incurred on production of films in various Indian languages that are incomplete at the year end and to the extent certified by Chartered Accountants is shown as Inventory. The amount received and the expenditure incurred on production of respective films is shown as Income and Expenditure respectively when the Film is ready for release. The Company accounts for its income by way of Production Fee at 10% of the cost of production of such films when the film is ready for release.

B.8 Income from Service Projects is recognized on Accrual basis.

B.9 The Company has received funds from Ministry of Information and Broadcasting, Government of India for setting up of Film Facilitation Office (FFO). The company will be paid compensation at the rate of 7% on expenditure incurred for setting up of Film Facilitation Office. The Company has accounted the revenue based on expenditure incurred plus the service charge and disclosed the same under the head revenue from operation and the total expenses incurred has been disclosed under the head operating expenditure in the Statement of Profit and Loss. The funds received from ministry is shown on net basis under other long term liabilities in the Balance Sheet and any funds receivable from ministry is shown under Short term loans and advances.

C. Property, plant & equipment and Depreciation/ Amortization

C.1 Property, plant & equipment are stated at cost of acquisition or construction less accumulated depreciation/amortization and impairment losses. Cost of acquisition or construction is inclusive of freight, duties, taxes, incidental expenses relating to acquisition, cost of installation/erection, attributable interest and financial cost till such time assets are ready for its intended use.

C.2 Depreciation on assets has been provided on the "Written Down Value" based on useful life of the assets as prescribed under of Schedule II of the Companies Act, 2013 unless otherwise stated below.

ग.3 पट्टे की भूमि का पट्टे की समयावधि तक ही परिशोधन किया जाता है.

ग.4 हेड प्लैंट और मशीनरी के तहत ऑडियो- विज्युअल तकनीकी उपकरण से सम्बंधित मूल्यह्रास सीधी रेखा पधति के आधार पर प्रदान किया जाता है.

ग.5 वास्तविक स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास पूंजी में परिणत मूल्य के 95 प्रतिशत तक लिया जाता है. बाकी का 5 प्रतिशत अधिनियम के अनुरूप अंशोद्धार मूल्य के रूप में रखा जाता है.

ग.6 अवास्तविक संपत्तियों को 5 साल की अवधि में बढ़ाया जाता है.

ग.7 मूल्यह्रास उनकी अनुवृद्धि अथवा बिक्री की तारीख से, जैसा भी केस हो, यथाअनुपात से उपलब्ध कराया गया है.

ग.8 जो फिल्में पूरी हो गई लेकिन जिनके अधिकार बेचे नहीं गये, उनमें से प्रत्येक की कीमत नाममात्र ₹1/- रखी गयी है.

घ. परिसंपत्तियों का हानिकरण/क्षति

'परिसंपत्तियों के हानिकरण' के लेखा मानक 28 (ए एस-28) के अनुरूप, जहां कहीं भी कंपनी की संपत्तियों के हानिकरण का संकेत है, कंपनी की परिसंपत्ति की राशि का हर तुलनपत्र में पुनरीक्षण किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वह आंतरिक अथवा बाह्य कारणोंपर आधारित है. यदि क्षति के कारण कोई नुकसान हुआ हो तो उसका उल्लेख लाभ-हानि के विवरण में किया जाता है बशर्ते कि प्रतिप्राप्ति परिसंपत्ति की आगे लाई गई राशि इसकी अनुमानित प्रतिप्राप्ति राशि से अधिक हो. परिसंपत्ति की प्रतिप्राप्ति राशि का अनुमान इसके शुद्ध उच्चतम विक्रय मूल्य तथा उपयोग में आ रही कीमत से लगाया जाता है. उपयोग में आ रही कीमत का अनुमान लगाते समय भविष्य के अनुमानित रोकड़ प्रवाहों के वर्तमान मूल्य का पूंजी के औसतन मूल्य के अनुसार बट्टा-काटा कर दिया जाता है. हानिकरण के बाद परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवन के अनुसार मूल्यह्रास का प्रावधान कर दिया जाता है. इसके पहले की स्वीकृत हानिकरण/क्षति का परिस्थितियों में परिवर्तन के अनुसार प्रावधान कर दिया जाता है या उसे पीछे ले लिया जाता है.

ड़. विदेशी मुद्रा में किये गये लेन देन

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन देनों का लेखा रिपोर्टिंग मुद्रा की राशि पर लागू लेन देन की तारीख विनिमय दर के आधार पर किया जाता है. सभी मौद्रिक परिसंपत्तियां और देयताएं तुलनपत्र की तारीख के दिन लागू विनिमय दरों के अनुसार पुनर्व्यक्त की जाती हैं. विनिमय दरों में आने वाले अंतर को लाभ अथवा हानि के विवरण में चार्ज/क्रेडिट कर दिया जाता है. गैर मौद्रिक आइट्म्स जो ऐतिहासिक मूल्य के तौर पर विदेशी मुद्रा में प्रदर्शित किये जाते हैं, वे विनिमय की तारीख को चल रहे विनिमय दरों के अनुसार रिपोर्ट किये जाते हैं.

च. संदेहास्पद कर्जों/अग्रिमों/ऋणों के संबंध में प्रावधान

च.1 3 वर्षों से अधिक समय से बकाया गैर-सरकारी/निजी संस्थाओं से व्यापारिक प्राप्तियों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है तथा पूर्ण प्रावधान किया जाता है.

च.2 केंद्र सरकार/राज्य सरकार/स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक उपक्रमों/स्वतंत्र निकायों/अर्ध-सरकारी संस्थाओं (सरकारी) से व्यापार प्राप्तियों के संबंध में, प्रबंधन की राय है कि देय राशि की वसूली में कोई संदेह नहीं है तथा बकाया के किसी भी स्थिति में अशोध्य होने का सवाल ही नहीं उठता और इस तरह ऐसी प्राप्तियों के खिलाफ प्रावधान नहीं किया जाता है सिवाय इसके कि जब मामला मध्यस्थता या न्यायालय में हो या जब सरकार द्वारा इकाई बंद हो, ऐसे मामले में, अंतिम आदेश के अनुसार भत्ता दिया जाता है या केवल तब जब सरकार द्वारा इकाई को बंद कर दिया जाता है.

च.3 3 वर्षों से अधिक समय से बकाया गैर-सरकारी/निजी संस्थाओं से वसूली योग्य ऋणों और अग्रिमों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है तथा पूर्ण भत्ता दिया जाता है.

C.3 Leasehold land is amortized over the period of lease.

C.4 Depreciation in respect of audio–visual technical equipment's under the head Plant and Machinery has been provided on the Straight Line Method.

C.5 Depreciation on Property, plant & equipment is charged upto 95% of capitalized value, retaining the balance 5% as salvage value as per the Act.

C.6 Intangible assets are amortized over the period of 5 years.

C.7 Depreciation has been provided on pro-rata basis from the date of addition/upto the date of sale as the case may be.

C.8 Completed films for which rights have not been sold out are valued at a nominal value of ₹ 1/- each.

D. Impairment of Assets

In accordance with Accounting Standard 28 (AS 28) "Impairment of Assets," where there is an indication of impairment of the Company's assets, the carrying amounts of the Company's assets are reviewed at each balance sheet date to determine whether there is any impairment based on internal/external factors. An impairment loss, if any, is recognized in the Statement of Profit and Loss, wherever the carrying amount of an asset exceeds its estimated recoverable amount. The recoverable amount of the assets is estimated at its net selling price or its value in use, whichever is higher. In assessing the value in use, the estimated future cash flows are discounted to the present value at the weighted average cost of capital. After impairment, depreciation is provided on the revised carrying amount of the assets over its remaining useful life. Previously recognized impairment loss is further provided or reversed depending on changes in circumstances.

E. Foreign Currency Transactions

Transactions in foreign exchange are accounted for at the date of transaction. Foreign currency monetary items of assets & liabilities are reported using exchange rates prevailing at the close of the year and exchange difference arising there from is charged/credited to the Statement of Profit and Loss. Non-monetary items which are carried in terms of historical cost denominated in a foreign currency are reported using the exchange rate at the date of the transaction.

F. Provision for Doubtful debts/Advances/Loans

F1. Trade receivables from non-Government/private entities outstanding for over 3 years are periodically reviewed and full provision is made.

F2. In respect of trade receivables from Central Government/ State Government/Autonomous Bodies/PSUs/Sovereign Bodies/Semi-Government entities (Government), management is of the opinion there is no doubt in recovery of the dues and there is no question of dues becoming bad in any condition and thus provision is not made against such receivables except when the matter is under arbitration or in Court or when the entity is closed by the Government, in such case, allowance is made as per the final order or only when the entity is closed by the Government.

F3. Loans & advances recoverable from non-Government/ private entities outstanding for over 3 years are periodically reviewed and full allowance is made.

च.4 केंद्र सरकार/राज्य सरकार/स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक उपक्रमों/स्वतंत्र निकायों/अर्ध-सरकारी संस्थाओं (सरकारी) द्वारा वसूली योग्य ऋण और अग्रिम को पूरी तरह से वसूली योग्य माना जाता है तथा किसी भी स्थिति में बकाया राशि के अशोध्य होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है तथा इस प्रकार ऐसी ऋणों और अग्रिमों के खिलाफ प्रावधान नहीं किया जाता है सिवाय इसके कि जब मामला मध्यस्थता या न्यायालय में हो या जब सरकार द्वारा इकाई बंद हो, ऐसे मामले में, अंतिम आदेश के अनुसार भत्ता दिया जाता है या केवल तब जब सरकार द्वारा इकाई को बंद कर दिया जाता है.

छ. संपत्ति सूची

छ.1 संपत्ति सूची में डीवीडी शामिल है.

छ.2 सिनेमाज ऑफ इंडिया लेबल के अंतर्गत वीडियो कैसेट्स के स्टॉक तथा डीवीडी का मूल्यांकन लागत के निचले स्तर तथा शुद्ध प्राप्त करने योग्य मूल्य पर किया गया है. लागत का निर्धारण एफआईएफओ पद्धति के अनुरूप किया गया है.

ज. कराधान

चालू करों के लिये प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधान के अंतर्गत अभिस्वीकृत लाभ पर विचार करने के बाद किया जाता है. आस्थगित कर जो खातों तथा करयोग्य लाभ के बीच टाइमिंग डिफरेंस का नतीजा होता है, उसका तुलनपत्र में लेखा बाद में निर्धारित किये गये नियमों तथा कर की दरों अनुरूप कर दिया जाता है. आस्थगित कर संपत्तियां जो हानि को आगे लाये जाने तथा असमाविष्ट मूल्यह्रास से होती हैं उन्हे केवल उस सीमा तक मान्य किया जाता है जहां तक इस बात की वास्तविक सुनिश्चितता होती है कि परिसंपत्ति को भविष्य में वसूल किया जा सकता है.

झ. प्रतिअंश आय

प्रति इक्विटी शेयर की आय (प्रारंभिक/तनूकृत) को इक्विटी अंशधारकों को वर्ष के लिये शुद्ध लाभ एवं हानि (देय करों को घटा कर) में वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभक्त करके आकलित किया जाता है.

ड़. कर्मचारियों के लाभ

1) परिभाषित अंशदान योजना
कंपनी के कर्मचारियों की भविष्य निधि, जो सरकार के भविष्य निधि फंड तथा कार्मिक कल्याण फंड के अंतर्गत संचालित की जाती है, को परिभाषित अंशदान योजना माना जाता है. इन परिभाषित अंशदान योजनाओं में कंपनी द्वारा दे दिये गये अथवा देय अंशदान उस अवधि में, जब कार्मिक संबंधित सेवा में कार्यरत है, लाभ तथा हानि लेखाओं में 'व्यय'के तौर पर मान्य किये गये हैं. उक्त फंड से फायदा पाने वाले को प्रतिवर्ष दिये जाने वाले ब्याज की दर सरकार द्वारा घोषित की जाती है. विनियोग से मिलने वाले मुनाफे और ब्याज दर के बीच अगर कोई अंतर हो तो उस कमी की भरपाई करने का कंपनी पर कोई नैतिक बंधन नहीं है.

2) परिभाषित हितकारी योजना
ग्रेच्युटी अथवा लंबे समय तक मुआवजा प्राप्त अनुपस्थिति जैसी कंपनी की बाध्यताओं को परिभाषित बेनेफिट योजना माना जाता है. इन परिभाषित हितकारी योजनाओं के अंतर्गत इनका वर्तमान मूल्य 'प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट मेथड'के द्वारा 'विशेषज्ञ द्वारा आंके गये मूल्य'के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है जिसमें सेवा की हर अवधि को कार्मिक को लाभ की एक अतिरिक्त यूनिट के हकदार के रूप में मान्य किया जाता है तथा अंतिम अनुग्रह के लिए हर यूनिट को अलग गिना जाता है. हानि तथा लाभ के विवरण में विशेषज्ञ द्वारा आंके गये लाभ अथवा हानि को तुरंत मान्य कर लिया जाता है. कंपनी के अनुग्रहों को अनुमानित भविष्य रोकड़ प्रवाह की वर्तमान कीमत से मापा जाता है जिसमें डिस्काउन्ट की दर का प्रयोग किया जाता है. डिस्काउन्ट की दर का निर्धारण सरकारी प्रतिभूतियों में तुलनपत्र की तारीख में बाजार की अनुकूलता के संदर्भ से किया जाता है.

F4. Loans & advances recoverable from Central Government/ State Government/Autonomous Bodies/PSUs/Sovereign Bodies/Semi-Government entities (Government) are considered as fully recoverable and there is no question of dues becoming the bad in any condition and thus provision is not made against such loans and advances except when the matter is under arbitration or in Court or when the entity is closed by the Government, in such case, allowance is made as per the final order or only when the entity is closed by the Government.

G. Inventories

G.1 Inventories include DVDs.

G.2 Inventory of video-cassettes and DVDs under Cinemas of India label have been valued at lower of cost and net realizable value, cost is determined as per FIFO method.

H. Taxation

Provision for current tax is made after taking into consideration benefit admissible under the provisions of Income Tax Act, 1961. Deferred tax resulting "timing differences" between book and taxable profit is accounted for using the tax rates and laws that have been enacted or substantively enacted as on the balance sheet date. Deferred tax asset is recognized and carried forward only to the extent that there is a virtual certainty that the asset will be realized in future.

I. Earning Per Share

Earning per equity share (Basic/Diluted) is calculated by dividing the Net Profit or Loss for the year attributable to Equity Shareholders (after deducting attributable taxes) by the weighted average number of Equity Shares outstanding during the year.

J. Employee Benefits

1) Defined Contribution Plan
The Company's Employee's Provident Fund administered through Government Provident Fund and Labour Welfare Fund are considered as Defined Contribution Plans. The Company's contributions paid/payable towards these defined contributions plan are recognized as expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service. The interest rate payable by the said funds to the beneficiaries every year is being notified by the Government. The Company has no obligation to make good the shortfall, if any between the return from the investment and the interest rate.

2) Defined Benefit Plan
Company's liabilities towards gratuity, long term compensated absences are considered as Defined Benefit Plans. The present value of the obligations under such Defined Benefit Plans are determined based on actuarial valuation using the projected unit credit method, which recognizes each period of service as giving rise to an additional unit of employee benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation. Actuarial gains and losses are recognized immediately in the Statement of Profit and Loss. The obligation is measured at the present value of estimated future cash flows using a discount rate that is determined by reference to market yields at the balance sheet date on Government securities.

त. पट्टे

संचालित पट्टे के अंतर्गत पट्टों के भुगतान को लाभ तथा हानि के विवरण में पट्टे की शर्तों पर सीधी रेखा के आधार पर मान्य किया जाता है

थ. प्रावधानो तथा आकस्मिक देयताएं

प्रावधानो वे देयताएं हैं जिन्हें जिन्हें सिर्फ विशिष्ट अनुमान स्तर को प्रयुक्त करके आंका जा सकता है. उन्हें हर एक तुलनपत्र की दिनांक पर दर्शाया जाता है तथा चालू प्रबंधन आकलन पर परावर्तित करके समायोजित किया जाता है. आकस्मिक देयताएं उपयुक्त अनुगृहीत मामलों में प्रकट हो सकती हैं जहां संसाधन की गति की संभावना निश्चित नहीं है अथवा दायित्व राशि का विश्वसनीय आकलन बनाया नहीं गया है.

K. Leases

Lease transactions under operating lease are recognized as an expense or Income in the Statement of Profit and Loss on a straight-line basis over the lease term.

L. Provisions and Contingencies

Provisions are liabilities that can be measured only by using substantial degree of estimation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current management estimates. Contingent liability is disclosed in case of possible obligation where the probability of outflow of resources is not certain or where reliable estimate of the amount of obligation cannot be made.

टिप्पणी – 3. शेयर पूंजी

Note – 3. Share Capital

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022		31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021	
		संख्या Number	राशि Amount	संख्या Number	राशि Amount
प्राधिकृत	**Authorised**				
प्रत्येक 100 प्रति के इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100/-each	45,40,000	4,540.00	45,40,000	4,540.00
निर्गमित	**Issued**				
प्रत्येक 100 प्रति के इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100/- each	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
अनुमोदित और प्रदत्त	**Subscribed & Paid up**				
प्रत्येक 100 प्रति के प्रदत्त इक्विटी शेयर्स	Equity Shares of 100 each fully Paid	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
कुल	**Total**	**45,39,985**	**4,539.99**	**45,39,985**	**4,539.99**

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31.03.2022 को इक्विटी शेयर्स Equity Shares as on 31.03.2022		31.03.2021 को इक्विटी शेयर्स Equity Shares as on 31.03.2021	
		संख्या Number	राशि Amount	संख्या Number	राशि Amount
वर्ष के प्रारम्भ में बकाया शेयर्स	Shares outstanding at the beginning of the year	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99
वर्ष के दौरान आबंटन	Allotment during the year	–	–	–	–
वर्ष के अंत में बकाया शेयर्स	Shares outstanding at the end of the year	45,39,985	4,539.99	45,39,985	4,539.99

5% से ज्यादा अंशधारकों का विवरण **Details of Shareholders holdng more than 5% of shareholding**

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022		31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021	
		शेयर धारित सं. No. of Shares held	धारक का प्रतिशत % of Holding	शेयर धारित संख्या No. of Shares held	धारक का प्रतिशत % of Holding
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	"President of India through Secretary Minstry of I&B, New Delhi"	45,39,983	99.999956%	45,39,983	99.999956%

इक्विटी शेयर्स से संलग्न शर्तें/अधिकार

कम्पनी के पास प्रत्येक ₹ 100/- शेयर्स के सिर्फ एक श्रेणी के इक्विटी शेयर्स है. कम्पनी द्वारा भारती रूपयों में लाभांश की घोषणा तथा भुगतान किया जाता है.

Terms/Rights attached to Equity Shares

The Company has only one class of equity shares having par value of ₹ 100/- per share. The Company declare and pays dividend in Indian Rupees.

प्रमोटर की शेयरधारिता का विवरण
31 मार्च 2022 तक प्रमोटरों के शेयर

Details of Shareholding of Promoter's
Shares held by promoters as at 31 March 2022

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	शेयर धारित संख्या No. of Shares	कुल शेयरों का% % of Total Shares	"% वर्ष के दौरान परिवर्तन" "% Change during the Year"
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	President of India through Secretary Minstry of I&B, New Delhi	45,39,983	99.999956%	0.00%
प्रबंध निदेशक	Managing Director	1	0.00%	0.00%
संयुक्त सचिव (फिल्म्स)	Joint Secretary (Films)	1	0.00%	0.00%

31 मार्च 2021 तक प्रमोटरों के शेयर

Shares held by promoters as at 31 March 2021

अंशधारक का नाम	Name of Shareholder	शेयर धारित संख्या No. of Shares	कुल शेयरों का% % of Total Shares	"% वर्ष के दौरान परिवर्तन" "% Change during the Year"
"सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम भारत के राष्ट्रपति"	President of India through Secretary Ministry of I&B, New Delhi	45,39,983	99.999956%	0.00%
प्रबंध निदेशक	Managing Director	1	0.00%	0.00%
संयुक्त सचिव (फिल्म्स)	Joint Secretary (Films)	1	0.00%	0.00%

टिप्पणी – 4. संचय और अधिशेष

Note 4. – Reserves And Surplus

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
क. पूंजीगत संचय	a. Capital Reserves	0.22	0.22
ख. अन्य संचय	b. Other Reserves		
विशेष संचय (निर्यात)	Special Reserve (Exports)	2.11	2.11
ग. अधिशेष	c. Surplus		
गत वित्तीय विवरण के अनुसार शेष	Balance as Per last financial statement	(1,692.71)	(1,756.79)
जोडिए – शुध्द लाभ/(शुध्द हानि) चालू वर्ष के लिए	Add – Net Profit/(Net Loss) for the current year	(673.99)	64.08
अंतिम शेष	Closing Balance	(2,366.70)	(1,692.71)
कुल	**Total**	**(2,364.37)**	**(1,690.38)**

टिप्पणी – 5. अन्य दीर्घकालिक देयताएं Note 5. – Other Long Term Liabilities

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अग्रिम (संदर्भ टिप्पणी संख्या - 29)	**Advance received from Ministry of Information and Broadcasting (Refer Note – 29)**		
फिल्म निर्माण के लिए	For Film Production	1,100.78	1,391.48
घटाईये – क्षेत्रीय फिल्मों की सूची	Less – Inventory of Regional Film	100.16	197.66
फिल्म निर्माण के लिए आबंटित शेष	As allocated for Film Production	1,000.62	1,193.82
फिल्म बंगबंधु के लिए अग्रिम प्राप्त	Advance received for Film Bangabandhu		
सूचना और प्रसारण मंत्रालय (भारत) से अग्रिम प्राप्त	Advance received from Ministry of Information and Broadcasting (India)	3,737.70	2,226.00
फिल्म विकास निगम (बांग्लादेश) से अग्रिम प्राप्त	Advance received from Film Development Corporation (Bangladesh)	1,784.25	1,784.25
घटाइयें - फिल्म बंगबंधु की सम्पत्ति सूची	Less – Inventory of Film Bangabandhu	4,026.68	2,297.73
फिल्म निर्माण के लिए आबंटित के रूप में	As allocated for Film Production	1,495.27	1,712.52
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफीस के लिए	For Film Facilitation Office	105.05	367.45
अमानतें प्राप्त	Deposits Received	75.15	65.36
कुल	**Total**	**2,676.09**	**3,339.15**

टिप्पणी – 6. दीर्घकालिक प्रावधान Note 6. – Long Term Provisions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	**Provision for Employee Benefits**		
उपदान	Gratuity	438.72	437.91
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	326.79	300.49
कुल	**Total**	**765.51**	**738.40**

टिप्पणी – 7. व्यापारिक देय 31.03.2022 तक Note 7. – Trade Payable as on 31.03.2022

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	एक वर्ष से कम Less than 1 year	1 - 2 वर्ष 1 - 2 years	2 - 3 वर्ष 2 - 3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	कुल Total
(i)	एमएसएमई	MSME	1,127.95	25.18	18.09	193.78	1,365.00
(ii)	अन्य	Others	1,171.61	20.57	208.20	2,270.07	3,670.45
(iii)	विवादित देय एमएसएमई	Disputes dues - MSME	–	–	–	–	–
(iv)	अन्य विवादित देय	Disputes dues - others	–	–	–	–	–
	कुल	**Total**	**2,299.56**	**45.75**	**226.29**	**2,463.85**	**5,035.45**

व्यापारिक देय 31.03.2021 तक — Trade Payable as on 31.03.2021

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	एक वर्ष से कम Less than 1 year	1 - 2 वर्ष 1 - 2 years	2 - 3 वर्ष 2 - 3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	कुल Total
(i)	एमएसएमई	MSME	953.05	12.19	15.85	182.12	1,163.21
(ii)	अन्य	Others	1,202.59	246.13	337.97	2,079.27	3,865.96
(iii)	विवादित देय एमएसएमई	Disputes dues - MSME	–	–	–	–	–
(iv)	अन्य विवादित देय	Disputes dues - others	–	–	–	–	–
	कुल		**2,155.64**	**258.32**	**353.82**	**2,261.39**	**5,029.17**

टिप्पणी – 8. अन्य चालू देयताएं — Note 8. – Other Current Liabilities

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	Advance from Customers	3,255.65	4,025.31
निर्माण के लिए अग्रिम	Advance for Production	2,433.05	2,674.72
अन्य अग्रिम	Others Advances	50.57	51.72
सांविधिक देय	Statutory Dues	102.75	309.49
अन्य देयताएं	Other Liabilities	166.35	166.65
कुल	**Total**	**6,008.37**	**7,227.89**

टिप्पणी – 9. अल्पावधिक प्रावधान — Note 9. – Short Term Provisions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
(क) कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	**(a) Provision for Employee Benefits**		
उपदान	Gratuity	36.01	33.90
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	66.63	49.13
(ख) कराधान के लिए प्रावधान	**(b) Provision for Taxation**		
आय कर के लिए	For Income Tax	44.10	44.10
कुल	**Total**	**146.74**	**127.13**

टिप्पणी – 10. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अवास्तविक परिसम्पत्तियां Note 10. – Property, Plant And Equipment And Intangible Assets

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	सकल सम्पत्ति (लागत में)			Gross Block [At Cost]		मूल्य-ह्रास			Depreciation		शुध्द सम्पत्ति	Net Block
			01.04.2021 को	वृध्दियां	आंतर युनिट/ प्रमुख स्थानांतरण	कटौतियां	31.03.2022 को	01.04.2021 तक	आंतर युनिट/ प्रमुख स्थानांतरण	कटौतियां	वर्ष के लिए	31.03.2022 तक कुल	31.03.2022 को	31.03.2021 को
			As At 01.04.2021	Addition	Inter Unit/ Head Transfer	Deduction	As At 31.03.2022	Upto 01.04.2021	Inter Unit/ Head Transfer	Deduction	For The Year	Total Upto 31.03.2022	As At 31.03.2022	As At 31.03.2021
A	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	Property, Plant And Equipment												
1	पट्टेपर भूमी	Leasehold Land	1.38	–	–	–	1.38	0.57	–	–	0.01	0.58	0.80	0.81
2	इमारत	Building	365.56	–	–	–	365.56	208.52	–	–	14.04	222.56	143.00	157.04
3	कार्यालय उपकरण	Office Equipments	180.23	0.92	–	0.64	180.51	164.77	–	0.53	4.13	168.37	12.14	15.46
4	संयत्र तथा मशीनरी	Plant & Machinery	397.85	0.84	–	–	398.69	314.15	–	–	15.80	329.95	68.74	83.70
5	कम्प्यूटर्स	Computers	161.46	2.60	–	5.98	158.08	150.62	–	5.68	3.77	148.71	9.37	10.84
6	सज्जा सामग्री और उपस्कर	Furniture & Fixture	439.89	0.83	–	0.89	439.83	387.59	–	0.85	10.59	397.33	42.50	52.30
7	वाहन	Vehicles	34.85	–	–	–	34.85	31.12	–	–	0.91	32.03	2.82	3.73
8	इलेक्ट्रिकल फिटिंग	Electrical Fittings	76.59	0.76	–	–	77.35	63.57	–	–	3.46	67.03	10.32	13.02
9	अस्थायी संरचना	Temporary Structure	0.97	–	–	0.97	–	0.97	–	0.97	–	–	–	–
10	पदक	Medals	0.01	–	–	–	0.01	–	–	–	–	–	0.01	0.01
	कुल	**Total**	**1,658.79**	**5.95**	**–**	**8.48**	**1,656.26**	**1,321.88**	**–**	**8.03**	**52.71**	**1,366.56**	**289.70**	**336.91**
B	**अवास्तविक परिसम्पत्ति**	Intangible Asset												
1	फिल्म अधिकार	Film Rights	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2	सॉफ्टवेयर	Software	66.71	–	–	–	66.71	52.61	–	–	9.38	61.99	4.72	14.10
	कुल	Total	66.71	–	–	–	66.71	52.61	–	–	9.38	61.99	4.72	14.10
C	**पूंजी डब्ल्यूआईपी**	Capital Wip	38.28	–	–	38.28	–	–	–	–	–	–	–	38.28
	विकास के तहत अवास्तविक परिसम्पत्तियां	Intangible Asset Under Development	–	2.21	–	–	2.21	–	–	–	–	–	2.21	–
	कुल	**Total**	**1,763.78**	**8.16**	**–**	**46.76**	**1,725.18**	**1,374.49**	**–**	**8.03**	**62.09**	**1,428.55**	**296.63**	**389.29**
	गत वर्ष कुल	**Previous Year**	**1,748.68**	**15.85**	**–**	**0.75**	**1,763.77**	**1,293.52**	**–**	**0.66**	**81.63**	**1,374.49**	**389.28**	**455.16**

(i) डेवलपमेंट एजिंग शेड्यूल के तहत अवास्तविक संपत्ति 2021-22 की अवधि के लिए विकास के तहत अवास्तविक संपत्ति में राशि

(i) Intangible Assets under development ageing schedule Amount in Intangible Asset under Development for a period of 2021-22

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	एक वर्ष से कम Less than 1 year	1 - 2 वर्ष 1 - 2 years	2 - 3 वर्ष 2 - 3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	कुल Total
सॉफ्टवेयर विकास*	Software Development*	2.21	–	–	–	2.21
कुल	**Total**	**2.21**	**–**	**–**	**–**	**2.21**

* परियोजना अगले वर्ष (2022-23) तक पूरी होने की आशा है

* Project is expected to be completed by next year (2022-23)

टिप्पणी – 11. दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम

Note 11. – Long Term Loans And Advances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022		31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021	
1) फिल्मों के निर्माण के लिए ऋण	**1) Loans for Production of Films**				
संदिग्ध	Doubtful	144.03		144.03	
घटाइएं – संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	Less – Provision for doubtful loans	144.03	–	144.03	–
2) सिनेमागृह के निर्माण के लिए ऋण	**2) Loans for Construction of Theatres**				
संदिग्ध	Doubtful	2.99		2.99	
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for doubtful loans	2.99	–	2.99	–
कुल	**Total**		**–**		**–**

टिप्पणी – 12. अन्य गैर चालू परिसम्पत्तियां

Note 12. – Other Non Current Assets

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022		31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021	
1) अमानते	**1) Deposits**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	117.58		114.43	
संदिग्ध	Considered Doubtful	0.31		0.31	
घटाइएं – संदिग्ध अमानतों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Deposits	0.31	117.58	0.31	114.43
कुल	**Total**		**117.58**		**114.43**

टिप्पणी – 13. सम्पत्ति सूची

Note 13. – Inventories

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
तैयार सामान	**Finished Goods**		
डीवीडी का स्टॉक	Stock of DVD	0.33	12.48
कुल	**Total**	**0.33**	**12.48**

टिप्पणी – 14. 31.03.2022 को व्यापारिक प्राप्य Note 14. – Trade Receivable as at 31.03.2022

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	Particulars	Less Than 6 months	6 months to 1 year	1 – 2 Years	2 – 3 Years	More Than 3 Years	Total Amount
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(i) Undisputed Trade Receivables – Considered Good	1,629.25	63.67	89.00	141.08	4,317.51	6,240.51
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(ii) Undisputed Trade Receivables – Considered Doubtful	–	–	–	–	–	–
(iii) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iii) Disputed Trade Receivables – Considered good	–	–	–	–	–	–
(iv) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iv) Disputed Trade Receivables – Considered Doubtful	–	–	–	–	1,994.55	1,994.55
कुल	**Total**	**1,629.25**	**63.67**	**89.00**	**141.08**	**6,312.06**	**8,235.06**
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Debts						1,994.55
शुद्ध व्यापारिक प्राप्य	**Net Trade Receivable**						**6,240.51**

जैसे की संग्रहण की नियत तारीख परिभाषित नही की है इसलिए बिल की तारीख को नियत तिथि माना गया है.

As the due date of collection has not been defined hence bill date is considered as due date.

31.03.2021 को व्यापारिक प्राप्य Trade Receivable as at 31.03.2021

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	Particulars	Less Than 6 months	6 months to 1 year	1 - 2 Years	2 - 3 Years	More Than 3 Years	Total Amount
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(i) Undisputed Trade Receivables - Considered Good	1,480.58	50.72	160.19	649.78	3,774.72	6,115.99
(i) अविवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(ii) Undisputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	–	–
(iii) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iii) Disputed Trade Receivables - Considered good	–	–	–	–	–	–
(iv) विवादित व्यापारिक प्राप्य – असंदिग्ध	(iv) Disputed Trade Receivables - Considered Doubtful	–	–	–	–	1,995.68	1,995.68
कुल	**Total**	**1,480.58**	**50.72**	**160.19**	**649.78**	**5,770.40**	**8,111.67**
घटाइएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Debts						1,995.68
शुद्ध व्यापारिक प्राप्य	**Net Trade Receivable**						**6,115.99**

जैसे की संग्रहण की नियत तारीख परिभाषित नही की है इसलिए बिल की तारीख को नियत तिथि माना गया है.

As the due date of collection has not been defined hence bill date is considered as due date.

टिप्पणी – 15. रोकड तथा रोकड़ प्रवाह Note 15. – Cash And Bank Balances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021
1. रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	**A. Cash and Cash Equivalent**		
क) बैंक में शेष	a) Balances with Banks		
(i) चालू खाते में	(i) Current Account	1,487.04	1,358.49
(ii) मूल परिपक्वता के साथ 3 महिनों से कम की सावधि जमा पूंजी.	(ii) Term Deposits with original maturity of less than 3 months	388.07	2,492.13
ख) रोकड़ बाकी	b) Cash on Hand	0.93	1.07
		1,876.04	**3,851.69**
2. अन्य बैंक शेष	**B. Other Bank Balance**		
(i) मूल परिपक्वता के साथ 3 महिनों से अधिक की सावधि जमा पूंजी.12 महिनों से कम	(i) Term Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	475.40	1,212.49
(ii) मूल परिपक्वता के साथ 12 महिनों से अधिक की सावधि जमा पूंजी.	(ii) Term Deposits with maturity for more than 12 months	268.88	346.05
(iii) बैंक गारंटी के सामने मार्जिन राशि के रूप में रखे अवधि जमा	(iii) Term Deposits held as margin money against bank guarantee.	236.21	216.42
		980.49	1,774.96
कुल	**Total**	**2,856.53**	**5,626.65**

टिप्पणी – 16. अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम Note 16. – Short Term Loans And Advances

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31 March 2022		31 मार्च 2021 को As at 31 March 2021	
1) कर्मचारियों के लिए ऋण एवं अग्रिम	**1) Loans and advances to Staff**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	0.72	0.72	0.76	0.76
2) नगद या वस्तुरूप में प्राप्य मूल्य के रूप में वसूली योग्य अग्रिम	**2) Advances recoverable in cash or kind for value to be received**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	1,230.58		1,198.66	
संदिग्ध	Considered Doubtful	12.18		12.18	
घटाईएं – संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Less – Provision for Doubtful Loans	12.18	1,230.58	12.18	1,198.66
सेवा कर प्राप्य/जीएसटी	Service Tax Receivable/GST	4,006.48		3,805.55	
जीएसटी प्राप्य पर टीडीएस	TDS on GST Receivable	42.13		12.90	
कर का अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Tax	827.52	4,876.13	458.43	4,276.88
3) स्वकीय फिल्मों के लिए अग्रिम	**3) Advances for Own Production of Films**				
अप्रतिभूत, असंदिग्ध	Unsecured, Considered Good	184.97	184.97	565.61	565.61
कुल	**Total**		**6,292.40**		**6,041.91**

टिप्पणी – 17. अन्य चालू परिसम्पत्तियां / Note 17. – Other Current Assets

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को / As at 31 March 2022	31 मार्च 2021 को / As at 31 March 2021
स्थायी जमा पर उपार्जित व्याज	Interest Accured on Fixed Deposit	22.16	28.96
कुल	**Total**	**22.16**	**28.96**

टिप्पणी – 18. प्रचलन से आय / Note 18. – Revenue From Operation

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22 / Year 2021-22		वर्ष 2020-21 / Year 2020-21	
फीचर फिल्म निर्माण	Feature Film Production		342.06		–
गैर फीचर फिल्म निर्माण	Non Feature Film Production		4,828.04		2,908.74
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस	Film Facilitation Office		215.41		209.91
मीडिया कैपेन	Media Campaign		425.99		1,183.43
सोशल मीडिया	Social Media		444.12		371.99
फिल्मों का वितरण	**Distribution of Films**				
विदेशी	Overseas	118.11		36.60	
घरेलू	Domestic	86.16	204.27	190.53	227.13
सेवा परियोजनाएं	**Service Projects**				
कार्यशाला/बाजार/फिल्म बाजार	Workshop/Market/Film Bazaar		240.66		221.67
प्रशिक्षण/कार्यशाला	Training/Workshop		108.48		44.10
समारोह	Festivals		23.26		65.44
उपशीर्षक	Sub-titling		0.64		–
व्यापारिक आय	Merchandise Income		3.92		–
पूर्व दर्शन प्रेक्षागार	Preview Theatre		50.17		31.88
कुल	**Total**		**6,887.02**		**5,264.29**

टिप्पणी – 19. अन्य आय / Note 19. – Other Income

₹ लाखो में / ₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22 / Year 2021-22	वर्ष 2020-21 / Year 2020-21
कार्यालय भवनों का किराया	Rent from Office Premises	171.26	171.76
बैंक स्थायी जमाराशि पर व्याज	Interest on Bank Fixed Deposit	90.56	822.08
बैंको की संचित धन पर व्याज	Interest on Savings Bank	67.22	80.09
टीडीएस रिफंड पर ब्याज	Interest on TDS Refund	–	73.18
सेवा कर जमा पर ब्याज	Interest on Service Tax Deposit	2.43	–
पैनल शुल्क	Empanelment Fee	8.46	–
स्क्रिप्ट के प्रसंस्करण शुल्क	Processing charges of script	21.77	–
विविध आय	Miscellaneous Income	19.00	5.03
परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ	Profit on Sale of Assets	0.06	–
विदेशी मुद्रा के उतार चढाव पर लाभ	Profit on Foreign Exchange Fluctuation	–	0.20
जमा शेष वापिस	Credit Balances written back	10.66	11.31
प्रावधानों वापिस	Provision written back	1.13	10.09
कुल	**Total**	**392.55**	**1,173.74**

टिप्पणी – 20. प्रचलित व्यय Note 20. – Operating Expenditure

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22 Year 2021-22		वर्ष 2020-21 Year 2020-21	
फीचर फिल्म निर्माण	Feature Film Production		310.96		–
गैर फीचर फिल्म निर्माण	Non Feature Film Production		4,512.19		2,510.70
फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस	Film Facilitation Office		201.32		195.76
मीडिया कैम्पेन	Media Campaign		425.99		1,183.43
सोशल मीडिया	Social Media		414.62		344.42
फिल्मों का वितरण	**Distribution of Films**				
विदेशी	Overseas	2.48		17.01	
घरेलू	Domestic	46.39	48.87	101.36	118.37
सेवा परियोजनाएं	**Service Projects**				
कार्यशाला/बाजार/फिल्म बाजार	Workshop/Market/Film Bazaar		219.96		221.67
प्रशिक्षण एवं विकास	Training & Development		27.14		7.59
समारोह	Festivals		41.89		58.80
उपशीर्षक	Sub-titling		0.36		–
व्यापारिक व्यय	Merchandise Expenses		3.02		–
पूर्व दर्शन प्रेक्षागार	Preview Theatre		24.79		22.53
कुल	**Total**		**6,231.11**		**4,663.27**

टिप्पणी – 21. सम्पत्ति सूची में (वृध्दि)/कमी Note 21. – (Increase)/Decrease In Inventories

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2020-21 Year 2021-22	वर्ष 2019-20 Year 2020-21	(वृध्दि)/कमी वर्ष 2020-21 (Increase)/ Decrease Year 2021-22	(वृध्दि)/कमी वर्ष 2019-20 (Increase)/ Decrease Year 2020-21
डीवीडी का स्टॉक	Stock of DVD	0.33	12.48	12.15	(2.91)
कुल	**Total**	**0.33**	**12.48**	**12.15**	**(2.91)**

टिप्पणी – 22. कार्मिक लाभ व्यय Note – 22. Employee Benefit Expenses

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22 Year 2021-22	वर्ष 2020-21 Year 2020-21
वेतन, भत्ते और बोनस	Salaries, Wages and Bonus	613.97	606.78
भविष्य निधियों में अंशदान	Contributions to Provident Fund	51.90	51.85
अन्य निधियों में अंशदान	Contributions to Other Fund	0.53	0.52
छुट्टी का भुगतान	Leave Encashment	70.08	32.01
उपदान	Gratuity	65.50	37.52
मेडीकल व्यय	Medical Expenses	26.23	58.26
कुल	**Total**	**828.21**	**786.94**

टिप्पणी – 23. अन्य व्यय

Note – 23. Other Expenses

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22	वर्ष 2020-21
		Year 2021–22	Year 2020–21
विज्ञापन और प्रसार	Advertisement and Publicity	–	0.13
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	Auditors Remuneration	5.50	5.50
बैंक प्रभार	Bank Charges	0.40	1.97
ब्रोकरेज और कमीशन	Brokerage and Commission	1.78	–
कैपिटल डब्ल्यूआईपी बट्टे खाते में	Capital WIP written off	38.28	–
निदेशकों का यात्रा व्यय	Director's Travelling Expenses	4.28	0.27
डोनेशन	Donation	–	0.36
बिजली प्रभार	Electricity Charges	18.47	23.12
बीमा	Insurance	4.51	2.80
टीडीएस तथा सेवा करों पर ब्याज	Interest on TDS and Service Tax	1.66	0.73
विधि व्यय	Legal Expenses	10.14	3.79
परिसम्पत्ति के बिक्री पर हानि	Loss on Sale of Assets	–	0.07
विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर हानि	Loss on Foreign Exchange Fluctuation	1.83	–
कार्यालयीन सामान्य व्यय	Office General Expenses	35.54	31.47
डाक, तार, टैलेक्स और टेलिफोन व्यय	Postage,Telgrams, Telex and Telephone Expenses	12.24	13.25
छपाई और लेखन सामग्री	Printing & Stationery	7.11	4.99
श्रमशक्ति शुल्क	Manpower Charges	226.67	293.63
कार्यालयीन सामान्य व्यय	Professional Charges	132.67	183.26
संदिग्ध ऋणों/ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loan/Advance	–	3.96
पूर्व कालिन व्यय	Prior Period Expenses	28.84	7.97
दरों एवं करों	Rates & Taxes	15.65	15.52
भर्ती व्यय	Recruiting Exp	1.25	3.00
किराया भुगतान	Rent Paid	120.05	113.37
मरम्मत और अनुरक्षण	Repairs & Maintenance	48.39	34.83
सुरक्षा सेवा प्रभार	Security Srevices Charges	33.39	32.94
कार्मिक कल्याण व्यय	Staff Welfare Expenses	3.55	3.16
स्वच्छता कार्य योजना व्यय	Swachhta Action Plan Expenses	38.91	34.74
यात्रा और स्थानिक यात्रा व्यय	Travelling and Local Conveyance Expenses	28.89	14.04
कुल	**Total**	**820.00**	**828.87**

टिप्पणी – 24. वित्तीय लागत

Note – 24. Finance Cost

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	वर्ष 2021-22	वर्ष 2020-21
		Year 2021-22	Year 2020-21
ब्याज व्यय	Interest Expense	–	1.18
कुल	**Total**	**–**	**1.18**

टिप्पणी – 25. आकस्मिक देयताओं के लिए प्रावधान नहीं किया गया –

Note – 25. Contingent Liabilities not provided for –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
1.	निगम विरूध्द दावा ऋण की वजह से मान्य नही किये गये	Claims against the company not acknowledged as debt;	828.65	236.21
2.	गारंटी;	Guarantees;	180.95	787.79
3.	अन्य धन जिसके लिए कंपनी आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	Other money for which the company is contingently liable	216.42	28.70
	कुल	Total	**1,245.81**	**1,032.91**

टिप्पणी – 26.

विविध देनदारों, ऋण एवं अग्रिमों, जमानतों तथा चालू देयताओं और कुछ शेष पिछले कुछ वर्षों से चले आ रहे है, के लेखाओं के शेष का पुष्टिकरण तथा समंजन के उपरांत आई राशि, यदि कोई हो, और उसका वित्तीय विवरणों पर यदि कोई प्रभाव हो तो इसका अभिनिश्चयन नहीं किया जा सकता.

Note – 26.

The balances in Sundry Debtors, Loans and Advances, Deposits and Current Liabilities including outstanding balances since last few years are subject to confirmation and consequential adjustment, if any on reconciliation. The financial impact, if any, is unascertainable.

टिप्पणी – 27.1. अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान

वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिये ₹ कुछ नहीं (पिछले वर्ष ₹ 3.96 लाख) के विविध देनदारों तथा ऋण एवं अग्रिमों का प्रावधान किया गया है. वर्ष के दौरान किये गये 'कुछ नहीं (पिछले वर्ष 'कुछ नहीं) के प्रावधान को बुरे तथा संदिग्ध ऋणों के लिये काम में ले लिया गया. वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाले गये अशोध्य ऋण 'कुछ नहीं (पिछले वर्ष 'कुछ नहीं) है वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधान जो वर्ष के दौरान बट्टा काटा किये गये ₹ 1.13 लाख (पिछले वर्ष 'कुछ नहीं).

Note – 27.1 Provision for Bad and Doubtful Debts

During the year provision for bad and doubtful debts of ₹ NIL (Previous year ₹ 3.96 lakhs) has been made towards Sundry Debtors. Provision of ₹ NIL (Previous year ₹ NIL) towards bad and doubtful debts has been utilized for the bad debts during the year. Bad debts written off during the year is ₹ NIL (Previous year ₹ NIL). Excess provision of doubtful debtors written back during the year ₹ 1.13 lakhs (Previous year ₹ NIL).

टिप्पणी – 27.2. मैडल्स का स्टॉक नाममात्र कीमत पर बरकरार रखा गया.

मेडल्स का स्टॉक प्रति मेडल ₹1 के नाममात्र मूल्य पर दर्शाया गया. इन मेडल्स का नाममात्र मूल्य स्थाई परिसंपत्तियों के शिड्यूल में दर्शाया गया है.

Note – 27.2 Stock of Medals retained at nominal value.

Stock of Medals is disclosed at nominal values of ₹ 1/- each. The nominal value of these Medals is disclosed in Property, plant & equipment Schedule.

टिप्पणी – 27.3. क्रेडिट बैलेंस का रिटर्न बॅक

कम्पनी के प्रबंधन ने उन मामलों में क्रेडिट बैलेंस वापस करने का निर्णय किया जहां से लेनदारी की कोई उम्मीद नहीं थी. इसी के अनुरूप वर्ष के दौरान लेनदार की राशि ₹ 10.66 लाख (पिछले वर्ष ₹ 11.31 लाख) रिटर्न बॅक कर दिये गये.

Note – 27.3 Credit Balances Written Back

The management of the Company has decided to write back credit balances in cases where there is no likelihood of liability arising. Accordingly during the year credit balance amounting to ₹ 10.66 lakhs (Previous year ₹ 11.31 lakhs) have been written back.

टिप्पणी – 28. कार्मिक लाभ

प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट का उपयोग करते हुए एक्यूएरियल वेल्यूएशन के आधार पर वेल्युएशन

Note – 28. Employee Benefits

Valued as per Actuarial valuation using Projected Unit Credit Method

(i) लाभ तथा हानि के विवरण में दिये गये मान्य खर्च

(i) Expense recognized in the Statement of Profit & Loss.

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2021	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2021
		Gratuity (Funded) March 31, 2022	Gratuity (Funded) March 31, 2021	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2021
चालू सेवा लागत	Current Service Cost	14.25	15.20	11.92	13.38
व्याज लागत	Interest Cost	30.62	34.32	22.69	24.33
कुल बीमांकिक (वृध्दि)/हानियां	Net Actuarial (Gains)/Losses	20.63	(12.00)	35.47	(5.71)
विगत सेवा लागत – अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त निहित लाभ	Past Service Cost – Vested Benefit Recognised during the period	–	–	–	–
कुल	Total	**65.50**	**37.52**	**70.08**	**32.00**

(ii) शुद्ध परिसंपत्तियां/(देनदारियां) जैसी बैलेंस शीट में दर्शाई गई हैं (ii) Net Assets/(Liability) recognized in the Balance Sheet

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2021	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2021
		Gratuity (Funded) March 31, 2022	Gratuity (Funded) March 31, 2021	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2021
निर्धारित दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present Value of Defined Obligation	(506.56)	(480.28)	(393.41)	(349.61)
योजना परिसम्पत्तियां का शुध्द मूल्य	Fair Value of Plan Assets	31.83	8.47	–	–
वित्तपोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	Funded Status [Surplus/(Deficit)]	(4.75)	(471.81)	(393.41)	(349.61)
शुध्द परिसम्पत्ति/(देयताएं)	**Net Asset/(Liability)**	**(4.75)**	**(471.81)**	**(393.41)**	**(349.61)**

(iii) वर्ष के दौरान बाध्यताओं में परिवर्तन (iii) Change in Obligation during the year

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2021	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2021
		Gratuity (Funded) March 31, 2022	Gratuity (Funded) March 31, 2021	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2021
वर्ष के प्रारम्भ में निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present Value of the Defined Benefit Obligation at the beginning of the Year	480.28	546.92	349.61	369.23
चालू सेवा लागत	Current Service Cost	14.25	15.20	11.92	13.38
व्याज लागत	Interest Cost	31.17	36.04	22.69	24.33
विगत सेवा लागत – अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त निहित लाभ	Past Service Cost – Vested Benefit incurred during the period	–	–	–	–
देयताएं हस्तांतरित/अधिग्रहण	Liability transferred in/ acquisitions	–	–	–	–
देयताएं स्थानांतरित/विनिवेश	Liability Transferred out/ Divestment)	–	–	–	–
बीमांकिक (लाभ)/हानियां	Actuarial (Gains)/Losses	20.83	(12.11)	35.47	(5.71)
लाभ भुगतान	Benefit Payments	(39.97)	(105.76)	(26.28)	(51.62)
वर्ष के अंत में निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	**Present Value of the Defined Benefit obligation at the end of the year**	**506.56**	**480.28**	**393.41**	**349.61**

(iv) वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों में परिवर्तन

(iv) Change in Assets during the year

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2021	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2021
		Gratuity (Funded) March 31, 2022	Gratuity (Funded) March 31, 2021	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2021
वर्ष के प्रारम्भ में योजित परिसम्पत्तियों का शुध्द मूल्य योजना	Fair Value of Plan Assets at the beginning of the Year	8.47	26.10	–	–
परिसम्पत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न	Expected Return on Plan Assets	0.55	1.72	–	–
नियोक्ता द्वारा अंशदान	Contribution by Employer	35.78	67.70	–	–
परिसम्पत्तियां स्थानांतरित/ अधिग्रहण	Assets Transferred In/ Acquisitions	–	–	–	–
प्रदत्त वास्तविक लाभ	Actual Benefits Paid	(13.17)	(86.93)	–	–
योजना परिसम्पत्ति पर बीमांकित लाभ/(हानियां)	Actuarial Gains/(Losses) on Plan Assets	0.20	(0.11)	–	–
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का शुध्द मूल्य	**Fair Value of Plan Assets at the year end**	**31.83**	**8.47**	**–**	**–**

(v) वस्तुतः पूर्वानुमान

(v) Actuarial Assumptions

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Description	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2022	उपदान (निधि द्वारा) मार्च 31, 2021	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2022	छुट्टी का भुगतान (निधि द्वारा नहीं) मार्च 31, 2021
		Gratuity (Funded) March 31, 2022	Gratuity (Funded) March 31, 2021	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2022	Leave Encashment (Unfunded) March 31, 2021
बट्टागत दर	Discount Rate	6.84%	6.49%	6.84%	6.49%
योजना परिसम्पत्तियों पर आय की दर	Rate of Return on Plan Assets	6.84%	6.49%	–	–
वेतन वृध्दि दर	Salary Escalation Rate	7.00%	7.00%	7.00%	7.00%

*वर्ष में उपलब्ध लीव बेनिफिट सहित जिसे वर्ष में किये गये पारिश्रमिक में समाहित किया गया है.

(क) भविष्य में होने वाली वेतन में बढोत्तरी के अनुमानों का वस्तुतः मूल्यांकन में प्रावधान करते समय मुद्रास्फीति की दर का लंबी अवधि के आधार पर विचार किया गया है.

(ख) निगम की नीति के अनुसार कंपनी के कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति की आयु 60 वर्ष है.

*Including Leave Benefit availed during the year which is accounted in Salary paid during the year.

a) The estimates of future salary increases considered in actuarial valuation take into account the inflation rate on Long term basis.

b) The employees of the company retire at the age of 60 years as per the policy of the Company.

टिप्पणी – 29.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय ने अपनी योजना 'विविध भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण'का क्रियान्वयन एनएफडीसी को सौंपा. इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2022 तक ₹ 6,843 लाख की राशि प्राप्त हुई. वर्ष के दौरान इन फिल्मों के वितरण से राजस्व प्राप्ति की रकम ₹ 11.48 लाख (पिछले वर्ष ₹ 14.95 लाख) है जिसे कंपनी ने ऑर्डर नं. 202/21/2009-एफ (पीएसयू) दिनांक 04.08.2009 की शर्तों के मुताबिक पुनः इसी योजना में लगा दिया.

कंपनी ने फिल्मों के वितरण की मद में ₹ 1.56 लाख खर्च किए (पिछले वर्ष – ₹ 1.24 लाख) जो उक्त योजना के अंतर्गत बनीं फिल्मों की प्रचार और विज्ञापन में खर्च हुए.

फिल्म निर्माण के लिए सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय से मिली अग्रिम राशि तथा उसके सदुपयोग का विश्लेषण इस प्रकार है –

Note – 29.

The Ministry of Information and Broadcasting entrusted to NFDC the execution of its Plan Scheme of "Production of films in various Indian languages". Under the scheme, an amount of ₹ 6,843 lakhs was received up to 31 March 2022. Revenue generated from distribution of these films during the year is ₹ 11.48 lakhs (Previous Year ₹ 14.95 lakhs) that has been ploughed back by Company into the scheme as per the terms of the Order no.202/21/2009-F (PSU) dated 04.08.2009.

The company has incurred an expenditure of ₹ 1.56 lakhs towards distribution of films (Previous Year ₹ 1.24 lakhs) for publicity and advertising of release of films under the above scheme.

The break up of advance received from the Ministry of Information and Broadcasting for film production and their utilization are as under –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at 31st March, 2022	31 मार्च 2021 को As at 31st March, 2021
सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अग्रिम	Advance received from Ministry of Information and Broadcasting		
गत वर्ष में प्राप्त	Received in Earlier Year	6,355.00	6,055.00
चालू वर्ष में प्राप्त	Received in Current Year	488.00	300.00
(क)	(A)	6,843.00	6,355.00
जोडिए – बिक्री/आय उत्पन्न पुनर्निवेश द्वारा निधि	Add – Funds from Sale/Revenue Generation Plough back		
गत वर्ष में	In Earlier Year	1032.09	1017.13
चालू वर्ष में	In Current Year	11.48	14.95
	(I)	**1043.57**	**1032.09**
घटाइएं – वितरण/प्रचार व्यय	Less – Distribution/Publicity Expenses		
गत वर्ष में	In Earlier Year	284.78	283.54
चालू वर्ष में	In Current Year	1.56	1.24
	(II)	**286.34**	**284.78**
	(I-II)	**757.23**	**747.31**
फिल्म निर्माण के लिए उपलब्ध कुल निधि (ख)	**Total Fund available for Film Production (B)**	**7,600.23**	**7,102.31**
घटाइएं – फिल्म निर्माण के लिए कुल निधि व्यय किया गया	Less – Total Fund expensed for Film Production		
चालू वर्ष के दौरान व्यय किए गए	Expensed during the current year	403.63	--
गत वर्ष में व्यय किए गए	Expensed in earlier year	5,710.82	5,710.82
क्षेत्रीय फिल्म की सूची	Inventory of Regional Film	1,00.16	197.66
मंत्रालय को रिफंड/ट्रान्सफर	Refund/Transfer to Ministry	385.00	--
		6,599.61	**5,908.49**
विभिन्न फिल्मों के लिए आबंटित	**As allocated for various films**	**1,000.62**	**1,193.82**

टिप्पणी – 30.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के पत्र संख्या एम-35014/16/2015-डीओ (FI) दिनांक 8 जनवरी 2016 के अंतर्गत सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय एवं राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड के बीच सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का फिल्म फेसिलिटेशन ऑफिस (एफएफओ) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे. एफएफओ स्थापित करने के लिए सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की ओर से ₹ कुछ नहीं (पिछले वर्ष ₹ 200 लाख) स्वीकृत किये गये थे. वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹ 215.41 लाख (पिछले वर्ष ₹ 209.91 लाख) का राजस्व ऑपरेशन्स से आय के अंतर्गत दर्ज किया तथा लाभ/हानि की मद में ₹ 201.32 लाख (पिछले वर्ष ₹195.76 लाख) का खर्च प्रचलन व्यय के तौर पर लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में दिखाया.

टिप्पणी – 31.

निदेशक मंडल ने 15 सितंबर 2009 को आयोजित अपनी बैठक में सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की ओर से प्राप्त पत्र संख्या 202/21/2009 -- एफ (पीएसयू) दिनांक 06.08.2009 पर विचार किया. निदेशक मंडल का यह मानना था कि फिल्म उद्योग में प्रचलित मानकों के अनुरूप ही राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम को भी निर्माता की फीस के रूप में फिल्म निर्माण की कुल लागत का 10 प्रतिशत तथा इसके द्वारा संपन्न कराई गयी सभी बिक्रियों पर 15 प्रतिशत कमीशन मिलना चाहिये क्योंकि ये खर्चे फिल्म के निर्माण तथा वितरण व्यय का अभिन्न हिस्सा हैं. इसी के अनुरूप निगम ने वर्ष के दौरान पूरी हुई दो फिल्मों के कुल निर्माण व्यय में से ₹ 31.10 लाख (पिछले वर्ष ₹ कुछ नहीं) निर्माता की फीस के तथा ₹ 2.03 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2.64 लाख) फिल्मों की बिक्री के कमीशन के रूप में दर्शाये हैं जिन्हें फिल्म वितरण में शामिल किया गया है.

टिप्पणी – 32.

मीडिया रिलीजों के लिये आय स्वीकृत वर्ष के दौरान लिये गये मीडिया कैंपेंस के अपने अपने आय व्यय के लेखे, टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट/प्रदर्शित किये गये विज्ञापनों के मूल्य का ग्राहक/मंत्रालय द्वारा अनुमोदित वास्तविक मूल्य से सनदी लेखाकार द्वारा सत्यापन/प्रमाणन के बाद किया जाता है. मीडिया अभियानों के सम्बंध में राजस्व और व्यय जिसके लिए सफल टेलीकास्ट/प्रसारण/विज्ञापन की उपस्थिति के वास्तविक मूल्य का सत्यापन/प्रमाणन की प्रक्रिया पिछले/चालू वित्तीय वर्ष की प्रवृत्ति के अनुसार अनुमानित ड्रॉप/कटौती से कम किए गये सम्बंधित अभियान की रिलीज राशियों के आधार पर अनंतिम आधार पर गणना की जाती है.

टिप्पणी – 33.

निदेशक मंडल की राय में चालू परिसंपत्तियों, ऋणों एवं अग्रिमों की व्यक्त राशियां सामान्य व्यवसाय के अंतर्गत वसूल हो जाएंगी. मूल्य ह्रास और सभी ज्ञात देयताओं का प्रावधान पर्याप्त है और आवश्यकतानुकूल राशि से ज्यादा नहीं समझा जाएगा.

टिप्पणी – 34.

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत प्रकटीकरण

₹ लाखो में

Note – 30.

As per letter No. M-35014/16/2015-DO (FI) dated 8th January, 2016 of the Ministry of Information and Broadcasting, Memorandum of Understanding was signed between Ministry of Information and Broadcasting and National Film Development Corporation Ltd for setting up of Film Facilitation Office (FFO) of Ministry of I & B. The Ministry has sanctioned an expenditure of ₹ NIL/- (Previous Year ₹ 200.00 lakhs) in connection with setting up of Film Facilitation Office. During the year, the company has accounted the Revenue of ₹ 215.41 lakhs(Previous Year ₹ 209.91 lakhs) and disclosed the same under the head Income from Operations and the expenditure of ₹ 201.32 lakhs (Previous Year ₹ 195.76 lakhs) has been disclosed under the head Operating Expenditure in the Statement of Profit and Loss Account.

Note – 31.

The Board of Directors in their meeting held on 15th September 2009 considered the letter No.202/21/2009–F (PSU) dated 06/08/2009 received from the Ministry of Information & Broadcasting and decided that NFDC should be given a Production Fee of 10% of the total cost of production of a film and 15% Commission on all sales effected by it in accordance with industry norms as these expenses are an intrinsic component of the production and distribution budgets of a film. Accordingly the Company has accounted for ₹ 31.10 lakhs (Previous year ₹ NIL) as Production Fees in the current year in respect of Two films completed during the year and ₹ 2.03 lakhs (Previous year ₹ 2.64 lakhs) as Commission on sale of films which is included in Distribution of films.

Note – 32.

Revenue recognition for Media Releases, Revenue and Expense of respective Media Campaign undertaken during the year is accounted for after due verification/certification by the Chartered Accountants of the actual value of telecast/broadcast/ appearance of the advertisement out of the Release amounts approved by the client/ministry. Revenue and Expenses in respect of media campaigns for which verification/certification of the actual value of successful telecast/broadcast/appearance of advertisement in process, are accounted for on provisional basis on the basis of Release amounts of respective campaign reduced by the estimated drop/deduction as per the trend of previous/current financial year.

Note – 33.

In the opinion of the Board, the current assets, loans and advances have been stated at amounts that would be realized in the ordinary course of business. The provision of depreciation and for all known liabilities is adequate and not in excess of amounts considered reasonably necessary.

Note – 34.

Disclosures under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006

₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at March 31, 2022	31 मार्च 2021 को As at March 31, 2021
क) मूल राशि देय और शेष अवैतनिक (45 दिनों से अधिक)	a) Principal amount due and remaining unpaid (more than 45 days)	349.01	334.18
ख) उपरोक्त पर देय ब्याज	b) Interest due on above	157.18	61.67
ग) वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद किया गया भुगतान	c) Payment made beyond the appointed day during the year	1415.99	1116.32
घ) उपरोक्त पर दिया गया ब्याज	d) Interest Paid on above	NIL	NIL

ड़) विलंब की अवधि के लिए उपरोक्त पर देय और ब्याज देय	e) Interest due and payable on above for the period of delay	88.78	126.92
च) अर्जित ब्याज और अप्राप्य शेष	f) Interest accrued and remaining unpaid	372.87	188.59
छ) आगामी वर्षों में देय और शेष देय ब्याज की राशि	g) Amount of further interest remaining due and payable in succeeding years	372.87	188.59

कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर ऐसे विक्रेताओं के संबंध में उस सीमा तक सूचना दी गई है, जहां तक उन्हें "सूक्ष्म और लघु" उद्यमों के रूप में पहचाना जा सकता है.

कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान अंतिम ग्राहकों से वसूली के अधीन हैं. तदनुसार, प्रबंधन का मत है कि अंतिम ग्राहकों से प्राप्य की वसूली न होने के कारण, विक्रेताओं को भुगतान देय नहीं हुआ है. अत: प्रबंधन की राय में भुगतान की गई राशि या बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है तदनुसार ब्याज के लिए लेखा पुस्तकों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 35.

1991 में कुछ अचल संपत्तियों को गिरवी रख देने से प्राप्त जो ₹ 30.00 लाख (पिछले वर्ष ₹ 30.00 लाख) तीन पार्टियों के पास रख दिया गया था, पार्टियों ने यह राशि लौटाई नहीं और तत्संबंधी प्रतिभूतियों को परिसमाप्त भी नहीं किया गया. इस जमा राशि की वापसी के लिये निगम ने इन पार्टियों के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही प्रारंभ की और दो पार्टियों के साथ इस मध्यस्थता कार्यवाही का फैसला निगम के पक्ष में हुआ तथा दो पार्टियों को जमाराशि में से ₹ 18.00 लाख निगम को लौटाने का निर्देश दिया गया. (पिछले वर्ष ₹ 18.00 लाख). और इसे डिक्री के लिए उच्च न्यायालय में दायर किया गया है. कोर्ट की प्रक्रिया चल रही है. इसका लेखा खातों में प्रावधान नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 36.

फिल्म 'गांधी'के ओवरसीज वितरण से प्राप्त आय के मामले में लाभ एवं वितरण शुल्क लेखा ओवरसीज एजेंसी से प्राप्त विवरण के आधार पर किया गया है. कंपनी को जनवरी 2022 तक का ब्योरा प्राप्त हुआ है और वहां तक का हिसाब कर दिया गया है.

टिप्पणी – 37.

कंपनी ने व्यापारिक/रिहायशी परिसर संचालन लीज पर दिए हैं. इस व्यवस्था के अंतर्गत आमतौर पर वापस कर दिए जाने वाली ब्याजमुक्त राशियां स्वीकार की गई हैं. उक्त व्यवस्था के अंतर्गत लीज से प्राप्त होने वाले किराए वर्ष के हानि-लाभ विवरण में दर्ज किए जाते हैं. किराए के ₹ 171.26 लाख (पिछले वर्ष ₹ 171.76 लाख) को टिप्पणी नं-19 में अन्य आय के अंतर्गत दिखाया गया है. ऑपरेटिंग लीज के संबंध में प्रारंभिक सीधे मूल्य को हानि-लाभ विवरण में दर्शाया गया है. कंपनी की महत्वपूर्ण लीज व्यवस्थाएं रिहायशी फ्लैट्स, कार्यालय स्थलों, प्लांट तथा मशीनरी और उपकरण आदि लीज पर देने के संबंध में है. यह व्यवस्था आमतौर पर 1 से लेकर 30 वर्ष तक के लिए है जिसे आपसी समझौते अथवा शर्तों के अनुसार बढ़ाया जा सकता है. इन व्यवस्थाओं में आमतौर पर ब्याजमुक्त वापस कर दी जाने वाली राशियां दी गई हैं. इस व्यवस्था में वर्ष के लिए देय लीज किराए हानि-लाभ और किराए की मद में शामिल किए गए हैं. (टिप्पणी नं-23 में इनका अन्य आय के अंतर्गत उल्लेख किया गया है). वर्ष के लिए सभी परिचालन लीज का कुल खर्च ₹ 120.05 लाख है. (पिछले वर्ष ₹ 113.37 लाख).

The information has been given in respect of such vendors to the extent they could be identified as "Micro and Small" enterprises on the basis of information available with the Company.

As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers. Accordingly, management is of the opinion that due to non-realization of receivables from the end customers, the payments to the vendors have not become due. Hence, in the opinion of the management, there is no interest payable on the amounts late paid or remaining unpaid and accordingly, no provision is made in the books for the Interest.

Note – 35.

Deposits of ₹ 30.00 lakhs (Previous Year ₹ 30.00 lakhs) placed with three parties in 1991 are secured against mortgage of immovable properties. The parties have not refunded the deposits and securities are also not liquidated. The Company has initiated arbitration proceedings against the parties for recovery of the deposits. Awards have been issued in favour of the Company against two parties for recovery of the deposit amounting to ₹ 18.00 lakhs (Previous Year ₹ 18.00 lakhs) and the same has been filed in the High Court for decree. The Court process is going on. No provision has been made for the same in the books of accounts.

Note – 36.

In case of revenue from Overseas Distribution of Film 'Gandhi', the accounting of profits and distribution fee has been done on the basis of receipt of statement from the overseas Agency. The Company has received the statement till Jan 2022 and the same has been accounted.

Note – 37.

The Company has given Commercial/Residential Premises on operating lease. Under this arrangement, generally refundable interest-free deposit have been taken. In respect of above arrangements, lease rentals receivable are recognized in the Statement of Profit and Loss for the year and are included Rental of ₹ 171.26 lakhs (Previous Year ₹ 171.76 lakhs) (Disclosed under Other Income in Note No.19). The initial direct cost in respect of operating lease are recognized in the Statement of Profit and Loss. The company's significant leasing arrangements are in respect of residential flats, office premises, plant and machinery and equipment taken on lease. The arrangements range between 1 year and 30 years generally and are usually renewable by mutual consent or mutually agreeable terms. Under these arrangements, generally refundable interest free deposits have been given. In respect of above arrangements, lease rentals payable are recognized in the Statements of Profit and Loss for the year and included under Rent (Disclosed under Other Expenses in Note No.23). The aggregate rental expenses of all the operating leases for the year are ₹ 120.05 lakhs (Previous Year ₹ 113.37 lakhs)

टिप्पणी – 38. आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)

Note – 38. Deferred Tax Assets (Net)

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	31 मार्च 2022 को As at March 31, 2022	31 मार्च 2021 को As at March 31, 2021
समय में अन्तर के कारण उत्पन्न होनेवाली आस्थगित कर परिसम्पत्तियां –	Deferred tax Assets arising on account of timing difference due to –		
मूल्य–ह्रास	Depreciation	74.72	74.72
कार्मिक लाभ के लिए प्रावधान	Provision for Employee Benefits	236.29	236.29
संदिग्ध ऋणों/ऋणों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts/Loans	670.63	670.63
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां (शुध्द)	**Net deferred tax assets**	**981.64**	**981.64**

आभासी निश्चितता के अभाव में इस बात के ठोस सबूत हैं कि भविष्य में कर योग्य लाभ अग्रेषित व्यापार हानि की भरपाई के लिए उपलब्ध होगा, कंपनी ने 01.04.2019 से आस्थगित कर आय को मान्यता देना बंद कर दिया है. उपर्युक्त अनुसार आस्थगित कर परिसंपत्तियां 31.03.2019 को अस्थायी अंतर पर आधारित हैं. अगर कंपनी ने आस्थगित कर आय का हिसाब लगाया होता, तो अस्थायी अंतर के आधार पर 31.03.2022 को आस्थगित कर संपत्ति ₹ 1049.49 लाख (31.03.2021 को – ₹ 1034.69 लाख) होती और और वर्ष के लिए आस्थगित कर आय ₹ 14.88 लाख (पिछले वर्ष – ₹ 11.28 लाख) होता.

In the absence of virtual certainty supported by convincing evidence that future taxable profit will be available to get setoff of carried forward business loss, the company has stopped recognizing the deferred tax income since 01.04.2019. The deferred tax assets as disclosed above is based on the temporary differences as on 31.03.2019. Had the company accounted deferred tax income, the deferred tax assets as on 31.03.2022 based on the temporary differences would had been ₹ 1049.49 lakhs (as on 31.03.2021 - ₹ 1034.61 lakhs) and the deferred tax income for the year would had been ₹ 14.88 lakhs (previous year – ₹ 11.28 lakhs).

टिप्पणी – 39. संबंधित पक्षों के प्रकटीकरण

रिपोर्टिंग एंटरप्राइजेज – राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड.

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

श्री रविंद्र भाकर	प्रबंध निदेशक (11.12.2021 से)
सुश्री धनप्रीत कौर	प्रबंध निदेशक (11.12.2020 से 10.12.2021 तक)
श्री ई.जे. पॉल	कम्पनी सचिव

Note – 39. Related Party Disclosures

Reporting Enterprise – National Film Development Corporation Ltd.

Key Management Personnel

Mr. Ravinder Bhakar	Managing Director (from 11.12.2021)
Ms. Dhanpreet Kaur	Managing Director (11.12.2020 – 10.12.2021)
Mr. E. J. Paul	Company Secretary

संबद्ध पक्षों के साथ लेनदेन का विवरण जो कि एएस-18 के अंतर्गत आवश्यक है –

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

Transactions with the Related Parties as required by AS-18 is given below –

Key Management Personnel

₹ लाखो में
₹ in lakhs

निदेशक का नाम	Name of the Director	लेन देन का स्वरूप	Nature of Transaction	2021-22	2020-21
श्री ई.जे. पॉल कम्पनी सचिव	Mr. E J Paul Company Secretary	पारिश्रमिक	Remuneration	24.65	22.77

टिप्पणी – 40. आय प्रति शेयर

Note – 40. Earnings per Share

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
इक्विटी अंशधारकों को रोप्य शुध्द लाभ/(हानि)	Net Profit/(Loss) attributable to Equity Shareholders (₹ in lakhs)	(673.99)	64.08
मूल के लिए इक्विटी शेयर्स की भारित औसत सं. (इपीएस)	Weighted Average No. of Equity Shares for Basic (EPS)	45,39,985	45,39,985
तनुकृत के लिए इक्विटी शेयर्स की भारित औसत सं. (इपीएस)	Weighted Average No. of Equity Shares for Diluted (EPS)	45,39,985	45,39,985
शेयर का अंकित मूल्य	Nominal Value of Share (₹)	100	100
प्रति शेयर आय – मूल	Equity Per Share – Basic (₹)	(14.85)	1.41
प्रति शेयर आय – तनुकृत	Earnings Per Share – Diluted (₹)	(14.85)	1.41

टिप्पणी – 41. निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण

Note – 41. Particulars of Directors Remuneration

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
निदेशक (वित्त) – पारिश्रमिक	Remuneration of Director (Finance)	–	–
इपीएफ का अंशदान	Contribution to EPF	–	–

टिप्पणी – 42. कंपनीज एक्ट 2013 के पैराग्राफ्स 5 (i)(m), (viii) b,5 (viii) 5 e and 5 (A) (j) के शिड्यूल 3 के पार्ट 2 के प्रावधानों के अंतर्गत अतिरिक्त सूचना, जहां तक उपयुक्त हो.

Note – 42. Additional information pursuant to the provisions of paragraphs 5(i)(m),5(viii) b,5 (viii) e and 5 (A) (j)of the part II of Schedule III to the Companies Act, 2013 to the extent applicable.

i) पूर्व कालिन मदें

i) Prior Period Items

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
पूर्व कालिन आय	Prior Period Income	0.03	0.40
पूर्व कालिन व्यय	Prior Period Expenses	28.87	8.37
निवल पूर्व अवधि आय/(व्यय)	Net Prior Period Income/(Expenses)	(28.84)	(7.97)

ii) विदेशी मुद्रा में आय

ii) Earnings in Foreign Exchange

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
वस्तुओं/अधिकारों पर निर्यात आकलन एफओबी आधार पर किया गया	Export on goods/rights calculated on FOB basis	115.27	60.44

iii) विदेशी मुद्रा में खर्च

iii) Expenditure in Foreign Currency

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
विदेशी यात्राएं/सहभागिता व्यय	Foreign Tours/Participation Exp/Mentor Fees	147.92	39.93

iv) लेखा परिक्षकों को भुगतान

iv) Payment to Auditors

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22	2020-21
लेखा परीक्षण की फीस	Audit Fees	4.50	4.50
कर लेखा परीक्षण की फीस	Tax Audit Fees	1.00	1.00

टिप्पणी – 43.

दूरदर्शन 1980 से 2008 तक एनएफडीसी की फिल्में डीडी-1 और डीडी इंडिया पर दिखाने के लिए लेता रहा. दूरदर्शन ने जो पैसा एनएफडीसी को देना था उसमें से उसने कुछ पैसा काट लिया. उस पैसे को वापस लेने के लिए कोशिशें जारी हैं. इसके लिए उनके साथ जिन जरूरी दस्तावेजों का आदान प्रदान किया जाना था, वह भी किया जा चुका. दूरदर्शन और एनएफडीसी दोनों ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं अतः यह फैसला किया गया कि इस बारे में दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस मामले को सुलझा लें. दीर्घकालीन लंबित विवाद का निराकरण करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त पत्र 17.5.2019 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने श्री अजय मित्तल, पूर्व सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है.

Note – 43.

As per MOU signed between Doordarshan and NFDC, Doordarshan had been sourcing films from NFDC for telecast on DD-1 and DD India since 1980 to 2008. There were certain deductions made by Doordarshan from the amounts due to NFDC. Attempts have been made to recover the amounts due and necessary documents were also shared with DD as per their requirement. Since both the media units, i.e. Doordarshan & NFDC are under the administrative control of Ministry of Information & Broadcasting, it was decided to resolve the issues through arbitration. The Ministry of Information & Broadcasting vide letter dated 17.05.2019 informed that the competent authority has approved the appointment of Shri Ajay Mittal, ex-Secretary, M/o I&B as sole arbitrator to resolve the long pending dispute.

उसके बाद प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने 5 दिसम्बर 2019 को एक बैठक बुलाई जिसमें एनएफडीसी और प्रसार भारती के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. एक संक्षिप्त चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि दोनों दल एक साथ बैठेंगे और बकाया राशि में सामंजस्य और और समय पर निपटान के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान करें. तदनुसार एनएफडीसी टीम ने डीडी डीजी, फिल्म प्रभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और बिल और भुगतान में विसंगतियों को हल करने के लिए एमओयू के प्रत्येक खंड को स्पष्ट किया और सभी आवश्यक दस्तावेज भी दिए जिसमें सुलह के बाद संशोधित दावा, चालान की प्रतियां, वसूलियों का विवरण और उसी दिन अधिकार क्षेत्र में अन्य दस्तावेज शामिल है.

यह मामला संयुक्त बैठक के बाद सूचनार्थ माननीय सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, के कार्यालय में प्रस्तुत किया गया था. जिसे नोट करते हुए खुशी हो रही है कि –

1. हमें पीबी के साथ सौहार्दपूर्ण समझौता करने का प्रयास करना चाहिए
2. मध्यस्थता का प्रयोग किया जाना चाहिए, यदि सौहार्दपूर्ण निपटान संभव नहीं है

इस संबंध में, डीजी, दूरदर्शन ने संयुक्त सचिव (फिल्म्स) सूचना और प्रसारण मंत्रालय और प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी के साथ नवंबर 2020 के पहले सप्ताह में एक बैठक की. और उन्होंने सभी लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द एनएफडीसी के साथ हल करने का आश्वासन दिया. अत: कंपनी को उम्मीद है कि इस मामले को सुलझा लिया जाएगा और दूरदर्शन से ₹563.65 लाख की देय राशि के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाएगा.

टिप्पणी – 44.

कंपनी की लेखा नीति के अनुसार, गैर-सरकारी देनदारों के संबंध में 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया किसी भी ऋण के लिए अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए नियमित अभ्यास के रूप में प्रावधान. कुल व्यापार प्राप्य ₹ 6,240.52 लाख में सरकारी विभाग/प्रशासनिक मंत्रालय से संबंधित ₹ 4,317.51 लाख की राशि के देनदार शामिल हैं और ये देनदार 3 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए बकाया हैं और कंपनी द्वारा उचित माना जा सकता है.

टिप्पणी – 45.

कंपनी ने ₹ 2,463.85 लाख के 3 वर्षों से अधिक के व्यापार देय को वापस नहीं किया है क्योंकि यह सरकारी देनदारों से संबंधित प्राप्य के सामने बकाया देय हैं. कार्यादेशों के अनुसार, जैसा कि विक्रेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई है, भुगतान शेष ग्राहकों द्वारा वसूली के अधीन हैं.

नोट – 46.

एनएफडीसी ने श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित फिल्म "बंगबंधु" के सह-निर्माण के लिए वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-2022 तक सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली से ₹ 3,737.70 लाख और वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान फिल्म विकास निगम (बांग्लादेश) से ₹ 1,784.25 लाख प्राप्त किए थे. सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और सूचना मंत्रालय, पीपल्स रिपब्लिक, बांग्लादेश सरकार निर्माता हैं और एनएफडीसी और बीएफडीसी, बांग्लादेश उक्त फिल्म के कार्यकारी निर्माता हैं. एनएफडीसी ने ₹ 4,026.68 लाख का खर्च दर्ज किया है और फिल्म बंगबंधु के तहत इन्वेंटरी के रूप में इसका खुलासा किया गया है.

Thereafter, the CEO Prasar Bharati, convened a meeting on 5th December 2019 wherein senior officers from NFDC and Prasar Bharati were present. After a brief discussion,it was decided that both the parties will sit together and reconcile outstanding dues and exchange relevant documents for timely settlement. Accordingly NFDC team had detailed discussion with concerned officials of Film section DGDD and explained each and every clause of MOU to resolve discrepancies in bills and payments and also given all the required documents including revised claim after reconciliation, copies of invoices, details of recoveries and other documents in justification on same day.

The matter was submitted to the office of Hon'ble Secretary, MIB after the joint meeting for kind information who pleased to note that –

1. We should try to have an amicable settlement with PB
2. Arbitration should be exercised, in case amicable settlement is not possible

In this connection DG Doordarshan had a meeting with JS (Films) MIB & MD NFDC in first week of November 2020 and he assured to resolve all pending issues with NFDC as early as possible. Therefore Company expects that the matter will be resolved hence no provision was considered necessary towards the amounts of ₹ 563.65 lakhs due from Doordarshan.

Note – 44.

As per accounting policy of the company, provision for bad and doubtful debt for any debts outstanding for more than 3 years in respect to non-government debtors as regular practice. The total trade receivables of ₹ 6,240.52 lakhs includes debtors for a sum of ₹ 4,317.51 lakhs pertaining to government department/ administrative ministry and theses debtors are outstanding for the period more than 3 years and may be considered good by the company.

Note – 45.

Company has not written back the trade payables outstanding for more than 3 years of ₹ 2,463.85 lakhs as the same are pending payables against the corresponding receivable from the government debtors. As per the work orders, as agreed by the vendors, the payments are subject to realization from the end customers.

Note – 46.

NFDC had received ₹ 3,737.70 lakhs from the Ministry of Information & Broadcasting, New Delhi in the F.Y 2018-19 to 2021-2022 and ₹ 1,784.25 lakhs during FY 2020-21 from Film Development Corporation (Bangladesh) for the co-production of film "Bangabandhu" directed by Shri Shyam Benegal. The Ministry of Information & Broadcasting, Govt of India and the Ministry of Information, Government of People's Republic of Bangladesh are the Producers and NFDC and BFDC, Bangladesh are Executive Producer for the said film. NFDC has booked an expenditure of ₹ 4,026.68 lakhs and same has been disclosed as Inventory under movie Bangabandhu.

टिप्पणी – 47. खण्डीय सूचना

लेखांकन मानक 17 के अनुसार आवश्यक खण्ड सूचनाएं निम्नांकित है –

Note – 47. Segment Reporting

The segment information required as per accounting standard 17 is given below –

₹ लाखो में
₹ in lakhs

विवरण	Particulars	2021-22						2020-21					
		फिल्म निर्माण	फिल्म वितरण	सेवा परियोजनाएं	मीडिया अभियान	अन्य	कुल	फिल्म निर्माण	फिल्म वितरण	सेवा परियोजनाएं	मीडिया अभियान	अन्य	कुल
		Film Production	Film Distribution	Service Project	Media Campaign	Other	Total	Film Production	Film Distribution	Service Project	Media Campaign	Other	Total
खण्ड आय	Segment Revenue												
विदेशी बिक्री	External Sales	5,170.11	204.27	642.54	870.11	392.54	7,279.57	2,908.74	227.14	572.99	1,555.42	1,173.75	6,438.04
अंतर खण्ड बिक्री	Inter segment Sales		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल आय	Total Revenue	5,170.11	204.27	642.54	870.11	392.54	7,279.57	2,908.74	227.14	572.99	1,555.42	1,173.75	6,438.04
खण्ड व्यय	Segment Expenses	4,823.15	61.02	518.49	840.60	–	6,243.26	2,510.70	115.46	506.35	1,527.85	–	4,660.36
परिचालित लाभ (हानि)	Operation Profit/(Loss)	346.95	143.25	124.05	29.50	392.54	1,036.29	398.04	111.68	66.64	27.57	1,173.75	1,777.68
ब्याज व्यय	Interest Expenses	–	–	–	–	–	–	–	–	1.18	–	–	1.18
मूल्य -ह्रास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortisation	–	–	33.29	–	28.80	62.09	–	15.00	38.42	–	43.21	96.63
अनआबंटित व्यय	Unallocated Expenses	–	–	–	–	1,648.19	1,648.19	–	–	–	–	1,615.78	1,615.78
आयकर	Income Taxes	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
साधारण गतिविधियों द्वारा लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) from ordinary activities	346.95	143.25	90.75	29.50	(1,284.45)	(674.00)	398.04	96.68	27.04	27.57	(485.24)	64.09
असाधारण मदें	Exceptional Item	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पूर्व वर्षों में आस्थगित कर और आय कर	Deferred Tax and Income Tax for earlier Years	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
शुध्द लाभ/(हानि)	Net Profit/(Loss)	346.95	143.25	90.75	29.50	(1,284.45)	(674.00)	398.04	96.68	27.04	27.57	(485.24)	64.09
अन्य जानकारी	Other information	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
खण्डीय परिसम्पत्तियां	Segment Assets	7,290.85	638.94	821.66	1,095.75	6,960.58	16,807.78	5,249.91	600.81	920.15	1,027.27	11,513.21	19,311.35
अनआबंटित निगमित परिसम्पत्तियां	Unallocated Corporate Assets	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल परिसम्पत्तियां	Total Assets	7,290.85	638.94	821.66	1,095.75	6,960.58	16,807.78	5,249.91	600.81	920.15	1,027.27	11,513.21	19,311.35
खण्डीय देयताएं	Segment Liablities	5,264.77	250.44	3,666.37	3,999.98	1,450.60	14,632.16	8,355.80	272.94	457.72	5,756.81	1,618.48	16,461.75
अन आबंटित निगमित देयताएं	Unallocated Corporate Liabilities	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल देयताएं	Total Liabilities	5,264.77	250.44	3,666.37	3,999.98	1,450.60	14,632.16	8,355.80	272.94	457.72	5,756.81	1,618.48	16,461.75
पूंजी कार्य प्रगति पर	Capital Work in Progress	–	–	–	–	–	–	–	–	38.28	–	–	38.28
अन्य	Other	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल पूंजी कार्य प्रगति पर	Total Capital Work in Progress	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
मूल्य -ह्रास एवं परिशोधन	Depreciation & Amortisation	–	–	33.29	–	28.80	62.09	–	15.00	38.42	–	43.21	96.63
अन्य	Other	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल मूल्य-ह्रास	Total Depreciation	–	–	33.29	–	28.80	62.09	–	15.00	38.42	–	43.21	96.63
मूल्य -ह्रास एवं परिशोधन के अलावा अन्य गैर रोकड व्यय	Non cash expense other than depreciation - Amortisation	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–

* एफएफओ के आय और खर्च सेवा परियोजना के अंतर्गत ग्रुप मे है.

* FFO Income & Expenses grouped under Service Projects.

टिप्पणी – 48.
कंपनी के स्वामित्व वाली सभी अचल संपत्ति के टाइटल डीड कंपनी के नाम पर हैं, 31 मार्च, 2022 तक स्पुतनिक में सकल ब्लॉक ₹ 2.77 लाख के कार्यालय परिसर के मामले को छोड़कर, जिनके टाइटल डीड पूर्ववर्ती के नाम पर हैं फिल्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जिसे कंपनी के साथ 11 अप्रैल 1980 से और हाउसिंग सोसाइटी द्वारा कंपनी के पक्ष में केवल शेयर प्रमाण पत्र जारी किया जाता है. इसी प्रकार पट्टेदार के रूप में धारित अचल संपत्ति के मामले में पट्टा करारों को भी कंपनी के नाम पर विधिवत निष्पादित किया जाता है.

टिप्पणी – 49.
कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है और बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही लंबित नहीं है.

टिप्पणी – 50.
कंपनी ने बैंकों और/या वित्तीय संस्थानों से कोई उधार नहीं लिया है.

टिप्पणी – 51.
कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 52.
हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 अथवा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के तहत बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया है या उनका कोई समापन शेष नहीं है.

टिप्पणी – 53.
कंपनी के पास कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जिनका वैधानिक अवधि के बाद भी कंपनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकरण होना बाकी है.

टिप्पणी – 54.
कंपनी का किसी अन्य कंपनी में कोई डाउनस्ट्रीम निवेश नहीं है.

टिप्पणी – 55.
कम्पनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थों) सहित किसी भी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) को अग्रिम या ऋण या निवेशित धन (या तो उधार धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि) का मध्यस्थ की धारणा सहित (चाहे लिखित या अन्य दर्ज किया गया हो) निवेश नहीं किया है –

(i) कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें या
(ii) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा आदि जैसे प्रदान करना;
कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंडिंग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (संस्थाओं) से कम्पनी की धारणा सहित (चाहे लिखित रूप में या अन्य दर्ज किया गया हो) कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है.
(i) फंडिंग पार्टी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें या
(ii) अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की अन्य सुविधाएं प्रदान करें

टिप्पणी – 56.
कंपनी का कोई लेन-देन नहीं है, जोकि आयकर अधिनियम 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान सरेंडर या आय के रूप में प्रकट किए गए लेखा पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया है.

टिप्पणी – 57.
वर्ष के दौरान कंपनी ने क्रिप्टो चलन या वर्चुअल चलन में व्यापार या निवेश नहीं किया है.

Note – 48.
The title deeds of all the immovable property owned by the company are in the name of company except in case of Office Premises at Sputnik with Gross Block ₹ 2.77 lakhs as at March 31, 2022, whose title deeds are held in the name of earstwhile Film Finance Corporation Limited, which was amalgamated with the company w.e.f. April 11, 1980 and only share certificate is issued in favour of the Company by the Housing Society. Similarly the lease agreements in case of immovable property held as lesee are also duly executed in the name of company.

Note – 49.
The Company does not hold any Benami property and there is no proceedings initiated on pending against the Company for holding any benami property under the Benami Transactions (Prohibition) Act, 1988 (45 of 1988) and the rules made thereunder.

Note – 50.
The Company has not taken any borrowings from banks and/or financial institutions.

Note – 51.
The Company has not been declared as wilful defaulter by any bank or financial institutions or other lender.

Note – 52.
To the best of our knowledge the company has not entered into any transactions with or have any closing balances of the companies struck off under section 248 of the Companies Act, 2013 or Section 560 of the Companies Act, 1956.

Note – 53.
The Company does not have any charges or satisfaction which are yet to be registered with the Registrar of Companies beyond the statutory period.

Note – 54.
The Company does not have any downstream investment in any other company.

Note – 55.
The company has not advanced or loaned or invested funds (either borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) to any other person(s) or entity(ies), including foreign entities (Intermediaries) with the understanding (whether recorded in writing or otherwise) that the Intermediary shall –

(i) directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company (Ultimate Beneficiaries) or
(ii) provide any guarantee, security or the like to or on behalf of the Ultimate Beneficiaries;
The company has not received any fund from any person(s) or entity(ies), including foreign entities (Funding Party) with the understanding (whether recorded in writing or otherwise) that the company shall
(i) directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party (Ultimate Beneficiaries) or
(ii) provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries

Note – 56.
The company does not have any transaction, not recorded in the books of accounts that has been surrendered or disclosed as income during the year in the tax assessments under the Income Tax Act 1961.

Note – 57.
The Company has not traded or invested in the Crypto Currency or Virtual Currency during the year.

टिप्पणी – 58. 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए अनुपातों का प्रकटीकरण

Note – 58. Ratio Analysis For The Year Ended March 31, 2022

₹ लाखो में
₹ in lakhs

	अनुपात	Ratio	न्यूमरेटर में शामिल आइटम्स	Items included in Numerator	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	31 मार्च 2021 को (₹) As at March 31, 2021 (₹)	भाजक में शामिल आइटम्स	Items included in Denominator	31 मार्च 2022 को (₹) As at March 31, 2022 (₹)	31 मार्च 2021 को (₹) As at March 31, 2021 (₹)	31 मार्च 2022 को अनुपात Ratio as at March 31, 2022	31 मार्च 2021 को अनुपात Ratio as at March 31, 2021	परिवर्तन का प्रतिशत % Change	25% से अधिक भिन्नता का कारण	Reason for variance more than 25%
(a)	चालू अनुपात (समय में)	Current Ratio (in times)	चालू परिसम्पत्तियां [जैसे वर्तमान निवेश, सूची, व्यापार प्राप्तियां, नकद और बैंक शेष, अल्पावधि ऋण और अग्रिम और अन्य मौजूदा संपत्ति]	Current assets [i.e. Current Investments, Inventories, trade receivables, cash and bank balances, short term loans and advance and other current assets]	15,412	17,826	चालू देयताएं [जैसे अल्पावधि उधार, व्यापार देय, अन्य वर्तमान देनदारियां और प्रावधान]	Current liabilities [i.e. short term borrowings, trade payables, other current liabilities and provisions]	11,190.6	12,384.2	1.38	1.44	-4.32%		
(b)	ऋण इक्विटी अनुपात (समय में)	Debt Equity Ratio (in times)	कुल ऋण [जैसे कुल उधार दीर्घावधि और अल्पावधि]	Total debt [i.e. total borrowing long-term and short term]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	कुल शेयरधारक इक्विटी [जैसे शेयर पूंजी और भंडार और अधिशेष]	Total Shareholders equity [i.e. Share capital and Reserves and Surplus]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA		
(c)	ऋण सेवा कवरेज अनुपात (समय में)	Debt Service Coverage Ratio (in times)	ऋण सेवा के लिए कमाई [कर पूर्व शुद्ध लाभ + मूल्यह्रास और अन्य परिशोधन जैसे गैर-नकद परिचालन व्यय + ब्याज + अन्य समायोजन जैसे अचल संपत्तियों की बिक्री पर हानि आदि]	Earning for Debt Service [Net Profit before taxes + Non-cash operating expenses like depreciation and other amortizations + Interest + other adjustments like loss on sale of Fixed assets etc.]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	ऋण सेवा [जैसे ब्याज और लीज भुगतान + मूल भुगतान]	Debt service [i.e. Interest & Lease Payments + Principal Repayments]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA		

(d)	इक्विटी अनुपात पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Equity Ratio (in percentage)	कर पश्चात शुद्ध लाभ - वरीयता लाभांश (यदि कोई हो)	Net Profits after taxes – Preference Dividend (if any)	-674	64	औसत शेयरधारक की इक्विटी [जैसे (प्रारंभिक नेट वर्थ + क्लोजिंग नेट वर्थ)/2]	Average Shareholder's Equity [i.e. (opening net worth + closing net worth)/2]	2,512.6	2,817.6	-26.82%	2.27%	-1280.06%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में कमी के कारण.	Due to decrease in revenue from operations in the current year.
(e)	इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात (समय में)	Inventory Turnover Ratio (in times)	बिक्री किए गए माल की लागत [जैसे ओपनिंग स्टॉक + खरीदारी - क्लोजिंग स्टॉक] या बिक्री [जैसे संचालन से राजस्व]	Cost of goods sold [i.e. opening stock + purchases - closing stock] OR sales [i.e. Revenue from operations]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	औसत इन्वेंटरी [जैसे (प्रारंभिक + अंतिम शेष)/2]	Average inventory [i.e. (Opening + Closing balance)/2]	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA		
(f)	व्यापारिक प्राप्य टर्नओवर अनुपात (समय में)	Trade Receivables Turnover Ratio (in times)	शुद्ध ऋण बिक्री [जैसे सकल क्रेडिट बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न] या कुल बिक्री [यदि क्रेडिट बिक्री का विवरण उपलब्ध नहीं है]	Net credit sales [i.e. gross credit sales minus sales return] OR Total sales [if details of credit sales not available]	6,887	5,264	प्राप्य औसत लेखा खाते [जैसे (प्रारंभिक व्यापार प्राप्य + अंतिम व्यापार प्राप्तियां)/2]	Average Accounts Receivable [i.e. (Opening trade receivables + Closing trade receivables)/2]	6,178.3	6,656.8	1.11	0.79	40.96%		
(g)	व्यापारिक देय टर्नओवर अनुपात (समय में)	Trade Payables Turnover Ratio (in times)	नेट क्रेडिट खरीद [जैसे सकल क्रेडिट खरीद माइनस खरीद वापसी] या कुल खरीदारी [यदि क्रेडिट खरीद का विवरण उपलब्ध नहीं है]	Net credit purchases [i.e. gross credit purchases minus purchase return] OR Total purchases [if details of credit purchases not available]	7,051	5,492	औसत व्यापार देय [जैसे (प्रारंभिक व्यापारिक देय + अंतिम व्यापारिक देय)/2]	Average Trade Payables [i.e. (Opening trade payables + Closing trade payables)/2]	5,032.3	5,895.1	1.40	0.93	50.40%		

(h)	नेट कैपिटल टर्नओवर अनुपात (समय में)	Net Capital Turnover Ratio (in times)	शुद्ध बिक्री [जैसे कुल बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न]	Net Sales [i.e. total sales minus sales returns]	6,887	5,264	औसत कार्यशील पूंजी [जैसे {(वर्तमान संपत्ति खोलना - वर्तमान देनदारियों को खोलना) + (वर्तमान अंतिम चालू परिसम्पत्तियां - चालू देनदारियों को बंद करना) }/2]	Average Working Capital [i.e. {(opening current assets - opening current liabilities) + (closing current assets - closing current liabilities) }/2]	4,831.6	4,770.2	1.43	1.10	29.16%		
(i)	शुद्ध लाभ अनुपात (प्रतिशत में)	Net Profit Ratio (in percentage)	कर पश्चात शुद्ध लाभ	Net Profit after Tax	-674	64	शुद्ध बिक्री [जैसे कुल बिक्री माइनस सेल्स रिटर्न]	Net Sales [i.e. total sales minus sales returns]	6,887.0	5,264.3	-9.79%	1.22%	-904.39%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में कमी के कारण.	Due to decrease in revenue from operations in the current year.
(j)	नियोजित पूंजी पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Capital employed (in percentage)	ब्याज और कर पूर्व आय [जैसे कर पूर्व शुद्ध लाभ + वित्त लागत]	Earning before interest and taxes [i.e. Net profit before tax + finance costs]	-674	65	नियोजित पूंजी [जैसे वास्तविक नेट वर्थ + कुल ऋण + आस्थगित कर देयता]	Capital Employed [i.e. Tangible Net Worth + Total Debt + Deferred Tax Liability]	2,175.6	2,849.6	-30.98%	2.29%	-1453.41%	चालू वर्ष में परिचालन से राजस्व में कमी के कारण.	Due to decrease in revenue from operations in the current year.
(k)	निवेश पर रिटर्न (प्रतिशत में)	Return on Investment (in percentage)	अवधि के अंत में बाजार मूल्य - अवधि की शुरुआत में बाजार मूल्य - नकदी प्रवाह, नकदी आउटफ्लो का योग	Market Value at end of period - Market Value at beginning of the period - Sum of cash inflow, cash outflow	लागू नहीं NA NA	लागू नहीं NA NA	अवधि की शुरुआत में बाजार मूल्य + [वजन शुद्ध नकदी प्रवाह X नकदी प्रवाह, आउटफ्लो का योग	Market Value at beginning of the period + Sum of [weight net cash flows X Cash inflow, outflow	लागू नहीं NA NA	लागू नहीं NA NA	लागू नहीं NA NA	लागू नहीं NA NA	लागू नहीं NA NA		

टिप्पणी – 59.

पिछले वर्ष की राशियों का इस वर्ष की प्रस्तुतियों के साथ करने के लिये जहां लागू हो, वहां पुनः वर्गीकरण कर दिया गया.

वित्तीय विवरणों पर हस्ताक्षर

सी.बी.छाजेड़ एंड कं की ओर से
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
(एफआरएन 101796W)

सी.पी. भाटिया
पार्टनर
एम. नं. 045210
UDIN –
21045210AAAAFI2115

स्थान – मुम्बई
दिनांक – 28.09.2022

बोर्ड के लिए बोर्ड की ओर से

रविंद्र भाकर
प्रबंध
निदेशक
डीआईएन नं
09452149

राजेश कन्ना
निदेशक
डीआईएन नं
08680883

सुमोना मजूमदार
कम्पनी सचिव
स.क्र. एफसीएस 8043

Note – 59.

Previous year figures have been re-classified to confirm with current year presentation, wherever applicable.

Signature to Notes
Financial Statements

For C. B. Chhajed & Co.,
Chartered Accountants
(FRN 101796W)

(C. P. Bhatia)
Partner
M. No. 045210
UDIN –
21045210AAAAFI2115

Place – Mumbai
Dated – 28.09.2022

For and on behalf of Board

Ravinder Bhakar
Managing
Director
DIN No.
09452149

Rajesh Kanna
Director
DIN No. 08680883

Sumona Majumdar
Company Secretary
M. No. FCS 8043

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड
के सदस्यों के लिये
वित्तीय वक्तव्यों के लेखा परीक्षण पर पर रिपोर्ट

सशर्त राय

हमने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के संलग्न वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिनमें के 31 मार्च 2021 को तथा उसी तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के तुलनपत्र, लाभ-हानि लेखे तथा रोक़ड़ प्रवाह विवरण, साथ ही महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी शामिल है.

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के योग्य राय अनुभाग के आधार में वर्णित मामले के संभावित प्रभावों को छोड़कर, उपरोक्त वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित जानकारी को आवश्यक तरीके से देते हैं और 31 मार्च, 2022 को कंपनी के मामलों की स्थिति उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उसके हानि और रोकड़ प्रवाह के बारे में भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं.

सशर्त राय का आधार

(क) विविध देनदारों के कुल शेषों की वसूली, ऋण एवं अग्रिमों तथा चालू देयताएं जिनमें कुछ शेष आयकर, सेवाकर, वैट, जीएसटी से संबंधित हैं, इनमें पिछले कुछ वर्षों की बकाया देनदरियां भी शामिल हैं. में से कुछ की पुष्टि होनी है और यदि कुछ हो तो तत्परिणामस्वरूप समंजन होना है. इसका यदि कोई वित्तीय परिणाम हो तो उसका अनुमान नहीं लगाया जा सका है. (देखिये नोट संख्या 26).

(ख) सन 1991 में कुछ अचल संपत्तियों को गिरवी रख देने से प्राप्त जो ₹30 लाख तीन पार्टियों के पास रख दिया गया था, उसके संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया. पार्टियों ने यह जमा राशि लौटाई नहीं और तत्संबंधी प्रतिभूतियों को परिसमाप्त (लिक्विडेट) भी नहीं किया गया. इस जमा राशि की वापसी के लिये कॉपोरेशन ने इन पार्टियों के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही प्रारंभ की और दो पार्टियों के साथ इस मध्यस्थता कार्यवाही का फैसला उन्हें जमाराशि में से ₹ 18 लाख वापस करने के निर्देश के रूप में कॉर्पोरेशन के पक्ष में हुआ. बाकी बची ₹12 लाख की राशि के बारे में मध्यस्थता कार्यवाही अभी चल रही है. (देखें संदर्भ नोट 35).

(ग) गैर सरकारी लोगों से जो ऋण 3 साल की अवधि तक वसूल नहीं हो पाते उनके लिए कंपनी ने नियमित चलन के तौर पर बुरे ऋण या संदेहास्पद ऋण का प्रावधान किया है. कुल ₹ 6240.52 लाख (प्रोविजन का नेट) में ₹ 4317.51 लाख उन सरकारी विभागों/ एजेंसियों की ओर बकाया हैं जो 3 साल की अवधि से भी ज्यादा बकाया हैं. इन्हें कंपनी द्वारा ठीक माना गया था अत: इनके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया. इसके अलावा, दूरदर्शन के साथ वसूली को लेकर विवाद चल रहा है. केंद्र सरकार ने इस विवाद को निपटाने के लिए मध्यस्थ की नियुक्ति की है. इस चलन के मुताबिक अब तक कंपनी की ओर से कोई प्रावधान नहीं किया गया है. तथ्य यह है कि ऋण 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया हैं, प्राप्तियों की पुष्टि अधिकांश मामलों में उपलब्ध नहीं है और सरकारी देनदारों की प्रतिक्रिया इस तरह के ऋणों का भुगतान करने की इच्छा को इंगित करने के लिए सकारात्मक नहीं है, ऐसे ऋणों की वसूली पर एक महत्वपूर्ण संदेह पैदा करता है. इसलिए कंपनी को इन सरकारी ऋणों के संबंध में नीति निर्धारित करने और इनकी वसूली के बारे में वास्तविक प्रस्तुतिकरण की आवश्यकता है. इसके अभाव में इस तरह के कर्जदारों से की गई किसी भी तरह की लिखत पढ़त को, जिसमें यह स्पष्ट हो कि उन्हें कर्ज अदायगी के लिये कितना समय दिया जाय, हम इस तरह के प्रावधानों को लेकर कोई निर्धारण करने में असमर्थ हैं.

Independent Auditor's Report

To the Members of
National Film Development Corporation Limited
Report on the Audit of the Financial Statements

Qualified Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of National Film Development Corporation Limited (the "Company"), which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2022, the Statement of Profit and Loss, and Statement of Cash Flows for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the possible effects of the matter described in the Basis of Qualified Opinion section of our report, the aforesaid Financial Statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at March 31, 2022, its loss, and its cash flows for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

(a) The Balances in Sundry Debtors, Loans and Advances, Deposits and Current Liabilities including few balances in respect of Income Tax, Service Tax and GST are subject to confirmation, reconciliation and consequential adjustment, if any, on the reconciliation. The financial impact, if any, is unascertained. (Refer Note 26)

(b) No provision is made in respect of deposit of ₹ 30 Lacs placed with three parties in 1991 which are secured against mortgage of certain immovable properties. These parties have not refunded the deposits and the relevant securities are not liquidated. The Company has initiated arbitration proceedings against the parties for recovery of deposits and Arbitration awards have been made in favour of the Company in March 2007 for two parties for recovery of deposit of ₹ 18 Lacs, however still the payments have not been recovered due to pending proceedings in High Court. For the balance amount of ₹ 12 Lacs arbitration proceedings are still continuing. (Refer Note No 35)

(c) As mentioned in Note 44, the company is making provision for bad and doubtful debt for any debts outstanding for more than 3 years, in respect to non-government debtors as a regular practice. The total trade receivables of ₹ 6240.52 Lakhs (net of provision) includes debtors for a sum of ₹ 4317.51 Lakhs pertaining to government department/ agencies which are outstanding for the period more than 3 years and these were considered good by the company, and for which no provision is being made; further, there is an on-going dispute with Door-Darshan on recoverability (The Central Government has appointed an arbitrator to resolve the dispute) of dues, yet as a practice, no provision is being made by the company. The facts that debts are outstanding for more than 3 years, confirmations of receivables are not available in most of the cases and there is no response from government debtors to the reminders sent by the company; raise a significant doubt on recoverability of such debts. Therefore the company needs to adopt a policy for making provisions in respect to such government debts and a realistic presentation of recoverables should be made. In absence of any concrete outcome of correspondence with such debtors, so as to show the quantum and time by which such debts shall be paid, we are unable to quantify the amount of such provision to be made.

(घ) जैसा कि नोट 45 में उल्लेख किया गया है, कंपनी के कुल व्यापार देय ₹ 5035.45 लाख में 3 साल से अधिक की बकाया राशि ₹ 2463.85 लाख तक शामिल है. जैसा कि पूर्वोक्त नोट में उल्लेख किया गया है, ये भुगतान अंतिम ग्राहकों से प्राप्य राशि के अनुरूप हैं और इस प्रकार उसमें बताए गए कारण के लिए, व्यापार देय राशि वापस नहीं लिखी जाती है. अंत ग्राहकों से व्यापार प्राप्तियों की वसूली के किसी भी ठोस सबूत और प्रमाण के अभाव में, हम इस तरह के भुगतानों की संभावना और हिस्से का न्याय करने में असमर्थ हैं और ऐसे लेनदारों की राशि को वापस लिखा जाना है, यदि कोई हो.

(ड़) ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम ₹ 3255.65 लाख, फिल्म निर्माण के लिए अग्रिम ₹ 2433.05 लाख और अन्य अग्रिम ₹ 50.57 लाख जैसा कि नोट 8 में बताया गया है "अन्य मौजूदा देनदारियों" में कई अग्रिम शामिल हैं जो 1 वर्ष से अधिक बकाया हैं. उसी प्रकार नकद या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अग्रिम ₹ 1230.58 लाख और फिल्मों के निर्माण के लिए अग्रिम ₹ 184.97 लाख, जैसा कि नोट 16 "अल्पकालिक ऋण और अग्रिम" में बताया गया है, में एक वर्ष से अधिक बकाया प्राप्तियां भी शामिल हैं. जैसा कि हमें सूचित किया गया है, ये अग्रिम उन चालू परियोजनाओं के संबंध में हैं जो अभी तक पूरी नहीं हुई हैं, हालांकि, सत्यापन के लिए ऐसे अग्रिमों की परियोजना-वार सूची हमें प्रदान नहीं की गई है. परियोजनावार विवरण और इसके मिलान के अभाव में, हम वित्तीय प्रभाव का पता लगाने तथा प्रावधान की राशि यदि कोई हो, की मात्रा निर्धारित करने में असमर्थ हैं.

(घ) नोट 16 अल्पावधि ऋण और अग्रिमों में सेवा कर/जीएसटी भुगतान शामिल है जिसमें प्राप्त अग्रिमों पर जीएसटी भुगतान और जीएसटी इनपुट क्रेडिट शामिल हैं. वर्ष के दौरान, कंपनी ने जीएसटी रिटर्न के साथ ऐसे जीएसटी इनपुट क्रेडिट के मिलान की प्रक्रिया शुरू की है और ग्राहकों से प्राप्त अग्रिमों के खिलाफ अग्रिमों पर भुगतान किए गए बकाया जीएसटी का आलेख बनाया है. हालांकि, जैसा कि ऊपर बिंदु (ई) में उल्लेख किया गया है, ऐसे अग्रिमों का परियोजना-वार विवरण हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है. पूर्ण सामंजस्य के अभाव में, हम वित्तीय प्रभाव का पता लगाने और प्रावधान की राशि की मात्रा यदि कोई हो, निर्धारित करने में असमर्थ हैं.

(छ) जैसा कि नोट 34 में उल्लेख किया गया है, कंपनी को कुछ आपूर्तिकर्ताओं से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम) के तहत उनकी स्थिति और सूक्ष्म और लघु उद्यम 31 मार्च 2022 तक रु.1365.00 लाख है. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, खरीददार उसके और आपूर्तिकर्ता के बीच लिखित रूप से सहमत होने की तारीख पर या उससे पहले भुगतान करेगा या, जहां इस संबंध में कोई समझौता नहीं है, नियत तिथि से पहले जो किसी भी स्थिति में 45 दिन से अधिक नहीं होगा. विलंबित भुगतान के मामले में, कंपनी बैंक दर के तीन गुना चक्रवृद्धि ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है. 31 मार्च 2022 तक, 45 दिनों से अधिक बकाया ऐसे सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय व्यापार राशि रू 349.01 लाख थी और 31 मार्च 2022 तक ऐसे बकाया देय पर देय ब्याज ₹ 157.46 लाख था. इसके अलावा इस वर्ष तथा पिछले वर्ष के दौरान भुगतान के मामले में 45 दिनों से अधिक का विलंब हुआ था जिस पर एमएसएमईडी अधिनियम के तहत ब्याज भी देय है और 31 मार्च, 2022 तक बकाया संचित ब्याज ₹ 385.36 लाख था. तथापि, उक्त नोट में बताए गए कारण के लिए, कंपनी ने लेखा पुस्तकों में इस तरह के ब्याज के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है.

बुनियादी लेखा परीक्षण मामले

बुनियादी लेखा परीक्षण मामलों में वे मामले आते हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णयों में हमारे करंट वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण में अत्यधिक महत्व के होते हैं. वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण में तथा इन पर अपनी राय कायम करने में इन्हें समग्र रूप में संबोधित किया गया है.इस संबंध में अलग से कोई राय जाहिर नहीं की गई है.

(d) As mentioned in Note 45, the company's total trade payables of ₹ 5035.45 Lakhs include amounts outstanding beyond 3 years to the extent of ₹ 2463.85 Lakhs. As mentioned in the aforesaid notes, these payables are corresponding to the receivables from the end customers and thus for the reason stated therein, the trade payables are not written back. In absence of, any concrete evidence of recoverability of the trade receivables from the end customers and quantum thereof, we are unable to judge the posibility and quantum of such payables and quantify the amount of such creditors to be written back, if any.

(e) Advances received from Customers ₹ 3255.65 Lakhs, Advance for Production ₹ 2433.05 Lakhs and other advances ₹ 50.57 Lakhs as disclosed in Note 8 "Other current liabilities" include several advances which are outstanding beyond 1 year. Similarly advances recoverable in cash or kind ₹ 1230.58 Lakhs and advances for production of films ₹ 184.97 Lakhs as disclosed in note 16 "Short term loans and advances" also include receivables which are outstanding beyond 1 year. As informed to us, these advances are in respect of ongoing projects which are not yet completed, however, the project-wise list of such advances are not provided to us for verification. In absence of project wise details and its reconciliation, we are unable to ascertain the financial impact and quantify the amount of provision, if any.

(f) Note 16 short term loans and advances includes service tax/ GST paid which consists of GST paid on advances received and GST input credit. During the year, the Company has initiated the process of reconciliation of such GST input credit with the GST Returns and mapped the outstanding GST paid on advances against the advances received from the customers. However, as mentioned in point (e) above, the project-wise details of such advances are not made available to us. In absence of complete details and reconciliation, we are unable to ascertain the financial impact and quantify the amount of provision, if any.

(g) As mentioned in Note 34, the Company has received intimation from few Suppliers regarding their status under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 (MSMED Act) and the amounts unpaid as at the year-end to the micro and small enterprises as on 31-March-2022 is ₹ 1365.00 lakhs. As per section 15 of MSMED Act, the buyer shall make payment therefore on or before the date agreed upon between him and the supplier in writing or, where there is no agreement in this behalf, before the appointed day which shall in no case exceed 45 days. In case of delayed payments, the company is liable to pay compound interest at three times the bank rate. As on 31-March-2022, the trade payables towards such micro and small enterprises outstanding beyond 45 days was amounting to ₹ 349.01 Lakhs and interest payable on such outstanding payables till 31-March-2022 was ₹ 157.46 Lakhs. Further, in case of payments during the year and previous year, there were dealys beyond 45 days, on which also interest is payable under the MSMED Act and the accumulated accrued interest remaining unpaid as on 31-March-2022 was ₹ 385.36 Lakhs. However, for the reason stated in the aforesaid note, the Company has not made any provision for such interest in the books.

Key Audit Matters

"Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the Financial Statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारी लेखा परीक्षण रिपोर्ट में ऊपर दिए गए सशर्त राय का आधार में वर्णित के अतिरिक्त कोई भी उल्लेखनीय मामले नहीं हैं.

वित्तीय वक्तव्यों पर प्रबंधन का दायित्व

इन वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने का दायित्व कंपनी के निदेशक मंडल का है जिनमें कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख कंपनी एक्ट 2013 (द एक्ट) के सेक्शन 134 (5) के अंतर्गत किया गया है. इस दायित्व में डिजाइन, परिपालन तथा आंतरिक नियंत्रणों की देखभाल आदि इस प्रकार शामिल हों जो विवरणों का सच्चा तथा समुचित परिदृश्य प्रस्तुत करें, जिसमें धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न कोई गलतबयानी न हो. साथ ही ये भारत में आमतौर पर अपनाये जाने वाले लेखा मानकों के अनुरूप हों जिनमें लेखाओं के वे मानक शामिल हों जिनका उल्लेख एक्ट के सेक्शन 133 में है जिसे कंपनी (अकाउंट्स) नियम 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाय, इस उत्तरदायित्व में एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप लेखाओं के समुचित रिकॉर्ड्स रखना भी शामिल है जिनसे कि कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा की जा सके और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोका जा सके एवं उनका पता लगाया जा सके ; समुचित लेखा परीक्षण प्रणालियों का चुनाव करके उन्हें लागू किया जा सके ; तर्कसंगत निर्णय और अनुमान लगाये जा सकें ; समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के तरीके सोच कर उन्हें लागू किया जा सके जिनसे लेखाओं के रिकॉर्ड्स की शुद्धता तथा संपूर्णता सुनिश्चित की जा सके, जिनकी सहायता से सच्चे एवं निष्पक्ष वित्तीय विवरण तैयार किये जा सकें जो धोखाधड़ी या फिर भूलचूक से उत्पन्न भ्रांतिपूर्ण विवरणों से मुक्त हों.

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में यह प्रबंधन का उत्तरदायित्व है कि वह कंपनी के आगे चलते रह सकने की संभावनाओं का अनुमान लगा सके. उसे वे मामले उजागर करने चाहिएं जो किसी कंपनी के आगे चलते रह सकने की संभावनाओं के लिए आवश्यक होते हैं. उसे अकाउंटिंग बेसिस के लिए भी कंपनी की आगे चल सकने की क्षमताओं का आकलन करना चाहिए. अगर प्रबंधन कंपनी को बंद करना चाहता हो या लीज ऑपरेशंस समाप्त करना चाहता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प नहीं है.

निदेशक मंडल का यह भी दायित्व है कि वह कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर नजर बनाए रखे.

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के लिए लेखा परीक्षकों के दायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से सामग्री के गैर कथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल है. उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित एक लेखा परीक्षण हमेशा मौजूद होने पर किसी सामग्री के गलत विवरण का पता लगाएगा. गलतियाँ धोखाधड़ी या त्रुटि और मानी जाने वाली सामग्री से उत्पन्न हो सकती हैं, अगर, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, तो इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की अपेक्षा की जा सकती है.

एस ए की अनुरूपता के अनुकूल लेखा परीक्षण के एक भाग के तौर पर हम पेशेवर निर्णय लागू करते हैं और पूरे लेखापरीक्षण में पेशेवर संशयात्मकता बनाए रखते हैं. साथ ही हम –

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत होने के जोखिम को पहचानें और उनका आकलन करें, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी ऑडिट प्रक्रियाओं को डिज़ाइन और निष्पादित करें, और लेखा परीक्षण प्रमाण प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो. धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की ओवरराइड शामिल हो सकती है.

We have determined that there are no key audit matters to communicate in our report except for the matters described in the Basis for Qualified Opinion section above."

Responsibility of Management for the Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in Section 134(5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation and presentation of these Financial Statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance, changes in equity and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Act read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the Financial Statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the Financial Statements, management is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Company or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors is also responsible for overseeing the Company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the Financial Statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also –

- Identify and assess the risks of material misstatement of the Financial Statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- लेखा परीक्षण मे प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी हासिल करते हैं जिससे लेखा परीक्षण की वह प्रक्रिया निर्धारित की जा सके जो परिस्थितिओं के अनुसार उपयुक्त साबित हो. कंपनीज एक्ट 2013 के सेक्शन 143 (3) (i) के अंतर्गत हम पर इस बात के लिए भी अपनी राय प्रकट करने की जिम्मेदारी है कि क्या कंपनी में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली सही तरीके से काम कर रही है और सभी नियंत्रण प्रभावी हैं.

- अकाउंटिंग की जो नीतियां अपनाई जा रही हैं, उनकी तथा अकाउटिंग अनुमानों केऔचित्य एवं प्रबंधन की ओर से प्रस्तुत खुलासों की उपयुक्तता एवं तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना.

- प्रबंधन द्वारा किए जा रहे अकाउंटिंग आधार की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालना तथा लेखापरीक्षण के लिए प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर यह जांचना कि क्या घटनाओं या परिस्थतियों से जुड़ी ऐसी कोई वस्तुगत अनिश्चितता मौजूद है जिससे कंपनी की आगे कार्य करते रह सकने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा होता हो. अगर हमारा निर्णय यह हो कि वस्तुगत अनिश्चितता विद्यमान है तो हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने लेखा परीक्षण के वित्तीय विवरण में इस संबंधित खुलासे की ओर ध्यान आकर्षित करें या फिर अगर इस प्रकार के खुलासे अपर्याप्त हों तो अपनी राय बदलें. हमारे नतीजे हमारे लेखा परीक्षण की तारीख तक हमें मिले साक्ष्यों पर आधारित हैं. लेकिन संभवत:,आगे आने वाली घटनाएं या परिस्थितियां कंपनी को अपनी गतिविधियां समाप्त करने पर मजबूर कर सकती हैं.

- वित्तीय विवरणों की कुल प्रस्तुतिकरण, संचरना तथा सामग्री का मूल्यांकन करना जिसमें खुलासे भी शामिल हों, और यह देखना कि वित्तीय विवरण बुनियादी लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व इस तरह करते हों जिससे साफ सुथरे प्रस्तुतिकरण की छवि उजागर हो.

  हम उन सब के साथ भी बातचीत करते हैं जिन पर अन्य मामलों के अलावा सुनियोजित व्यापकता तथा लेखा परीक्षण के समय को लेकर तथा आंतरिक नियंत्रणों के उन महत्वपूर्ण निष्कर्षों या महत्वपूर्ण कमियों को लेकर जो हमने लेखा परीक्षण के दौरान स्पष्ट किए, अभिशासन के संबंध में आरोप लगते हैं.

  जिन पर अभिशासन के संबंध में आरोप लगते हैं, हम उन्हें वह विवरण भी उपलब्ध कराते हैं जो हमने प्रासंगिक, नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप संकलित किया हो. हम उन्हें उन सभी संबंधों सहित, जिनके बारे में यह समझा जा सकता हो कि वे हमारे स्वतंत्र विचार चिंतन पर असर डाल सकते हैं, और जहां उपयुक्त हो वहां संबंधित बचाव संसूचित करते हैं.

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि केंद्रीय भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम परिवर्तित एवं संशोधित, सेक्शन 143 की उपधारा (11) के अनुसार आवश्यक है, कंपनी (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश 2016 (द ऑर्डर) के संबंध में हम उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 तथा 4 में उल्लिखित विषयों पर अनुलग्नक ए, संलग्न कर रहे हैं.

2. जैसा कि नियम की धारा 143 (3) में अपेक्षित है, हम उपरोक्तानुसार रिपोर्ट करते हैं कि –

   क. हमने वे सारी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये जो हमारी संपूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षण के लिये आवश्यक थे.

   ख. हमारी राय में कंपनी द्वारा रखे गये वे सब खाते तथा बहियां, जो कानून के अनुसार आवश्यक हैं, उचित ढंग से तैयार करके रखे गये हैं. बही खातों की जांच से हमें यही अनुभूति हुई.

   ग. इस रिपोर्ट के साथ जिस तुलनपत्र तथा लाभ हानि के विवरण तथा रोक़ड प्रवाह से वास्ता रहा, उसका बही खातों से सामंजस्य था.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3) (i) of the Companies Act, 2013, we are also responsible for expressing our opinion on whether the company has adequate internal financial controls system in place and the operating effectiveness of such controls.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the Financial Statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the Financial Statements, including the disclosures, and whether the Financial Statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

  We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

  We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1 As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2020 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Act, we give in the Annexure "I", a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the Order, to the extent applicable.

2 As required by section 143(3) of the Act, we report that –

a. we have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

b. in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as appears from our examination of those books;

c. the Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss and the Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account;

घ. सशर्त राय के आधार पैराग्राफ मे उल्लिखित मामले को छोड़ कर, हमारी राय के अनुसार इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र तथा लाभ हानि खाते तथा रोक़ड प्रवाह मानक लेखाओं के अनुरूप हैं जिनका जिक्र कंपनी अधिनियम 1956, जिसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के जनरल परिपत्र 15/2013 दिनांक 13 सितंबर 2013 के साथ कंपनी अधिनियम 2013 के धारा 133 के साथ पढ़ा जाय, में है.

ड़. कंपनी एक सरकारी कंपनी है जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) में परिभाषित है और 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या 463 (ई) के तहत अधिनियम की धारा 164 (2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं. सरकारी कंपनी. तदनुसार, अधिनियम की धारा 164 (2) के अनुसार किसी भी निदेशक को 31 मार्च, 2022 को निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से अयोग्य ठहराए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है.

च. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के कारण कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इस प्रकार के नियंत्रणों की प्रभावशीलता के लिए कृपया "अनुलग्नक II" में हमारी अलग से दी गई रिपोर्ट देखें.

छ. कंपनी के (लेखा परीक्षण और लेखा परीक्षकों) नियम 2014 के रूल 11 के अनुरूप हमारी राय और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार वे अन्य मामले जो लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किये जाने चाहिएं –

(i) कंपनी ने अपने वित्तीय विवरण में अपने लंबित मुकदमों का जिक्र किया है. देखिये – वित्तीय विवरणों का संदर्भ नोट 25.

(ii) कंपनी ने डेरीवेटिव अनुबंधों समेत कोई दीर्घकालीन अनुबंध नहीं किये हैं जिनमें भविष्य में हानि होने की कोई संभावना उत्पन्न होने की आशंका हो.

(iii) ऐसे कोई राशि नहीं पाए गये जिन्हें कंपनी द्वारा इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में स्थानांतरित करने की आवश्यकता हो.

iv. (क) प्रबंधन ने निवेदन किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अलावा, जैसा कि लेखाओं के टिप्पणियों में निर्दिष्ट किया गया है, कोई भी निधि अग्रिम या ऋण या निवेश नहीं किया गया है (उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत से) कंपनी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) में, विदेशी संस्थाओं सहित ("मध्यस्थ"), इस समझ के साथ मध्यस्थ के चाहे अनुसार लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार या निवेश करेगा ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा के समान प्रदान करना.

(ख) प्रबंधन ने निवेदन किया है, कि, लेखों की टिप्पणियों में निर्दिष्ट के अलावा, इसके सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) से कोई धन प्राप्त नहीं किया गया है, विदेशी संस्थाओं ("फंडिंग पार्टियां") सहित, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी, जो किसी भी तरीके से या उसकी ओर से पहचानी गई हो. फंडिंग पार्टी ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस समान प्रदान करते हों; तथा

d. except for the matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph, in our opinion, the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss, and Cash Flow Statement comply with the Accounting Standards notified under the Companies Act, 1956 read with the General Circular 15/2013 dated 13th September 2013 of Ministry of Corporate Affairs in respect of section 133 of the Companies Act, 2013;

e. the company is a Government Company as defined in Section 2 (45) of the Companies Act, 2013 and vide Notification No 463(E) dated June 5, 2015, the provisions of Section 164(2) of the Act does not apply to the Government Company. Accordingly, the question of any of the directors being disqualified as on March 31, 2022 from being appointed as a director in terms of Section 164 (2) of the Act does not arise

f. With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in "Annexure II".

g. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us –

(i) the Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its Financial Statements – Refer Note 25 to the Financial Statements;

(ii) the Company did not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses

(iii) there were no amounts which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

iv. (a) the management has represented that, to the best of it's knowledge and belief, other than as disclosed in the notes to the accounts, no funds have been advanced or loaned or invested (either from borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) by the company to or in any other person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Intermediaries"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the Intermediary shall, whether, directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries;

(b) the management has represented, that, to the best of it's knowledge and belief, other than as disclosed in the notes to the accounts, no funds have been received by the company from any person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Funding Parties"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the company shall, whether, directly or indirectly, lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries; and

(ग) लेखा परीक्षण की प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत प्रतिवेदन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) के तहत प्रदान किया गया है, इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण शामिल है.

v. कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई लाभांश घोषित या भुगतान नहीं किया है. तदनुसार, नियम 11 के खंड (एफ) में अपेक्षित धारा 123 के अनुपालन पर रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है.

3. भारत के महालेखाकार तथा नियंत्रक द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में एक्ट के सेक्शन 143 (5) द्वारा आवश्यक रिपोर्ट अलग से "अनुलग्नक III" में दी गई है.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

स्थान – मुंबई
दिनांक –
28.09.2022

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

(c) based on the audit procedures that have been considered reasonable and appropriate in the circumstances, nothing has come to our notice that has caused us to believe that the representations under sub-clause (i) and (ii) of Rule 11(e), as provided under (a) and (b) above, contain any material misstatement.

v. The Company has not declared or paid any dividend during the year. Accordingly, reporting on compliance of Section 123 as required in clause (f) of Rule 11 is not applicable.

3. With respect to the directions issued by Comptroller and Auditor-General of India under section 143(5) of the Act, refer to our separate report in “Annexure III”.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

Place – Mumbai
Dated – 28.09.2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "I"

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैरा 1 के उसी तिथि के संदर्भ में.

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (द कंपनी) के सदस्यों के लिये

1क.(i) कॉर्पोरेशन ने सभी अभिलेखों की साज सम्हाल सही तरीके से की है जिनमें सभी विवरण, व संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की स्थिति भी शामिल है, परिमाणात्मक विस्तार के साथ दिये गये हैं.

(ii) कॉर्पोरेशन ने सभी अभिलेखों की साज सम्हाल सही तरीके से की है जिनमें सभी विवरण, व अचल संपत्तियों की स्थिति भी शामिल है, परिमाणात्मक विस्तार के साथ दिये गये हैं.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी की संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों को वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है और बही रिकॉर्ड और वास्तविक सूची के बीच कोई महत्वपूर्ण विसंगति नहीं देखी गई है. हमारी राय में, सत्यापन की वारंवारता उचित है.

ग. हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार अचल संपत्तियों का टाइटल डीड कंपनी के नाम पर है उन संपत्तियों के अलावा जहां कंपनी एक पट्टेदार है और पट्टे के पक्ष में पट्टे के करार को विधिवत निष्पादित किया जाता है) वित्तीय विवरणों में प्रकटित सिवाय स्पूतनिक में ऑफिस के लिए जगह लेने के जिसमें ग्रॉस ब्लॉक शामिल है (एकत्रित ₹2,76,539), 31 मार्च 2021 को, वहां जहां टाइटल डीड्स पूर्ववर्ती फिल्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम पर हैं जिसका 11 अप्रैल 1980 को कंपनी के साथ विलय कर दिया गया था और हाउसिंग सोसाइटी द्वारा सिर्फ शेयर सार्टिफिकेट एनएफडीसी के पक्ष में जारी किया गया है.

घ. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (संपत्ति का उपयोग करने के अधिकार सहित) अथवा अवास्तविक संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (i)(डी) वर्ष के लिए कंपनी पर लागू नहीं होता है.

ङ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 और उसके तहत बने नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू या लंबित नहीं है.

2क. वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा संपत्ति सूचियों का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया. हमारी राय में सत्यापन की आवृत्ति उपयुक्त है. तथा भौतिक सत्यापन के लिए प्रबंधन द्वारा अपनाई गई कवरेज और प्रक्रिया उचित है. जो सम्पत्ति सूची के प्रत्येक वर्ग के लिए कुल मिलाकर 10% या उससे अधिक थी. संपत्ति सूचियों का प्रत्यक्ष सत्यापन करने तथा बही खातों के साथ मिलान करने पर कोई अनियमितताएं नहीं पाई गईं.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई कार्यपूंजी सीमा नहीं ली/नवीनीकृत नहीं की है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ii) (बी) वर्ष के लिए कंपनी पर लागू नहीं होता है.

3. हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने दूसरी किन्हीं कंपनियों, फर्मों या दूसरी पार्टियों को वर्ष के दौरान, निवेश किया, गारंटी या

Annexure "I" To The Independent Auditors' Report

[Referred to in paragraph 1 of "Report on other legal and regulatory requirements" of our report of even date]

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

1a.(i) The Company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of Property, plant and equipments on the basis of available information.

(ii) The Company has maintained proper records showing full particulars of Intangible assets on the basis of available information.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Property, plant and equipments of the Company have been physically verified by the management during the year and no material discrepancies between the book records and the physical inventory have been noticed. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.

c. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the title deeds of immovable properties (other than properties where the company is a lesee and the lease agreements are duly executed in favour of the lesee) disclosed in the financial statements are held in the name of the company except in case of Office Premises at Sputnik with Gross Block ₹ 2,76,539 as at March 31, 2021, whose title deeds are held in the name of earstwhile Film Finance Corporation Limited, which was amalgamated with the company w.e.f. April 11, 1980 and only share certificate is issued in favour of the Company by the Housing Society.

d. The Company has not revalued its Property, plant and equipment (including right to use assets) or intangible assets during the year. Accordingly, clause (i)(d) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year.

e. In our opinion and according to the information and explanations given to us, there are no proceedings initiated or pending against the Company for holding any benami property under the Prohibition of Benami Property Transactions Act, 1988 and the rules made thereunder.

2a. The inventory has been physically verified by the management during the year. In our opinion, the frequency of verification is reasonable and the coverage and procedure adopted by the management for physical verification is appropriate. No discrepancies were noticed on physical verification of inventory which were 10% or more in aggregate for each class of inventory.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company has not taken/ renewed any working capital limit. Accordingly, clause (ii)(b) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year.

3. In our opinion and according to the information and explanations given to us, during the year, the Company has not made investments, provided guarantee or

सुरक्षा प्रदान की या या ऋण के स्वरूप में अग्रिम,कोई प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋण नहीं दिये हैं. तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (iii) (क) और (iii) (ख) इस वर्ष के लिये कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

4. हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने दूसरी किन्हीं कंपनियों, फर्मों या दूसरी पार्टियों को धारा 185 और 186 के प्रावधानों के अंतर्गत कोई ऋण दिये है अथवा निवेश किया है अथवा न ही कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान करता है नहीं दिये हैं और न ही कोई किया है. तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (iv) कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

5. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने आम जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किये हैं अत: तद्नुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (v) कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

6. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार केंद्रीय सरकार ने कंपनी की गतिविधियों के संबंध में एक्ट की धारा 148 की उपधारा (1) के अंतर्गत अभिलेखों की देखरेख का निर्धारण नहीं किया है. तदनुसार, ऑर्डर के पैराग्राफ 3 की उपधारा (vi) कंपनी पर लागू नहीं होतीं.

7क. हमारी राय में तथा हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकार्ड्स के मुताबिक कंपनी सभी अविवादित देनदारियां अदा करती रही है जिनमें माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सेवाकर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, सेस तथा इस पर लागू होने वाली अन्य वस्तुपरक संवैधानिक देयताएं शामिल हैं.

हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार के संबंध में देय कोई निर्विवाद राशि जैसे माल और सेवा कर, प्रोविडंट फंड, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सेवाकर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर सेस तथा इस पर लागू होने वाली अन्य सामग्री वैधानिक बकाया 31 मार्च 2022 को बकाया थी सामान्यत: उनकी देय तिथि से 6 महीने अधिक.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, तुलन पत्र की तारीख पर माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारियों के राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर और उपकर के बकाये का विवरण जिन्हें किसी विवादित मामलों की वजह से जमा नहीं किया गया, इस प्रकार हैं –

security or granted any loans or advances in the nature of loan, secured or unsecured, to companies, firms, limited liability partnerships or other parties. Accordingly, clauses (iii)(a) to (iii)(f) of paragraph 3 of the Order are not applicable to the Company for the year.

4. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company has not made any investments or given any loans or provided any guarantees or securities to the parties covered under section 185 and 186 of the Act. Accordingly clause (iv) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

5. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not accepted any deposits from the public. Accordingly clause (v) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

6. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Central Government of India has not prescribed the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act for any of the products of the Company. Accordingly, clause (vi) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company for the year.

7a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company is generally regular in depositing the undisputed statutory dues including Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, duty of customs, duty of excise, value added tax, cess and other material statutory dues as applicable with the appropriate authorities.

According to information and explanation given to us, no undisputed amounts payable in respect of Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, customs duty, excise duty, value added tax, cess and other material statutory dues were in arrears as at 31 March 2022 for a period of more than six months from the date they became payable.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the particulars of dues of Goods and Service tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, customs duty, excise duty, value added tax and cess as on Balance Sheet Date which have not been deposited on account of a dispute, are as follows –

संविधि का नाम	देय राशि की प्रकृति	राशि	वह अवधि जिससे राशि उस से संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है
आयकर अधिनियम	आयकर	₹ 160.65 लाख	वर्ष 2012-13	मा. मुम्बई उच्च न्यायालय

Name of the Statute	Nature of Dues	Amount	Period to which the amount relates	Forum where the dispute is pending
Income Tax Act	Income tax	₹ 160.65 Lakhs	A.Y. 2012-13	Hon'ble Bombay High Court

8. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने किसी भी लेन-देन को प्रस्तुत या प्रकट नहीं किया है, वर्ष के दौरान आय के रूप में आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में, खाते की पुस्तकों में आय के रूप में पूर्व में दर्ज नहीं किया गया.

9क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकार्ड्स के मुताबिक कम्पनी ने किसी भी वित्तीय संस्थानों, बैंको, अथवा सरकारी या डिबेंचर धारकों को ऋण के पुनर्भुगतान में चूक नही की है.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकरण द्वारा हेतुपुरस्सर बकायेदार घोषित नहीं किया गया है.

ग. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ix)(सी) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

घ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई किसी भी धनराशि का उपयोग दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया है.

ङ. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और कंपनी के वित्तीय वक्तव्यों की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने किसी संस्था या व्यक्ति से या इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए कोई फंड नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 का खंड (ix) (ई) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

च. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों की गिरवी पर वर्ष के दौरान ऋण नहीं लिया है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (ix)(f) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

10क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार कंपनी ने प्रारंभिक पब्लिक ऑफर या अग्रसर पब्लिक ऑफर के तौर पर जिसमें ऋण दस्तावेज भी शामिल हैं किसी तरह के धन की उगाही नहीं की है. तदनुसार ऑर्डर का क्लॉज 3 (x)(a) कंपनी पर लागू नहीं होता.

ख. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के तथा हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष के दौरान, कंपनी ने शेयरों के कोई प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट या प्राइवेट प्लेसमेंट नहीं किये और न ही पूर्णतः या आंशिक कन्वर्टिबल डिबेंचर्स जारी किये. इस वजह से ऑर्डर के पैरा 3 के क्लॉज (x)(b) इस कंपनी पर लागू नहीं होते

11क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारी रिपोर्ट है कि हमारे लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी द्वारा अथवा उनके अधिकारियों अथवा कर्मचारियों द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है.

8. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not surrendered or disclosed any transactions, previously unrecorded as income in the books of account, in the tax assessments under the Income-tax Act, 1961 as income during the year.

9a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not defaulted in repayment of dues to any financial institution or bank or Government or debenture holders.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not been declared as wilful defaulter by any bank or financial institution or government or government authority.

c. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not taken any term loan during the year. Accordingly, clause (ix)(c) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company.

d. In our opinion and according to the information and explanations given to us, and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that no funds raised on short-term basis have been used for long-term purposes by the company.

e. In our opinion and according to the information and explanations given to us, and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that the company has not taken any funds from any entity or person on account of or to meet the obligations of its subsidiaries, associates or joint ventures. Accordingly, clause (ix)(e) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company.

f. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, we report that the company has not raised loans during the year on the pledge of securities held in its subsidiaries, joint ventures or associate companies. Accordingly, clause (ix)(f) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company.

10a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not raised money by way of initial public offer or further public offer or debt instruments. Accordingly, clause (x)(a) of paragraph 3 of the Order is not applicable to the Company.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not made any preferential allotment or private placement of shares or fully, partially or optionally convertible debentures during the year. Accordingly, clause (x)(b) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

11a. In our opinion and according to the information and explanations given to us, no material fraud by the Company or on the Company by its officers or employees has been noticed or reported during the course of our audit.

ख. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत लेखापरीक्षकों द्वारा कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षकों) के नियम, 2014 केंद्र सरकार के साथ नियम, 13 के तहत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है.

ग. जैसा कि प्रबंधन ने हमें बताया है, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई व्हिसल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है.

12. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार प्रबंधन द्वारा दी गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर, हमारी राय में यह कंपनी निधि कंपनी नहीं है अत: ऑर्डर के प्रावधान पैरा 3 के क्लॉज (xii)(a) से (xii)(c) कंपनी पर लागू नहीं होते.

13. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार और हमारे द्वारा जांचे गये कंपनी के रिकार्ड्स के मुताबिक सभी संबंधित पक्षों के साथ सभी लेनदेन सेक्शन 177 और 178 के प्रावधानों के अनुरूप हैं और जैसा कि मान्य प्रचलित लेखा मानदंडों में आवश्यक माना जाता है. वित्तीय विवरणों में विस्तार दे दिये गये हैं

14क. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास अपने व्यवसाय के आकार और स्वरूप के आनुषंगिक आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है.

ख. हमने लेखापरीक्षा के अंतर्गत अवधि के लिए अब तक जारी की गई कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है.

15. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान डायरेक्टरों अथवा उनसे संबद्ध किन्हीं व्यक्तियों के साथ किसी तरह का नकदी रहित लेनदेन नहीं किया. और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं.

16क. हमारी राय में और हमें दी गयी सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 के सेक्शन 45 IA के अंतर्गत रजिस्टर्ड कराए जाने की आवश्यकता नहीं है. इसी कारण ऑर्डर के पैरा 3 के क्लॉज (xvi)(a) और (xvi)(b) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते.

ख. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी कोर निवेश कंपनी (रिज़र्व बैंक) के दिशा-निर्देश, 2016 में परिभाषित कोर निवेश कंपनी नहीं है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (xvi) (c) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

ग. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के समूह में कोई मूल निवेश कंपनी नहीं है. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 का खंड (xvi)(डी) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

17. लेखापरीक्षा के तहत कवर किए गए वित्तीय वर्ष में कंपनी को 575.62 लाख का नकद घाटा हुआ है. हालांकि इसके पूर्व वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई थी.

18. वर्ष के दौरान वैधानिक लेखापरीक्षकों ने त्यागपत्र नहीं दिया है और तदनुसार आदेश के पैरा 3 का खंड (xviii) कंपनी पर लागू नहीं होता है.

b. According to the information and explanations given to us, no report under sub-section (12) of Section 143 of the Companies Act, 2013 has been filed by the auditors in Form ADT-4 as prescribed under Rule 13 of Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014 with the Central Government.

c. As represented to us by the management, there are no whistle blower complaints received by the company during the year.

12. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company is not a nidhi company. Accordingly, clause (xii)(a) to (xii)(c) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

13. In our opinion and according to the information and explanations given to us and based on our examination of the records of the Company, transactions with the related parties are in compliance with sections 177 and 188 of the Act where applicable and details of such transactions have been disclosed in the financial statements as required by the applicable accounting standards.

14a. In our opinion and according to the information and explanations given to us and based on our examination of the records of the Company, the company has an internal audit system commensurate with the size and nature of its business.

b. We have considered the internal audit reports of the company issued till date, for the period under audit.

15. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the company has not entered into any non-cash transactions with its directors or persons connected with its directors during the year and hence provisions of section 192 of the Companies Act, 2013 are not applicable to the company.

16a. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934. Accordingly, clause (xvi)(a) and (xvi)(b) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

b. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is not a Core Investment Company as defined in the Core Investment Companies (Reserve Bank) Directions, 2016. Accordingly, clause (xvi)(c) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

c. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company does not have any Core Investment Company within its group. Accordingly, clause (xvi)(d) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

17. The Company has incurred cash losses of ₹ 575.62 Lacs in the financial year covered under audit. However it had not incurred any cash loss in the immediately preceding financial year.

18. There has been no resignation of the statutory auditors during the year and accordingly clause (xviii) of paragraph 3 of the order is not applicable to the company.

19. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और वित्तीय अनुपात, पुराने होने तथा वित्तीय संपत्तियों की वसूली की अपेक्षित तारीखों और वित्तीय देनदारियों के भुगतान के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन का हमारा ज्ञान योजनाओं और मान्यताओं का समर्थन करने वाले सबूतों की हमारी जांच के आधार पर, हमारे संज्ञान में कुछ नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो जाता है कि ऑडिट रिपोर्ट की तारीख के अनुसार कोई भी सामग्री अनिश्चितता मौजूद है, वह कंपनी तुलन पत्र की तारीख पर मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है और जब वे तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर आती हैं.

हालांकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के लिए आश्वासन नहीं है. हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देनदारियों का कंपनी द्वारा जब भी देय होने पर निपटान किया जाएगा.

20. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, अधिनियम की धारा 135 "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि उपरोक्त खंड में उल्लिखित मानदंड पूरे नहीं होते हैं. तदनुसार, आदेश के पैरा 3 के खंड (xx)(a) और (xx)(b) कंपनी पर लागू नहीं होते हैं.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

स्थान – मुंबई
दिनांक – 28.09.2022

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

19. According to the information and explanations given to us and on the basis of the financial ratios, ageing and expected dates of realization of financial assets and payment of financial liabilities, other information accompanying the financial statements, our knowledge of the Board of Directors and management plans and based on our examination of the evidence supporting the assumptions, nothing has come to our attention, which causes us to believe that any material uncertainty exists as on the date of the audit report that company is not capable of meeting its liabilities existing at the date of balance sheet as and when they fall due within a period of one year from the balance sheet date.

We, however, state that this is not an assurance as to the future viability of the company. We further state that our reporting is based on the facts up to the date of the audit report and we neither give any guarantee nor any assurance that all liabilities falling due within a period of one year from the balance sheet date, will get discharged by the company as and when they fall due."

20. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the provisions of Section 135 "Corporate Social Responsibility" of the Act does not apply to the company since the criteria mentioned in the aforesaid section are not fulfilled. Accordingly, clause (xx)(a) and (xx)(b) of paragraph 3 of the order are not applicable to the company.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

Place – Mumbai
Dated – 28.09.2022

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "II"

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैरा 2 (एफ) के उसी तिथि के संदर्भ में.

सेवा में,सदस्यगण
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

कंपनी के अधिनियम 2013 (द एक्ट) के धारा 143 के क्लॉज (i) के उप धारा 3 के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट.

हमने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (द कंपनी) के संलग्न वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिनमें के 31 मार्च 2022 को तथा उसी तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के तुलनपत्र, लाभ-हानि लेखे तथा रोकड़ प्रवाह विवरण, साथ ही महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी शामिल है.

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर प्रबंधन का दायित्व

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को संस्थापित करने और फिर उनकी देखरेख करने का दायित्व प्रबंधन का है ये कंपनी द्वारा निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों पर आधारित हों जिनमें कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीत निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अंतर्गत किया गया है. इस दायित्व में डिजाइन, परिपालन तथा आंतरिक नियंत्रणों की देखभाल आदि इस प्रकार शामिल हों जो विवरणों का सच्चा तथा समुचित परिदृश्य प्रस्तुत करें, जिसमें धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न कोई गलतबयानी न हो, कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीत निष्पादन तथा रोकड़ प्रवाह का समुचित परिदृश्य उन लेखा मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया हो जिनका उल्लेख कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत किया गया है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में हमारे लेखा परीक्षण पर राय प्रकट करना है. हम वित्तीय रिपोर्टिंग पर अपना लेखा परीक्षण ऑडिट ऑफ इंटरनल फाइनांशियल कंट्रोल्स के दिशा निर्देश नोट्स (गाइडेंस नोट्स) के प्रावधानों और आईसीएआई द्वारा जारी स्टैंडर्ड्स ऑन एडीटिंग के अनुसार करते हैं जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के 143(10) धारा के अंतर्गत निर्धारित किया गया है. जहां तक वे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण पर लागू होते हैं तथा आईसीएआई द्वारा जारी किये गये है. लेखा परीक्षण के मानदंड आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण के लिए जहां तक लागू हो सकते हों, दोनों ही आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षणों के लिए लागू होते हैं और दोनों ही इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किये गये हैं. वे मानदंड तथा दिशा निर्देश नोट, दोनों ही यह मांग करते हैं कि हम नीति विषयक आवश्यकताओं को मानें. लेखा परीक्षण में हमारी योजना एवं कार्यप्रणाली का लक्ष्य युक्तिसंगत रूप से यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण सुस्थापित हैं या नहीं, उनकी समुचित देखभाल हो रही है या नहीं और ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में लागू हैं या नहीं.

हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग और उनके संचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन प्रक्रियाएं शामिल हैं. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे ऑडिट में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना शामिल है जो एक सामग्री में दोष मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करता है. चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत मूल्यांकन के जोखिम का मूल्यांकन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो.

Annexure "II" To The Independent Auditor's Report

"[Referred to in paragraph 2(f) of "Report on other legal and regulatory requirements"of our report of even date]"

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

Report on the Internal Financial Controls under Clause (i) of Sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of National Film Development Corporation Limited ("the Company") as of March 31, 2022 in conjunction with our audit of the financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Companies Act, 2013.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note") and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Companies Act, 2013, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error.

हमें विश्वास हैं कि हमने जो लेखा परीक्षण प्रमाण प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं.

कंपनी का वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक नियंत्रणों का अर्थ

किसी कंपनी का वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक नियंत्रणों का अर्थ ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग और वाह्य उद्देश्यों के लिए आमतौर पर मान्य लेखा परीक्षणों के सिद्धांतों के तार्किक भरोसे के लिए डिजाइन किया जाता है. वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर किसी कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में वे नीतियां एवं प्रक्रियाएं शामिल होती हैं जो (1) उन रिकॉर्ड्स की देखरेख से ताल्लुक रखती हों जो कंपनी की परिसंपत्तियों के संबंध में सारे क्रियाकलाप तर्कसंगत विस्तार में सही तरीके से प्रतिबिंबित कर सकें. (2). इस बात का समुचित भरोसा दिला सकें कि सभी वित्तीय विवरण लेनदेन के लेखांकन के आमतौर पर प्रचलित सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किये गये हों एवं कंपनी के खर्च तथा प्राप्तियों का विवरण प्रबंधन एवं कंपनी के निदेशकों की प्राधिकृति सहित हों. (3). कंपनी की उन परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण पर रोकथाम अथवा समय पर उसका पता लगा लेना जिनका वित्तीय विवरणों पर आर्थिक प्रभाव पड़ता हो.

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण जिनमें मिलीभगत अथवा अनुपयुक्त प्रबंधन द्वारा नियंत्रणों की अनदेखी की संभावना बनी रहती है, गलती या धोखेबाजी की वजह से सामग्री के संबंध में गलतबयानी की जा सकती है जिसका पता न भी चले. साथ ही आने वाले दिनों के लिए किसी भी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन पर इस बात का खतरा बना रहता है कि बदलती परिस्थितियों या नीतियों की वजह वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त सिद्ध हो जाएं अथवा नीतियों या प्रक्रियाओं में क्षय हो जाय.

राय

हमारी राय में, कंपनी में सभी भौतिक आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था मौजूद है. वित्तीय रिपोर्टिंग पर 31 मार्च 2022 तक आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली ढंग से काम कर रहे थे जो कि कंपनी द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण की कसौटी पर स्थापित किये गये थे जिनमें इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आंतरिक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के दिशा निर्देशों को पूरी तरह समाहित किया गया है.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

स्थान – मुंबई
दिनांक –
28.09.2022

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

A company's internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company's internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that (1) pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company; (2) provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorisations of management and directors of the company; and (3) provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorised acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Opinion

In our opinion, the Company has, in all material respects, an adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at March 31, 2022, based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

Place – Mumbai
Dated – 28.09.2022

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक "III"

अन्य कानूनी तथा नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैरा 3 के उसी तिथि के संदर्भ में.

सेवा में,
राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ("कंपनी")
के सदस्यों के लिये

कंपनी के अधिनियम 2013 ("द एक्ट") के धारा 143 के उप धारा (5) के अंतर्गत भारत के महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक द्वारा जारी दिशा निर्देशों पर रिपोर्ट.

अधिनियम के धारा 143 (5) के अंतर्गत रिपोर्ट कंपनी के रिकॉर्ड्स के सत्यापन और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर हम भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के दिशा निर्देशों पर एक्ट के सेक्शन 143 (5) की शर्तों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के लिये नीचे एक रिपोर्ट पेश कर रहे हैं.

	छानबीन के क्षेत्र	निगरानी/नतीजे
1.	क्या कंपनी के पास सभी तरह के वित्तीय लेनदेन को आईटी सिस्टम द्वारा प्रोसेस करने की समुचित व्यवस्था कार्यरत है? अगर है तो वित्तीय लेनदेन को आई टी सिस्टम के बाहर रखने के वित्तीय प्रभाव को लागू करने के बारे में अगर कोई जानकारी जुटाई गई हो तो उसका विवरण दीजिए.	हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं एवं जानकारियों के अनुसार कंपनी के पास सभी तरह के वित्तीय लेनदेन को आई टी सिस्टम द्वारा प्रोसेस करने की समुचित व्यवस्था है. हमें यह भी बताया गया कि आई टी सिस्टम के बाहर कोई वित्तीय लेनदेन नहीं हैं. इससे वित्तीय विवरणों की सत्यनिष्ठा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता.
2	क्या किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दी गई उधारी/ ऋणों/ब्याज आदि को कंपनी द्वारा ऋण अदा न कर पाने के कारण छोड़ देने/बट्टखाते डाल देने जैसे किन्हीं मामलों को पुनर्गठित किया गया? यदि हां तो उसके वित्तीय प्रभाव का विवरण दीजिए. (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन या ऋण/ऋण/ब्याज की कोई छूट/बट्टे खाते में डालने का कार्य नहीं किया गया था. इसके अलावा कंपनी ऋण व्यवसाय में शामिल नहीं है और तदनुसार एक ऋणदाता के रूप में अनुच्छेद कंपनी पर लागू नहीं होता है.
3	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त फंड्स के नियम तथा शर्तों के अनुरूप उचित रिकॉर्ड्स रखे जाते हैं? जिन मामलों में ऐसा न किया गया हो, उनका विवरण दीजिए.	कंपनी फिल्म निर्माण, वितरण, विकास तथा उन्नयन के काम करती है. साथ ही फीचर और ऑडियो विजुअल फिल्में, मीडिया कैंपेन्स और फिल्म संबंधी सुविधाएं प्रदान करवाने का ऑफिस चलाने जैसे काम भी करती है.

Annexure "III" To The Independent Auditor's Report

"[Referred to in paragraph 3 of "Report on other legal and regulatory requirements" of our report of even date]"

To the members of
National Film Development Corporation Limited (the "Company")

Report on the Directions issued by Comptroller and Auditor-General of India under sub-section (5) of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

Based on the verification of records of the Company and based on information and explanation given to us, we give below a report on the directions issued by the Comptroller and Auditor-General of India for F.Y. 2021-22 in terms of Section 143(5) of the Act

	Areas to be examined	Observation/Finding
1	Whether the company has system in place to process all the accounting transaction through IT system? If yes, the implication of processing of accounting transaction outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implication, if any, may be stated.	In our opinion and according to the information and explanations given to us, system is in place to process all major accounting transaction through IT system. However, we were given to understand that there are no accounting transactions outside IT system, therefore, it does not affect the integrity of the statement of accounts.
2	Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/ write off of debts/loans/ interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated. (In case, lender is a Government Company, then this direction is also applicable for statutory auditor of lender company).	"According to the information and explanations given to us, no restructuring of any existing loan or any waiver/write off of debts/loans/interest was done during the financial year. Further, the Company, being a Government Company, is not involved in lending business and accordingly, the clause as a lender, is not applicable to the company."
3	Whether funds received/ receivable for specific schemes from central/ state agencies were properly accounted for/ utilized as per its terms and conditions? List the cases of deviation.	The Company is engaged in production, distribution, development and promotion of films, including feature and audio-visual films, media campaigns and film facilitation office.

		कंपनी के फिल्म सुविधा कार्यालय को फिल्म निर्माण के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय से "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण" योजना के तहत निधि प्राप्त हुई है. हालाँकि यह देखा गया कि उक्त योजना के तहत कंपनी द्वारा प्राप्त निधि का सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट नियमों और शर्तों के अनुसार कंपनी द्वारा उचित रूप से लेखा किया गया.

		The Film Facilitation Office of the company has received the fund under the scheme of "Production of films in various Indian languages" from The Ministry of Information and Broadcasting for production of films. However, it was observed that the fund received by the company under the said scheme was properly accounted for by the company in accordance with the terms and conditions specified by The Ministry of Information and Broadcasting.

सी.बी.छाजेड़ एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म का रजिस्ट्रेशन नंबर – एफआरएन 101796W

स्थान – मुंबई
दिनांक –
28.09.2022

सी.पी.भाटिया (साझेदार)
सदस्यता सं. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

For C. B. Chhajed & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. – FRN101796W

Place – Mumbai
Dated – 28.09.2022

C. P. Bhatia (Partner)
Membership No. – 045210
UDIN – 22045210AAVWMC2360

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, भारत सरकार की टिप्पणियां

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड का दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों को कम्पनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. भारत के नियंत्रक और महालेखा अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 139 (5) के अंतर्गत वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया है जो अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है. यह दिनांक **28.09.2022 की उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट** में उनके द्वारा किये गये काम को बताया गया है.

मैने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारत सरकार, की ओर से 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए अधिनियम के धारा 143(6) (क) के अंतर्गत **राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड** के वित्तीय विवरणों पर पूरक लेखा परीक्षण संचालित न करने का निर्णय लिया है.

महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक,
भारत सरकार की ओर से

राजीव कुमार पांडे
महालेखा परीक्षक
(केंद्रीय व्यय)

स्थान – नई दिल्ली
दिनांक – 11.11.2022

Comments of The Comptroller And Auditor General of India Under Section 143(6) (B) of The Companies Act, 2013 on The Financial Statements of National Film Development Corporation Limited For The Year Ended 31 March 2022

The preparation of financial statements of **National Film Development Corporation Limited** for the period ended 31 March 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act, based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their **Audit Report dated 28.09.2022.**

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have decided not to conduct the supplementary audit of the financial statements of **National Film Development Corporation Limited** for the year ended 31 March 2022 under section 143 (6) (a) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Rajiv Kumar Pandey
Director General of Audit
(Central Expenditure)

Place – New Delhi
Date – 11.11.2022

Cinemas of India

FILM IN INDIA
फिल्म सुविधाकरण कार्यालय
FILM FACILITATION OFFICE

Film Bazaar
by NFDC

डिस्कवरी ऑफ इंडिया बिल्डिंग, छठी मंजिल, नेहरू सेंटर, डॉ अॅनी बेसंट रोड, वरली, मुम्बई 400 018
Discovery of India Building, Nehru Centre, 6th Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai 400 018
T 91 22 6628 8288 | **F** 91 22 2495 2262 | **E** nfdc@nfdcindia.com
www.nfdcindia.com | www.filmbazaarindia.com | www.cinemasofindia.com | www.ffo.gov.in
CIN U92100MH1975GOI022994 | **GSTIN** 27AAACN3540R1Z3